THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 349 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र कृ.12, 2082 सोमवार, 16 मार्च-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

पश्चिम एशिया संकट पर ब्रिक्स में कैसे बने आम राय

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में जारी तनाव पर भारत ने कहा है कि वह ब्रिक्स का साझा रुख विकसित करने का प्रयास कर रहा है, हालांकि सदस्य देशों के बीच मतभेदों के कारण अब तक आम सहमति नहीं बन पाई है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शनिवार को किसी देश का नाम लिए बगैर कहा कि ब्रिक्स के कुछ सदस्य देश इस संघर्ष में सीधे शामिल हैं, जिसकी वजह से ग्रुप के लिए एक साझा रुख तय करना कठिन हो गया है। ऐसे में ब्रिक्स के मौजूदा अध्यक्ष के रूप में भारत के सामने चुनौती है कि पश्चिम एशिया के इस संघर्ष पर ब्रिक्स का एक साझा रुख कैसे तैयार किया जाए।

पश्चिम बंगाल में 23 और 29 अप्रैल को वोटिंग

तमिलनाडु में 23 अप्रैल, असम-केरल-पुडुचेरी में 9 अप्रैल को वोटिंग, नतीजे 4 मई को

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने रविवार को असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव का ऐलान कर दिया। तमिलनाडु में सिंगल फेज में 23 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। वहीं, बंगाल में दो फेज 23 और 29 अप्रैल को वोटिंग होगी। तीन राज्य केरल, असम और पुडुचेरी में सिंगल फेज यानी 9 अप्रैल को मतदान होगा। पांचों राज्यों का रिजल्ट 4 मई को आएगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया कि पांच राज्यों-यूटी में 17.4 करोड़ मतदाता हैं। यहां 824 सीटों पर चुनाव होने हैं। इन राज्यों में आज से ही आचार संहिता लागू हो गई है। 2021 में इन सभी पांच राज्यों के चुनाव का ऐलान 26 फरवरी को किया गया था। पिछली बार बंगाल में 8 चरणों में चुनाव हुए थे। असम में 3 और तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में सिंगल फेज में वोटिंग हुई थी। पांचों विधानसभाओं का कार्यकाल मई-जून में खत्म हो रहा है।

4 राज्यों में एसआईआर, तमिलनाडु में सबसे ज्यादा नाम कटे

जिन पांच राज्यों में चुनाव होने जा रहे हैं, उनमें एसआईआर के बाद तमिलनाडु से सबसे ज्यादा वोटर्स के नाम कटे हैं। चुनाव आयोग ने बताया कि 27 अक्टूबर 2025 को एसआईआर प्रक्रिया शुरू होने के दौरान राज्य में कुल 6,41,14,587 वोटर थे। करीब चार महीने चली एसआईआर में 74,07,207 लोगों के नाम हटाए गए हैं। राज्य में अब 5,67,07,380 मतदाता पंजीकृत हैं। वहीं पश्चिम बंगाल दूसरे नंबर पर है जहां करीब 58 लाख लोगों के नाम कटे हैं। फिर केरल में 8 लाख, असम में 2 लाख और पुडुचेरी में सबसे कम 77 हजार लोगों के नाम एसआईआर प्रक्रिया के बाद मतदाता सूची से हटाए गए। असम में स्पेशल रिवीजन कराया गया था।

5 राज्यों में चुनौती और मौजूदा स्थिति

पश्चिम बंगाल- 3 बार से ममता बनर्जी ही मुख्यमंत्री :

14 साल से सीएम ममता के सामने बीजेपी मुख्य चुनौती है। 2026 के चुनाव में टीएमसी जीती तो ममता बनर्जी लगातार चौथी बार मुख्यमंत्री बनेंगी। वे ऐसा करने वाली देश पहली महिला होंगी। जयललिता के नाम 5 बार तमिलनाडु की मुख्यमंत्री बनने का रिकॉर्ड है। हालांकि, वह 1991 से 2016 तक अलग-अलग कार्यकाल (लगातार नहीं) में मुख्यमंत्री पद पर रहीं।

तमिलनाडु- भाजपा-कांग्रेस 60 साल से यहां सत्ता में नहीं

आजादी के बाद लगभग दो दशक तक यहां कांग्रेस की सरकार रही। 1967 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस हार गई और इसके साथ ही राज्य की राजनीति में बड़ा बदलाव आया। 1967 के बाद से तमिलनाडु की राजनीति मुख्य रूप से एआईडीएमके और डीएमके के बीच घूमती रही है।

फिलहाल तमिलनाडु में एमके स्टालिन की अगुवाई में डीएमके की सरकार है, जो 2021 के विधानसभा चुनाव के बाद सत्ता में आई। पार्टी ने कांग्रेस, वीसीके और वामपंथी दल के साथ गठबंधन किया है। बीजेपी ने कई चुनावों में एआईडीएमके जैसे दलों के साथ गठबंधन जरूर किया, लेकिन राज्य में उसकी अपनी सरकार नहीं रही।

केरल- दक्षिण का इकलौता राज्य जहां लेफ्ट सत्ता में :

देश का इकलौता राज्य है, जहां आज भी लेफ्ट सत्ता में है। यहां सत्ता बदलने की परंपरा रही है, लेकिन 2021 में वाम मोर्चा (एलडीएफ) ने इस ट्रेंड को तोड़ते हुए लगातार दूसरी बार सरकार बनाई। कांग्रेस गठबंधन की कोशिश इस बार एंटी इनकम्बेंसी को कैश करानी की रहेगी। वहीं, बीजेपी अब तक केरल में एक भी विधानसभा सीट नहीं जीत पाई है। पिछले लोकसभा चुनाव में यहां उसने त्रिशूर लोकसभा सीट जीती थी। इसके अलावा दिसंबर 2025 में भी बीजेपी ने पहली बार त्रिवेंद्रम (तिरुवनंतपुरम) नगर निगम का चुनाव जीता।

असम- कांग्रेस ने किया 8 पार्टियों से अलायंस :

राज्य में 10 साल से भाजपा की सरकार है। पार्टी तीसरे चुनाव की तैयारियों में जुटी है। पीएम मोदी 6 महीने में 3 बार राज्य का दौरा कर चुके हैं। यहां पार्टी ने 126 सीटों में से 100+ सीटें जीतने का टारगेट रखा है। असम में बांग्लादेश, घुसपैठियों/सीमा सुरक्षा, असमिया पहचान जैसे मुद्दे हैं। भाजपा को रोकने के लिए कांग्रेस ने 10 पार्टियों के साथ गठबंधन किया है। इसमें वामपंथी और क्षेत्रीय दल शामिल हैं।

पुडुचेरी- सबसे कम सीटों वाली विधानसभा :

2021 में कांग्रेस सरकार गिरने के बाद एआईएसआरसी-बीजेपी गठबंधन ने सत्ता हासिल की और एन. रंगास्वामी एक बार फिर मुख्यमंत्री बने। यह पहली बार था जब बीजेपी सत्ता में सीधे तौर पर भागीदार बनी। इस बार कांग्रेस डीएमके के साथ गठबंधन में वापसी की कोशिश कर रही है और सरकार गिरने के मुद्दे को एंटी-इनकम्बेंसी में बदलना चाहती है।

'अगर नेतन्याहू जिंदा है, तो हम उसका पीछा करना जारी रखेंगे'

तेहरान, 15 मार्च (एजेंसियां)। ईरान, इजराइल और अमेरिका के बीच का संघर्ष तेजी से पश्चिम एशिया के सबसे खतरनाक संकटों में से एक बन गया है। युद्ध की शुरूआत 28 फरवरी को हुई जब अमेरिकी और इजरायली सेनाओं ने ईरान भर में हवाई हमले किए। इसमें ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई की मृत्यु हो गई। इसी बीच, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर ने एक बयान जारी कर कहा, अगर बच्चों का हत्यारा नेतन्याहू जिंदा है, तो हम उसका पीछा करना जारी रखेंगे।

ईरान के विदेश मंत्री ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट उसके दुश्मनों अमेरिका और इजरायल को छोड़कर सभी देशों के लिए खुला है। न्यूयॉर्क पोस्ट के अनुसार, विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने एमएस नाउ को बताया, यह जलडमरूमध्य केवल हमारे दुश्मनों, हम पर हमला करने वालों और उनके सहयोगियों के टैंकरों और जहाजों के लिए बंद है। बाकी सभी के लिए आवागमन खुला है। उन्होंने आगे कहा, मैं यह कह सकता हूं कि जलडमरूमध्य पूरी तरह से बंद नहीं है, बल्कि यह केवल अमेरिकी, इजरायली जहाजों और टैंकरों के लिए बंद है, बाकी के लिए नहीं।

संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत अमीर सईद इरावानी के अनुसार, ईरान पर हुए अमेरिका-इजरायल के हमलों में 1300 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। इनमें सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई और ईरान के कई शीर्ष अधिकारी भी शामिल हैं।

इरावानी ने अमेरिका और इजरायल पर जान-बूझकर आम नागरिकों को निशाना बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इन देशों ने घनी आबादी वाले रिहायशी इलाकों और महत्वपूर्ण नागरिक बुनियादी ढांचों पर हमले किए हैं। अमेरिका स्थित 'ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी' ने बताया कि मरने वालों की संख्या इससे कहीं ज्यादा हो सकती है। एजेंसी का अनुमान है कि कम से कम 1858 लोग मारे गए हैं, जिनमें आम नागरिक और सैन्यकर्मी, दोनों ही शामिल हैं।

अमेरिका-इजराइल से बातचीत को तैयार ईरान

तेल अवीव/तेहरान, 15 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज 16वां दिन है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने आज कहा कि अगर जंग खत्म करने की ठोस गारंटी मिलती है तो हम अमेरिका-इजराइल से बातचीत को तैयार है।

उनका कहना है कि किसी भी ऐसे प्रस्ताव का स्वागत किया जाएगा जिससे युद्ध खत्म हो सके।

इस बीच खाड़ी देशों ने ईरान से अपने इलाकों पर हमले बंद करने की मांग की है। इससे पहले ईरान की इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू को ढूंढकर मारने की धमकी दी थी। अल जजीरा के मुताबिक, आईआरजीसी ने कहा कि बच्चों का हत्यारा अगर जीवित है, तो पूरी ताकत से उसका पीछा करेंगे और उसे मार देंगे।

पश्चिम बंगाल में पुजारियों-मुअज्जिनों का मानदेय 500 बढ़ा

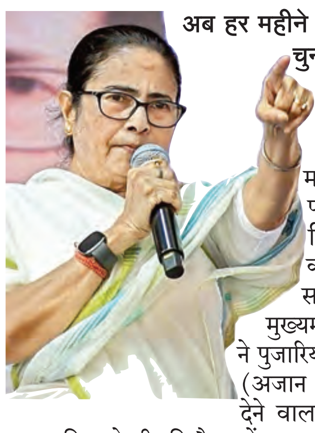

अब हर महीने 2000 मिलेंगे, चुनाव के ऐलान से सवा घंटे पहले ममता का ट्वीट

कोलकाता, 15 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की घोषणा से सवा घंटे पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पुजारियों और मुअज्जिनों (अजान के लिए आवाज देने वाला) के मानदेय में 500 की बढ़ोतरी की है। इन्हें अब हर महीने 2 हजार रुपये मिलेंगे।

सीएम ममता ने रविवार दोपहर एक्स पोस्ट में लिखा- पुजारी और मुअज्जिन समुदायों के आध्यात्मिक और सामाजिक जीवन को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। सरकार ने मानदेय योजना के तहत पुजारियों और मुअज्जिनों की सभी नई आवेदनों को भी मंजूरी दे दी है।

ममता ने लिखा कि हम ऐसा माहौल बनाने पर गर्व करते हैं, जहां हर समुदाय और परम्परा को महत्व दिया जाता है और मजबूत किया जाता है। हमारा प्रयास है कि हमारी समृद्ध आध्यात्मिक विरासत के संरक्षकों को उचित सम्मान और समर्थन मिले।

केजरीवाल को झटका

दिल्ली हाईकोर्ट ने आबकारी नीति मामले में याचिका ट्रांसफर करने से किया इनकार, वजह आई सामने

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस डी.के. उपाध्याय ने पूर्व मुख्यमंत्री और आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल और अन्य लोगों की उस अपील को ठुकरा दिया है, जिसमें उन्होंने एक्साइज पॉलिसी मामले में उन्हें बरी किए जाने के खिलाफ सीबीआई की याचिका को जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा से किसी दूसरे जज को ट्रांसफर करने की मांग की थी।

याचिका ट्रांसफर करने से इनकार :

इस मामले से जुड़े सूत्रों के हलाले से बताया कि जस्टिस उपाध्याय का मानना था कि जस्टिस शर्मा रोस्टर के मुताबिक ट्रायल कोर्ट के फ़ैसले के खिलाफ सीबीआई की याचिका पर सुनवाई कर रही थीं, और प्रशासनिक स्तर पर केस ट्रांसफर करने का कोई कारण नहीं था। चीफ जस्टिस ने साफ किया कि केस से खुद को अलग करने का फैसला संबंधित जज को ही लेना होता है। सीबीआई की याचिका पर सोमवार को जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा के सामने सुनवाई होनी है।

केजरीवाल ने क्या कहा था :

असल में, केजरीवाल ने दिल्ली हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस को एक अर्जी दी थी, जिसमें उन्होंने दिल्ली आबकारी नीति मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की पुनर्विचार याचिका को जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की बेंच से दूसरी बेंच में ट्रांसफर करने की मांग की थी।

केजरीवाल ने दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय को एक पत्र लिखकर दिल्ली आबकारी नीति (एक्साइज पॉलिसी) मामले की सुनवाई किसी दूसरी बेंच को सौंपने की मांग की है।

राहुल गांधी ने पीएम मोदी को लिखी चिट्ठी

कांशीराम को भारत रत्न देने की मांग

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) के संस्थापक कांशीराम को मरणोपरांत भारत रत्न देने की मांग की है। राहुल गांधी ने यह पत्र एक्स पर भी शेयर किया।

राहुल गांधी ने पोस्ट में लिखा कि भारत सरकार से सामाजिक न्याय के महान योद्धा और बहुजन चेतना के मार्गदर्शक मान्यवर कांशीराम जी को भारत रत्न से सम्मानित करने की मांग करता हूं। यह सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान कांशीराम के साथ उस पूरे आंदोलन को श्रद्धांजलि होगा, जिसने करोड़ों बहुजनों को हक, हिस्सेदारी और आत्मसम्मान की राह दिखाई।

'संसद के दरवाजे पर चाय-पकौड़े खाते हैं और विरोध करते हैं'

राहुल गांधी पर जमकर बरसे अमित शाह

गुवाहाटी, 15 मार्च (एजेंसियां)। असम में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी गर्माहट बढ़ गई है। आरोप-प्रत्यारोप की तेज होती सियासत के बीच राजनीतिक पार्टियों ने चुनावी रण में अपनी-अपनी तैयारी भी तेज कर दी है। इसी बीच दो दिवसीय असम दौरे पर पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुवाहाटी में नवनिर्मित प्राग्ज्योतिषपुर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने के लिए कई नई परियोजनाओं की शुरूआत भी की।

इस दौरान अमित शाह ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि संसद देश के लोकतंत्र की सबसे बड़ी संस्था है और वहां इस तरह

का व्यवहार उचित नहीं है। अमित शाह ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी कभी-कभी संसद के दरवाजे पर बैठकर चाय और पकौड़े खाते हैं और विरोध प्रदर्शन करते हैं। उनके अनुसार संसद परिसर ऐसा स्थान नहीं है जहां इस तरह का प्रदर्शन किया जाए। शाह ने कहा कि इससे देश की छवि दुनिया में खराब होती है।

उन्होंने कहा कि विपक्ष को सरकार का विरोध करने और प्रदर्शन करने का पूरा अधिकार है, लेकिन संसद के अंदर चर्चा करने के बजाय इस तरह का तरीका अपनाना सही नहीं है। शाह ने यह भी कहा कि संसद में बहस से बचना और बाहर इस तरह की गतिविधियां करना लोकतांत्रिक परंपरा के खिलाफ है। गृह मंत्री ने कहा कि जब दुनिया भर के लोग भारत की ताकत और युवाओं की क्षमता देखने आते हैं, तब इस तरह के कदम देश की छवि को नुकसान पहुंचाते हैं। उन्होंने कहा कि देश की जनता ऐसे व्यवहार को स्वीकार नहीं करेगी।

उद्घाटन के दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शाह ने पिछली कांग्रेस सरकार पर जमकर निशाना साधा।

राज्यसभा चुनाव : भाजपा ने ओडिशा से 82 विधायक पारादीप भेजे

कांग्रेस के 8 एमएलए बेंगलुरू में रुके, राज्य की 4 सीटों पर आज वोटिंग

भुवनेश्वर, 15 मार्च (एजेंसियां)। ओडिशा में 16 मार्च को होने वाले राज्यसभा चुनाव से पहले भाजपा ने अपने 82 विधायकों को पारादीप भेज दिया है। पार्टी ने प्रदेश अध्यक्ष मनमोहन सामल, सांसद सुजीत कुमार और निर्दलीय उम्मीदवार दिलीप राय के समर्थन में रणनीति बनाने के लिए यह कदम उठाया है।

भुवनेश्वर स्थित भाजपा मुख्यालय में बैठक के बाद मंत्री और विधायक दो लग्जरी बसों से पारादीप के लिए रवाना हुए। पार्टी सूत्रों के मुताबिक सभी विधायक पारादीप में दिलीप राय के होटल में ठहरेंगे। इससे पहले कांग्रेस ने भी अपने आठ विधायकों को बेंगलुरू के वंडरला रिजॉर्ट भेजा था। ओडिशा की चार राज्यसभा सीटों पर चुनाव हो रहा है, जिसमें भाजपा को दो और बीजेडी को एक सीट मिलने की संभावना है। चौथी सीट के भाजपा और बीजेडी प्रत्याशी के बीच मुकाबला होगा। राज्यसभा की 37 सीटों के लिए 10 राज्यों में चुनाव 16 मार्च को होगा और उसी दिन शाम 5 बजे मतगणना होगी।

खाद्य आपूर्ति मंत्री केसी पात्रा और कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने कहा कि 16 मार्च के राज्यसभा चुनाव में भाजपा को चार में से तीन सीटें जीतने का भरोसा है और वोट अमान्य न हों, इसके लिए विधायकों को पारादीप में प्रशिक्षण दिया जाएगा। भाजपा ने डिप्टी चीफ व्हिप पीके देब को मतदान के लिए अधिकृत एजेंट बनाया है। वहीं ओडिशा विधानसभा में शनिवार को मॉक ड्रिल भी हुई, क्योंकि 147 सदस्यीय सदन में 84 विधायक पहली बार चुने गए हैं, इसलिए प्रशिक्षण जरूरी माना गया।

बीजेडी ने संतृप्त मिश्रा को अपना उम्मीदवार घोषित किया है, और बीजेपी ने आगामी राज्यसभा चुनावों के लिए ओडिशा पार्टी प्रमुख मनमोहन सामल और सुजीत कुमार के नाम का ऐलान किया है।

बीजू जनता दल ने गुरुवार को पार्टी के सभी विधायकों के लिए 'थ्री-लाइन व्हिप' जारी किया। इसमें विधायकों को निर्देश दिया गया कि वे भुवनेश्वर में होने वाली पार्टी की बैठकों में अनिवार्य रूप से मौजूद रहें। विधायकों से कहा गया है कि वे 13 और 14 मार्च को नवीन निवास पहुंच जाएं।

ब्रुसेल्स दौरे पर रवाना विदेश मंत्री एस जयशंकर

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर 15-16 मार्च को ब्रुसेल्स के आधिकारिक दौरे पर रवाना हुए। जयशंकर की यह यात्रा यूरोपीय यूनियन की हाई रिप्रेजेंटेटिव और उपाध्यक्ष काजा कल्लास के निमंत्रण पर हो रही है।

ब्रुसेल्स यात्रा के दौरान जयशंकर 27 यूरोपीय यूनियन देशों के विदेश मंत्रियों के साथ फॉरेन अफेयर्स काउंसिल बैठक में शामिल होंगे। साथ ही विभिन्न द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे। यात्रा के दौरान, विदेश मंत्री यूरोपीय संघ के शीर्ष नेतृत्व और बेल्जियम समेत अन्य यूरोपीय संघ के सदस्य देशों के अपने समकक्षों के साथ भी बैठकें करेंगे।

जनवरी के अंत में पीएम मोदी ने इंडिया-ईयू बिजनेस फोरम को संबोधित करते हुए कहा था कि कि पहली बार यूरोपीय यूनियन के लीडर्स, उनका भारत के गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होना, भारत और यूरोपीय यूनियन के बीच भारत के इतिहास का सबसे बड़ा एफटीए संपन्न होना और आज इतने सारे सीईओ के साथ इतने बड़े लेवल पर भारत-यूरोपीय यूनियन बिजनेस फोरम का आयोजित होना, ये सब उपलब्धियां विश्व की दो सबसे बड़ी लोकतांत्रिक शक्तियों के बीच हो रहे अभूतपूर्व एलाइनमेंट का प्रतीक हैं।

बीजेपी ने विजय को ऑफर की डिप्टी सीएम की कुर्सी

और 80 सीटें, टीवीके गठबंधन से बदलेगा तमिलनाडु विधानसभा चुनाव का समीकरण?

चेन्नई, 15 मार्च (एजेंसियां)। तमिलनाडु विधानसभा चुनावों से दिलचस्प मुकाबला देखने को मिल सकता है। कहा जा रहा है कि जल्द ही भाजपा और अभिनेता-राजनेता विजय की पार्टी, तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ सकती है। दोनों दलों बीच बातचीत अंतिम चरण में पहुंच गई है। भाजपा सूत्रों के अनुसार, गठबंधन के चुनाव जीतने की स्थिति में पार्टी ने विजय को उपमुख्यमंत्री पद की पेशकश की है। प्रस्तावित सीट बंटवारे के तहत, भाजपा ने टीवीके को लगभग 80 सीटें देने की भी पेशकश की है। अगर यह कदम अमल में आता है, तो राज्य में चुनावी समीकरण बदल सकते हैं, जहां वोट शेयर में मामूली बदलाव भी अक्सर कड़े मुकाबले वाले निर्वाचन क्षेत्रों का नतीजा तय कर देते हैं। हालांकि, विजयअभी भी मुख्यमंत्री पद पर नजर रखे हुए हैं, जो बातचीत का अहम मुद्दा बना हुआ है। भाजपा अभिनेता-राजनेता विजय और उनकी पार्टी को एनडीए के बैनर तले लाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। भगवा पार्टी विजय से संपर्क साधने के लिए कई माध्यमों का इस्तेमाल कर रही है, जिनकी पार्टी 'तमिलगा वेट्री कज़गम' ने सक्रिय राजनीति में आने के बाद से ही तेजी से सुर्खियां बटोरी हैं।

बीजेपी और टीवीके के बीच जो गठबंधन की बात करवा रहे हैं, वह किसी अन्य राज्य के उपमुख्यमंत्री बताए जा रहे हैं। उनके बारे में माना जाता है कि वे इस संपर्क प्रयास में मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे हैं। भाजपा की विजय में दिलचस्पी मुख्य रूप से तमिलनाडु भर में अभिनेता के विशाल प्रशंसक वर्ग से प्रेरित है। पार्टी रणनीतिकारों का मानना है कि इस समर्थन का एक छोटा सा हिस्सा भी चुनावी नतीजों को काफी हद तक प्रभावित कर

सकता है।

सूत्रों के अनुसार, भाजपा नेताओं का मानना है कि राज्य के कई निर्वाचन क्षेत्रों में सिर्फ दो प्रतिशत वोट भी जीत की दिशा बदल सकते हैं।तमिलनाडु के चुनावी इतिहास में अक्सर जीत का अंतर बहुत कम रहा है, इसलिए वोटों में मामूली बदलाव भी राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हो जाता है।

इधर टीवीके अध्यक्ष विजयदिल्ली पहुंचे हैं। हालांकि भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई ने कहा कि एनडीए को तमिलनाडु में जीतने के लिए किसी भी पार्टी की जरूरत नहीं है। एनडीए मजबूत है और गठबंधन में किसी भी पार्टी की अपेक्षा नहीं करता है। 17 मार्च का विरोध प्रदर्शन (डीएमके सरकार के खिलाफ) इस बात का सबूत है कि हम मजबूत और एकजुट हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन बार आ चुके हैं और चुनाव तिथियों की घोषणा के बाद दो या तीन बार और आएंगे। हम अपने रास्ते पर चल रहे हैं।

टीवीके के उप महासचिव सी टी आर निर्मल कुमार ने टीवीके पदाधिकारियों से अफवाहों पर विश्वास न करने और पार्टी की आधिकारिक घोषणा का इंतजार करने को कहा। उन्होंने कहा, ये (अटकलें) जनता का ध्यान मुद्दों से भटकाने के इरादे से फैलाई जा रही हैं। और इसके लिए उन्होंने मीडिया और सोशल मीडिया के एक वर्ग को जिम्मेदार ठहराया।

'जाति को लेकर दीं गंदी गालियां', बेंगलुरु में लिव-इन पार्टनर ने प्रेमिका को उतारा मौत के घाट

बेंगलूरू, 15 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक के कोथाडी में गुरुवार को एक 23 साल की महिला की कथित तौर पर उसके लिव-इन पार्टनर ने हत्या कर दी। मृतक महिला की पहचान रंजीता एचजी के रूप में हुई और आरोपी की पहचान अयप्पा केबी के रूप में हुई है। यह जोड़ा एक किराए के मकान में साथ रह रहा था। अयप्पा एक ड्राई फ्रूट की दुकान में काम करता था, जबकि रंजीता घरेलू सहायिका के तौर पर काम करती थी। दोनों ही कोडागु जिले के रहने वाले हैं। पुलिस को पता चला कि अयप्पा ने रंजीता का गला तार से घोंटा था और उसके बाद छत के पंखे से रस्सी बांधकर इसे आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की थी। भारतीय न्याय संहिता की धारा 103 (हत्या के लिए सज़ा) के तहत, एससी/एसटी (अत्याचार निवारण) के तहत एक मामला दर्ज किया गया है।

जम्मू में घुसपैठ की कोशिश नाकाम

सुरक्षा बलों ने उरी सेक्टर में ढेर किया पाक आतंकी

जम्मू, 15 मार्च (एजेंसियां)। कश्मीर के बारामुला जिले के उरी सेक्टर में रविवार (15 मार्च 2026) को भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने मिलकर एक बड़ी सफलता हासिल की है। अधिकारियों ने बताया कि बुखार इलाके में घुसपैठ की कोशिश कर रहे एक पाकिस्तानी आतंकवादी को मार गिराया गया। यह कार्रवाई 14-15 मार्च की दरमियानी रात को शुरू हुई। जम्मू-कश्मीर पुलिस की खुफिया जानकारी के आधार पर सेना ने तुरंत एक्शन लिया। इलाके में संपर्क होने के बाद हुई मुठभेड़ में एक पाकिस्तानी आतंकवादी मारा गया।

जानकारी के मुताबिक बुखारी क्षेत्र में सुरक्षा बलों का आतंकवादियों से सामना हो गया। इसके बाद दोनों तरफ से फायरिंग शुरू हो गई। मुठभेड़ के दौरान एक पाकिस्तानी आतंकवादी को मार गिराया गया। सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि यह आतंकवादी सीमा पार से घुसपैठ करने की कोशिश कर रहा था। फिलहाल इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आसपास कोई और आतंकवादी छिपा न हो। अधिकारियों के मुताबिक इस कार्रवाई से सीमा पार से होने वाली घुसपैठ की एक बड़ी कोशिश को नाकाम कर दिया गया है।

सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़

सुरक्षा बलों ने उन्हें रोकने की कोशिश की, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। इस दौरान एक संदिग्ध आतंकी मारा गया। दूसरे आतंकी की तलाश के लिए इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। सेना के अधिकारियों का कहना है कि सुरक्षा बल पूरे इलाके में तलाशी अभियान चला रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई और घुसपैठिया छिपा हुआ न हो।

जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में मुठभेड़

जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा के पास सुरक्षा बलों ने घुसपैठ की एक कोशिश को नाकाम कर दिया। इस दौरान एक संदिग्ध आतंकी मारा गया, जबकि उसके एक साथी की तलाश जारी है। सेना के अनुसार यह घटना मंगलवार 10 मार्च को हुई। इंडियन आर्मी को खुफिया जानकारी मिली थी कि कुछ लोग सीमा पार से घुसपैठ की कोशिश कर सकते हैं। इसके बाद सेना ने इलाके में निगरानी और तलाशी अभियान शुरू किया। जम्मू स्थित रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि दो संदिग्ध आतंकियों को दोपहर करीब 3 बजे झांगर के पास देखा गया। यह इलाका नौशेरा सेक्टर में एलएसी के करीब है।

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने युवती को कुचला

मुंबई, 15 मार्च (एजेंसियां)। नवी मुंबई के बेलापुर सेक्टर-8 इलाके में एक दर्दनाक हादसा हो गया। यहां तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने पैदल चल रही एक युवती को अचानक पीछे से टक्कर मार दी। स्कॉर्पियो सवार ने युवती को काफी दूर तक घसीट दिया। इसके बाद उसने कई अन्य वाहनों में भी टक्कर मार दी। घटना में युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। इस हादसे में तीन से चार वाहनों को भी भारी नुकसान पहुंचा है। पूरी घटना पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। फिलहाल घायल युवती को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार ये पूरा मामला नवी मुंबई के बेलापुर सेक्टर-8 इलाके का है। यहां अरेंजर कॉर्नर इलाके में यह हादसा उस समय हुई जब एक 19 वर्षीय युवक स्कॉर्पियो कार चला रहा था। बताया जा रहा है कि वाहन पर से उसका नियंत्रण अचानक छूट गया, जिसके बाद कार ने पहले फुटपाथ पर चल रही युवती को पीछे से जोरदार टक्कर मारी और उसे कार के नीचे घसीट दिया।

लाइव आकर एक और ब्लॉगर ने दी आत्महत्या करने की धमकी

जंगल में सुसाइड करने पहुंची

हल्द्वानी, 15 मार्च (एजेंसियां)। बिग बॉस फेम और उत्तराखंड के फेमस ब्लॉगर अनुराग डोभाल के बाद अब एक और ब्लॉगर ने लाइव आकर सुसाइड करने की धमकी दी। इंटरनेट मीडिया में लाइव आकर ब्लॉगर ज्योति अधिकारी रानीबाग में सुसाइड करने पहुंच गई।

इसका पता लगने पर पुलिस मौके पर पहुंची और ज्योति को पकड़ लिया है। इंटरनेट मीडिया में लाइव आकर ज्योति ने पुलिस और एक ब्लॉगर पर मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया है। ब्लॉगर ज्योति अधिकारी सुसाइड करने रानी बाग स्थित शीतला माता मंदिर के जंगल पहुंची।

यहां रोते हुए ज्योति ने तमाम आरोप लगाए। 25 मिनट से अधिक का लाइव वीडियो बनाया। पुलिस ने समय पर पहुंचकर ब्लॉगर को बचा लिया और एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। ज्योति ने कहा कि एक महिला ब्लॉगर उसके चरित्र पर तमाम आरोप लगा रही है लेकिन पुलिस उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रही है।एसएचओ विजय मेहता ने बताया कि सकुशल उसे बरामद कर लिया। अस्पताल में भर्ती कराया है। महिला पूरी तरह ठीक है।

असम में आम आदमी पार्टी ने जारी की पहली लिस्ट

14 उम्मीदवारों का किया ऐलान

गुवाहाटी, 15 मार्च (एजेंसियां)। असम विधानसभा चुनाव को लेकर सभी सियासी पार्टियां जोर शोर से तैयारियों में जुटी हैं। इसी बीच आज रविवार (15 मार्च) को आम आदमी पार्टी ने 14 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी की है। वहीं पार्टियों द्वारा अपने-अपने प्रत्याशियों का ऐलान भी किया जा रहा है। कांग्रेस के बाद अब आम आदमी पार्टी ने अपनी लिस्ट जारी कर दी है। आप की इस लिस्ट में 14 प्रत्याशियों के नाम हैं।

जाहिदुल इस्लाम खान को दिया टिकट

आम आदमी पार्टी ने चेंगा विधानसभा से जाहिदुल इस्लाम खान और नदुआर से रंजीत बोरो को अपना उम्मीदवार बनाया है, जबकि तिताबर से पल्लव सैकिया, ईस्ट गोलपारा से जिन्ना अमीर हुसैन और राहा से बरुण बिकास दास को टिकट दिया गया है। आप ने बोकाजन से रेनुका तिमुंगपी और बिश्वनाथ विधानसभा सीट से अनंता गोगोई को प्रत्याशी घोषित किया है।

डेरगांव से पुलिन गोगोई को आप ने बनाया प्रत्याशी

नाओबोइचा विधानसभा से अच्युत दास और डेरगांव से पुलिन गोगोई को आम आदमी पार्टी ने अपना प्रत्याशी बनाया है। वहीं गोहपुर से जरबोम कुदुम और सेंट्रल गुवाहाटी से अनुरूपा डेकराजा को तो खुमटाई विधानसभा से पार्टी ने आशीष हजारिका पर दांव लगाया है। इसके अलावा सिवसागर से तपन गोगोई और रोंगापाड़ी से टिकेंद्र थापा को आम आदमी पार्टी ने चुनावी मैदान में उतारा है।

केरल में 22 प्रत्याशियों की लिस्ट जारी

बता दें कि इससे पहले आम आदमी पार्टी ने केरल में भी 22 प्रत्याशियों की लिस्ट जारी की थी। लिस्ट जारी करते हुए पार्टी ने कहा था कि प्रत्याशियों को राज्य में संगठन के विस्तार और चुनावी रणनीति को ध्यान में रखते हुए चुना गया है।

नाबालिग से गैंगरेप 2 गिरफ्तार

मुंबई, 15 मार्च (एजेंसियां)। मुंबई के तिलकनगर इलाके में एक नाबालिग के साथ बड़े अपराध की गंभीर घटना सामने आई है। जहां राशन कार्ड में नाम जुड़वाने के लिए मदद मांगने गई एक किशोरी के साथ आरोपियों ने जो कि किशोरी के परिचित थे उन्होंने गैंगरेप किया। यह घटना पिछले महीने घटी लेकिन इसका खुलासा अब हुआ जब पीड़िता ने अब हिम्मत दिखाई। तिलकनगर पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान नूरुद्दीन आफताब अजीमुद्दीन सैयद आजमी (55) और अनीस अहमद तौफीक चौधरी (47) के रूप में हुई है। दर्ज केस

नेचर बाजार में लगी भीषण आग करीब 40 दुकानें जलकर खाक

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली के अंधेरिया मोड़ इलाके में आग लगने का मामला सामने आया है। यहां नेचर बाजार में रविवार सुबह आग लगने से करीब 40 दुकानें जलकर खाक हो गई हैं। आग लगने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है, जबकि दुकानदार भी परेशान हैं। आग लगने की सूचना मिलते ही दिल्ली अग्निशमन सेवा की टीम आनन-फानन में घटनास्थल पर पहुंची और आग पर काबू पाया।

इस घटना में दुकानों के जलने से काफी नुकसान हुआ है, हालांकि किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं मिली है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। दिल्ली अग्निशमन विभाग के अनुसार, रविवार सुबह 7:37 बजे आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही आग पर काबू पाने के लिए दमकल की 10 गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। अब तक इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। अधिकारी ने बताया कि आग लाडो सराय क्षेत्र में अंधेरिया मोड़ के पास स्थित नेचर बाजार में लगी, जहां हस्तशिल्प और अन्य सामान बेचने वाली कई अस्थायी और अर्ध-स्थायी दुकानें लगी हुई हैं।

घटना के बाद आग तेजी से कई दुकानों में फैल गई, जिससे बाजार परिसर से धुएं के गुबार उठते देखे गए। दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाने और उसे फैलने से रोकने के लिए व्यापक अभियान चलाया। इस घटना में लगभग 40 दुकानें जलकर नष्ट हो गईं जिससे सामान और संरचनाओं को भारी नुकसान हुआ है। दमकलकर्मी आग को पूरी तरह बुझाने और इलाके में शीतलन अभियान चलाने में लगे हुए हैं।

होटल के कमरे में मृत मिला दिव्यांग व्यक्ति, अंदर से बंद था दरवाजा

जम्मू, 15 मार्च (एजेंसियां)। शहर के तालाब खटिकां क्षेत्र स्थित एक होटल के कमरे से एक दिव्यांग व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने कमरे का दरवाजा तोड़कर शव को बाहर निकाला और मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक नूर हुसैन अली (42) पुत्र छौबन अली निवासी कूच विहार, पश्चिम बंगाल का रहने वाला था। पुलिस के अनुसार नूर हुसैन अली छह मार्च को तालाब खटिकां स्थित होटल मदीना लाज के कमरा नंबर 108 में ठहरे थे। बताया जा रहा है कि होटल स्टाफ ने जब काफी देर तक कमरे का दरवाजा नहीं खुलते देखा तो उन्हें शक हुआ।

कई बार आवाज देने के बावजूद अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। स्थिति संदिग्ध लगने पर होटल प्रबंधन ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मिढ़ा थाना पुलिस टीम मौके पर पहुंची। जांच के दौरान पाया गया कि कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। पुलिस ने दरवाजा तोड़ कर अंदर प्रवेश किया, जहां बिस्तर पर व्यक्ति मृत पड़ा मिला। पुलिस ने शव कोपोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया।

वांगचुक की रिहाई के बाद भी केंद्र सरकार का विरोध

आज पूरे लद्दाख में होंगे प्रदर्शन

लेह, 15 मार्च (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की हिरासत को रद्द कर दिया था। इसके बाद भी लद्दाख में 16 मार्च को होने वाले विरोध प्रदर्शन निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ही होंगे। माना जा रहा था कि वांगचुक की रिहाई के बाद विरोध प्रदर्शन अब नहीं होगा। दरअसल 13 मार्च को कारगिल डेमोक्रेटिक एलायंस ने ऐलान किया था कि लद्दाख के लोग एक बार फिर सड़कों पर उतरेंगे क्योंकि गृह मंत्रालय केंद्र शासित प्रदेश द्वारा मांगी गई गारंटी देने में आनाकानी कर रहा है।

लद्दाख में केडीए और शीर्ष निकाय लेह नामक संगठन राज्य का सामाजिक-राजनीतिक और धार्मिक समूहों का प्रतिनिधित्व करते हैं। बताया जा रहा है कि इन संगठनों से केंद्र की बात चल रही है। लद्दाख प्रशासन के सदस्य सज्जाद कारगिल ने कहा कि लद्दाख जिन संवैधानिक गारंटियों की मांग कर रहा है, वह कोई "व्यक्तिगत मामला" नहीं बल्कि एक सामूहिक चिंता का विषय है। उन्होंने कहा, "वांगचुक की रिहाई से हमें बहुत राहत मिली है। हालांकि, वांगचुक की हिरासत का मुद्दा केंद्र सरकार ने ही खड़ा किया और सुलझाया है। हमारे विरोध प्रदर्शन और भी व्यापक दायरे की हैं।"

संवैधानिक अधिकारों के लिए संघर्ष जारी

इससे पहले केडीए नेता असगर अली करबलाई ने कहा था कि लोगों का धैर्य टूट चुका है। हम भारत सरकार को बताना चाहते हैं कि हम शांत नहीं बैठेंगे। हम अपने संवैधानिक अधिकारों के लिए संघर्ष जारी रखेंगे। इसका प्रमुख हिस्सा राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची में शामिल होना है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार सोचती है, लद्दाखी जनता को हल्के में लिया जा सकता है। उन्हें लगता है कि गृह मंत्रालय पर उन पर कोई एजेंडा थोपना चाहता है। लेकिन ऐसा नहीं होने दिया जाएगा। केडीए नेता ने कहा कि अगर सरकार का ऐसा ही रवैया रहा तो सड़कों पर उतरकर बड़े स्तर पर आंदोलन किया जाएगा।

लद्दाख से जोधपुर जेल

सोनम वांगचुक को जब लद्दाख से जोधपुर लाया गया था, तब सुरक्षा एजेंसियां काफी सतर्क थीं। जोधपुर जेल में उन्हें कड़ी सुरक्षा के बीच रखा गया था।

बताया जाता है कि वांगचुक लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने और संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे थे।

लेह में हुई हिंसा के बाद उन पर गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था।

वांगचुक 6 महीने बाद खुली हवा में लेंगे सांस

इससे पहले गृह मंत्रालय ने लद्दाख के प्रमुख एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक की हिरासत को तत्काल प्रभाव से समाप्त करने का आदेश जारी किया। वांगचुक, जिन्हें लेह में हुई हिंसा के बाद 26 सितंबर 2025 को गिरफ्तार कर जोधपुर की सेंट्रल जेल में शिफ्ट किया गया था, अब लगभग 6 महीने बाद खुली हवा में सांस ले रहे हैं। उन पर लगाया गया राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) वापस ले लिया गया है।

दो साल की दिव्यांग बच्ची के लिए एक हुए पति-पत्नी, कोर्ट ने ऑनलाइन कराया समझौता

खंडवा, 15 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में सालों से कुटुंब न्यायालय में चल रहे पति–पत्नी के विवाद का आखिरकार खात्मा हो गया। दोनों के राजी होने का कारण उनकी मासूम बेटी रही। दंपति ने समझदारी दिखाते हुए देरी से ही, लेकिन समझौता कर लिया। नेशनल लोक अदालत का आयोजन न्यायालय परिसर में हुआ। यहां पर कुटुंब न्यायालय में करीब 20 मामलों में दंपतियों के बीच समझौते हुए। जो दंपती न्यायालय में शामिल नहीं हो पाए, उनके समझौते मोबाइल के जरिए ऑनलाइन कराए।

जिन्होंने न्यायालय में उपस्थित होकर समझौता किया, न्यायाधीश ने उन्हें अपने हाथों से एक फल का पौधा, तुलसी का पौधा भेंट किया। खंडवा की कुटुंब न्यायालय ने कई मामलों में समझौते ऑनलाइन कराए। इसी क्रम में एक मामला दिल्ली में रहने वाले दंपति का भी था। जानकारी के मुताबिक पति धर्मेंद्र (परिवर्तित नाम) दिल्ली में जॉब करता है, जबकि पत्नी ज्योति (परिवर्तित नाम) खंडवा में रहती है। शादी के बाद पत्नी दिल्ली नहीं जाना चाहती थी, जबकि पति उसे व दिव्यांग बेटी को लेकर दिल्ली में रहना चाहता था। कुटुंब न्यायाधीश योगराज उपाध्याय ने दोनों को ऑनलाइन समझाइश दी और बेटी की परवरिश के लिए एक साथ रहने के लिए समझौता करवाया।

पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक नहीं, उससे बातचीत जरूरी

मणिशंकर अय्यर ने कबाब के उदाहरण से क्या समझाया ?

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर ने भारत-पाकिस्तान संबंधों पर बयान देते हुए कहा कि दोनों देशों के लोगों के बीच बातचीत सबसे आसान हो सकती है। क्योंकि भाषा, सोच और संस्कृति काफी हद तक एक जैसी ही है। राजस्थान के जयपुर में एक कार्यक्रम के दौरान अय्यर ने कहा कि भारतीय और पाकिस्तानी एक-दूसरे को आसानी से समझ सकते हैं। उन्होंने कहा कि अगर किसी अमेरिकी से कबाब का जिक्र किया जाए तो शायद उसे समझ ही न आए, लेकिन भारत और पाकिस्तान के लोग इस तरह की चीजों को अच्छी तरह समझते हैं। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि भारत अमेरिका और इजराइल के इतना करीब क्यों हो गया है और रूस पर इतना निर्भर क्यों है। अय्यर ने कहा कि अगर 1947 का बंटवारा न हुआ होता, तो दोनों देशों के लोग एक ही देश के नागरिक होते।

अय्यर ने सर्जिकल स्ट्राइक जैसी कार्रवाई का जिक्र करते हुए कहा कि अगर सच में हिम्मत है तो आमने-सामने बैठकर बातचीत करनी चाहिए। उनके मुताबिक भारत और पाकिस्तान को अपनी शिकायतों और मतभेदों पर लगातार बातचीत जारी रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बातचीत की प्रक्रिया लंबी हो सकती है, जिसमें दोनों देश एक-दूसरे की गलतियों का जिक्र करेंगे, लेकिन संवाद जारी रखना ही समस्या का समाधान निकालने का रास्ता है।

साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार में पाकिस्तान से लगातार बातचीत करने की पर्याप्त इच्छा नहीं दिखती। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया में महीनों लग सकते हैं। वे आपकी की गई गलतियों को बार-बार दोहराते रहेंगे, जबकि हम उनके किए गए गलत कामों को गिनाते रहेंगे। यह सब पहलगाम से लेकर 1947 तक का हिसाब-किताब होगा। इसलिए, हमें उनसे लगातार बातचीत करते रहना चाहिए।

पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर कहते हैं, "मेरे अनुभव के अनुसार, मैं कह सकता हूं कि किसी हिंदू या किसी भारतीय के लिए किसी पाकिस्तानी से बात करना सबसे आसान काम है, क्योंकि भाषा एक ही है, सोच एक ही है, और संस्कृति भी, मोटे तौर पर, एक ही है। हम एक-दूसरे को पूरी तरह समझते हैं। हो सकता है कि उनके कबाब हमारे कबाब से बेहतर हों। लेकिन हम निश्चित रूप से एक दोस्ताना मुकाबला कर सकते हैं।

यह बहस करते हुए कि, 'नहीं, हमारे कबाब तुम्हारे कबाब से बेहतर हैं।' अगर आप किसी अमेरिकी से 'कबाब' का जिक्र करें, तो क्या उन्हें कोई अंदाज़ा होगा कि आप किस बारे में बात कर रहे हैं? बिल्कुल नहीं। हम अमेरिकियों को क्यों अपना रहे हैं? हम अचानक इज़राइल के इतने करीबी सहयोगी क्यों बन गए हैं? हम रूस पर इतने ज्यादा निर्भर क्यों हैं?

स्कूल कैंपस में छात्रा को कोबरा ने काटा, टीचर ने चूस कर निकाला सांप का जहर, बच गई जान

चित्रदुर्ग, 15 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक के चित्रदुर्ग तालुक के हुनासेकट्टे गांव में एक सरकारी स्कूल परिसर में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब पहली कक्षा की एक छात्रा को कोबरा सांप ने काट लिया। घटना हुनासेकट्टे सरकारी प्राथमिक विद्यालय के परिसर में हुई। बच्ची सुबह रोज की तरह पढ़ने के लिए स्कूल आई थी, तभी अचानक स्कूल परिसर के अंदर ही सांप ने उसे काट लिया। पीड़ित छात्रा की पहचान सृष्टि माब के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि स्कूल के सामने वाले हिस्से में बच्ची खड़ी थी, तभी छिपकर बैठे कोबरा ने उस पर हमला कर दिया।

सृष्टि के चीखने की आवाज सुनकर आसपास मौजूद शिक्षक और बच्चे तुरंत मौके पर पहुंचे। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए स्कूल के टीचर रविशंकर ने बिना देर किए साहसिक कदम उठाया। बच्ची की जान बचाने के लिए उन्होंने अपने मुंह से घाव से जहर चूस लिया, ताकि जहर का असर शरीर में फैलने से रोका जा सके। शिक्षक की इस सूझबूझ और तत्परता की इलाके में सराहना की जा रही है। घटना के बाद घायल बच्ची को तुरंत इलाज के लिए नजदीकी बसवेश्वरा अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

'सरकार मुझे टारगेट कर रही'

सुखपाल खैहरा का आप पर हमला

बोले- पंजाब में रोज मर्डर हो रहे, डीसी पर लगाए आरोप

चंडीगढ़, 15 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता सुखपाल खैहरा ने पंजाब सरकार पर जमकर निशाना साधा है। रविवार को सुखपाल खैहरा ने जालंधर प्रेस क्लब में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने राज्य की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि पंजाब में रोजाना हत्याएं हो रही हैं, नशे के मामले सामने आ रहे हैं, लेकिन सरकार पूरे प्रदेश को छोड़कर सिर्फ उन्हें ही निशाना बना रही है। खैहरा ने आरोप लगाया कि उनके खिलाफ कई केस दर्ज किए गए हैं और राजनीतिक बदले की भावना से कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि किसानों के धरनों के दौरान मारपीट की गई और महिलाओं को ढाल बनाकर उनके खिलाफ इस्तेमाल किया गया।

उन्होंने कपूरथला के डीसी पर भी गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्हें सरकार की ओर से उनके खिलाफ कुछ न कुछ निकालने के निर्देश दिए गए। वहीं, बीडीपीओ कुलविंदर रंधावा पर 2023 में कथित 60 लाख रुपये के गबन का आरोप दोहराया। खैहरा ने दावा किया कि उस समय विजिलेंस ने केस दर्ज किया था और उन्हें सस्पेंड भी किया गया था, लेकिन बाद में बहाल कर दिया गया।

खैहरा ने बताया कि उन्होंने विजिलेंस ब्यूरो को पत्र लिखकर आरोप लगाया है कि 2022 में गांव घुग वेड ढिलवा में नालियों और सीवरेज के लिए आए 20 लाख रुपये में से 19.70 लाख रुपये कथित तौर पर आरटीजीएस के जरिए एक व्यक्ति के खाते में ट्रांसफर किए गए। शिकायत के बावजूद अब तक कोई जवाब नहीं मिला। नकोदर की विधायक इंद्रजीत कौर मान पर भी खैहरा ने टिप्पणी करते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर उन्हें अलग-अलग नामों से पुकारा जा रहा है। उन्होंने कहा कि उनकी आलोचना के चलते विधायक को अपना कमेंट सेक्शन बंद करना पड़ा। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान खैहरा ने साफ कहा कि वे सरकार की कथित नीतियों और अधिकारियों की कार्यशैली के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखेंगे।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सोमवार, 16 मार्च, 2026

सुविचार: सब कुछ होने के बाद भी आप में हौसला है तो समझ लीजिये की आप ने कुछ नहीं खोया!

कल्याण योजनाओं में मुसलमानों को महत्वपूर्ण हिस्सा दे रही है सरकार : मुख्यमंत्री

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि उनकी सरकार मुस्लिम अल्पसंख्यकों को उच्च प्राथमिकता दे रही है और उन्हें विकास की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए हर कल्याणकारी और विकास कार्यक्रम में उन्हें महत्वपूर्ण हिस्सा दिया जा रहा है। रविवार को उन्होंने लाल बहादुर स्टेडियम में राज्य सरकार द्वारा आयोजित इफ्तार कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने कहा कि रमज़ान का पवित्र महीना समाज में सद्भाव और भाईचारा बढ़ाने का संदेश देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार अल्पसंख्यकों की सरकार है और वे उनके भाई की तरह हैं। उन्होंने सभी से मिलकर हैदराबाद और तेलंगाना को आगे ले जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज अल्पसंख्यक युवाओं को शिक्षा और रोजगार के अवसर मिल रहे हैं तो उसका श्रेय कांग्रेस सरकार द्वारा लागू किए गए चार प्रतिशत आरक्षण को जाता है। उन्होंने कहा कि सरकार अल्पसंख्यकों के लिए छात्रावासों की भी व्यवस्था कर रही है। उन्होंने कहा कि दुनिया में कई जगह युद्ध जैसे हालात हैं और ऐसे समय में भारत में भी लोगों के बीच मतभेद पैदा करने की कोशिश हो सकती है, इसलिए सभी को एकजुट रहकर विकास के रास्ते पर आगे बढ़ना चाहिए। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार ने मोहम्मद अज़हरुद्दीन को मंत्रिमंडल में शामिल किया है, शब्बीर अली को सरकारी सलाहकार बनाया है और कई अल्पसंख्यक नेताओं को विभिन्न निगमों का अध्यक्ष नियुक्त किया है। इसके साथ ही मोहम्मद सिराज और निकहत ज़रीन जैसे खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया है। इस इफ्तार कार्यक्रम में सांसद असदुद्दीन ओवैसी, मंत्री, विधायक और अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

एलपीजी संकट पर कांग्रेस–भाजपा में आरोप–प्रत्यारोप

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में एलपीजी सिलेंडर की कमी को लेकर कांग्रेस और भाजपा के बीच आरोप–प्रत्यारोप तेज हो गए हैं, जबकि आम लोग और होटल व्यवसायी गैस की कमी से परेशान हैं।

बताया जा रहा है कि पिछले वर्ष यूरिया की कमी को लेकर दोनों दलों में विवाद हुआ था, वहीं इस वर्ष घरेलू और वाणिज्यिक एलपीजी की आपूर्ति कम होने से संकट पैदा हो गया है। घरों के साथ–साथ होटल, भोजनालय और रेस्तरां भी प्रभावित हो रहे हैं। नागरिक आपूर्ति मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि घरेलू गैस की आपूर्ति लगभग सामान्य है, लेकिन

वाणिज्यिक एलपीजी की भारी कमी है और वर्तमान आपूर्ति मांग का केवल 20 प्रतिशत ही पूरा कर पा रही है। गैस की कमी के कारण कई होटल और रेस्तरां को मेनू घटाना पड़ रहा है, जबकि कुछ प्रतिष्ठान अस्थायी रूप से बंद भी हो रहे हैं। होटल एवं रेस्तरां संघ ने भी इस समस्या पर चिंता जताई है। वहीं भाजपा नेताओं ने सरकार पर कृत्रिम कमी पैदा करने का आरोप लगाया है और कहा है कि देश में एलपीजी की कुल आपूर्ति में कोई कमी नहीं है।

फार्महाउस मादक पदार्थ प्रकरण में सांसद पुट्टा महेश को थाने से जमानत

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। दोनों तेलुगु राज्यों में सनसनी फैलाने वाले मोइनाबाद फार्महाउस मादक पदार्थ प्रकरण में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम सामने आया है। इस मामले में आंध्र प्रदेश से तेलुगु देशम पार्टी के सांसद पुट्टा महेश यादव को पुलिस ने थाना जमानत दे दी है। सोमवार से संसद सत्र शुरू होने के कारण पुलिस ने उन्हें यह राहत दी। बताया गया कि उन्हें मीडिया की नजरों से बचाने के लिए पुलिस ने पीछे के रास्ते से बाहर निकाला। पुलिस वाहनों को सामने खड़ा कर उनके निजी वाहन में बैठाकर उन्हें रवाना किया गया। इस बीच पुलिस की 'ईगल टीम' ने मामले की जांच तेज कर दी है। अब तक कुल 11 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और आरोपियों से महत्वपूर्ण जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि मादक पदार्थ कहां से लाए गए और उन्हें किसने उपलब्ध कराया। इस मामले में हिरासत में लिए गए लोगों की मूत्र जांच कराई गई, जिसमें छह लोगों की जांच रिपोर्ट सकारात्मक आई। पूर्व विधायक पी. रोहित, सांसद पुट्टा महेश यादव, रितेश रेड्डी, कौशिक रवि, नमित और अर्जुन रेड्डी के मादक पदार्थ सेवन की पुष्टि हुई है। पुलिस अब मोइनाबाद स्थित फार्महाउस को जब्त करने पर भी विचार कर रही है, क्योंकि यह अवैध गतिविधियों का केंद्र बन गया था।

शिक्षा के माध्यम से महिलाओं का सशक्तिकरण : प्रो.जी. पुष्पा चक्रपाणि

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ.बी.आर. अंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी के प्रो.जी. राम रेड्डी रिसर्च एवं डेवलपमेंट सेंटर द्वारा रविवार को नामपल्ली स्थित इंदिरा प्रियदर्शिनी गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज फॉर विमेन में 'व्यक्तित्वविकास और करियर अवसर' विषय पर महिला छात्राओं के लिए एक अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम जी. राम रेड्डी स्मृति गतिविधियों के अंतर्गत आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की अकादमिक प्रो.जी. पुष्पा चक्रपाणि मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने विश्वविद्यालय की तेज प्रगति और कुलपति जी. चक्रपाणि की परिवर्तनकारी सोच पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कुलपति का उद्देश्य विश्वविद्यालय को केवल डिग्री देने वाली संस्था न बनाकर कौशल विकास का प्रमुख केंद्र बनाना है। उनके नेतृत्व में विश्वविद्यालय ने डिजिटल परिवर्तन को अपनाया है। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त प्रोफेसर एच. श्रीनिवास राव सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने सफलता के लिए व्यवहारिक ज्ञान को रटने की पद्धति से अधिक महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने सफलता का अपना 'चार पी सूत्र' भी बताया योजना, तैयारी, अभ्यास और प्रस्तुति। उन्होंने कहा कि जन्म हमारे हाथ में नहीं होता, लेकिन हम अपने करियर का चयन करके अनुशासन और सही निर्णयों के माध्यम से अपना भविष्य स्वयं बना सकते हैं।

हम सबसे पहले भारतीय हैं : रामचंदर राव

अल्पसंख्यक मोर्चा द्वारा इफ्तार आयोजित

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भारतीय जनता पार्टी के अल्पसंख्यक मोर्चा द्वारा आयोजित इफ्तार कार्यक्रम में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने कहा कि भारत गंगा–जमुनी संस्कृति की अद्भुत परंपरा वाला देश है, जहां विभिन्न धर्मों और संस्कृतियों के लोग आपसी सद्भाव और भाईचारे के साथ रहते हैं।

उन्होंने कहा कि देश में ईसाई, सिख, मुस्लिम, पारसी और हिंदू सभी मिल–जुलकर रहते हैं और यही भारत की सबसे बड़ी खूबसूरती है। उन्होंने कहा कि दुनिया के कई हिस्सों में आज संघर्ष और युद्ध की स्थिति बनी हुई है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत में शांति, सद्भाव और स्थिरता का वातावरण बना हुआ है। रामचंदर राव ने कहा कि जो अल्लाह में विश्वास करता है उसे अपनी आस्था के अनुसार नमाज़ अदा करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए और जो भगवान राम में विश्वास करता है उसे उनके चरणों में पुष्प अर्पित करने की आज़ादी होनी चाहिए। जैन धर्म को मानने वालों की भी अपनी परंपराएं और मान्यताएं हैं। उन्होंने कहा कि भारत की यही विशेषता है कि यहां सभी धर्मों के लोग मिलकर शांति से रहते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के मंत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि देश इसी भावना के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि हमारा धर्म कोई भी हो और हम किसी भी राज्य से आते हों, सबसे पहले हम सभी भारतीय हैं और भारत की रक्षा करना हमारा कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि इसी भावना के साथ हम सब मिलकर देश को आगे ले जाने का संकल्प लेते हैं। इस शांतिपूर्ण वातावरण में लोग ईद की खुशी मनाने के लिए एकत्र हुए हैं। कुछ लोग आज ईद मना रहे हैं और कुछ कल मनाएंगे, लेकिन हर व्यक्ति अपनी आस्था और परंपरा के अनुसार त्योहार मनाता है और यही हमारे देश की असली ताकत है। रामचंदर राव ने सभी के लिए खुशहाली और समृद्धि की कामना करते हुए कहा कि लोगों की दुआओं और आशीर्वाद से देश और अधिक प्रगति करेगा।

तेंदुए का शिकार कर नाखून निकालने का खुलासा

मंचेरियल, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। दांडेपल्ली मंडल के ऊटला गांव में वन्यजीव अंगों के अवैध व्यापार की जांच के दौरान वन अधिकारियों ने तेंदुए के शिकार का खुलासा किया है। आरोपियों ने तेंदुए को मारकर उसके नाखून निकालकर बेचने की कोशिश की थी। वन विभाग के अनुसार, गिरफ्तार तीनों आरोपियों ने पूछताछ में स्वीकार किया कि उन्होंने दोपहिया वाहनों के क्लच में इस्तेमाल होने वाले लोहे के तार से फंदा बनाकर तेंदुए को मार डाला। बाद में सबूत मिटाने के लिए शव को जला दिया और उसके 13 नाखून निकाल लिए। विशेष टीम और पशु चिकित्सक की जांच में पुष्टि हुई कि मारा गया जानवर तेंदुआ ही था।

बताया जा रहा है कि इस घटना को कुछ सप्ताह पहले गांव के बाहरी इलाके में अंजाम दिया गया था। वन विभाग ने खोजी कुत्ते की मदद से गांव में तलाशी अभियान चलाकर ऊटला निवासी मोदते वेंकटेश, मोदते श्रीनिवास और मामिडीपल्ली के वनपार्थी श्रीकांत को गिरफ्तार किया। आरोपियों पर पहले भी सागौन की लकड़ी की तस्करी के मामले दर्ज हैं। अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच जारी है और तेंदुए के शिकार में अन्य लोगों के शामिल होने की भी आशंका है।

शिशु दूध उत्पादों में अतिरिक्त चीनी पर रोक का प्रस्ताव

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। देश में शिशु पोषण के क्षेत्र में बड़ा बदलाव हो सकता है, क्योंकि नियामक प्राधिकरणों ने 6 से 24 महीने के बच्चों के लिए बनाए जाने वाले सभी दूध आधारित खाद्य पदार्थों में अतिरिक्त चीनी को पूरी तरह प्रतिबंधित करने का प्रस्ताव रखा है। वर्तमान नियमों के अनुसार, सुक्रोज और फ्रक्टोज जैसी अतिरिक्त शर्करा कुल कार्बोहाइड्रेट का 20 प्रतिशत तक मिलाने की अनुमति है, लेकिन नए प्रस्ताव में इस सीमा को घटाकर शून्य करने की बात कही गई है। दूध उत्पादों में केवल प्राकृतिक रूप से मौजूद

लैक्टोज की ही अनुमति होगी।

यह कदम शिशु खाद्य पदार्थों में चीनी के उपयोग को लेकर उठे वैश्विक विवाद के बाद उठाया गया है। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया था कि कुछ कंपनियां भारत जैसे देशों में बिकने वाले उत्पादों में चीनी मिलाती हैं, जबकि यूरोप में वही उत्पाद बिना चीनी के बेचे जाते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि अतिरिक्त चीनी पर रोक लगाने से बच्चों में मोटापा और कम उम्र में होने वाली बीमारियों के खतरे को कम करने में मदद मिलेगी। राष्ट्रीय पोषण संस्थान ने भी दो साल से कम उम्र के बच्चों को अतिरिक्त चीनी न देने की सलाह दी है। निर्माता कंपनियों ने इस प्रस्ताव का विरोध करते हुए कहा है कि अचानक नियम लागू होने से उत्पादों का फॉर्मूला बदलने, स्वाद और शेल्फ लाइफ बनाए रखने में कठिनाई आ सकती है।

22 मार्च को जारी होंगे 'रैतु भरोसा' योजना के धन

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने किसानों के लिए अच्छी खबर दी है। चुनावी वादे के तहत सरकार ने 'रैतु भरोसा' योजना के अंतर्गत धन जारी करने की तिथि तय कर दी है।

यह राशि 22 मार्च को जारी की जाएगी और इसका शुभारंभ मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी करेंगे। इस योजना के तहत राज्य के लाखों किसानों के बैंक खातों में सीधे धनराशि जमा की जाएगी। सिद्दिपेट जिले के नरमेट्टा को इस कार्यक्रम के आयोजन स्थल के रूप में चुना गया है। पहली किस्त के रूप में लगभग 70 लाख किसानों के खातों में राशि जमा की जाएगी। यह योजना पिछली सरकार की 'रैतु बंधु' योजना के स्थान पर लागू की गई है, जिसके तहत किसानों को खेती के लिए अधिक निवेश सहायता दी जाएगी। सरकार का मानना है कि इससे किसानों को खेती के खर्चों के लिए आवश्यक आर्थिक सुरक्षा मिलेगी।

उच्च शिक्षा में नए कोर्स शुरू होंगे

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च शिक्षा परिषद (टीजीसीएचई) राज्य विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर अगले शैक्षणिक वर्ष से कई नए स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रम शुरू करने जा रही है। इन कार्यक्रमों में हवाई अड्डा प्रबंधन, समुद्री प्रौद्योगिकी, जलवायु विज्ञान, पर्यावरण अध्ययन और चिकित्सा सूक्ष्म जीव विज्ञान जैसे विषय शामिल होंगे। नए कोर्स इस तरह तैयार किए गए हैं कि पढ़ाई पूरी करने के बाद छात्रों को रोजगार मिलने में आसानी हो। समुद्री, रक्षा, पर्यटन और सतत विकास जैसे क्षेत्रों में भी विशेषज्ञता के अवसर उपलब्ध होंगे। स्नातक कार्यक्रम तीन या चार वर्षीय ऑनर्स डिग्री के रूप में उपलब्ध होंगे, जिनमें कई प्रवेश–निकास विकल्प रहेंगे। छात्र एक वर्ष बाद प्रमाणपत्र, दो वर्ष बाद डिप्लोमा और तीन वर्ष बाद डिग्री प्राप्त कर सकेंगे, जबकि चार वर्षीय पाठ्यक्रम में ऑनर्स या शोध डिग्री का विकल्प मिलेगा। परिषद के अध्यक्ष प्रो.वी. बालकिस्ता रेड्डी ने कहा कि इन कार्यक्रमों का उद्देश्य कौशल की कमी को दूर करना, रोजगार क्षमता बढ़ाना और युवाओं को सशक्त बनाना है। उन्होंने बताया कि उद्योगों के साथ समझौते, इंटर्नशिप और व्यावहारिक प्रशिक्षण पर विशेष जोर दिया गया है।

शराब पीकर गाड़ी चलाने वाले गिरफ्तार

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस ने शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए पिछले सप्ताहांत कुल 187 लोगों को पकड़ा। इनमें से दो व्यक्तियों को अदालत ने दो दिन की जेल की सजा सुनाई और जुर्माना भी लगाया, जबकि 23 लोगों पर जुर्माना लगाकर सामाजिक सेवा करने का आदेश दिया गया। अन्य 162 लोगों को भी जुर्माना भरने के लिए कहा गया।

पुलिस ने सभी आरोपियों को अदालत में पेश किया, जहां उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई। इस बीच, शनिवार को चलाए गए विशेष अभियान के दौरान पुलिस ने 262 और लोगों को शराब पीकर गाड़ी चलाते हुए पकड़ा। इनमें 205 दोपहिया चालक, 5 तिपहिया चालक, 50 चार पहिया चालक और 2 भारी वाहन चालक शामिल थे।

पुलिस के अनुसार, पकड़े गए 10 लोगों के खून में अल्कोहल की मात्रा 301 मिलीग्राम प्रति 100 मिलीलीटर से अधिक पाई गई, जो बेहद खतरनाक स्तर माना जाता है। सभी के खिलाफ मामले दर्ज कर अदालत में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

अलग-अलग हादसों में दो लोगों की मौत

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में शनिवार रात अलग–अलग हादसों में दो लोगों की मौत हो गई। पहली घटना में गगन पहाड़ निवासी 32 वर्षीय पी विजय की शमशाबाद–शादनगर सड़क पर एक अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, विजय अपने दो दोस्तों के साथ सड़क पर यू–टर्न ले रहा था, तभी तेज रफ्तार वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में तीनों सड़क पर गिरकर घायल हो गए। अधिक खून बहने के कारण विजय की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके दोस्तों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। शमशाबाद पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। दूसरी घटना में चंद्रयानगुट्टा के मोहम्मद नगर निवासी 50 वर्षीय मुनीर खान की बैनर लगाते समय इमारत की दूसरी मंजिल से गिरकर मौत हो गई। बताया गया कि वह एक दुकान मालिक के कहने पर बैनर लगा रहे थे, तभी फिसलकर नीचे गिर गए। गंभीर हालत में उन्हें उस्मानिया अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

CLASSIFIEDS

WANTED

Wanted Male TAILORS for Ladies Garments @ A Wholesale Cloth Store Near KOMPALLY, Hyderabad Language : Hindi or Telugu Ph. 7993979516

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

लुप्तप्राय गिद्धों का पता बताने पर 1 लाख इनाम

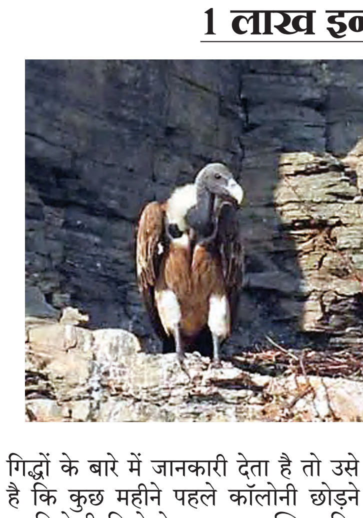

कुमराम भीम आसिफाबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। वन विभाग ने गंभीर रूप से लुप्तप्राय लंबी चोंच वाले गिद्धों का पता लगाने में मदद करने वाले लोगों के लिए 1 लाख रुपये नकद पुरस्कार की घोषणा की है। ये गिद्ध पहले पेंचिकलपेट मंडल के नंदीगांव गांव स्थित पलारपु गुट्टा की चट्टानों पर बने संरक्षण स्थल में रहते थे। अधिकारियों के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति इन गिद्धों के बारे में जानकारी देता है तो उसे इनाम दिया जाएगा। आशंका है कि कुछ महीने पहले कॉलोनी छोड़ने के बाद ये पक्षी महाराष्ट्र के गढ़चिरोली जिले के कमलापुर स्थित गिद्ध अभयारण्य में चले गए हैं।

वन विभाग ने बताया कि गिद्धों को वापस लाने के लिए संरक्षण स्थल की निगरानी बढ़ा दी गई है और कर्मचारियों को तैनात किया गया है। माना जा रहा है कि ये पक्षी दूसरे अभयारण्य में मिलने वाले अतिरिक्त भोजन के कारण वापस नहीं लौट रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, इस स्थल पर पहले लगभग 10 गिद्धों की कॉलोनी पाई गई थी, जो 2022 तक बढ़कर करीब 30 हो गई थी। बाद में संख्या घटकर केवल दो जोड़े रह गई, जिससे अधिकारियों की चिंता बढ़ गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि गिद्ध पर्यावरण के लिए बेहद महत्वपूर्ण होते हैं और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में बड़ी भूमिका निभाते हैं।

प्रनीत एंटीलिया में ध्वस्तीकरण पर भाकपा नेता नारायण की निंदा

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राष्ट्रीय नियंत्रण आयोग के अध्यक्ष नारायण ने रविवार को बाचुपल्ली स्थित प्रनीत एंटीलिया परियोजना परिसर में हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया एवं संपत्ति संरक्षण एजेंसी द्वारा चलाए गए ध्वस्तीकरण अभियान की कड़ी निंदा की और एजेंसी की कार्रवाई के खिलाफ विरोध दर्ज कराया। उन्होंने कहा कि किसी भी अधिकारी को विशेष रूप से 'हरित क्षेत्र' में बिना पूर्व अनुमति कोई कार्रवाई करने का अधिकार नहीं है, खासकर तब जब अदालत द्वारा पहले से स्थगन आदेश जारी हो चुका हो। उन्होंने कहा कि आज एजेंसी द्वारा किया गया ध्वस्तीकरण सीधे तौर पर कानून का उल्लंघन है।

ध्वस्तीकरण स्थल का दौरा करने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने यह बात कही। उन्होंने कहा कि पहले उनकी पार्टी ने इस एजेंसी के गठन का स्वागत किया था। उनका कहना था कि यदि यह संस्था केवल झीलों और सरकारी भूमि की रक्षा के उद्देश्य से बनाई गई होती और इसके प्रमुख रंगनाथ होते तो उनकी पार्टी को इसका समर्थन करने में खुशी होती। लेकिन आज की घटनाओं के बाद एजेंसी के प्रति अपने समर्थन पर पुनर्विचार करना आवश्यक हो गया है।

उन्होंने कहा कि पहले एजेंसी के खिलाफ लगाए गए कुछ आरोपों को उनकी पार्टी ने निराधार मानकर खारिज कर दिया था, लेकिन आज की घटनाओं ने उन आरोपों की सच्चाई स्वीकार करने के लिए उन्हें मजबूर कर दिया है।

उन्होंने कहा कि आगे कोई भी कदम उठाने से पहले एजेंसी को पूरी सावधानी और गंभीरता से विचार करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि एजेंसी की इस कार्रवाई के पीछे राजनीतिक दबाव और अचल संपत्ति से जुड़े हित स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने कॉलोनी के निवासियों को अपना पूरा समर्थन देने की घोषणा करते हुए कहा कि भविष्य में एजेंसी की कार्रवाइयां इस प्रकार की जानी चाहिए जिससे निवासियों को कोई नुकसान न पहुंचे।

उन्होंने कहा कि आम जनता को लगता है कि मूसी नदी के सौंदर्यीकरण तथा झीलों के संरक्षण और विकास के लिए अच्छा कार्य किया जा रहा है, लेकिन इस प्रकार की घटनाएं एजेंसी के प्रति नकारात्मक धारणा पैदा करती हैं। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी अब एजेंसी द्वारा चलाए जाने वाले हर कार्यक्रम और योजना पर करीबी निगरानी रखेगी। सड़क चौड़ीकरण के नाम पर दीवारों को गिराने की कार्रवाई को उन्होंने दमनकारी बताया और एजेंसी के आयुक्त से तुरंत माफी मांगने की मांग की।

महिला की सिर कटी लाश मिलने से हड़कंप

बुलंदशहर, 15 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में महिला की सिर कटी लाश मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। स्थानीय लोगों को खबर मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया। खेत में मिला रक्तरंजित धड़ बाहरी महिला का बताया जा रहा है। मृतक महिला के बाजू पर बबली लिखा है। लिखावट के आधार पर माना जा रहा है कि यह महिला दूसरे राज्य की हो सकती है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक महिला पर धारदार हथियार से हमला कर उसका धड़ अलग किया गया है। उसके बाद उसके शव को खेत में फेंक दिया गया है। जबकि महिला का सिर गायब बताया जा रहा है। फिलहाल मामले की सूचना पुलिस को दे दी गई है। सूचना मिलने के बाद बुलंदशहर पुलिस मौके पर पहुंची और महिला के सिर की तलाश में जुट गई है।

बिहार राज्यसभा चुनाव में एआईएमआईएम और कांग्रेस के रुख पर सस्पेंस

महागठबंधन की बढ़ रही टेंशन!

पटना, 15 मार्च (एजेंसियां)। बिहार में सोमवार को होने वाला राज्यसभा चुनाव सिर्फ पांच सीटों की लड़ाई नहीं रह गया है, बल्कि यह कई दलों के लिए सियासी परीक्षा भी बन गया है। पांच सीटों के लिए कुल छह उम्मीदवार मैदान में हैं। इनमें पांच उम्मीदवार एनडीए खेमे से हैं, जबकि एक उम्मीदवार महागठबंधन की ओर से चुनाव लड़ रहा है। संख्या बल के लिहाज से महागठबंधन उम्मीदवार की जीत कई दलों के वोट पर निर्भर मानी जा रही है।

खासकर कांग्रेस, एआईएमआईएम, आईआईपी और बसपा के विधायकों की भूमिका इस चुनाव में बेहद अहम हो गयी है। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक इन दलों के वोट अगर महागठबंधन के पक्ष में एकजुट रहते हैं तो मुकाबला दिलचस्प हो सकता है।

कांग्रेस और एआईएमआईएम पर टिकी निगाहें

विधानसभा में राजद के पास 25 विधायक हैं। इसके अलावा कांग्रेस के छह विधायक, एआईएमआईएम के पांच, वामदलों के तीन, बसपा का एक और आईआईपी का एक विधायक है। इस गणित के आधार पर देखा जाए तो महागठबंधन के लिए जीत की राह बेहद आसान है। हालांकि, कांग्रेस और बसपा के रुख को लेकर अब तक पूरी तरह स्पष्टता नहीं है। एआईएमआईएम ने भी अपने पत्ते अब तक खोले नहीं हैं। परंतु बातचीत का दौर जारी है। महागठबंधन के सहयोगी दलों की नजरें कांग्रेस के निर्णय पर टिकी है। क्योंकि कांग्रेस के पास छह वोट हैं, जो चुनाव में निर्णायक होंगे। लेकिन, पार्टी ने अब तक चुनावी रणनीति साफ नहीं की है।

विश्लेषक इसकी वजह पार्टी में नेतृत्वहीनता को मानते हैं।उनके अनुसार प्रदेश का नेतृत्व कांग्रेस के एक लीडर के पास है जो किसी सदन का सदस्य तक नहीं। एक और दिलचस्प पहलू यह है कि विधानसभा चुनाव के करीब चार महीने बीत जाने के बाद भी कांग्रेस का राष्ट्रीय नेतृत्व बिहार में विधायक दल का नेता तय नहीं कर पाया है।

बिना विधायक दल के नेता के राज्यसभा चुनाव का सामना

ऐसे में यह पहला मौका होगा जब कांग्रेस बिहार विधानसभा में बिना विधायक दल के नेता के ही राज्यसभा चुनाव का सामना करेगी। लिहाजा पार्टी में एकजुटता सवालों के घेरे में हैं। उस पर पार्टी में विधायकों के टूट की चर्चाएं भी आए दिन सामने आती हैं। अब जबकि राज्यसभा के लिए मतदान होना है ऐसे में टूट की चर्चाओं ने फिर जोर पकड़ लिया है। ये वे तमाम पहलू हैं जे बताते हैं कि राज्यसभा का यह चुनाव सिर्फ संख्या बल का खेल नहीं, बल्कि दलों की एकजुटता और राजनीतिक रणनीति की भी बड़ी परीक्षा है।

घर के अंदर पिस्टल बनाने की फैक्ट्री... मधेपुरा में पुलिस भी देखकर रह गई हैरान

मधेपुरा, 15 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के मधेपुरा जिले में पुलिस ने अवैध मिनी गन फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। उदाकिशुनगंज अनुमंडल क्षेत्र के रतवारा थाना इलाके में की गई इस छापेमारी के दौरान पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध हथियार, अर्द्धनिर्मित पिस्टल और हथियार बनाने के सामान बरामद किए हैं। इस कार्रवाई में दो आरोपियों को मौके से गिरफ्तार भी किया गया है। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई। सूचना मिली थी कि रतवारा थाना क्षेत्र के गंगापुर बलहा बासा गांव में एक घर के अंदर अवैध तरीके से हथियार बनाने का काम चल रहा है। इसके बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए एक संयुक्त टीम का गठन किया।

आजम खान का जेल के अंदर से मुसलमानों को संदेश

ईद पर काले कपड़े पहनें, ईरान में बच्चों का कत्ल हुआ, गम में शरीक हों

लखनऊ, 15 मार्च (एजेंसियां)। आजम खान ने जेल के अंदर से मुसलमानों के लिए एक संदेश भेजा है। दरअसल आजम खान के करीबी और सपा नेता युसूफ मलिक, उनसे मिलने जेल गए थे। जब युसूफ मलिक जेल से आजम से मुलाकात करके बाहर आए तो उन्होंने मीडिया को बताया कि आजम खान ने जेल से मुसलमानों के लिए एक पैगाम भेजा है। सपा नेता युसूफ मलिक ने बताया, आजम खान ने जेल से मुसलमानों के लिए ये संदेश भेजा है कि इस बार ईद पर काले कपड़े पहनें और हो सके तो नए कपड़े ना पहनें।

काली पट्टी बांधें और साथ ही जोर से नहीं हंसें क्योंकि ईरान में जो बच्चों का कत्ल हुआ है, जिन्हें इजरायल ने मारा है, उनके साथ गम में शरीक हों। सपा नेता युसूफ मलिक एवं उनकी पत्नी

डॉक्टर तंजीन फातिमा ने जेल में आजम खान से करीब एक घंटे की मुलाकात की। गौरतलब है कि आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्लाह जेल में बंद हैं।

आजम खान 23 सितंबर 2025 को जेल से रिहा हुआ थे लेकिन कुछ ही समय बाद उन्हें दो पैन कार्ड रखने के मामले में एमपी एमएलए कोर्ट ने सात साल की सजा सुनाई। इस मामले में उनके बेटे अब्दुल्ला आजम भी दोषी पाए गए और उन्हें भी सात साल की सजा हुई।

बता दें कि बीजेपी नेता आकाश सक्सेना ने साल 2019 में आजम खान और उनके बेटे के खिलाफ केस दर्ज करवाया था और ये शिकायत की थी कि वह 2 पैन कार्ड रखते हैं, जिसमें उनकी उम्र अलग-अलग है। एक समय था जब आजम खान की उत्तर प्रदेश में तूती बोलती थी। वह सपा के सीनियर नेताओं में से एक थे। उनका सपा में काफी रसूख हुआ करता था और खुद तत्कालीन सीएम मुलायम सिंह यादव उन्हें बहुत मानते थे। लेकिन प्रदेश में योगी सरकार आने के बाद आजम खान के अच्छे दिन बीत गए और उन्हें जेल जाना पड़ा। लंबे समय से वह जेल में सजा काट रहे हैं। उनके खिलाफ मुकदमों की लंबी लिस्ट है।

सरकारी अस्पताल में शराब पार्टी, पैथोलॉजी स्टाफ जाम छलकाते दिखे, वायरल वीडियो से हड़कंप

वाराणसी, 15 मार्च (एजेंसियां)। एक तरफ सरकार का दावा है कि बीते दस सालों में सूबे में सरकारी अस्पतालों का काया कल्प हो गया है, लेकिन दूसरी तरफ उन्हीं सरकारी अस्पतालों से जो तस्वीर सामने आती रही हैं वो इन दावों की पोल खोल के रख देती हैं। ताजा मामला वाराणसी के जिला अस्पताल से जुड़ा है। यहां दीन दयाल उपाध्याय जिला अस्पताल के पैथालॉजी में ड्यूटी के दौरान कर्मचारी कॉकटेल पार्टी करते नजर आए हैं।

अस्पताल के कर्मचारियों ने ड्यूटी करने के दौरान पैथोलॉजी लैब में ही दारू व मुर्गा की पार्टी शुरू कर दी।सोशल मीडिया पर ये वीडियो तेजी से वायरल होने के बाद अस्पताल प्रशासन हरकत में आया। जिला अस्पताल के सीएमएस डॉक्टर आरएस राम ने बताया कि वीडियो के सामने आने के बाद जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

विधानसभा चुनाव 2027 से पहले संजय निषाद का बड़ा दांव, बीजेपी से मांगी हार वाली सीटें

गोरखपुर, 15 मार्च (एजेंसियां)। गोरखपुर में उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री और निषाद पार्टी के प्रमुख संजय निषाद ने 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर मजबूत भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी पूरी ताकत से चुनाव की तैयारी कर रही है। 2027 में निषाद पार्टी और एनडीए (एनडीए गठबंधन) साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी और बड़ी जीत हासिल करेगी। संजय निषाद ने एक अहम बात कही। उन्होंने कहा कि अगर ऐसी विधानसभा सीटें हैं, जहां भाजपा का उम्मीदवार जीत नहीं पा रहा है, तो उन सीटों को निषाद पार्टी को दे दिया जाए।

उन्होंने दावा किया कि उनकी पार्टी ऐसी सीटों पर जरूर जीत दर्ज कराएगी। उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि पिछले चुनाव में पार्टी को 16 सीटें मिली थीं और उनमें से 9 सीटों पर जीत हासिल की गई थी। संजय निषाद ने बताया कि 22 मार्च को गोरखपुर के दिग्विजयनाथ पार्क में निषादराज की जयंती के मौके पर एक बड़ा चेतना समारोह आयोजित होगा। यह रैली बहुत बड़ी होगी।

पार्टी के कार्यकर्ता अभी से गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक कर रहे हैं। वे लोगों को बताते हैं कि निषाद समाज को ओबीसी में क्यों डाला गया। पार्टी की मुख्य मांग है कि निषाद समाज को ओबीसी सूची से हटाकर अनुसूचित जाति (एससी) का दर्जा दिया जाए। उन्होंने कहा कि अब समाज के लोग जागरूक हो रहे हैं। बड़ी संख्या में लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ खड़े हैं।

सिलेंडर कालाबाजारी को लेकर विपक्ष पर हमला

गैस सिलेंडर की महंगाई और कमी के मुद्दे पर संजय निषाद ने विपक्ष पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता दोहरे चरित्र की राजनीति कर रहे हैं। कांग्रेस, सपा और बसपा की सरकारों में गैस सिलेंडर की हमेशा कमी रहती थी। उन्होंने एक ताजा घटना का जिक्र किया कि हाल ही में हापुड़ में सपा के एक नेता के घर से ढेर सारे सिलेंडर बरामद हुए। इससे साफ है कि विपक्ष के लोग ही कालाबाजारी कर रहे हैं और माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे हैं।

संजय निषाद ने चेतावनी दी कि जो भी सिलेंडर की कालाबाजारी करेगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी और उसे जेल जाना पड़ेगा। गोरखपुर में भी दो गैस एजेंसियों पर कालाबाजारी के केस आए थे और दोनों मालिक अभी जेल में हैं।

पति की मौत के 12 दिन बाद पत्नी ने दी जान

उन्नाव, 15 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले से एक दिल को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। जहां पीड़ी नगर इलाके में रहने वाली 30 वर्षीय एकता (आरती) ने अपने पति की मौत के सदमे में फांसी लगाकर जान दे दी। सुसाइड से ठीक पहले एकता ने एक मोबाइल वीडियो बनाया, जिसमें उनका दर्द छलक उठा। मिली जानकारी के अनुसार, एकता की शादी 7 साल पहले आलोक (बबलू) के साथ हुई थी।

दोनों के बीच गहरा प्रेम था, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। बीते 2 मार्च को आलोक की हार्ट अटैक से अचानक मौत हो गई। पति की मौत के बाद एकता पूरी तरह टूट चुकी थीं। जान देने से पहले एकता ने 1 मिनट 9 सेकंड का एक वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। भरे गले से उन्होंने कहा कि मेरा अंतिम संस्कार अच्छे से कर देना। मैं अपने पति के बिना नहीं जी सकती। एक औरत के तीन ही सहारे होते हैं मां-बाप, पति और बच्चा। मेरे पास अब इनमें से कोई नहीं है। एकता के माता-पिता का साया पहले ही सिर से उठ चुका था

कांशीराम की जयंती पर अखिलेश यादव ने किया नमन

बोले- 'सामाजिक परिवर्तन के महानायक'

लखनऊ, 15 मार्च (एजेंसियां)। आज बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक और बहुजन नेता कांशीराम की जयंती है। जिसको लेकर तमाम राजनेताओं ने उन्हें याद करते हुए अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए हैं। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी कांशीराम को श्रद्धांजलि दी है। अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर अखिलेश यादव ने लिखा, सामाजिक परिवर्तन के महानायक मान्यवर श्री कांशीराम जी की जयंती पर शत शत नमन।"

बता दें कि अखिलेश यादव पिछले काफी समया से पीडीए की राजनीति यानि पिछड़े और बहुजनों की राजनीति कर रहे हैं।

जिसमें बीते लोकसभा चुनावों में उन्हें काफी सफलता मिली थी। अखिलेश यादव अपने पास आए अब दलित वोट को छिटकने नहीं देना चाहते लिहाजा वे दलित महापुरुषों को लेकर लगातार गंभीर हैं और उनके विचारों पर चलने का आह्वान करते हैं।

मायावती ने भी दी श्रद्धांजलि

इससे पहले, बसपा सुप्रीमो मायावती ने भी कांशीराम की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मायावती ने लिखा, बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के जन्मदाता और संस्थापक कांशीराम को उनकी जयंती पर उत्तर प्रदेश समेत पूरे देश में उनके अनुयायियों की ओर से शत-शत नमन और श्रद्धांजलि अर्पित। कांशीराम ने बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की विचारधारा और आंदोलन को पूरे देश में जिंदा करके और उनके कारवां को आगे बढ़ाकर सत्ता की मंजिल तक पहुंचाने के मिशन के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित करके लगातार संघर्ष किया। इसके साथ ही बसपा के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद ने भी कांशीराम जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

खड़गे और विपक्ष के नेताओं ने भी किया याद

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे समेत विपक्ष के कई बड़े नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी है। खड़गे ने कहा कि सामाजिक न्याय और बराबरी की लड़ाई में उनका योगदान सदैव प्रेरणादायी रहेगा। वहीं कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने पोस्ट में लिखा, सामाजिक न्याय की विचारधारा के नायक और दलित, वंचित, शोषित तबकों की प्रखर आवाज कांशीराम की जयंती पर उन्हें सादर नमन।

कांशीराम जी ने अपने विचारों और आंदोलनों के माध्यम से समानता और न्याय के संवैधानिक सिद्धांतों को नई ऊंचाई दी। उनके विचार हम सबको सदैव प्रेरित करते रहेंगे।

संभल में बेटे ने सौतेली मां की हत्या की

संभल, 15 मार्च (एजेंसियां)। संभल में एक बेटे ने खाना न देने पर अपनी सौतेली मां की कुल्हाड़ी से हत्या कर दी। यह घटना शनिवार रात बहजोई थाना क्षेत्र के इस्लामनगर रोड स्थित नई बस्ती में हुई। पुलिस ने आरोपी बेटे को हिरासत में ले लिया है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी आतिफ ने अपनी सौतेली मां शमीम बानो से खाना मांगा था। शमीम बानो ने थोड़ी देर रुकने को कहा, जिस पर दोनों के बीच कहासुनी हो गई।

इसी दौरान आतिफ ने घर में रखी कुल्हाड़ी से शमीम बानो की गर्दन काटकर हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए। इस वारदात के बाद मोहल्ले में बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है। थाना प्रभारी संत कुमार ने बताया कि आरोपी आतिफ को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। मृतक महिला के पति ने अपने बेटे के खिलाफ पत्नी की हत्या के संबंध में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है,

डिप्टी सीएम केशव बोले

सपा मुखिया अखिलेश यादव देशद्रोही तो नहीं, लेकिन उनकी देशभक्ति पर संदेह

प्रयागराज उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सपा मुखिया अखिलेश यादव पर प्रयागराज में निशाना साधा। सपा प्रमुख के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए केशव ने कहा कि मैं अखिलेश यादव को देशद्रोही तो नहीं कह सकता, लेकिन उनकी देशभक्ति पर संदेह जरूर है। ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच चल रहे युद्ध के कारण देश और दुनिया ऊर्जा संकट का सामना कर रहे हैं। इस संकट से पहले जहां रोजाना 50-55 लाख गैस सिलिंडर बुक होते थे, अब यह आंकड़ा 88 लाख तक पहुंच गया है। अखिलेश यादव और या राहुल गांधी दोनों ही माहौल खराब करने और अफवाह फैलाने का काम कर रहे हैं। उनके बयानों से देश में दहशत फैल रही है।

जनता उन्हें सबक सिखाएगी

केशव प्रसाद ने कहा कि पश्चिम बंगाल में टीएमसी सत्ता से बाहर होने वाली है और भाजपा सत्ता में आ रही है। भाजपा के पक्ष में बने माहौल ने टीएमसी को हिलाकर रख दिया है। इसलिए वे आक्रामक रुख अपना रहे हैं, मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति में लिप्त हैं, लेकिन जनता उन्हें मुंहतोड़ जवाब देगी। केशव प्रसाद मौर्य रविवार को परेड ग्राउंड में आयोजित सरस मेले में मीडियाकर्मियों से अनौपचारिक बातचीत कर रहे थे।

निशांत और मैथिली ठाकुर की एआई से बनाई आपत्तिजनक फोटो

वायरल करने पर बिहार पुलिस ने किया गिरफ्तार

फतेहपुर (गया), 15 मार्च (एजेंसियां)। सोशल मीडिया पर लाइक और फॉलोवर बढ़ाने की चाह में की गई एक लापरवाही एक युवक के लिए बड़ी मुसीबत बन गई। एआई तकनीक का इस्तेमाल कर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार तथा अलीनगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक मैथिली ठाकुर की आपत्तिजनक तस्वीर बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने के आरोप में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार युवक फतेहपुर थाना क्षेत्र के शब्दों गांव निवासी विकास कुमार यादव 35 है। आरोप है कि उसने एक सप्ताह पूर्व फेसबुक पर एआई तकनीक की मदद से निशांत कुमार और विधायक मैथिली ठाकुर से जुड़ी कुछ आपत्तिजनक तस्वीरें तैयार कर उन्हें सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया था। पोस्ट वायरल होते ही मामला तेजी से फैल गया और पुलिस तक इसकी सूचना पहुंची। मामले की गंभीरता को देखते हुए फतेहपुर पुलिस तुरंत हरकत में आई और शनिवार की शाम आरोपी युवक को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तारी के बाद युवक ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी पोस्ट किया। थानाध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक और भ्रामक सामग्री पोस्ट करने की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की। आरोपी को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ कर जेल भेज दिया गया।

उन्होंने कहा कि डिजिटल तकनीक और एआई का दुरुपयोग किसी भी स्थिति में गैर कानूनी कार्य है। थानाध्यक्ष ने आगे बताया कि किसी भी व्यक्ति की आपत्तिजनक फोटो, वीडियो या संदेश बनाकर अथवा एडिट कर सोशल मीडिया पर वायरल करना कानूनन अपराध है। ऐसे मामलों में आईटी एक्ट और अन्य संबंधित धाराओं के तहत कड़ी कार्रवाई की जाती है।

'हम चमड़ा उतार कर उसका जूता भी बनाना जानते हैं'

करणी सेना की धमकी पर चंद्रशेखर आजाद का पलटवार

नगीना, 15 मार्च (एजेंसियां)। करणी सेना ने आजाद समाज पार्टी के मुखिया और नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद को बाराबंकी की ज़मीन पर पैर नहीं रखने देने की धमकी दी है, जिस पर आसपा सांसद ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि हम ऐसी धमकियों ने नहीं डरते हैं। हम चमड़ा उतारना भी जानते हैं और उसका जूता बनाना भी जानते हैं। भीम आर्मी के मुखिया और आसपा सांसद चंद्रशेखर आजाद आज कांशीराम जयंती के मौके पर बाराबंकी में भीम आर्मी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सुबह लखनऊ पहुंचे, जहां उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए करणी सेना के नेता अभिनव सिंह की धमकी पर तीखा हमला किया।

करणी सेना की धमकी पर किया पलटवार

चंद्रशेखर ने कहा कि हम संघर्ष करने वाले लोग हैं। हम धमकियों से नहीं डरते। मैं तो संवैधानिक व्यक्ति हूं लेकिन, हम चमड़ा उतारना भी जानते

है और उसका जूता बनाना भी और समय आने पर उसे सिर पर पटककर मारना भी जानते हैं।। तो हम बड़े सज्जन लोग है। संविधान को मानने वाले लोग है, डरते किसी से नहीं है। डरते तो भारतीय संविधान के संविधानिक मूल्यों के खिलाफ नहीं जाएंगे। इस दौरान जब उनसे अलग-अलग सियासी दलों द्वारा कांशीराम जयंती पर कार्यक्रमों को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि कांशीराम व्यक्ति नहीं विचार है। जो उनके विचारों पर चल रहा है कांशीराम तो उन्हीं के हैं। आप महसूस कीजिए 2006-2026 तक इन 20 सालों में किसी को कांशीराम क्यों नहीं याद आए।

कांशीराम जयंती पर कही ये बात

मैं धन्यवाद दूंगा भीम आर्मी, आजाद समाज पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं का, जिन्होंने लाठियां खाईं, मुसीबतें झेलीं, जेलें काटी, अन्याय अत्याचार के ख़िलाफ आंदोलन और रैलिया की उसकी वजह से आज हर आदमी को कांशीराम याद आ रहे हैं।

बता दें कि बाराबंकी में करणी सेना के प्रदेश महामंत्री अभिनव सिंह ने सोशल मीडिया पर बयान जारी कर चंद्रशेखर आज़ाद को धमकी दी थी कि उन्हें बाराबंकी में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। अगर वो यहां आते हैं तो करणी सेना के कार्यकर्ता सड़कों पर उतर विरोध प्रदर्शन करेंगे। जिसके बाद इसे लेकर दोनों ओर से जमकर वार-पलटवार किए जा रहे हैं।

राकेश टिकैत बोले

प्रधानमंत्री की इस्राइल से दोस्ती गैस संकट की वजह, ईरान हमारा पुराना दोस्त

मेरठ, 15 मार्च (एजेंसियां)। गांव सरूरपुर खुर्द में आयोजित भारतीय किसान यूनियन की किसान गोष्ठी में संगठन के प्रवक्ता राकेश टिकैत ने केंद्र सरकार की नीतियों और अंतरराष्ट्रीय हालात पर चिंता जताई। उन्होंने भारत-अमेरिका समझौते का विरोध करते हुए कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों और सरकार की नीतियों से देश आर्थिक संकट की ओर बढ़ सकता है। टिकैत ने कहा कि ईरान-इस्राइल संघर्ष का असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। भारत की गलत नीतियों के कारण देश में तेल और रसोई गैस की किल्लत बढ़ने की आशंका है,

जिसका असर आम जनता और किसानों पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि कई स्थानों पर गैस की कमी से लोग परेशान हैं। ईरान हमेशा भारत का मित्र देश रहा है। प्रधानमंत्री को समझौते के प्रयास करना चाहिए था। प्रधानमंत्री की इस्राइल से दोस्ती और वहां का दौरा करना देश के लिए चिंता का सबब बन रहा है। टिकैत ने ऊर्जा निगम पर किसानों कर उत्पीड़न करने का आरोप लगाया। गोष्ठी में बड़ी संख्या में किसान

और ग्रामीण मौजूद रहे। इसमें किसानों की समस्याओं और खेती से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की गई। गोष्ठी की अध्यक्षता महिपाल सिंह और संचालन हर्ष चहल ने किया। इस मौके पर भाकियू जिलाध्यक्ष चौधरी अनुराग, विनोद पूनिया, वीरेंद्र पूनिया, कृष्णपाल, मनोज शर्मा, अमित कुमार, देवेंद्र फोगाट आदि मौजूद रहे।

उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि यदि देश में संकट की स्थिति पैदा होती है तो सभी नागरिकों को देश के साथ खड़ा होना चाहिए। डीजल, पेट्रोल और गैस का अनावश्यक उपयोग कम करना चाहिए। यात्रा के लिए निजी वाहनों के बजाय सरकारी बसों और सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करना चाहिए।

संपत्ति विवाद में हत्या करने वाला आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। बवाना थानाक्षेत्र में संपत्ति विवाद को लेकर पुरानी रंजिश में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर देने के मामले में वांछित आरोपित योगी उर्फ देवराज डबास को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। वह पूठ खुर्द गांव का रहने वाला है। आठ मार्च को वारदात के बाद से वह फरार चल रहा था। इस मामले में शामिल एक नाबालिग को बवाना पुलिस पहले पकड़ चुकी है। डीसीपी हर्ष इंदौरा के मुताबिक आठ मार्च को बवाना पुलिस को सूचना मिली थ कि राज वाटिका, पूठ खुर्द, सुल्तानपुर डबास रोड के पास एक व्यक्ति को गोली मार दी गई है। पुलिस टीम जब मौके पर पहुंची तो वहां स्कूटी के पास एक व्यक्ति घायल पड़ा हुआ था। उसकी पहचान 24 वर्षीय भूपेंद्र के रूप में हुई थी। वह पूठ खुर्द का रहने वाला था। घायल को अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया था।

चाबहार अब परिदृश्य में दिखाई नहीं दे रहा...

कांग्रेस ने उठाए पीएम मोदी की मध्य एशिया कूटनीति पर सवाल

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने ईरान के चाबहार पोर्ट परियोजना को लेकर केंद्र सरकार पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि इस परियोजना की शुरुआत 1990 के दशक के अंत में भारत-अफगानिस्तान-ईरान सहयोग रणनीति के तहत हुई थी और बाद में इसे पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने इसे आगे बढ़ाया था। रमेश ने कहा कि मई 2013 में केंद्र सरकार ने चाबहार बंदरगाह में शुरुआती तौर पर 115 मिलियन डॉलर के निवेश को मंजूरी दी थी। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि उस समय भारत भारत-अमेरिका नागरिक परमाणु समझौते को लागू करने की दिशा में भी बड़े कदम उठा रहा था।

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि अक्टूबर 2014 में नरेंद्र मोदी सरकार ने मनमोहन सिंह की इस पहल को रीपैकेज कर इसे प्रधानमंत्री की नई दृष्टि के रूप में पेश किया। उन्होंने कहा कि 2026-27 के बजट में चाबहार परियोजना के लिए कोई आवंटन नहीं किया गया है, जिससे इस परियोजना के भविष्य को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं।

जयराम रमेश ने लिखा कि शासन में निरंतरता एक बुनियादी सच्चाई है, जिसे आत्ममुग्ध प्रधानमंत्री कभी स्वीकार नहीं करते हैं। साल 1990 के दशक के उत्तरार्ध से ही भारत ने भारत-अफगानिस्तान-ईरान सहयोग रणनीति के तहत ईरान के चाबहार बंदरगाह में निवेश की संभावनाओं की तलाश शुरू कर दी थी।

अंततः तेहरान में आयोजित 16वें गुटनिरपेक्ष शिखर सम्मेलन में भाग लेने के बाद डॉ। मनमोहन सिंह ने इन योजनाओं को नई गति दी और मई 2013 में केंद्रीय कैबिनेट ने चाबहार में प्रारंभिक तौर पर 115 मिलियन डॉलर के निवेश को मंजूरी दी।

यह याद रखना चाहिए कि यह फैसला उस समय लिया गया था, जब भारत अक्टूबर 2008 में हस्ताक्षरित भारत-अमेरिका परमाणु समझौते को लागू करने के लिए बड़े कदम उठा रहा था।

भारत परियोजना से हो गया बाहर?- जयराम

आगे लिखा कि इसके बाद अक्टूबर 2014 में मोदी सरकार ने, जैसा कि वह अक्सर करती रही है, डॉ। मनमोहन सिंह की चाबहार पहल को रीपैकेज किया और उसे पीएम मोदी की विज़न का हिस्सा बताकर पेश किया। साल 2026-27 के बजट में चाबहार के लिए कोई आवंटन नहीं किया गया। क्या इसका मतलब यह है कि भारत इस परियोजना से बाहर हो गया है, या फिलहाल उसके निवेश संबंधी दायित्व पूरे हो चुके हैं? आगे लिखा कि किसी भी स्थिति में,

पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह-जिसे चीन ने बनाया है-से लगभग 170 किलोमीटर पश्चिम स्थित चाबहार अब परिदृश्य में दिखाई नहीं दे रहा है। यह भारत की मध्य एशिया कूटनीति के लिए दूसरा रणनीतिक झटका है, क्योंकि इससे पहले भारत ताजिकिस्तान के दुशांबे के पास अयनी में स्थित अपने वायुसेना अड्डे को बंद कर चुका है।

क्यों खास है भारत के लिए चाबहार

साउथ-ईस्ट ईरान में मौजूद चाबहार पोर्ट, भारत के लिए स्ट्रैटेजिकली सबसे इम्पोर्टेंट मैरीटाइम प्रोजेक्ट्स में से एक है। ये ईरान के थ्रू अरेबियन सी तक भारत का ओनली डायरेक्ट एक्सेस पॉइंट है, इस प्रोजेक्ट का पर्पज अफगानिस्तान और सेंट्रल एशिया, स्पेशली उज्बेकिस्तान और कजाकिस्तान जैसे कंट्रीज के लिए एक शॉर्टर और मोर रिलायबल ट्रेड रूट प्रोवाइड करना है।

विवाहिता का बेडरूम में मिला शव

कानपुर, 15 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कानपुर के बर्रा थाना क्षेत्र के विश्वबैंक इलाके में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से इलाके में सनसनी फैल गई। विवाहिता का शव उसके बेडरूम में बेड पर औंधे मुंह पड़ा मिला। मौत से ठीक पहले उसके व्हाट्सएप स्टेटस पर लिखा संदेश- हम जो फैसले करते हैं, खुलेआम करते हैं।

इस स्टेटस ने मामले को और रहस्यमयी बना दिया है। घटना के बाद मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है, जबकि पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी है। घटना के अनुसार, विवाहिता का नाम सोनाली उर्फ श्रद्धा बताया जा रहा है, जो वर्तमान में ससुराल में रह रही थी। सोनाली का मायका इटावा के भरथना में है। परिवार के सदस्यों के मुताबिक, वह बेडरूम में अकेली थी और अचानक उसका शव बेड पर औंधे मुंह अवस्था में मिला।

हिमाचल विधानसभा बजट सत्र:18 मार्च से दूसरा चरण

शिमला, 15 मार्च (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र का दूसरा चरण 18 मार्च से शुरू होने जा रहा है। सत्र को लेकर विधानसभा सचिवालय ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इस बार विधायकों की ओर से अलग-अलग विभागों और जनहित से जुड़े मुद्दों पर बड़ी संख्या में प्रश्न लगाए गए हैं। अब तक राज्य विधानसभा सचिवालय को करीब 800 प्रश्न प्राप्त हो चुके हैं, जिनमें अधिकांश सवाल सड़कों, पेयजल, बिजली, विकास कार्यों और विभिन्न सरकारी योजनाओं से जुड़े हैं। इन प्रश्नों के माध्यम से विधायक अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों से जुड़े मुद्दों को सदन में उठाएंगे।

'किन हालात में किया था डिटेन?'

दिल्ली एचसी में अवैध हिरासत पर सुनवाई पुलिस ने 10 कार्यकर्ता छोड़े; एक अब भी लापता

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने रविवार को दिल्ली हाईकोर्ट को बताया कि अवैध हिरासत में लिए जाने का दावा करने वाले सभी 10 कार्यकर्ताओं को रिहा कर दिया गया है। हालांकि याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वकील ने कहा कि इनमें से एक व्यक्ति, रुद्र विक्रम, अब भी लापता हैं।

मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से यह स्पष्ट करने को कहा कि इन लोगों को किन परिस्थितियों में हिरासत में लिया गया था। अदालत ने इस संबंध में दायर तीन हैबियस कॉर्पस याचिकाओं पर पुलिस को नोटिस जारी किया है। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कॉलिन गोंजाल्विस के साथ अधिवक्ता शाहरुख आलम और जसदीप ढिल्लों अदालत में पेश हुए।

सुनवाई के दौरान पुलिस ने कहा कि सभी 10 लोगों को छोड़ दिया गया है, लेकिन अधिवक्ता ढिल्लों ने अदालत को बताया कि रुद्र विक्रम का अब तक पता नहीं चल पाया है। इस पर अदालत ने दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया कि वह रुद्र विक्रम का पता लगाए और याचिकाओं पर अपना जवाब दाखिल करे। साथ ही कोर्ट ने पुलिस को संबंधित क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने का भी निर्देश दिया है। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 27 मार्च को निर्धारित की है।

फ्रोजन एम्ब्रियो को लेकर पति-पत्नी में कानूनी जंग, 16 भ्रूणों के लिए हाईकोर्ट पहुंची महिला

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। मुंबई की एक महिला ने अपने अलग रह रहे पति के साथ चल रहे विवाद के बीच जमे हुए भ्रूणों (फ्रोजन एम्ब्रियो) के अधिकार को लेकर अब दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। बताया जा रहा है कि महिला के पास कुल 16 भ्रूण संरक्षित हैं, जिनके इस्तेमाल को लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद चल रहा है।

इससे पहले राष्ट्रीय सहायक प्रजनन प्रौद्योगिकी (एआरटी) और सरोगेसी बोर्ड ने उसकी इस अपील को खारिज कर दिया था। 46 साल की यह महिला पहले बॉम्बे हाई कोर्ट में भी गई थी, लेकिन सितंबर 2025 में उसने अपनी याचिका वापस ले ली थी ताकि वह दिल्ली में संबंधित बोर्ड से अपील कर सके। मगर महिला का आरोप है कि उसकी अपील को सही तरह से सुने बिना खारिज कर दिया गया। इसके बाद उसने दिल्ली हाई कोर्ट का रुख अपनाया है।

पति ने एआरटी कानून के तहत फर्टिलिटी ट्रांसफर को रोका

यह मामला साल 2022 से जुड़ा है, जब दक्षिण मुंबई के इस दंपति ने शादी के एक साल बाद एक फर्टिलिटी क्लिनिक में महिला के अंडाणु और पुरुष के शुक्राणु से बने भ्रूणों को फ्रीज करवा दिया था। लेकिन लगभग एक साल बाद दोनों के कहा सुनी होने लगी, जिसके बाद से वे अलग रहने लगे, हालांकि दोनों पति-पत्नी ने अभी तलाक नहीं लिया है। महिला की इच्छा है कि इन भ्रूणों को किसी दूसरे फर्टिलिटी क्लिनिक में ट्रांसफर किया जाए ताकि वे बाद में मां बन सके। लेकिन एआरटी कानून के तहत महिला के पति ने इस प्रक्रिया को रोक दिया। दरअसल, इस तरह के ट्रांसफर के लिए दोनों पति-पत्नी की सहमति चाहिए होती है।

महिला ने याचिका देते हुए कहा कि उसने एआरटी एक्ट की धारा 29 के तहत भ्रूणों को स्थानांतरित करने की अनुमति मांगी है और अदालत से अनुरोध किया है कि उसे पति की सहमति के बिना इसकी अनुमति दी जाए। महिला का कहना है कि उनका वैवाहिक संबंध पूरी तरह टूट चुका है, जिस कारण पति इसकी सहमति नहीं दे रहे हैं। महिला की ओर से दाखिल याचिका में यह भी कहा गया है कि पति के व्यवहार के कारण उनसे मां बनने का हक छिना जा रहा है। महिला ने आरोप लगाया कि उसका पति उसे प्रताड़ित करता था और बाद में उसे छोड़ दिया। याचिका में यह भी बताया है कि एक ओर तो वह एक ऐसी शादीशुदा महिला है, जिसके पति ने उसे छोड़ दिया है।

वहीं दूसरी ओर उसके अपने ही संरक्षित भ्रूणों का इस्तेमाल नहीं करने दिया जा रहा। इसके अलावा मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत सहायक प्रजनन तकनीक (आईवीएफ) का उपयोग केवल वैवाहिक संबंध के रहते हुए ही संभव माना जाता है। ऐसे में तलाक होने के बाद यह प्रक्रिया संभव नहीं मानी जाएगी।

भारतीयों को लेकर जा रही बस पलटी, 7 की मौत; कई घायल

काठमांडू, 15 मार्च (एजेंसियां)। इस वक्त की बड़ी खबर नेपाल से सामने आ रही है। यहां भारतीय श्रद्धालुओं को लेकर जा रही एक बस खाई में पलट गई है। ये हादसा मध्य नेपाल इलाके में हुआ है। मिली जानकारी के मुताबिक इस हादसे में सात लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई अन्य लोग घायल हैं। पुलिस ने इस हादसे के बारे में जानकारी दी है। पुलिस का कहना है कि सूचना मिलते ही रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया।

फिलहाल घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज किया जा रहा है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। जानकारी के मुताबिक नेपाल के मध्य क्षेत्र में भारतीय तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक यात्री बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में सात लोगों की मौत हो गई है। इसके अलावा सात अन्य लोग घायल भी बताए जा रहे हैं। पुलिस ने बताया कि यह घटना शनिवार को नेपाल के गंडकी प्रांत में हुई। पुलिस के अनुसार, तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस मनकामना मंदिर से लौट रही थी। इसी दौरान गोरखा जिले में बस अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क से नीचे खाई में गिर गई। गोरखा जिले के जिला यातायात पुलिस कार्यालय के प्रमुख सूरज आर्यल ने बताया कि मृतकों में दो महिलाएं और पांच पुरुष शामिल हैं। उन्होंने बताया कि सभी मृतक भारतीय नागरिक हैं।

जिला पुलिस कार्यालय प्रमुख भरत बहादुर बीके के ने बताया कि इस हादसे में मरने वालों की पहचान मुथु कुमार (58), अनामलिक (58), मीनाक्षी (59), शिवगामी (53), विजयल (57), मीना (58) और तमिलारसी (60) के रूप में की गई है। वहीं 'काठमांडू पोस्ट' की रिपोर्ट के अनुसार, सात अन्य घायल यात्रियों को बचा लिया गया है। सभी घायल व्यक्तियों को आंबुखैरेनी के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज किया जा रहा है। इलेक्ट्रिक बस का चालक बाल-बाल बच गया, जबकि उसका सहायक इस हादसे में घायल हो गया है।

डीआरआई को मिली बड़ी सफलता, मुंबई एयरपोर्ट पर 3 करोड़ के डॉलर, पाउंड और हीरे जब्त, 6 गिरफ्तार

मुंबई, 15 मार्च (एजेंसियां)। देश की आर्थिक सुरक्षा को मजबूत करने और अवैध तस्करी के नेटवर्क को ध्वस्त करने की दिशा में डीआरआई (राजस्व खुफिया निदेशालय) डीआरआई मुंबई को बड़ी कामयाबी मिली है। विदेशी मुद्रा और हीरे के तस्करों को एक बड़ा झटका देते हुए, डीआरआई ने मुंबई एयरपोर्ट पर 3 करोड़ रुपये के डॉलर, पाउंड और हीरे ज़ब्त किए।

पहचान से बचने के लिए, मुद्रा और हीरों को हैंडबैग में बनी नकली जगहों में बड़ी चालाकी से छिपाया गया था। इस मामले में विभाग ने एक बड़े सिंडिकेट का पर्दाफाश करते हुए हवाला ऑपरेटर और हैंडलर सहित कुल 6 लोगों को गिरफ्तार किया है।

डीआरआई ने यह कार्रवाई खुफिया सूचना के आधार पर की। उसे यह जानकारी मिली थी कुछ यात्री बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा और हीरे देश से बाहर ले जाने की फिराक में है। इस जानकारी के आधार पर डीआरई की टीम अलर्ट हो गई।

अधिकारियों ने मुंबई इनटरनेशनल एयरपोर्ट पर जाल बिछा दिया। जानकारी के मुताबिक डीआरआई अधिकारियों ने हवाई अड्डे पर 4 यात्रियों को तब रोका, जब वे अपनी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में सवार होने वाले थे। उनके सामान की विस्तृत जांच की गई। जांच के दौरान पाउंड स्टर्लिंग (जीबीपी) और यूएस डॉलर (यूएसडी) सहित विभिन्न मूल्यवर्ग की विदेशी मुद्रा बरामद की गई, जिसका कुल अनुमानित मूल्य 1।93 करोड़ रुपये है।

विदेशी मुद्रा के अलावा, यात्रियों द्वारा ले जाए जा रहे सामान में 1।10 करोड़ रुपये के हीरों की 53 छोटी थैलियां भी छिपी हुई मिलीं। यात्रियों ने न तो उक्त विदेशी मुद्रा और हीरों के बारे में सीमा शुल्क विभाग को जानकारी दी थी, और न ही वे इतनी बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा और हीरों के निर्यात की अनुमति देने वाले कोई वैध दस्तावेज़ या प्राधिकरण प्रस्तुत कर सके।

इसके बाद बरामद विदेशी मुद्रा और हीरों को ज़ब्त कर लिया गया। वहीं आगे एक्शन लेते हुए उस हवाला ऑपरेटर को भी रोका गया जिसने विदेशी मुद्रा का इंतज़ाम किया था, और उस व्यक्ति को भी जिसने इसे उक्त यात्रियों तक पहुंचाया था। उक्त सभी छह लोगों को सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत गिरफ़्तार किया गया।

हथियार और ड्रग्स तस्करी का भंडाफोड़

छह आरोपी गिरफ्तार, अत्याधुनिक पिस्तौल, 60 जिंदा कारतूस मिले

अमृतसर, 15 मार्च (एजेंसियां)। अमृतसर पुलिस ने सीमा पार से जुड़े हथियार और नशा तस्करी के मामले में कार्रवाई करते हुए 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 6 अत्याधुनिक पिस्तौल, 60 जिंदा कारतूस और 3.513 किलोग्राम हेरोइन बरामद की है। बरामद हथियारों में तुर्की सीरीज की पीएक्स 5.7×28 मिमी टीआईएसएएस पिस्तौल भी शामिल है। पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी पाकिस्तान आधारित तस्करों के संपर्क में थे, जो भारत-पाक सीमा के नजदीक हथियार और नशीले पदार्थों की सप्लाई में शामिल बताए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार आरोपी एक विदेशी हैंडलर के निर्देश पर काम कर रहे थे, जिससे संगठित तस्करी नेटवर्क से जुड़े होने के संकेत मिले हैं।

इस संबंध में थाना गेट हकीमां, थाना छेहर्टा और थाना वेरका में मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस का कहना है कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है और नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान के लिए आगे जांच की जा रही है। इस मामले में जल्द ही कई और आरोपियों के गिरफ्तार होने की संभावना है। पंजाब पुलिस ने स्पष्ट किया है कि नशे, अवैध हथियारों की तस्करी और संगठित अपराध के खिलाफ उसकी जीरो टॉलरेंस नीति जारी रहेगी और ऐसे अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाती रहेगी।

तेज धमाके के साथ फटा सिलेंडर, दो बच्चों की मौत, 7 घायल; तीन मकान गिरे

चेन्नई, 15 मार्च (एजेंसियां)। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई के नवल्लूर इलाके में एक सिलेंडर में धमाके का मामला सामने आ रहा है। यहां सिलेंडर में धमाका होने से दो बच्चों की मौत हो गई है, जबकि सात अन्य लोग घायल हो गए हैं। जानकारी के मुताबिक धमाका इतना तेज था कि यहां तीन मकान आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गई हैं। स्थानीय लोग आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे और पुलिस के साथ ही दमकल विभाग को इस धमाके के बारे में सूचना दी। पुलिस का कहना है कि घायलों को अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है। मामले की जांच की जा रही हैं। प्रारंभिक जांच में सिलेंडर में विस्फोट होने प्रतीत हो रहा है।

धमाके की वजह से गिरे तीन मकान

दरअसल, चेन्नई के पास नवल्लूर इलाके में आज एक संदिग्ध एलपीजी सिलेंडर विस्फोट हो गया। इस हादसे में दो बच्चों की मौत हो गई, जबकि सात अन्य झुलस गए है। यह घटना सुबह करीब 7:40 बजे चेन्नई दक्षिण के नवल्लूर इलाके के चामुंडीश्वर नगर स्थित तीसरी गली में हुई। यहां कई घर एक-दूसरे से सटे हुए थे। तेज धमाके की आवाज सुनकर इलाके के निवासी मौके पर पहुंचे और यह देखकर दंग रह गए कि विस्फोट के कारण तीनों घर आंशिक रूप से ढह गए थे।

इस घटना में संजय कुमार और सोनिया के डेढ़ वर्षीय बच्चे धीरन और चार वर्षीय कृतिका की मौके पर ही मौत हो गई।

घायलों को अस्पताल में कराया भर्ती

स्थानीय लोगों ने देखा कि कई लोग मलबे के नीचे दबे हुए हैं। उन्होंने तुरंत पुलिस और अग्निशमन विभाग को इस धमाके की सूचना दी। थाझाम्बूर पुलिस स्टेशन के कर्मी और अग्निशमन कर्मी मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान चलाया।

जानकारी के मुताबिक प्रदीप (7), सेल्वी (40), वैरामुथु (45), संजीव कुमार (27), सोनिया (25), मुरुगन (45) और चित्रा (55) को गंभीर रूप से झुलसे हुए हालत में बचाया गया। उन्हें इलाज के लिए पास के सरकारी और निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है और प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चलता है कि विस्फोट गैस सिलेंडर फटने के कारण हुआ होगा। आगे की जांच जारी है।

सरपंच पर फरसे से हमला, भाई को मारी गोली

फरीदाबाद, 15 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के फरीदाबाद के जटोला गांव में करीब 30 लोगों ने एकजुट होकर गांव के सरपंच गिरराज के घर पर हमला बोल दिया। हमलावरों ने घर पर पहुंचते ही ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी और धारदार हथियारों से भी हमला किया, जिससे सरपंच और उनका परिवार गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया जा रहा है कि घटना की शुरुआत सरपंच गिरराज जटोला के बेटे और कुछ युवकों के बीच रास्ते में खड़ी गाड़ी को हटाने को लेकर हुई कहासुनी से हुई थी। शुरू में यह मामूली बहस थी, लेकिन कुछ ही देर में मामला इतना बढ़ गया कि दूसरे पक्ष के लोग बड़ी संख्या में इकट्ठा होकर सरपंच के घर पहुंच गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हमलावरों के हाथों में हथियार थे और उन्होंने आते ही फायरिंग शुरू कर दी। इस हमले में सरपंच के छोटे भाई संजय को दो गोलियां लगने की सूचना है, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं सरपंच गिरराज जटोला पर भी फरसे से हमला किया गया,

'जो लोग इजरायल को फादरलैंड मानते हैं, वो भी इस युद्ध के लिए समान रूप से जिम्मेदार हैं', ईरान-इजरायल युद्ध पर संजय राउत का बयान

मुंबई, 15 मार्च (एजेंसियां)। एक तरफ ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच संघर्ष जारी है, वहीं दूसरी तरफ इस जंग को लेकर भारत में भी राजनीतिक प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। शिवसेना यूबीटी के राज्यसभा सांसद और प्रवक्ता संजय राउत ने इस युद्ध के लिए केवल अमेरिका और इजरायल को ही जिम्मेदार नहीं ठहराया। उनका कहना है कि जिन्होंने इजरायल को 'फादरलैंड' माना, वे भी इस युद्ध के लिए समान रूप से जिम्मेदार हैं। संजय राउत ने अपने साप्ताहिक लेख में कहा कि यह मान लेना गलत होगा कि ईरान-इजरायल युद्ध समाप्त हो गया है। उनके अनुसार किसी भी एकतरफा घोषणा से युद्ध का अंत नहीं हो जाता। उन्होंने कहा कि इस संघर्ष के लिए इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जितने जिम्मेदार हैं, उतने ही वे लोग भी हैं जिन्होंने इजरायल को 'फादरलैंड' (पितृभूमि) के रूप में स्वीकार किया है। उन्होंने कहा कि इन सबको 'युद्ध अपराधी' ही माना जाना चाहिए।

लेख में राउत ने ट्रंप के कई बयानों की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि ट्रंप द्वारा युद्ध को जीत लेने की घोषणा करना वास्तविकता से दूर है। उनके अनुसार ईरान ने साफ संकेत दिया है कि वह पीछे हटने को तैयार नहीं है और संघर्ष को अंत तक ले जाने का रुख रखता है। उन्होंने लिखा, 'ट्रंप द्वारा एकतरफा वो युद्ध जीत गए हैं घोषित कर देने से युद्ध का परिणाम निकल गया, ऐसा नहीं कहा जा सकता। राष्ट्रपति ट्रंप ने युद्धकाल में कई बार मूर्खतापूर्ण बयान दिए। उन्होंने यह कहकर अपने बौद्धिक दिवालियापन का परिचय दिया कि अपने दामाद जेरेड कुशनर के कहने पर मैंने ईरान के साथ युद्ध किया। यह साफ तौर पर सिरफिरापन है।'

राउत का कहना है कि ईरान का लगभग तीन हजार वर्षों का इतिहास है, जबकि इजरायल का वैसा नहीं है। यहूदी (ज्यू) लोगों ने अपने लिए जो देश खड़ा किया, उसे अभी सौ साल भी पूरे नहीं हुए हैं। उन्होंने अरबों की भूमि पर घुसपैठ कर और जमीन पर कब्जा कर अपना देश बनाया। राउत ने लिखा कि इस युद्ध का वास्तविक कारण अब तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। इजरायल की ओर से ईरान के परमाणु कार्यक्रम को खतरा बताया गया, लेकिन यह परमाणु हथियारों का युद्ध नहीं है। ईरान परमाणु कार्यक्रम कर रहा है

और उसने परमाणु बम बना लिया है, यह नेतन्याहू का आरोप यदि सच होता तो वह परमाणु बम ईरान ने इजरायल पर फेंकने में देर नहीं की होती। ईरान के पास मिसाइलों का प्रचंड भंडार है और उस हमले में नेतन्याहू जैसे लोगों की भागदौड़ मच गई। उन्होंने इस जंग को एक प्रकार का धर्मयुद्ध बताया है। वो लिखते हैं कि 'यहूदी मुसलमान' ऐसा यह युद्ध का प्रकार स्पष्ट दिखता है और इसे जेफरी एपस्टीन की गुप्त फाइलों का संदर्भ है। स्वयं एपस्टीन यहूदी था और वह मोसाद के लिए बड़ी भूमिका निभा रहा था। राष्ट्रपति ट्रंप का दामाद जेरेड कुशनर यहूदी है। अमेरिका की अर्थव्यवस्था पर यहूदी लोगों की पकड़ है।

ट्रंप का होर्मुज में अमेरिका के साथ मिलकर कई देश भेजेंगे वॉरशिप

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजरायल संघर्ष का असर दुनिया के अन्य देशों पर भी पड़ रहा है। होर्मुज स्ट्रेट में जारी तनाव ने दूसरे देशों की परेशानी बढ़ा दी है। दरअसल, इस रास्ते से देश दुनिया के ज्यादातर हिस्सों में अधिकतर तेल की सप्लाई होती है। स्ट्रेट में तनाव की वजह से कई देशों के लिए संकट की स्थिति पैदा हो गई है। इस बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट को खुला और सुरक्षित रखने के लिए यूएस के साथ मिलकर अन्य प्रभावित देश वॉरशिप भेजेंगे। कई देश, खासकर वे जो ईरान की होर्मुज स्ट्रेट को बंद करने की कोशिश से प्रभावित हैं, स्ट्रेट को खुला और सुरक्षित रखने के लिए अमेरिका के साथ मिलकर वॉरशिप भेजेंगे। हमने पहले ही ईरान की 100 प्रतिशत सैन्य क्षमता को खत्म कर दिया है,

किम जोंग उन ने बेटी के साथ देखा रॉकेट लॉन्चर का परीक्षण

सियोल, 15 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने अपनी बेटी के साथ मिलकर रॉकेट लॉन्च सिस्टम का परीक्षण देखा। सरकारी मीडिया ने रविवार को इस बात की जानकारी दी। यह परीक्षण अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच चल रहे सैन्य अभ्यास के जवाब में किया गया है। उत्तर कोरिया इस सैन्य अभ्यास को अपने देश पर हमले की तैयारी मानता है।

किम जोंग उन ने अभ्यास लिया जायजा

सरकारी समाचार एजेंसी के अनुसार, किम जोंग उन ने उत्तर कोरिया के पूर्वी तट पर इस अभ्यास का जायजा लिया। इस ड्रिल में 600 मिलीमीटर के अल्ट्रा-प्रिसिजन रॉकेट लॉन्चर शामिल थे। दूसरी ओर, दक्षिण कोरिया की सेना ने बताया कि उन्होंने उत्तर कोरिया की राजधानी के पास से पूर्वी समुद्र की

ओर करीब 10 बैलिस्टिक मिसाइलें गिरती हुई देखीं। दक्षिण कोरिया की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने इसे उकसाने वाली कार्रवाई बताया है। उन्होंने कहा कि यह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के उन नियमों का उल्लंघन है, जो उत्तर कोरिया की बैलिस्टिक गतिविधियों पर रोक लगाते हैं।

अभ्यास से दुश्मनों में पैदा होगा डर

किम जोंग उन ने कहा कि इस अभ्यास से दुश्मनों के मन में डर पैदा होगा। उन्होंने बताया कि 420 किलोमीटर के दायरे में आने वाले दुश्मन अब परमाणु हथियारों की विनाशकारी ताकत को अच्छी तरह समझ पाएंगे। उनका इशारा दक्षिण कोरिया और वहां तैनात अमेरिकी सैनिकों की तरफ था।

किम ने चेतावनी दी कि अगर इन हथियारों का इस्तेमाल हुआ, तो दुश्मन का सैन्य ढांचा कभी बच नहीं पाएगा। सरकारी मीडिया की तस्वीरों में किम अपनी बेटी किम जू ऐ के साथ नजर आए, जिनकी उम्र करीब 13 साल बताई जाती है।

वे दोनों बड़े हरे रंग के लॉन्च ट्रकों के पास घूम रहे थे और हथियारों को चलते हुए देख रहे थे। यह लड़की साल 2022 के अंत से ही मिसाइल परीक्षणों और सैन्य परेडों जैसे बड़े कार्यक्रमों में अपने पिता के साथ दिख रही है। जानकारों का मानना है कि किम जोंग उन उसे अपना उत्तराधिकारी बनाने की तैयारी कर रहे हैं।

विशेषज्ञों का क्या है कहना?

विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर कोरिया के ये बड़े रॉकेट लॉन्चर मिसाइलों की तरह ही काम करते हैं। ये खुद की ताकत से चलते हैं और इन्हें रास्ते में नियंत्रित भी किया जा सकता है। उत्तर कोरिया का दावा है कि इनमें से कुछ सिस्टम परमाणु हथियार ले जाने में भी सक्षम हैं। अमेरिका और दक्षिण कोरिया का 'फ्रीडम शील्ड' अभ्यास 19 मार्च तक चलेगा। उत्तर कोरिया अक्सर ऐसे अभ्यासों के जवाब में हथियार परीक्षण करता है और सख्त बयान देता है।

बेहतर भविष्य की तलाश में रूस गया था, 8 महीने बाद ताबूत में लौटा

लुधियाना, 15 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब के लुधियाना का 21 वर्षीय युवक समरजीत सिंह बेहतर भविष्य और परिवार की मदद के सपनों के साथ पिछले साल रूस गया था। लेकिन 8 महीने बाद उसका शव घर पहुंचा तो पूरे परिवार और इलाके में मातम छा गया। लुधियाना के डाबा इलाके में समरजीत का अंतिम संस्कार किया गया।

परिवार के अनुसार, समरजीत सिंह जुलाई 2025 में कुछ भर्ती एजेंटों के जरिए रूस गए थे। एजेंटों ने उन्हें अच्छी तनख्वाह वाली नौकरी का भरोसा दिया था। लेकिन परिवार का आरोप है कि वहां पहुंचने के बाद उन्हें जबरन रूसी सेना में भर्ती कर लिया गया। परिजनों का कहना है कि समरजीत को किसी तरह का सैन्य प्रशिक्षण भी नहीं दिया गया और सीधे युद्ध के मोर्चे पर भेज दिया गया।

जंग के बीच लंदन में घर खोजना मुश्किल

एक हफ्ते का किराया 3 से 4 लाख रुपए; लेबनान में 2 लाख बच्चे बेघर

तेल अवीव/तेहरान, 15 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज 16वां दिन है। इस बीच मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के कारण बड़ी संख्या में ब्रिटिश प्रवासी दुबई से वापस लौट रहे हैं। इसके चलते लंदन में किराए के घरों की मांग अचानक बढ़ गई है। डेली मेल के मुताबिक, कई लोग सुरक्षा के कारण जल्दी शिफ्ट होना चाहते हैं और एक हफ्ते के लिए 3 से 4 लाख रुपए तक देने को तैयार हैं। वहीं, हमलों के कारण ईरान में लगभग 20,000 नागरिक इमारतें प्रभावित हुईं, जिसमें 16,000 घर शामिल थे। 77 स्वास्थ्य सुविधाएं क्षतिग्रस्त हुई, 65 स्कूल तबाह हुए। लेबनान में भी इजराइली हमले जारी है, जिसके कारण करीब 8 लाख लोग घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं। अल जजीरा के मुताबिक इनमें 2 लाख से ज्यादा बच्चे हैं।

खामेनेई ने बंकर में जाने से क्यों किया इंकार

सुरक्षा टीम की सलाह भी ठुकराई

> खामेनेई का कहना था कि एक नेता को हमेशा अपनी जनता और गरीबों के बराबर ही रहना चाहिए। अगर कोई नेता अपने लिए अलग और खास जीवन जीने लगे, तो वह देश का नेतृत्व करने के लायक नहीं रहता।
>
> *- अब्दुल मजीद हकीम इलाही*
> *भारत में ईरान के सर्वोच्च नेता के प्रतिनिधि*

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। भारत की राजधानी नई दिल्ली में हुए एक कार्यक्रम के दौरान भारत में ईरान के सर्वोच्च नेता के प्रतिनिधि डॉ। अब्दुल मजीद हकीम इलाही ने एक बड़ा खुलासा किया। उन्होंने बताया कि ईरान, अमेरिका और इस्राइल के बीच बढ़ते तनाव के बावजूद खामेनेई ने तेहरान में अपना घर छोड़कर किसी सुरक्षित जगह, बंकर में जाने से साफ मना कर दिया था।

डॉ इलाही के मुताबिक, सुरक्षा टीम ने खामेनेई से बार-बार गुजारिश की थी कि वे किसी गुप्त स्थान पर चले जाएं। उनका घर और दफ्तर सबको पता था, इसलिए उन पर हमले का खतरा बहुत ज्यादा था। लेकिन 37 वर्षों से देश की कमान संभाल रहे खामेनेई अपनी बात पर अड़े रहे। उन्होंने सुरक्षा अधिकारियों से कहा कि अगर वे ईरान के 9 करोड़ लोगों के लिए सुरक्षित शेल्टर का इंतजाम कर सकते हैं, तभी वे अपना घर छोड़कर कहीं और जाएंगे। इतना ही नहीं, खामेनेई ने अपने घर के नीचे खास बंकर बनाने की अनुमति भी नहीं दी। उन्होंने अधिकारियों को जवाब दिया कि वे अपने लिए कोई विशेष सुविधा नहीं चाहते। उनका मानना है कि अगर देश के हर नागरिक के लिए बंकर बन सकता है, तभी वे अपने लिए भी ऐसा कुछ बनाने की इजाजत देंगे।

खामेनेई के परिवार ने भी इस बारे में अपनी बात रखी। परिवार के अनुसार, खामेनेई का कहना था कि एक नेता को हमेशा अपनी जनता और गरीबों के बराबर ही रहना चाहिए। अगर कोई नेता अपने लिए अलग और खास जीवन जीने लगे, तो वह देश का नेतृत्व करने के लायक नहीं रहता।

चर्चा के दौरान डॉ। इलाही ने इस्लाम में शहादत के महत्व पर भी बात की। उन्होंने बताया कि इस्लामी शिक्षाओं में शहादत को सबसे ऊंचा दर्जा और सम्मान माना जाता है। खामेनेई खुद भी लंबे समय से शहादत पाने की इच्छा रखते थे और इसे अपने लिए सबसे बड़ा पुरस्कार मानते हैं। यही वजह है कि मौत का खतरा होने के बाद भी उन्होंने अपनी सादगी और जनता के साथ खड़े रहने का फैसला नहीं बदला।

नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई पूरी तरह ठीक

उन्हें कोई चोट नहीं

तेहरान, 15 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज 16वां दिन है। इस बीच ईरान ने कहा है कि देश के नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई पूरी तरह ठीक हैं और उन्हें कोई चोट नहीं लगी है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि खामेनेई सामान्य रूप से अपने कर्तव्यों का पालन कर रहे हैं। इससे पहले ब्रिटिश मीडिया द सन ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया था कि मुजतबा 28 फरवरी को अमेरिका-इजराइल के हमले में घायल हो गए थे। इसके बाद से वे कोमा में हैं और उनका एक पैर भी काटना पड़ा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ने भी कहा था कि मुजतबा घायल हो गए हैं।

हालांकि अराघची ने इन दावों को खारिज कर दिया है। इस बीच ट्रम्प ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट से तेल लेने वाले देशों को इस समुद्री मार्ग की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी उठानी चाहिए। उन्होंने कहा कि अमेरिका अन्य देशों के साथ मिलकर इस रास्ते को सुरक्षित रखने के लिए काम करेगा। होर्मुज स्ट्रेट वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए बेहद अहम समुद्री मार्ग है, जहां से दुनिया के करीब 20 प्रतिशत कच्चे तेल का व्यापार होता है।

'वो ठीक हैं'

नेतन्याहू की मौत की खबरों पर उनके ऑफिस ने जारी किया बयान; बताया कहां हैं इजरायल के पीएम?

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। सोशल मीडिया पर कुछ पोस्ट में इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के निधन की बात कही जा रही है। इसको लेकर उनके ऑफिस ने बयान जारी कर कहा है कि वह ठीक हैं। अनादोलू एजेंसी के एक संवाददाता ने दफ्तर से पूछा कि क्या उनके पास सोशल मीडिया पर बढ़ते इन दावों पर कोई बयान है कि नेतन्याहू की हत्या कर दी गई है। इस पर नेतन्याहू के ऑफिस ने कहा, ये फर्जी खबरें हैं, प्रधानमंत्री बिल्कुल ठीक हैं।

शुक्रवार को नेतन्याहू ने अपने एक्स (पहले ट्विटर) अकाउंट पर अमेरिका-इजरायल-ईरान के बीच चल रहे युद्ध को लेकर हुई एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में कई सोशल मीडिया यूजर्स ने दावा किया कि उन्होंने नेतन्याहू के दाहिने हाथ में छह उंगलियां देखी हैं, जिससे यह अफवाहें तेज हो गईं कि यह वीडियो एआई-जनरेटेड है।

वीडियो में जब नेतन्याहू अपने हाथ ऊपर उठाते हैं तो छोटी उंगली के बगल में मांस का एक अतिरिक्त टुकड़ा दिखाई देता है। कई सोशल मीडिया यूजर्स ने दावा किया कि यह छठी उंगली थी। अमेरिकी रूढ़िवादी राजनीतिक टिप्पणीकार कैंडिस ओवेन्स ने पूछा, बीबी कहां हैं? उन्होंने लिखा, ध्यान दें कि पूरे वीडियो में ब्लैकआउट पर्दा बिल्कुल एक ही पैटर्न में कैसे हिल रहा है, ऐसा लगता है जैसे यह लूप में चल रहा हो।

क्या पीट हेगसेथ ने किया मेसोनिक हैंडशेक

फ्रीमेसन विवाद पर एआई का खुलासा

वॉशिंगटन, 15 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के डिफेंस सैक्रेटरी पीट हेगसेथ के हाथ मिलाने के तरीके को लेकर सोशल मीडिया पर विवाद खड़ा हो गया है। वायरल हो रहे वीडियो में उन्हें अमेरिकी सेना के एक जवान से हाथ मिलाते हुए देखा गया है, उनके हाथ मिलाने के तरीके पर कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं। एक्स पर एक प्रोफाइल ने उनका वीडियो शेयर करते हुए लिखा, "ऐसा हो ही नहीं सकता कि उन्होंने कैमरे के सामने ऐसा किया हो। उनके हाथ को ध्यान से देखिए। पीट हेगसेथ इसे छिपाने की कोशिश भी नहीं कर रहे हैं। वह हाथ मिलाना कोई सामान्य बात नहीं है।" वीडियो में हेगसेथ को सूट और बेसबॉल कैप पहने हुए अमेरिकी सेना के एक जवान से मिलते हुए दिखाया गया है। वे हाथ मिलाते हैं और आपस में कुछ बात करते हैं और एक कैमरा उस पल को रिकॉर्ड कर रहा होता है।

क्या पीट हेगसेथ ने मेसोनिक तरीके से मिलाया हाथ?

दूसरे लोगों ने भी हेगसेथ के हाथ मिलाने के तरीके की ओर इशारा करते हुए कहा, "पीट हेगसेथ और सेना के अधिकारी ने मेसोनिक तरीके से हाथ मिलाया है।" एक अन्य व्यक्ति ने आगे कहा, "पीट हेगसेथ और उनका फ्रीमेसन वाला हाथ मिलाना। अब आपको पता चल गया होगा कि इस युद्ध को कौन बढ़ावा दे रहा है।"

पीट हेगसेथ का हाथ मिलाना- फ़ैक्ट-चेक

हेगसेथ के हाथ मिलाने के तरीके ने फ्रीमेसन से जुड़े होने की अटकलों को जन्म दिया। हालांकि, इस बात का कोई संकेत नहीं है कि हेगसेथ का फ्रीमेसन से कोई संबंध है या इस हाथ मिलाने के तरीके का सामान्य शिष्टाचार से हटकर कोई गहरा अर्थ है। ग्रॉक ने इस हाव-भाव से जुड़ी सोशल मीडिया की विभिन्न अटकलों की जांच की और कहा, "पीट हेगसेथ और वायु सेना के अधिकारी के बीच हाथ मिलाना एक सामान्य, मजबूत, हथेली से हथेली मिलाकर किया जाने वाला सैन्य-शैली का तरीका है।

यूएई, ओमान और सऊदी अरब से यात्रियों को निकालेगी एअर इंडिया

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। मिडिल ईस्ट में तनाव के बीच रविवार को एअर इंडिया और एअर इंडिया एक्सप्रेस इस क्षेत्र से आने-जाने वाली कुल 72 निर्धारित और गैर-निर्धारित उड़ाने संचालित करने वाली हैं। दोनों एयरलाइंस 15 मार्च को जेद्दा और मस्कट के लिए अपनी-अपनी निर्धारित सेवाएं जारी रखेंगी, जिसमें भारत और जेद्दा के बीच कुल 8 उड़ानें शामिल हैं। एयरलाइन ने बताया, इनमें से एअर इंडिया दिल्ली और मुंबई से एक-एक वापसी सेवा संचालित करेगी, जबकि एअर इंडिया एक्सप्रेस बेंगलुरु और कोझिकोड से भी एक-एक उड़ान संचालित करेगी। एअर इंडिया एक्सप्रेस मस्कट के लिए और वहां से 12 निर्धारित उड़ानें भी संचालित करेगी, जिसमें दिल्ली, कोच्चि, कोझिकोड, मंगलुरु, मुंबई और तिरुवनंतपुरम से सेवाएं शामिल हैं।

इसके अलावा, एअर इंडिया और एअर इंडिया एक्सप्रेस संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और सऊदी अरब के लिए और वहां से कुल 52 गैर-निर्धारित उड़ानें संचालित करेंगी। यह उस समय प्रस्थान स्टेशनों पर स्लॉट की उपलब्धता और अन्य मौजूदा स्थितियों पर निर्भर करेगा। एयरलाइन के अनुसार, ये उड़ानें संबंधित भारतीय और स्थानीय नियामक प्राधिकरणों से आवश्यक अनुमतियों के साथ संचालित की जा रही हैं। इसमें आगे कहा गया, एअर इंडिया ग्रुप पश्चिम एशिया के डेस्टिनेशन्स के लिए और वहां से अन्य अतिरिक्त एड-हॉक उड़ानें संचालित करने के हर अवसर की तलाश कर रहा है। इस बीच, एअर इंडिया और इंडिगो के बाद अकासा एयर ने भी अपनी उड़ानों पर फ्यूल सरचार्ज लागू कर दिया है।

'यूएस को पश्चिम एशिया छोड़ देना चाहिए', खाड़ी में बढ़ते तनाव के बीच ईरानी राष्ट्रपति का बड़ा बयान

तेहरान, 15 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते तनाव के बीच ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा, खाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा और शांति के लिए अमेरिका को पश्चिम एशिया से बाहर जाना चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपनी बात रखते हुए लिखा कि अगर इस इलाके को सुरक्षित बनाना है, तो अमेरिका की मौजूदगी यहां नहीं होनी चाहिए। पश्चिम एशिया में चल रहा संघर्ष अब काफी बड़ा रूप ले चुका है। अमेरिका, इस्राइल और ईरान एक-दूसरे के ऊर्जा ठिकानों को निशाना बना रहे हैं।

इसकी वजह से पूरी दुनिया में तेल और गैस की सप्लाई पर संकट पैदा हो गया है। शनिवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के फुजैरा बंदरगाह पर ड्रोन से हमला हुआ, जिससे वहां आग लग गई। खाड़ी मामलों के एक जानकार ने बताया कि यूएई की रक्षा प्रणाली ने ड्रोन को बीच में ही रोक दिया था।

ड्रोन के मलबे के गिरने से आग लगी, लेकिन किसी के घायल होने की खबर नहीं है। जानकारों का कहना है कि यह घटना बताती है कि क्षेत्र में तनाव को रोकना अब बहुत जरूरी है। यूएई को उसकी कमजोरी की वजह से नहीं, बल्कि व्यापार, कूटनीति और पैसे के लेनदेन में

उसकी बड़ी भूमिका की वजह से बार-बार निशाना बनाया जा रहा है।

ईरान की 'इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स' (आईआरजीसी) ने कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका और इस्राइल ने ईरान के बैंकिंग ढांचे पर हमले जारी रखे, तो खाड़ी देशों में चल रही अमेरिकी बैंकों की शाखाओं पर हमले और तेज हो सकते हैं। ईरानी अधिकारी नायनी ने बताया कि पड़ोसी देशों में अमेरिकी बैंकों पर हालिया हमले दरअसल ईरान की संपत्तियों पर हुए हमलों का जवाब थे। इन हमलों की वजह से कुछ समय के लिए बैंकिंग कामकाज में रुकावट भी आई। समुद्री रास्तों पर भी खतरा काफी बढ़ गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले दो हफ्तों में फारस की खाड़ी, होर्मुज जलडमरूमध्य और ओमान की खाड़ी में कम से कम 17 जहाजों पर हमले हुए हैं।

ईरान की सत्ता पाने का सपना देख रहे पहलवी का हाल वेनेजुएला की नोबेल विनर वाला तो नहीं होगा?

लंदन, 15 मार्च (एजेंसियां)। रजा पहलवी ईरान की सत्ता पर काबिज होने की पूरी प्लानिंग कर चुके हैं। एक्स पर पोस्ट कर उन्होंने ईरान के लोगों को बताया कि उन्होंने ईरान में सरकार बनाने के लिए दो टीम बना दी है। साथ ही वो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भी कई बार तारीफ कर चुके हैं। साफ है वो खुद को ईरान में नई सत्ता का दावेदार जता रहे हैं। मगर क्या ये मुमकिन होगा? क्योंकि अभी कुछ दिनों पहले ही वेनेजुएला में तो ऐसा नहीं हुआ। ईरान में इस्लामी गणराज्य के पतन के बाद शासन व्यवस्था में कोई व्यवधान न आए, यह सुनिश्चित करने के लिए पिछले कुछ महीनों में दो महत्वपूर्ण प्रयास किए गए हैं। पहला, ईरान समृद्धि परियोजना के अंतर्गत देश के शासन के लिए एक स्पष्ट योजना का विकास।

दूसरा, संक्रमणकालीन व्यवस्था में सेवा करने और इस योजना को लागू करने के लिए योग्य महिलाओं और पुरुषों की पहचान और चयन। इस प्रक्रिया में, बहुमूल्य अनुभव और विशेषज्ञता रखने वाले कई देशवासियों ने देश के पुनर्निर्माण में भाग लेने और मातृभूमि की सेवा करने की अपनी तत्परता व्यक्त की है। यह प्रक्रिया संक्रमणकालीन व्यवस्था के सदस्यों की समीक्षा और चयन के लिए गठित समिति के अंतर्गत की गई है, जिसका नेतृत्व डॉ। सईद ग़ासेमिनेजाद कर रहे हैं। इस ढांचे के अंतर्गत, पिछले कुछ

महीनों में, देश के भीतर और बाहर दोनों जगह से सक्षम व्यक्तियों की पहचान की गई है और संक्रमणकालीन व्यवस्था के विभिन्न विभागों का नेतृत्व करने के लिए उनका मूल्यांकन किया गया है। मेरे नेतृत्व में बनी संक्रमणकालीन व्यवस्था, इस्लामी गणराज्य के पतन के तुरंत बाद देश की सत्ता संभालने के लिए तैयार होगी और यथासंभव कम समय में व्यवस्था, सुरक्षा, स्वतंत्रता और ईरान की समृद्धि और खुशहाली के लिए अनुकूल परिस्थितियां स्थापित करेगी।'

पहलवी ईरान का अंतिम शाही राजवंश था, जिसने 1925 से 1979 तक शासन किया। इस वंश ने ईरान को एक आधुनिक और पश्चिम-उन्मुख देश बनाने में बड़ी भूमिका निभाई, लेकिन इनके शासन का अंत एक बहुत बड़ी क्रांति के साथ हुआ।

इस राजवंश के दो मुख्य शासक रहे

रजा शाह पहलवी ये इस वंश के संस्थापक थे। 1925 में एक सैन्य तख्तापलट के बाद उन्होंने सत्ता संभाली। उन्होंने ईरान के आधुनिकीकरण की नींव रखी, सेना को मजबूत किया और शिक्षा व बुनियादी ढांचे में सुधार किए।मुहम्मद रजा शाह पहलवी : ये रजा शाह के बेटे थे और अक्सर इन्हें ही ईरान के शाह के रूप में याद किया जाता है। 19533 में जब ईरान के लोकतांत्रिक प्रधानमंत्री मोहम्मद मोसादेघ ने तेल का राष्ट्रीयकरण किया, तो अमेरिका (सीआईए) और ब्रिटेन ने उनका तख्तापलट कर दिया और शाह को पूर्ण शक्तियां सौंप दीं।

उनके शासनकाल में 'सफेद क्रांति' हुई, जिससे ईरान आर्थिक और सामाजिक रूप से बहुत विकसित हुआ, लेकिन उनकी तानाशाही और गुप्त पुलिस के कारण लोगों में गुस्सा भी बढ़ा। शाह परिवार के सदस्य अब अमेरिका और यूरोप में रहते हैं। शाह के बेटे रजा पहलवी वर्तमान में निर्वासन में हैं और अक्सर वर्तमान ईरानी सरकार के खिलाफ अपनी आवाज उठाते रहते हैं। ईरान में चल रहे हालिया विरोध प्रदर्शनों के दौरान भी उनका नाम चर्चा में आता रहता है।

क्यों उनका हश्र वेनेजुएला से किया जा रहा

वेनेजुएला से अब तक दो प्रमुख हस्तियों को नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है, जिनमें सबसे ताजा नाम मारिया कोरीना मचाडो का है। मारिया कोरीना मचाडो को वर्ष 2025 का नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया है। उन्हें वेनेजुएला में लोकतंत्र की बहाली के लिए उनके अथक संघर्ष और तानाशाही के खिलाफ शांतिपूर्ण परिवर्तन की कोशिशों के लिए यह सम्मान मिला। वह वेनेजुएला की एक प्रमुख विपक्षी नेता और मानवाधिकार कार्यकर्ता हैं। उन्हें वेनेजुएला की 'आयरन लेडी' भी कहा जाता है।

मचाडो ने 2025 का नोबेल शांति पुरस्कार जीतने के बाद, जनवरी 2026 में व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपना मेडल सौंप दिया। ट्रंप की भर-भर कर तारीफ की। उन्हें शांतिदूत भी कहा। उन्हें उम्मीद थी कि ट्रंप वेनेजुएला में सत्ता बदलवाने में उनकी मदद करेंगे। फिर जब वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अमेरिकी सेना ने 3 जनवरी 2026 की दरमियानी रात को उनके आधिकारिक आवास से एक विशेष सैन्य अभियान (ऑपरेशन एब्सोल्यूट रिजॉल्व) के तहत उठाया तो भी उन्हें उम्मीद जगी की अब तो सत्ता मिली ही मिली। मगर मादुरो की गिरफ्तारी के बाद उन्हीं की खास डेल्सी रोड्रिग्ज ने पदभार ग्रहण किया और अब वो अमेरिका की खासमखास हैं।

पूर्णिया में मिनी देवलोक! एक ही जगह करें 12 ज्योतिर्लिंगों के दिव्य दर्शन

15 से 21 मार्च तक भक्ति का संगम

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय पूर्णिया शाखा द्वारा आयोजित यह आध्यात्मिक मेला 15 मार्च (रविवार) से शुरू होकर 21 मार्च तक चलेगा। मेले की संचालिका बीके मुकुटमनी ने जानकारी देते हुए बताया कि यह आयोजन सीमांचल क्षेत्र (पूर्णिया, कटिहार, अररिया और किशनगंज) के लोगों के लिए निशुल्क रहेगा। इस मेले का मुख्य उद्देश्य श्रद्धालुओं को बिना किसी आर्थिक बोझ के आध्यात्मिक शांति और साक्षात दर्शन का अनुभव कराना है।

कलश शोभायात्रा से होगा भव्य आगाज

मेले की औपचारिक शुरुआत से एक दिन पहले यानी 14 मार्च को राजस्थान सेवा समिति से एक विशाल कलश शोभायात्रा निकाली जाएगी। यह यात्रा शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए श्रद्धालुओं को इस आध्यात्मिक समागम के लिए आमंत्रित करेगी। 15 मार्च से रोजाना सुबह से शाम तक दर्शन का सिलसिला जारी रहेगा।

इन 12 ज्योतिर्लिंगों के होंगे साक्षात दर्शन

श्रद्धालु एक ही स्थान पर देश के प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंगों की प्रतिकृति के दर्शन कर सकेंगे। सोमनाथ, महाकालेश्वर, केदारनाथ, विश्वनाथ, भीमाशंकर, त्रयंबकेश्वर, वैद्यनाथ, नागेश्वर, रामेश्वरम, घृष्णेश्वर, मल्लिकार्जुन, ओंकारेश्वर।

सिर्फ दर्शन ही नहीं, मानसिक शांति का भी केंद्र

आयोजन कमेटी की सदस्य अनीता दीदी, बीके सुनीता और मुकुटमनी ने बताया कि यह केवल एक धार्मिक मेला नहीं है, बल्कि लोगों को तनावमुक्त जीवन जीने की कला सिखाने का एक मंच है। 12 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन के साथ-साथ यहां निम्नलिखित विशेष आयोजन भी होंगे। राजयोग मेडिटेशन में मानसिक शांति प्राप्त करने के गुर सीखेंगे। ज्ञान प्रकाश मंडप में आध्यात्मिक ज्ञान के माध्यम से सकारात्मक सोच का विकास होगा। व्यसन मुक्ति अभियान में खुशनुमा और नशामुक्त जीवन जीने की प्रेरणा मिलेगी।

सीमांचल वासियों से विशेष अपील

बीके मुकुटमनी ने शहरवासियों और सीमांचल के अन्य जिलों के लोगों से अपील की है कि वे इस ऐतिहासिक मौके का लाभ उठाएं। जहां लोग लाखों खर्च कर भी सभी ज्योतिर्लिंगों के दर्शन नहीं कर पाते। वहीं पूर्णिया में उन्हें यह मौका पूरी तरह मुफ्त मिल रहा है। यह आध्यात्मिक पहल लोगों के भीतर सकारात्मक परिवर्तन लाने और उन्हें मानसिक शांति प्रदान करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

रावण वध करने पर भगवान राम को लगा दोष, इस जगह किया था प्रायश्चित

त्रेतायुग में भगवान राम ने सीता हरण के दंड स्वरूप रावण का वध कर दिया। रावण वध की वजह से उन पर जो दोष लगा, उससे मुक्ति के लिए वे गोमती नदी के किनारे पहुंचे। वहां पर उन्होंने प्रायश्चित किया था। आज उस जगह पर एक अद्भुत मंदिर है, जहां पर लोग नदी स्नान करके जन्मों के पापों से मुक्ति पाते हैं। उस जगह को धोपाप के नाम से जानते हैं।

गोमती नदी के किनारे है धोपाप मंदिर

उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग के अनुसार, सुल्तानपुर जिले में गोमती नदी के किनारे बसा धोपाप मंदिर और घाट आस्था, इतिहास और आत्मशुद्धि का अनुपम संगम है। मान्यता है कि लंका विजय के बाद भगवान श्रीराम ने रावण वध के पाप से मुक्ति पाने के लिए महर्षि वशिष्ठ की सलाह पर इसी स्थान पर गोमती नदी में स्नान कर प्रायश्चित किया था। तभी से इस जगह का नाम 'धोपाप' पड़ा, जिसका अर्थ है 'पापों को धोने वाला'।

धोपाप मंदिर न केवल धार्मिक महत्व का केंद्र है, बल्कि इसका प्राकृतिक सौंदर्य भी मनमोहक है। गोमती के शांत बहाव, हरे-भरे किनारे और सौम्य वातावरण यहां आने वाले हर श्रद्धालु को अद्भुत सुकून प्रदान करता है। यह स्थल आस्था और इतिहास के अनूठे संगम के रूप में प्रचारित किया जा रहा है।

डुबकी लगाने से मिटते हैं पाप

धार्मिक मान्यता है कि यहां डुबकी लगाने से मन के अपराध, कर्मों की अशुद्धियां और जीवन की नकारात्मक ऊर्जा दूर हो जाती हैं, और भीतर गहरी शांति और पवित्रता का अनुभव होता है। धोपाप घाट गोमती नदी के दाहिने किनारे पर कादीपुर गांव में स्थित है।

विष्णु पुराण में है गोमती का वर्णन

विष्णु पुराण में गोमती नदी को इस क्षेत्र में 'धुतोपपा' के नाम से जाना गया है। नदी यहां एक लूप बनाकर दक्षिण-पूर्व में मोड़ लेती है, जिसके कारण यह स्थान और भी पवित्र माना जाता है।

दशहरा-रामनवमी पर लगती है भक्तों की भीड़

श्रद्धालुओं का विश्वास है कि दशहरा या रामनवमी के दिन यहां स्नान करने से पापों का नाश होता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। धोपाप में भगवान राम का एक सुंदर मंदिर है, जो सूर्योदय से सूर्यास्त तक खुला रहता है। मंदिर परिसर में घाट पर स्नान करने के बाद भक्त दर्शन करते हैं और पूजा-अर्चना करते हैं।

प्रतिवर्ष गंगा दशहरा, चैत्र राम नवमी और ज्येष्ठ स्नान मेले के दौरान यहां भक्तों की बड़ी संख्या में भीड़ उमड़ती है। इन अवसरों पर विशेष पूजा, हवन और कीर्तन का आयोजन होता है। लोग दूर-दूर से परिवार सहित आते हैं और गोमती में स्नान कर आशीर्वाद लेते हैं।

कैसे पहुंचे धोपाप मंदिर?

धोपाप मंदिर ट्रेन से पहुंचने के लिए निकटतम रेलवे स्टेशन लम्भुआ जंक्शन है, जो सुल्तानपुर, लखनऊ, कानपुर, दिल्ली, जयपुर, भोपाल और वाराणसी जैसे प्रमुख शहरों से जुड़ा हुआ है। स्टेशन से मंदिर तक ऑटो या टैक्सी से 20-25 मिनट में पहुंचा जा सकता है।

धोपाप मंदिर सुल्तानपुर जिले के लम्भुआ विकास खंड में तहसील लम्भुआ के अंतर्गत आता है। सुल्तानपुर शहर से लगभग 32 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व और अयोध्या से करीब 85 किलोमीटर की दूरी पर स्थित धोपाप मंदिर सुल्तानपुर-जौनपुर रोड यानी एनएच-56 से आसानी से पहुंचा जा सकता है। लोहरामऊ मंदिर से यह स्थान मात्र 8 किलोमीटर दूर है। वहीं, सुल्तानपुर से लम्भुआ 22 किलोमीटर है, जो सुल्तानपुर-वाराणसी राजमार्ग पर पड़ता है। फैजाबाद से 60 किमी, प्रयागराज से 103 किमी, लखनऊ से 135 किमी, वाराणसी से 162 किमी और दिल्ली से लगभग 630 किमी की दूरी है। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम और निजी बसें भी नियमित चलती हैं। मंदिर से निकटतम हवाई अड्डा प्रयागराज है, जो सुल्तानपुर से करीब दो घंटे की ड्राइव पर है। दूसरा विकल्प लखनऊ का चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा है, जो 148 किलोमीटर दूर है। दोनों एयरपोर्ट से टैक्सी या कैब बुक कर धोपाप पहुंचा जा सकता है।

अल्मोड़ा में स्याही देवी का चमत्कारी मंदिर!

दिन में 3 बार बदलता है मूर्ति का रंग

चैत्र नवरात्रि 19 मार्च से शुरू हो रही है। इसमें मां दुर्गा के विभिन्न रूपों में पूजा की जाती है। उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले में शीतलाखेत के पास स्थित एक बेहद प्राचीन और चमत्कारी मंदिर है स्याही देवी का, जिसे कई लोग शाही देवी मंदिर के नाम से भी जानते हैं। इस मंदिर के बारे में कई रोचक मान्यताएं और लोककथाएं प्रचलित हैं, जो इसे और भी खास बनाती हैं। कहते हैं कि इस मंदिर में माता की मूर्ति का रंग दिन में 3 बार बदलता है। इस मंदिर के ईटों को खास मटेरियल से जोड़ा गया है।

केवल एक ही रात में बन गया मंदिर

कहा जाता है कि इस मंदिर का निर्माण कत्युरी शासनकाल में हुआ था और इसकी प्राचीनता लगभग 900 से 1700 वर्ष के बीच मानी जाती है। स्थानीय लोगों की मानें तो यह मंदिर केवल एक ही रात में बन गया था।

बेल और गुड़ के मिश्रण से जोड़े गए ईट

कथा के अनुसार, मंदिर निर्माण के लिए गांववालों ने ईंटें तैयार की थीं, लेकिन उस रात तेज बारिश होने के बावजूद अगली सुबह जब लोग वहां पहुंचे तो ईंटें पूरी तरह पकी हुई मिलीं। इतना ही नहीं, मंदिर को जोड़ने के लिए चूने या सीमेंट का इस्तेमाल नहीं किया गया था, बल्कि बेल और गुड़ के मिश्रण से इसे जोड़ा गया था।

3 बार बदलता है मूर्ति का रंग

इस मंदिर की सबसे रहस्यमय बात यह बताई जाती है कि यहां स्थापित माता की मूर्ति का रंग दिन में तीन बार बदलता है। सुबह, दोपहर और शाम के समय मूर्ति का रंग अलग-अलग दिखाई देता है। भक्त इसे माता की दिव्य शक्ति और जीवंत उपस्थिति का प्रतीक मानते हैं।

52 गांवों की इष्ट देवी

स्याही देवी को आसपास के लगभग 52 गांवों की इष्ट देवी माना जाता है। उत्तराखंड के कई परिवार इन्हें अपनी कुलदेवी के रूप में पूजते हैं। स्थानीय लोगों का विश्वास है कि यहां सच्चे मन से मांगी गई हर मन्नत जरूर पूरी होती है। यही वजह है कि दूर-दूर से श्रद्धालु इस मंदिर में माता के दर्शन करने और अपनी मनोकामनाएं लेकर आते हैं। नवरात्रि के समय तो यहां विशेष पूजा-अर्चना और भक्ति का माहौल देखने को मिलता है।

विवेकानंद भी यहां आए

माना जाता है कि वर्ष 1898 में स्वामी विवेकानंद भी यहां आए थे और उन्होंने इस पवित्र स्थान पर ध्यान व साधना की थी। इसी वजह से यह मंदिर कई संतों और साधकों की तपस्थली के रूप में भी प्रसिद्ध हो गया।

क्या थी नियोग प्रथा की सच्चाई और क्यों मनु ने इसे बताया खराब?

महाभारत काल में नियोग प्रथा एक स्वीकृत सामाजिक व्यवस्था मानी जाती थी। उस समय यदि किसी पुरुष से संतान उत्पन्न नहीं हो पाती थी या किसी स्त्री के पति का निधन हो जाता था, तो परिवार की अनुमति से वह किसी योग्य पुरुष से केवल संतान प्राप्ति के उद्देश्य से संबंध स्थापित कर सकती थी। यह संबंध स्थायी नहीं होता था। संतान के जन्म के बाद दोनों के बीच का यह संबंध स्वतः समाप्त हो जाता था। इस प्रथा के स्पष्ट नियम थे, ताकि सामाजिक मर्यादा और शुचिता बनी रहे।

समय के साथ समाज के नैतिक मानदंड बदलने लगे। महाभारत काल के अंतिम चरण तक आते-आते इस व्यवस्था का दुरुपयोग होने लगा। लोगों ने इसे आवश्यकता के बजाय निजी इच्छाओं की पूर्ति का माध्यम बनाना शुरू कर दिया। इससे सामाजिक संतुलन और पारिवारिक संरचना पर खतरा उत्पन्न होने लगा।

इसी पृष्ठभूमि में ऋषि मनु ने नियोग प्रथा का कड़ा विरोध किया। प्रारंभिक ग्रंथों में कुछ विशेष परिस्थितियों में इसकी अनुमति का उल्लेख मिलता है, लेकिन बाद में उन्होंने इसे पूर्ण रूप से अनुचित घोषित कर दिया। उन्होंने इसे 'पशुधर्म' कहकर इसकी आलोचना की। उनका मत था कि विवाह के बाद स्त्री और पुरुष दोनों को एक-दूसरे के प्रति निष्ठावान रहना चाहिए। विधवा स्त्रियों के लिए उन्होंने संयम और ब्रह्मचर्य को आदर्श मार्ग बताया। मनु का तर्क था कि यदि नियोग को सामान्य सामाजिक व्यवहार का रूप दे दिया जाए तो इससे मर्यादा भंग हो सकती है और धर्म के नाम पर अनैतिकता बढ़ सकती है। उनके अनुसार, यह व्यवस्था केवल असाधारण परिस्थितियों के लिए थी, न कि समाज की स्थायी परंपरा के रूप में।

नियोग प्रथा का स्वरूप कुछ हद तक उन परंपराओं से मिलता-जुलता था जिन्हें समाजशास्त्र में 'लेविरेट विवाह' कहा जाता है। इसमें पति की मृत्यु के बाद पत्नी का विवाह या संतानोत्पत्ति के उद्देश्य से संबंध पति के भाई से कराया जाता था।

ऋषि मनु, जिन्हें मनुस्मृति का रचयिता माना जाता है, ने स्पष्ट रूप से कहा कि वंश वृद्धि के नाम पर विवाह की पवित्रता को भंग करना उचित नहीं है। उनके कठोर रुख के बाद उत्तर-वैदिक काल में नियोग प्रथा धीरे-धीरे समाज से लगभग समाप्त हो गई।

घर में 3 उल्लू की तस्वीर लगाने से क्या होता है?

वास्तु शास्त्र और कुछ पारंपरिक मान्यताओं के अनुसार घर या कार्यस्थल पर तीन उल्लुओं की तस्वीर लगाना शुभ माना जाता है। उल्लू को ज्ञान, सतर्कता और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। हिंदू मान्यता में उल्लू को माता लक्ष्मी का वाहन भी कहा जाता है, इसलिए इसकी तस्वीर लगाने से सकारात्मक ऊर्जा और धन-समृद्धि आने की मान्यता है।

धन और समृद्धि का प्रतीक

उल्लू को माता लक्ष्मी का वाहन माना जाता है। इसलिए घर या ऑफिस में तीन उल्लुओं की तस्वीर लगाने से धन, समृद्धि और आर्थिक स्थिरता आने की मान्यता है। यह तस्वीर आर्थिक प्रगति का प्रतीक मानी जाती है।

बुद्धि और जागरूकता का संकेत

उल्लू को बहुत ही सतर्क और बुद्धिमान पक्षी माना जाता है। तीन उल्लुओं

की तस्वीर इस बात का संकेत देती है कि व्यक्ति को जीवन में सही निर्णय लेने और परिस्थितियों को समझने की क्षमता मिलती है।

नकारात्मक ऊर्जा से रक्षा

वास्तु मान्यताओं के अनुसार, उल्लू की तस्वीर घर या कार्यस्थल को नकारात्मक ऊर्जा और बुरी नजर से बचाने में सहायक मानी जाती है।

तीन बंदर की तरह एक प्रतीकात्मक संदेश

कई लोग तीन उल्लुओं की तस्वीर को एक प्रतीक के रूप में भी देखते हैं, जो यह संदेश देती है बुरा मत देखो, बुरा मत सुनो और बुरा मत बोलो। यह जीवन में सकारात्मक सोच और संतुलित व्यवहार को दर्शाता है।

ध्यान रखने वाली बातें

तस्वीर साफ और सकारात्मक भाव वाली होनी चाहिए।

टूटी-फूटी या डरावनी तस्वीर न लगाएं।

तस्वीर बहुत अंधेरे स्थान पर न रखें।

वास्तु शास्त्र के अनुसार तीन उल्लुओं की तस्वीर धन, बुद्धिमत्ता, सतर्कता और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक मानी जाती है। सही दिशा और स्थान पर लगाने से घर या कार्यस्थल में सुख-समृद्धि और सकारात्मक माहौल बना रहता है।

कहां लगानी चाहिए 3 उल्लू की तस्वीर?

वास्तु के अनुसार इसे सही दिशा में लगाना महत्वपूर्ण माना जाता है लिविंग रूम या ड्राइंग रूम की उत्तर या पूर्व दिशा में लगाना शुभ माना जाता है। ऑफिस या कार्यस्थल पर इसे ऐसी जगह लगाएं जहां से यह प्रवेश द्वार की ओर दिखे। इसे शयनकक्ष या पूजा घर में लगाने से बचना चाहिए।

जीवन का असली उद्देश्य क्या है? एक काम में छिपा है पूरा उत्तर

एक राज्य में भीषण अकाल पड़ गया। वहां के राजा ने खजाने से काफी धन खर्च किया। कई तरह के प्रयास किए, लेकिन प्रजा की तकलीफ कम नहीं हुई। उन्होंने राज्य के मंत्रियों की सभा बुलाई, जिसमें कई सुझाव आए। एक मंत्री ने कहा, ''नंदीवर्धन पुर के नगर सेठ धनवान तथा धर्मात्मा हैं। वह अवश्य मदद करेंगे। किंतु इसके लिए राजा की ओर से उनसे विनती करनी होगी।''

कुछ मंत्रियों को यह सुझाव ठीक नहीं लगा। पर राजा अत्यंत उदार और प्रजापालक थे। उन्होंने सभी का संकोच तोड़ते हुए कहा, ''लोकहित के लिए किसी से मांगने में शर्म कैसी? यदि सेठ से निवेदन करने पर प्रजा की रक्षा हो जाए, तो इससे अच्छी बात और क्या होगी?'' राजा के आदेश पर मंत्री और राज्य कर्मचारी नंदीवर्धन पुर के चौराहे पर पहुंचे और लोगों से सेठ का पता पूछा। वहां जाकर देखा कि सेठ की हवेली के आगे एक व्यक्ति पशुशाला की सफाई कर रहा था। मंत्री ने कड़क आवाज में कहा, ''सेठ से जाकर कहो कि राज्य के मंत्री मिलने आए हैं।'' वह व्यक्ति अंदर गया और साफ-सुथरी पोशाक पहन कर बाहर आया तथा मंत्री महोदय के सामने हाथ-जोड़ कर बोला, ''आप संदेश भिजवाते, तो मैं स्वयं आपकी सेवा में हाजिर हो जाता। बताइए मेरे लिए राजा का क्या हुकम है?''

मंत्री महोदय यह जानकर लज्जित हो गए कि उन्होंने सेठ को मजदूर समझा।

वह झिझकते हुए बोले, ''जैसा कि आप भी जानते हैं कि राज्य में अकाल पड़ा है। खजाना खाली हो चुका है और...।'' बीच में ही बात को काटते हुए सेठ बोल पड़े, ''महाराज ने आपको कुछ सहयोग पाने के लिए मेरे पास भेजा। महाराज ने इतनी छोटी-सी बात के लिए आपको यहां भेजा। वह दरबार में बैठे हुए आज्ञा देते, तो भी यह सेवक तैयार था। मेरे पास जो कुछ भी है, वह सब राज्य का ही तो है। मानवता की सेवा में ही जीवन की सार्थकता है।'' सेठ की दानशीलता सिखाती है कि समाज की भलाई के लिए सम्पत्ति का उपयोग किया जाना चाहिए।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 16 मार्च - 2026

महाभियोग की राजनीति

मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने के लिए विपक्षी सांसदों द्वारा संसद में दिया गया नोटिस भारतीय लोकतंत्र के लिए एक असाधारण और गंभीर घटना है। देश के इतिहास में यह पहली बार है जब मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की औपचारिक मांग इस तरह सामने आई है। इससे चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था की साख और लोकतंत्र की विश्वसनीयता भी जुड़ी हुई है। विपक्ष का आरोप है कि मुख्य चुनाव आयुक्त की कार्यप्रणाली में निष्पक्षता की कमी दिखाई दे रही है। चुनावी खर्च की निगरानी, आचार संहिता के पालन और अन्य प्रशासनिक निर्णयों को लेकर कई सवाल उठाए गए हैं। विपक्ष का आरोप है कि इन फैसलों से सत्ता पक्ष को लाभ पहुंचाने की कोशिश दिखाई देती है। यही कारण है कि विपक्षी दलों ने महाभियोग जैसे कठोर संवैधानिक कदम की दिशा में आगे बढ़ने का फैसला किया है। किसी संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति को हटाने की प्रक्रिया बेहद कठिन और गंभीर होती है। यह केवल राजनीतिक असहमति या आरोपों के आधार पर पूरी नहीं हो सकती। इसके लिए संसद में मजबूत संख्या बल के साथ-साथ ठोस प्रमाण और नैतिक आधार भी जरूरी हैं। यही वजह है कि अतीत में भी कई बार संवैधानिक पदाधिकारियों पर सवाल उठे, लेकिन महाभियोग की स्थिति शायद ही कभी बनी। ध्यान देने योग्य है कि विपक्ष इससे पहले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को हटाने की कोशिश कर चुका है, लेकिन उसमें उसे सफलता नहीं मिली। इससे स्पष्ट है कि केवल राजनीतिक इच्छा से ऐसे कदम सफल नहीं होते। संसद की प्रक्रिया और लोकतांत्रिक परंपराएं इस तरह के मामलों में बेहद सख्त होती हैं। चुनाव आयोग को लेकर विवाद कुछ वर्षों में लगातार बढ़े हैं। विपक्ष जहां आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाता रहा है, वहीं सरकार और आयोग का पक्ष यह रहा है कि चुनावी प्रक्रिया पूरी तरह संवैधानिक प्रावधानों और नियमों के अनुसार है। इस टकराव ने चुनाव आयोग की साख को लेकर देश में एक नई बहस को जन्म दिया है। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर भी राजनीतिक विवाद सामने आया है। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस का आरोप है कि यह प्रक्रिया भाजपा को फायदा पहुंचाने के लिए की जा रही है। यह बात अलग है कि एसआईआर प्रक्रिया न्यायिक निगरानी में चल रहा है, इसलिए उम्मीद की जा सकती है कि इसका निष्पक्ष समाधान निकलेगा। लोकतंत्र में संस्थाओं पर सवाल उठाना लोकतंत्र की सेहत के लिए जरूरी भी माना जाता है। लेकिन यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि ऐसे सवाल तथ्यों और जिम्मेदारी के साथ उठाए जाएं। अगर हर संवैधानिक संस्था को केवल राजनीतिक नजरिये से देखा जाएगा, तो इससे जनता का भरोसा कमजोर पड़ सकता है। आज जरूरत इस बात की है कि चुनाव आयोग की स्वतंत्रता और पारदर्शिता को और मजबूत किया जाए। इसके लिए नियुक्ति प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाना, राजनीतिक दलों के बीच विश्वास कायम करना और चुनावी प्रक्रियाओं में तकनीकी सुधार भी जरूरी है। महाभियोग की यह पहल सफल हो या न हो, लेकिन इससे एक महत्वपूर्ण बहस जरूर शुरू हुई है। यह बहस लोकतांत्रिक संस्थाओं की जवाबदेही और विश्वसनीयता को लेकर है। यदि इस बहस से चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और अधिक पारदर्शी और मजबूत बनती है, तो यह लोकतंत्र के लिए सकारात्मक संकेत होगा।

पंडित' पर हंगामा या शब्दों की गलत समझ ?

सुरेश गांधी

कभी-कभी एक छोटा-सा शब्द भी बड़ा विवाद खड़ा कर देता है। उत्तर प्रदेश पुलिस सब-इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा के हिंदी खंड में पूछे गए एक प्रश्न को लेकर इन दिनों कुछ ऐसा ही दृश्य देखने को मिल रहा है। प्रश्न था, "अवसर के अनुसार बदल जाने वाले के लिए एक शब्द बताइए।" इसके विकल्पों में पंडित, अवसरवादी, निष्कपट और सदाचारी दिए गए थे। सामान्य हिंदी ज्ञान रखने वाला कोई भी परीक्षार्थी तुरंत समझ सकता है कि इस प्रश्न का सही उत्तर "अवसरवादी" है। लेकिन विकल्पों में "पंडित" शब्द को शामिल किए जाने पर कुछ समूहों ने आपत्ति जताई और देखते ही देखते यह एक भाषाई प्रश्न से बढ़कर सामाजिक बहस का विषय बन गया। यह स्थिति हमें एक महत्वपूर्ण प्रश्न के सामने खड़ा करती है, क्या सचमुच प्रश्न में कोई गंभीर त्रुटि थी, या फिर यह विवाद भाषा की गलत समझ और भावनात्मक प्रतिक्रिया का परिणाम है?

प्रतियोगी परीक्षाओं की पद्धति को समझना जरूरी

सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रश्नों की संरचना कैसे होती है। अधिकांश वस्तुनिष्ठ परीक्षाओं में एक प्रश्न के साथ चार विकल्प दिए जाते हैं। इनमें से केवल एक सही उत्तर होता है, जबकि बाकी विकल्पों को डिस्ट्रैक्टर कहा जाता है। इन गलत विकल्पों का उद्देश्य परीक्षार्थी की समझ को परखना होता है। यदि सभी विकल्प लगभग एक जैसे या सही प्रतीत हों, तो परीक्षार्थी के ज्ञान की वास्तविक परीक्षा नहीं हो पाती। इसलिए प्रश्नपत्र तैयार करते समय ऐसे शब्द भी विकल्पों में रखे जाते हैं जो स्पष्ट रूप से उस अर्थ से मेल नहीं खाते। इस संदर्भ में देखा जाए तो "अवसर के अनुसार बदल जाने वाला" व्यक्ति हिंदी में "अवसरवादी" कहलाता है। बाकी विकल्प :- पंडित, निष्कपट और सदाचारी, उस अर्थ से मेल नहीं खाते। इसलिए परीक्षा की तकनीकी दृष्टि से यह प्रश्न पूरी तरह सही और सामान्य माना जा सकता है।

'पंडित' शब्द का असली अर्थ क्या है?

विवाद का सबसे बड़ा कारण "पंडित" शब्द को लेकर बनी धारणा है। भारतीय भाषाई परंपरा में "पंडित" शब्द का मूल अर्थ विद्वान, ज्ञानी या किसी विषय का विशेषज्ञ होता है। संस्कृत, हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के साहित्य में इस शब्द का प्रयोग लंबे समय से ज्ञान और विवेक के प्रतीक के रूप में होता रहा है। यही कारण है कि कई महान विद्वानों के नाम के साथ "पंडित" उपाधि जुड़ी हुई मिलती है। भारतीय शास्त्रों में भी "पंडित" शब्द का प्रयोग नैतिकता और विवेक के संदर्भ में हुआ है। एक प्रसिद्ध श्लोक इस बात को स्पष्ट करता है,"मातृवत परदारेषु, परद्रव्येषु लोष्टवत।

आत्मवत सर्वभूतेषु, यः पश्यति स पण्डितः।।"

इसका अर्थ है कि जो व्यक्ति पराई स्त्री को माँ के समान, दूसरे के धन को मिट्टी के समान तुच्छ और सभी प्राणियों को अपने समान समझता है, वही सच्चा पंडित कहलाता है। यह परिभाषा बताती है कि भारतीय चिंतन में "पंडित" केवल पढ़े-लिखे व्यक्ति के लिए नहीं बल्कि उच्च चरित्र, संयम और नैतिक दृष्टि वाले व्यक्ति के लिए प्रयोग किया गया है।

ब्राह्मण और पंडितः दो अलग अवधारणाएँ

विवाद का एक कारण यह भी है कि कई लोग "पंडित" शब्द को सीधे ब्राह्मण जाति से जोड़कर देखते हैं। जबकि भाषाई और सांस्कृतिक दृष्टि से दोनों शब्दों के अर्थ अलग हैं। ब्राह्मण पारंपरिक वर्ण व्यवस्था से जुड़ा एक सामाजिक वर्ग हो सकता है, जबकि पंडित मूलतः विद्वता और ज्ञान का परिचायक है। इतिहास में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं जहाँ किसी व्यक्ति को उसके ज्ञान और विद्वता के कारण "पंडित" कहा गया, चाहे वह किसी भी सामाजिक पृष्ठभूमि से क्यों न हो। इस दृष्टि से देखा जाए तो "पंडित" शब्द को केवल जाति से जोड़ देना उसकी व्यापक सांस्कृतिक और भाषाई परंपरा को सीमित कर देता है।

फिर विवाद क्यों हुआ?

यह सवाल स्वाभाविक है कि यदि प्रश्न तकनीकी रूप से सही है और "पंडित" शब्द का अर्थ विद्वान है, तो फिर विवाद क्यों हुआ। दरअसल आधुनिक समाज में कई शब्द ऐसे हैं जिनका मूल अर्थ कुछ और होता है, लेकिन समय के साथ उनकी सामाजिक धारणाएँ बदल जाती हैं। "पंडित" शब्द भी कुछ लोगों के लिए अब केवल एक जातिगत पहचान से जुड़ा हुआ प्रतीत होता है। ऐसे में जब यह शब्द किसी अलग संदर्भ में दिखाई देता है तो भावनात्मक प्रतिक्रिया उत्पन्न हो जाती है। दूसरी ओर कुछ राजनीतिक और सामाजिक समूह भी ऐसे मुद्दों को जल्दी से विवाद का रूप दे देते हैं, जिससे बहस और अधिक तीखी हो जाती है।

लोकतंत्र में सवाल उठाना भी अधिकार

यह भी उतना ही सच है कि लोकतांत्रिक समाज में किसी भी विषय पर सवाल उठाना नागरिकों का अधिकार है। यदि किसी समूह को किसी शब्द या संदर्भ से आपत्ति महसूस होती है तो वह अपनी बात रख सकता है। लेकिन यह भी उतना ही आवश्यक है कि किसी भी मुद्दे पर प्रतिक्रिया देने से पहले भाषा, संदर्भ और तथ्य को समझा जाए। कई बार भावनात्मक प्रतिक्रिया तथ्यों से आगे निकल जाती है और अनावश्यक विवाद की स्थिति बन जाती है।

भाषा और समाज के बीच संतुलन

यह पूरा विवाद हमें एक महत्वपूर्ण सीख भी देता है। भाषा केवल शब्दों का संग्रह नहीं होती; वह समाज, संस्कृति और इतिहास से गहराई से जुड़ी होती है। इसलिए परीक्षा संस्थाओं और प्रश्नपत्र तैयार करने वाली समितियों को यह ध्यान रखना चाहिए कि शब्दों का चयन करते समय भाषाई शुद्धता के साथ-साथ सामाजिक संवेदनशीलता भी बनी रहे। वहीं दूसरी ओर समाज को भी यह समझना होगा कि किसी शब्द का अर्थ केवल उसकी वर्तमान धारणा से नहीं बल्कि उसके ऐतिहासिक और भाषाई संदर्भ से भी निर्धारित होता है।

विवाद से सीखने की जरूरत

यूपी एसआई परीक्षा के इस प्रश्न को लेकर पैदा हुआ विवाद शायद कुछ दिनों में शांत हो जाएगा। लेकिन यह घटना हमें यह सोचने का अवसर जरूर देती है कि हम भाषा को किस तरह समझते हैं और उससे कैसे प्रतिक्रिया देते हैं। क्या हम शब्दों को उनके वास्तविक अर्थ और परंपरा के साथ समझते हैं, या उन्हें केवल अपनी सामाजिक धारणाओं के चश्मे से देखते हैं?

संभवतः इस प्रश्न का उत्तर ही इस पूरे विवाद का वास्तविक समाधान भी है। अंततः यह कहा जा सकता है कि "अवसर के अनुसार बदल जाने वाला" व्यक्ति हिंदी में "अवसरवादी" ही कहलाता है और परीक्षा की दृष्टि से यही सही उत्तर है। "पंडित" शब्द का मूल अर्थ विद्वान और विवेकशील व्यक्ति है। यदि इसे केवल जाति के संदर्भ में सीमित करके देखा जाए तो यह भाषा की व्यापक परंपरा को संकुचित कर देता है। इसलिए इस पूरे प्रकरण को एक विवाद के रूप में देखने के बजाय इसे भाषा की समझ और सामाजिक दृष्टि के बीच संतुलन बनाने के अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए। क्योंकि अंततः शब्दों का उद्देश्य समाज को जोड़ना होता है, न कि उसे अनावश्यक विवादों में उलझाना।

मोसाद के अनोखे पराक्रम

स्नेहा सिंह

86 साल के आयातोल्लाह खामेनेई अपने आफिस में कितने बजे आएंगे, उनके साथ मीटिंग में कौन-कौन उपस्थित रहेगा, यह पूरी और पुख्ता जानकारी मिलने के बाद शनिवार सुबह तय समय पर हमला करने की योजना बनाई गई।

दुनिया की दूसरी सभी जासूसी एजेंसियों की तुलना में मोसाद के काम करने का तरीका बहुत अलग और आधुनिक है। वह ऐसे अभियानों को अंजाम देती है, जिनकी कल्पना करना भी दूसरों के लिए मुश्किल होता है।

ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच चल रहे त्रिकोणीय संघर्ष में किसका पलड़ा भारी रहेगा, यह कहना मुश्किल है, लेकिन एक बात फिर साबित हो गई है कि जासूसी की दुनिया में इजरायली खुफिया संस्था मोसाद की बराबरी करना आसान नहीं है। ईरान के खिलाफ युद्ध शुरू होने से पहले ही जिस तरह वहां के सर्वोच्च नेता आयातोल्लाह खामेनेई की हत्या की गई, उसकी चर्चा पूरी दुनिया में हो रही है।

28 फरवरी की उस घटना के दिन ईरान सरकार और सेना के सर्वोच्च अधिकारियों के वफादार ड्राइवर तेहरान की पेस्टुर स्ट्रीट पर अपनी कारें पार्क करके आगे के आदेश का इंतजार कर रहे थे। उसी समय ऊपर आसमान में घूम रहे अमेरिका और इजरायल के जासूसी उपग्रह उन पर कड़ी नजर रखे हुए थे। उस दिन तेहरान के सभी रास्तों के ट्रैफिक सीसीटीवी कैमरे इजरायल द्वारा हैक कर लिए गए थे। इन कैमरों से मिलने वाली तस्वीरों की जानकारी तेल अवीव स्थित कंप्यूटर सर्वर तक पहुंच रही थी। एक रिपोर्ट यह भी बताती है कि पिछले एक साल से तेहरान के सभी ट्रैफिक कैमरों का अप्रत्यक्ष संचालन मोसाद की एक खास टीम कर रही थी।इस व्यवस्था के माध्यम से मोसाद को यह जानकारी मिलती रहती थी कि ईरान के कौन-कौन से शीर्ष अधिकारी या सैन्य अधिकारी किस समय कहां जाते हैं। इसी जानकारी के जरिए ईरान सरकार के हर महत्वपूर्ण व्यक्ति की पल-पल की गतिविधियों का पता इजरायल को चलता रहता था। इतना ही नहीं, जिन गुप्त ठिकानों पर सर्वोच्च अधिकारी मिलते थे, उनका समय, रोज का रूटीन, उनके नाम-पते, काम के घंटे, आने-जाने के रास्ते आदि की भी बेहद सूक्ष्म जानकारी मोसाद ने हासिल कर ली थी। लगभग एक साल तक इस तरह जानकारी इकट्ठा करने के बाद आखिरकार ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई को खत्म करने की योजना बनाई गई। लेकिन केवल इतनी जानकारी के आधार पर तेहरान के उस गुप्त ठिकाने पर हमला करना अंधेरे में तीर चलाने जैसा होता। यह बात मोसाद के एजेंट अच्छी तरह जानते थे। इसलिए उन्होंने खामेनेई को खत्म करने की योजना एक साल पहले ही बना ली थी। मोसाद के कुछ एजेंट, जो मेडिकल डिग्रीधारी डाक्टर थे, उन्होंने तेहरान में दंत चिकित्सक (डेंटिस्ट) के रूप में अपनी पहचान बना ली। धीरे-धीरे उन्होंने ईरान की विशेष कमांडो फोर्स इस्लामिक रिपब्लिक गार्ड कार्प्स के कुछ शीर्ष अधिकारियों से घनिष्ठ संबंध बना लिए।

उनके पास इलाज के लिए आने वाले ईरान के मंत्रियों, सैन्य अधिकारियों और सरकारी अफसरों में से कुछ खास व्यक्तियों के दांतों में मोसाद के एजेंटों ने गुप्तरूप से ट्रैकिंग चिप लगा दी। इस बेहद सूक्ष्म माइक्रोचिप से मिलने वाले सिग्नल के जरिए मोसाद के एजेंट सारी जानकारी हासिल करते रहते थे। इन जानकारियों का विश्लेषण मोसाद की विशेष टीम यूनिट 8200 करती थी और रिपोर्ट तैयार करती थी। घटना वाले दिन भी यही प्रक्रिया अपनाई गई।

86 वर्षीय आयातोल्लाह खामेनेई अपने आफिस में कितने बजे आएंगे और उनके साथ बैठक में कौन-कौन उपस्थित रहेगा, इसकी पूरी जानकारी मिलने के बाद शनिवार सुबह निर्धारित समय पर हमला करने की योजना बनाई गई। और आखिरकार ट्रम्प और नेतन्याहू के संयुक्त आदेश मिलने के बाद शनिवार 28 फरवरी को खामेनेई का काम तमाम कर दिया गया।

मोसाद के कई जासूसी कारनामों ने विश्व इतिहास को महत्वपूर्ण मोड़ दिए हैं। 1961-62 में रूस ने अपने नए मिग-21 लड़ाकू विमान मिस्र, इराक और सीरिया को बेचे। इससे इजरायल चिंतित हो गया। यदि ये विमान उसके दुश्मन देशों को मिल जाते तो उनकी सैन्य शक्ति बढ़ जाती। इजरायल ने स्थिति को बदलने के लिए फ्रांस से अधिक शक्तिशाली मिराज विमान खरीदे। लेकिन रूसी मिग-21 को देखने-परखने की उनकी इच्छा खत्म नहीं हुई। इसलिए उन्होंने आपरेशन डायमंड शुरू किया। इस मिशन के लिए मोसाद की एक चतुर महिला एजेंट को जिम्मेदारी दी गई, जाओ और इराक से मिग-21 विमान उड़ाकर ले आओ। वह एजेंट बगदाद पहुंची। उसने मिग-21 उड़ाने वाले इराकी पायलटों की सूची तैयार की। इस सूची में एक पायलट मुनीर रफ्दा था, जो मूलरूप से सीरियाई ईसाई था। मोसाद की महिला एजेंट ने कई महीनों तक उससे दोस्ती की। अंत में उसने प्रस्ताव रखा कि यदि वह मिग-21 को तेल अवीव पहुंचा दे तो बदले में उसे एक लाख डालर, बंगला, इजरायली नागरिकता और उसके पूरे परिवार को सम्मान के साथ बसने की सुविधा दी जाएगी। कैप्टन रफ्दा तैयार हो गया और इस तरह आपरेशन डायमंड सफल हो गया। 27 जून, 1976 को एयर फ्रांस फ्लाइट 139 में 248 यात्रियों के साथ उड़ान भरते ही फिलिस्तीनी हाइजैकर्स ने उसे अगवा कर लिया। उन्होंने मांग की कि इजरायल में बंद 40 फिलिस्तीनी कैदियों तथा केन्या, फ्रांस, स्विट्ज़रलैंड और जर्मनी में बंद 13 कैदियों को रिहा किया जाए।

उन्होंने यह धमकी भी दी कि यदि 1 जुलाई तक उनकी मांग नहीं मानी गई तो वे यात्रियों को मारना शुरू कर देंगे। इजरायल सरकार ने वार्ता के बहाने समयसीमा 4 जुलाई तक बढ़वा ली और इसी बीच 3 जुलाई को ब्रिगेडियर जनरल डैन शोमरॉन के नेतृत्व में आपरेशन एंटेब्बे नाम से बचाव अभियान शुरू करने की अनुमति दे दी।

हवाई अड्डे पर उतरते ही इजरायली कमांडो ने हमला कर दिया और तीन हाइजैकर्स मारे गए। केवल 30 मिनट चले इस आपरेशन में सभी यात्रियों को बचा लिया गया और बाद में उन्हें नैरोबी के रास्ते इजरायल ले जाया गया। मोसाद का एक और बड़ा अभियान था, नाजी नरसंहार के मुख्य योजनाकार एडोल्फ आइखमैन को पकड़ना। 1960 में मोसाद ने पता लगाया कि वह अर्जेंटीना में छिपा हुआ है। 11 मई,1960 को ब्यूनस आयर्स के एक उपनगर से मोसाद और शबाक एजेंसी की टीम ने उसे पकड़ लिया और 21 मई, 1960 को उसे इजरायल ले जाया गया। इसके बाद 1972 के म्यूनिख ओलंपिक में इजरायली खिलाड़ियों की हत्या करने वाले फिलिस्तीनी संगठन ब्लैक सितंबर के आतंकवादियों को एक-एक कर खत्म करने का अभियान चलाया गया। इस अभियान में मुख्य साजिशकर्ता अली हसन सलामेह को खोजने में तीन साल लगे। 22 जनवरी, 1979 को बेरूत में एक कार बम विस्फोट के जरिए उसे मार दिया गया। मोसाद की एक और प्रसिद्ध कार्रवाई हथियारों के दलाल अबू नाज़र के खिलाफ थी। 1984 में स्विस एयर की उड़ान में दो महिला एजेंट एयर होस्टेस बनकर सवार हुईं। उन्हें पता था कि नाजर शराब पीने का शौकीन है। उन्होंने शराब में विशेष प्रकार का जहर मिलाकर उसे पिला दिया।

मूसी नदी का पुनर्जीवन

सुरेश कश्यप

हैदराबाद शहर के इतिहास में मूसी नदी की कहानी शहर के विकास और चुनौतियों से गहराई से जुड़ी हुई है। कई दशक पहले मूसी नदी यहाँ रहने वाले लोगों के लिए जीवन का आधार थी। यह नदी स्वच्छ रूप से बहती थी और कृषि, दैनिक जीवन तथा व्यापार को सहारा देती थी। लेकिन यह नदी एक दुखद घटना के कारण भी प्रसिद्ध है जिसने हैदराबाद के भविष्य की योजना को बदल दिया। वर्ष 1908 में भारी वर्षा के बाद मूसी नदी में भयंकर बाढ़ आई जिसने शहर में भारी तबाही मचा दी। घर, सड़कें और सार्वजनिक भवन क्षतिग्रस्त हो गए और हजारों लोगों की जान चली गई। इस आपदा ने उस समय के हैदराबाद राज्य के निज़ाम शासकों को झकझोर कर रख दिया और उन्हें बाढ़ नियंत्रण तथा जल प्रबंधन पर गंभीरता से विचार करने के लिए मजबूर कर दिया।

भविष्य में ऐसी आपदाओं को रोकने के लिए नदी के ऊपरी क्षेत्रों में बड़े जलाशय बनाने का आदेश दिया गया। इसके परिणामस्वरूप बीसवीं सदी की शुरुआत में दो प्रमुख जलाशय उस्मान सागर और हिमायत सागर निर्मित किए गए। इन जलाशयों ने न केवल बाढ़ नियंत्रण में सहायता की बल्कि हैदराबाद शहर के लिए पेयजल और सिंचाई के महत्वपूर्ण स्रोत भी बने। कई दशकों तक मूसी नदी स्वच्छ रूप से बहती रही और ये जलाशय शहर को बाढ़ से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे। स्वतंत्रता के बाद विशेषकर 1980 के दशक से हैदराबाद शहर तेजी से विस्तार करने लगा। शहर की जनसंख्या तेजी से बढ़ी, उद्योगों और व्यापारिक गतिविधियों में वृद्धि हुई और महानगरीय क्षेत्र में नई आवासीय कॉलोनियाँ विकसित हुईं। लेकिन इस तेज़ शहरीकरण के साथ एक गंभीर समस्या भी उत्पन्न हुई।औद्योगिक कचरा और बिना शुद्ध किया गया सीवेज बड़ी मात्रा में नदी में जाने लगा। सैकड़ों नालियाँ सीधे मूसी नदी में गंदा पानी छोड़ने लगीं। समय के साथ नदी ने अपना प्राकृतिक प्रवाह खो दिया और गंभीर रूप से प्रदूषित हो गई। कई लोगों को यह अब प्राकृतिक नदी की बजाय शहर के बीच बहने वाली खुली नाली जैसी दिखाई देने लगी। मूसी नदी का प्रदूषण पर्यावरण और जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर समस्या बन गया। पानी असुरक्षित हो गया, आसपास के क्षेत्रों में दुर्गंध फैलने लगी और नदी में जलीय जीवों की संख्या काफी घट गई। भारी वर्षा के दौरान प्रदूषित पानी के कारण नदी किनारे के निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा भी बढ़ गया। इन समस्याओं के कारण शहरी योजनाकारों और नीति-निर्माताओं ने नदी के पुनरुद्धार के उपाय तलाशने शुरू किए।

2014 में तेलंगाना राज्य के गठन के बाद राज्य सरकार ने मूसी नदी के पुनर्जीवन के लिए कदम उठाने शुरू किए। इसी क्रम में एक महत्वाकांक्षी योजना—मूसी रिवरफ्रंट डेवलपमेंट प्रोजेक्ट—की परिकल्पना की गई। इस परियोजना का उद्देश्य केवल नदी की सफाई करना ही नहीं बल्कि पूरे नदी तट क्षेत्र को आधुनिक, आकर्षक और पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ शहरी क्षेत्र में बदलना है। इस योजना को लागू करने के लिए सरकार ने मूसी रिवरफ्रंट डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड की स्थापना की। कई कारणों से यह परियोजना अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ पाई। बाद में जब रेवंत रेड्डी मुख्यमंत्री बने, तब उन्होंने जन-शासन के तहत प्रस्तावित छह गारंटियों के साथ मूसी नदी पुनर्जीवन परियोजना को फिर से शुरू किया। मूसी नदी हैदराबाद में लगभग 55 किलोमीटर तक बहती है। इस परियोजना का उद्देश्य पूरे प्रवाह क्षेत्र को चरणबद्ध तरीके से विकसित करना है। पहले चरण में हिमायत सागर के पास से शुरू होकर अत्तापुर, नामपल्ली, चादरघाट और नागोल जैसे प्रमुख क्षेत्रों तक विकास कार्य किए जाने की योजना है। इसमें सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों की स्थापना, नदी किनारों को मजबूत करना, लैंडस्केपिंग और पार्कों का विकास शामिल है। परियोजना का सबसे महत्वपूर्ण पहलू कई सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों का निर्माण है। ये संयंत्र सुनिश्चित करेंगे कि गंदे पानी को शुद्ध करने के बाद ही नदी में छोड़ा जाए। साथ ही नदी किनारे इंटरसेप्टर ड्रेनों का निर्माण किया जाएगा जो शहर की नालियों से आने वाले गंदे पानी को शोधन संयंत्रों तक पहुंचाएँगे, जिससे प्रदूषण को स्रोत पर ही नियंत्रित किया जा सकेगा। नदी किनारों पर पार्क, पैदल मार्ग, साइक्लिंग ट्रैक और सांस्कृतिक स्थलों के निर्माण की योजना है। ये स्थान नागरिकों के लिए विश्राम और नदी की सुंदरता का आनंद लेने के लिए आकर्षक स्थल बन सकते हैं। इसके अतिरिक्त सड़कों और पुलों का भी विकास किया जाएगा जिससे शहर के विभिन्न हिस्सों के बीच संपर्क बेहतर हो सके।

इस परियोजना को लेकर नदी किनारे रहने वाले लोगों के पुनर्वास को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है। वर्षों से इन क्षेत्रों में कई अनधिकृत बस्तियाँ विकसित हो गई हैं और परियोजना के कार्यान्वयन के लिए उन्हें हटाना पड़ सकता है। आलोचकों का कहना है कि सरकार को प्रभावित परिवारों के लिए उचित मुआवज़ा और आवास सुविधाएँ सुनिश्चित करनी चाहिए। पर्यावरण विशेषज्ञों ने भी विकास और प्रकृति संरक्षण के बीच संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया है। उनका मानना है कि नदी किनारों पर अत्यधिक निर्माण या बड़े व्यावसायिक परियोजनाएँ प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुँचा सकती हैं। इसलिए दीर्घकालिक पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देने वाली टिकाऊ योजना आवश्यक है। इन चुनौतियों के बावजूद मूसी पुनर्जीवन परियोजना को तेलंगाना के सबसे महत्वाकांक्षी शहरी परिवर्तन कार्यक्रमों में से एक माना जा रहा है। यदि इसे प्रभावी ढंग से लागू किया गया तो यह प्रदूषित नदी को पुनर्जीवित कर सकती है।

भविष्य की दुनिया में सादगी का आख़िरी ठिकाना

आरके जैन

भविष्य की कल्पना करते ही एक ऐसी दुनिया सामने आती है जहाँ जीवन का लगभग हर पहलू इंटरनेट से जुड़ा होगा। घर, सड़कें, स्कूल और अस्पताल—सब कुछ डिजिटल नेटवर्क के सहारे चलेगा। मनुष्य का दैनिक जीवन मानो एक विशाल स्क्रीन में सिमटता जाता दिखेगा। लेकिन इसी तेज़ और तकनीक से भरे भविष्य के बीच एक ऐसा गाँव भी होगा जो इस डिजिटल लहर से थोड़ी दूरी बनाए खड़ा होगा। यह गाँव इंटरनेट के बिना भी उतना ही जीवंत और सक्रिय रहेगा। यहाँ तकनीक की कमी को अभाव नहीं, बल्कि एक सोच-समझकर लिया गया निर्णय माना जाएगा। यह स्थान आधुनिक सभ्यता के बीच एक शांत द्वीप जैसा होगा, जहाँ मनुष्य अपने मूल स्वभाव के करीब लौटकर जीवन को बिना कृत्रिम शोर के सच्चाई से महसूस कर सकेगा।

इस गाँव की सुबह आधुनिक शहरों से बिल्कुल अलग होगी। यहाँ दिन की शुरुआत मोबाइल अलार्म या सोशल मीडिया के नोटिफिकेशन से नहीं, बल्कि प्रकृति के सहज संगीत से होगी। सूरज की पहली किरण खेतों पर पड़ते ही धरती की नमी से उठती सुगंध वातावरण को भर देगी। पक्षियों की चहचहाहट लोगों को जगाएगी और ठंडी हवा दिन का स्वागत करेगी। लोग जागते ही किसी स्क्रीन की ओर नहीं झुकेंगे, बल्कि खुले आकाश को निहारेंगे। किसान मौसम का हाल किसी डिजिटल ऐप से नहीं, बल्कि बादलों की चाल, हवा की दिशा और मिट्टी के स्पर्श से समझेंगे। बच्चों की सुबह भी अलग होगी; वे स्कूल जाते समय रास्ते में खेलते हुए, पेड़ों की छाया में हँसते हुए आगे बढ़ेंगे। उनके हाथों में मोबाइल नहीं, बल्कि किताबें, कापियाँ और अनगिनत जिज्ञासाएँ होंगी। इस गाँव का सामाजिक जीवन मानवीय संवाद की सच्ची गर्माहट से भरा होगा। यहाँ बातचीत किसी चैट विंडो में टाइप किए गए शब्दों से नहीं, बल्कि आमने-सामने की मुस्कान और आँखों की चमक से होगी। शाम ढलते ही लोग अपने-अपने काम से लौटकर चौपाल या आँगन में एकत्रित होंगे। वहाँ दिन भर की घटनाएँ साझा की जाएँगी, हँसी-मजाक होगा और कभी-कभी गंभीर चर्चा भी। बुज़ुर्गों का अनुभव इस समाज की सबसे बड़ी धरोहर होगा। बच्चे उनके पास बैठकर लोककथाएँ सुनेंगे, जीवन के छोटे-छोटे सूत्र सीखेंगे और अपने अतीत से जुड़ाव महसूस करेंगे। यहाँ ज्ञान किसी सर्वर में बंद नहीं होगा, बल्कि लोगों की स्मृतियों, अनुभवों और परंपराओं में जीवित रहेगा। आर्थिक दृष्टि से भी यह गाँव आत्मनिर्भरता की मिसाल बनेगा। इंटरनेट के अभाव में यहाँ ऑनलाइन बाज़ार नहीं होगा, लेकिन स्थानीय कारीगरों और किसानों की मेहनत से गाँव की ज़रूरतें पूरी होंगी। कुम्हार के चाक पर घूमती मिट्टी से सुंदर बर्तन बनेंगे, बुनकर के करघे से रंगीन कपड़े निकलेंगे और किसान की मेहनत से खेतों में अन्न की हरियाली लहराएगी। लोग अपने आसपास के लोगों से वस्तुएँ खरीदेंगे और इस लेन-देन में केवल पैसा ही नहीं, बल्कि विश्वास और अपनापन भी शामिल होगा। इस तरह यह गाँव एक ऐसे आर्थिक ढाँचे को जन्म देगा जहाँ स्थानीयता और सहयोग सबसे बड़े मूल्य होंगे।

प्रकृति इस गाँव के जीवन का केंद्र होगी। जब लोग स्क्रीन की कृत्रिम रोशनी से दूर होंगे, तब उन्हें प्रकृति की सूक्ष्म सुंदरता को देखने का समय मिलेगा। वे रात के आकाश में तारों की अनगिनत कतारों को पहचानेंगे और चाँद के बदलते आकार में समय का प्रवाह महसूस करेंगे। नदी का शांत बहाव उन्हें धैर्य और निरंतरता का पाठ पढ़ाएगा, जबकि पेड़ों की छाया उन्हें संतुलन और शांति का महत्व समझाएगी। यहाँ प्रकृति केवल देखने की चीज़ नहीं होगी, बल्कि जीवन की सबसे बड़ी शिक्षक होगी। इंटरनेट की अनुपस्थिति में भी ज्ञान का प्रकाश कम नहीं होगा, क्योंकि प्रकृति स्वयं एक विशाल पुस्तक की तरह सबके सामने खुली होगी।इस गाँव का सांस्कृतिक जीवन भी अत्यंत समृद्ध होगा। यहाँ त्योहार केवल औपचारिक आयोजन नहीं होंगे, बल्कि सामूहिक उल्लास और परंपरा का जीवंत रूप होंगे।

झुनझुनलाल का 'सरकारी स्वर्ग'

डॉ. सुरेश कुमार

महुआर गांव के 'झुनझुनलाल' ने जब प्रधानी का चुनाव लड़ा, तो उनका घो ष णा प त्र किसी जादुई उपन्यास से कम नहीं था। उनका मानना था कि राजनीति वह कड़ाही है जिसमें जनता को तलने के बाद, नमक-मिर्च भी जनता की जेब से ही वसूला जाता है। गांव की खस्ताहाल डिस्पेंसरी को उन्होंने 'कायाकल्प केंद्र' का नाम दिया, जहाँ इलाज के नाम पर केवल हनुमान चालीसा का पाठ और अदरक वाली चाय उपलब्ध थी। झुनझुनलाल ने तर्क दिया कि एलोपैथी तो विदेशी षड्यंत्र है, असली स्वास्थ्य तो गांव की धूल फांकने और सरकारी वादों को पचाने में है। उनके दफ्तर में 'ईमानदारी' का बोर्ड इतनी ऊँचाई पर लगा था कि किसी भी भ्रष्ट अधिकारी की नज़र उस तक पहुँच ही न सके। गांव के बुज़ुर्ग 'दुखिया बाबा' कहते थे कि झुनझुनलाल की बातों में उतना ही यथार्थ है, जितना किसी मुफ़्तखोर की दुआओं में असर।

प्रचार के अंतिम दौर में झुनझुनलाल ने गांव के सूखे पीपल के पेड़ को 'सरकारी कल्पवृक्ष' घोषित कर दिया। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली से एक विशेष 'फ्रीक्वेंसी' इस पेड़ पर उतरने वाली है, जिससे पेड़ की टहनियों पर फल की जगह राशन के पैकेट और 5-G के सिग्नल लटकेंगे। पूरे महुआर में होड़ मच गई; लोग अपनी फटी धोतियां और खाली झोले लेकर पेड़ के नीचे डेरा डाल दिए। झुनझुनलाल ने पेड़ के तने पर चांदी का वर्क चिपका दिया और वहां एक 'डिजिटल दानपात्र' रखवा दिया, जिसमें श्रद्धा और वोट दोनों की आहुति अनिवार्य थी। विपक्षी 'भोंपू सिंह' इस चमत्कार के आगे नतमस्तक थे, क्योंकि उन्हें डर था कि कहीं कल्पवृक्ष से उनके खिलाफ कोई श्राप न निकल आए। जनता को विश्वास हो गया कि अब न मेहनत करनी पड़ेगी, न हल चलाना पड़ेगा; बस पेड़ के नीचे मुँह बाए लेटे रहना है।

चुनाव का परिणाम आते ही जब झुनझुनलाल की जीत का जुलूस उसी पीपल के पास पहुँचा, तो जनता ने अपने राशन के पैकेटों की मांग की। झुनझुनलाल ने बड़े प्रेम से एक-एक पत्थर उठाया और जनता की ओर उछालते हुए कहा- भाइयों, कल्पवृक्ष ने अपना पहला फल 'धैर्य' के रूप में दिया है! जो इस पत्थर को झेल गया, समझो उसे मोक्ष मिल गया। जनता हक्की-बक्की रह गई, तभी झुनझुनलाल ने माइक संभाला और बोले, मूर्खों!

अगर पेड़ से राशन गिरता, तो सरकार गोदाम क्यों बनाती? यह पेड़ तो सिर्फ 'वोटों' की छाया देने के लिए था, जो अब मेरे सिर पर आ गई है। अब अगले पांच साल इसी पेड़ की लकड़ियों से अपना चूल्हा जलाओ और मुझे दुआ दो कि मैंने तुम्हें 'स्मार्ट' बनने का मौका दिया। लोग एक-दूसरे का मुँह ताकते रह गए और झुनझुनलाल अपनी नई सफारी गाड़ी की धूल उड़ाते हुए जिला मुख्यालय की ओर निकल पड़े।

क्या आप भी कर रही हैं ये फाइनेंशियल गलतियां क्यों मिडिल क्लास परिवारों का पैसा कभी टिकता नहीं?

एक मिडिल क्लास परिवार का व्यक्ति अपनी पूरी जिंदगी कड़ी मेहनत करता है ताकि वह सुख-सुविधाओं के साथ रह सके, लेकिन अक्सर देखा गया है कि सालों की नौकरी और अच्छी सैलरी के बाद भी बैंक बैलेंस खाली रहता है। इसका कारण किस्मत नहीं, बल्कि हमारी खर्च करने की आदतें हैं। अमीर दिखने की चाहत में हम अक्सर ऐसे जाल में फंस जाते हैं, जो हमें कभी अमीर बनने ही नहीं देते। ऐसे में इन आदतों के बारे में पता होना जरूरी है। आज का हमारा लेख इसी विषय पर है। आज हम आपको अपने इस लेख के माध्यम से बताएंगे कि 5 फाइनेंशियल गलतियां कौन-सी हैं, जो आगे बढ़ने नहीं देती हैं।

बार-बार कार बदलना

मिडिल क्लास की एक और बड़ी गलती है गाड़ी को जरूरत नहीं, बल्कि शौक के तौर पर देखना। जैसे ही सैलरी बढ़ती है या थोड़ा बोनस मिलता है, लोग अपनी पुरानी कार बेचकर बड़ी ईएमआई पर नई लग्जरी कार ले लेते हैं। बता दें कि कार एक डेप्रिसिएटिंग एसेट के रूप में देखा जाता है। शोरूम से बाहर निकलते ही इसकी कीमत 20-30% कम हो जाती है। ऐसे में आप नुकसान में रहते हैं।

अभी खरीदो, बाद में चुकाओ

आजकल हर चीज किस्तों पर मिलती है, फ्रिज, टीवी से लेकर छुट्टियों तक। मिडिल क्लास व्यक्ति को लगता है कि छोटे-छोटे मासिक भुगतान उसे भारी नहीं पड़ेंगे। बता दें कि जब आप क्रेडिट कार्ड या ईएमआई पर सामान लेते हैं, तो आप अपनी जमा पूंजी को पहले ही खर्च कर चुके होते हैं। ऐसे में इंटरेस्ट और प्रोसेसिंग फीस धीरे-धीरे आपकी बचत को खत्म कर देती हैं।

इमरजेंसी फंड की कमी

मिडिल क्लास परिवार अक्सर अपनी पूरी कमाई को खर्चों और ईएमआई में बांट देते हैं। वे अचानक आने वाली बीमारी, नौकरी छूटने या बड़े काम के लिए अलग से फंड नहीं रखते। बता दें कि खराब स्थिति में उन्हें ऊंचे ब्याज पर पर्सनल लोन या गोल्ड लोन लेना पड़ता है, जो उन्हें सालों पीछे ले जाता है।

हर साल नया आईफोन लेना

आजकल फोन केवल बात करने के लिए इस्तेमाल नहीं होता, बल्कि ये एक स्टेटस सिंबल भी बन गया है। कई लोग अपना पुराना और ठीक-ठाक चलने वाला फोन बेचकर सिर्फ इसलिए नया आईफोन ले लेते हैं क्योंकि वह ट्रेंड में है।

बता दें कि गैजेट्स की कीमत हर दिन घटती है। 1 लाख का फोन एक साल बाद आधे दाम का रह जाता है। यह पैसा अगर कहीं निवेश किया जाता, तो वह बढ़ता, लेकिन फोन पर खर्च होकर जीरो हो जाता है।

कम समय में चाहते हैं शानदार करियर ग्रोथ तो लाइफस्टाइल में शामिल करें ये आदतें

करियर में आगे बढ़ने के लिए बहुत संघर्षों का सामना करना पड़ता है। हालांकि, कुछ लोग सफल व्यक्ति को देखकर ये सोच लेते हैं कि उनके साथ शायद वह समस्या नहीं रही होगी, जिन परेशानियों से मैं गुजर रही हूं। पर, ये सोच ही गलत है क्योंकि प्रॉब्लम हर जगह होती है। हर किसी को परिश्रम और संघर्ष के दौर से गुजरना ही पड़ता है। सफल लोग के पास भी हफ्ते के 7 दिन और एक दिन में 24 घंटे ही होते हैं। फर्क बस इतना है कि ऐसे लोग अपनी लाइफस्टाइल को लेकर काफी सख्त होते हैं और हर चीज को एक रूटीन के हिसाब से करते हैं। अगर आप भी करियर में ग्रोथ चाहते हैं, तो आपको भी अपनी लाइफस्टाइल में कुछ आदतों को शामिल कर लेना बेहद जरूरी है। इसी के साथ आइए हम आपको यहां 4 आदतों के बारे में बताते हैं, उनमें सुधार लाने के बाद आप काफी आगे बढ़ सकते हैं।

करियर में ग्रोथ के लिए क्या करें?

टालमटोल की आदत बदलें

हर काम के लिए एक समय तय करना जरूरी होता है, क्योंकि जिंदगी के हर मोड़ पर सेल्फ डिसिप्लिन होना बेहद महत्वपूर्ण होता है। अगर आप हर छोटे-बड़े काम को टालते रहेंगे, तो यह भविष्य के लिए बहुत गलत साबित हो सकता है। बेहतर यही होगा कि टालने की आदत को बदलें और आप अपने काम का समय रहते पूरा कर लें।

लक्ष्य बनाकर करें काम

अपने लिए शॉर्ट टर्म और लॉन्ग टर्म गोल तय करने की आदत डालें। इससे आपको अपनी मंजिल तक पहुंचने में आसानी हो सकती है। ये हैबिट आपके काम के स्पीड और समझ में तेजी ला सकता है। साथ ही, आपका दिमाग भी इससे खुलेगा, जिससे आपको जॉब में आगे बढ़ने के रास्ते खुलते जाएंगे।

दूसरे पर न रहें निर्भर

करियर में सही मुकाम हासिल करने के लिए स्वयं कुछ नियम-कायदे बनाना और उसे फॉलो करना बेहद जरूरी है। इसके लिए आपको अपनी योग्यता के अनुसार, खुद को समझना होगा और बेहतर करने के लिए निर्णय खुद लेने की आदत डालनी होगी। अगर आप हर चीज के लिए दूसरों पर निर्भर रहेंगे तो आगे का रास्ता मुश्किल हो सकता है।

नई चीजें सीखने की डालें आदत

अपने करियर में आगे बढ़ने के लिए, आपको लगातार नई चीजें सीखते रहना होगा। अपने क्षेत्र में नवीनतम रुझानों और विकासों से अपडेट रहें। नए कौशल सीखने के लिए ऑनलाइन पाठ्यक्रम या कार्यशालाओं में भाग लें। आपकी नॉलेज आपकी ग्रोथ में काम आ सकते हैं।

क्या होती है प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग?

पूरी दुनिया में इस बात पर चर्चा हो रही है कि तकनीक के कारण नौकरियां कम हो सकती हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के आने के बाद से बहुत से लोगों को इसकी चिंता भी हो रही है। हालांकि, यह समझना जरूरी है कि टेक्नोलॉजी के साथ आगे बढ़ना है और AI खुद से बहुत चीजें नहीं कर सकता है। ऐसे समय में काम करने और कराने के लिए चैटजीपीटी सहित कई एआई टूल्स की समझ भी जरूरी होती जा रही है। क्योंकि इन टूल्स को उपयोग करते समय को निर्देश देने होते हैं और इन्हें 'प्रॉम्प्ट' कहा जाता है और यही वजह है कि आज प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग ट्रेंड में है। यहां विस्तार से समझिए क्या होती है प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग और इसे करने के बाद जॉब्स के अवसर।

क्या होती है प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग?

प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग का मतलब AI टूल्स को सही जवाब देने के लिए उसके लिए सही सवाल और इंस्ट्रक्शन तैयार करना। आप जैसे सवाल और उदाहरण देते हैं तो AI टूल्स उन्हें समझकर रिजल्ट देते हैं। इसमें सही शब्दों का चयन करना, स्पष्ट निर्देश (प्रॉम्प्ट) देना और जरूरत पड़ने पर सवाल को विस्तार से समझाना शामिल है। अगर प्रॉम्प्ट अच्छी तरह से लिखा गया हो तो AI टूल आपकी जरूरत के अनुसार अच्छा आउटपुट देता है। उदाहरण के लिए अगर आप चैटजीपीटी से किसी टॉपिक पर जानकारी मांगते हैं तो सही Prompt देने से एआई टूल आपके काम आएगा।

प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग में क्या सीखते हैं?

प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग में आप सीखते हैं कि AI को सही तरीके से निर्देश (Prompt) कैसे दें

डेटा कैसे इनपुट करें, जिससे आपको अच्छे रिजल्ट मिलें

इसमें यह भी बताया जाता है कि AI की सीमाएं क्या हैं और इसे एथिकल यानी सही तरीके से कैसे इस्तेमाल करें

इसमें आपको सिर्फ एआई टूल्स पर काम करना ही नहीं बल्कि समझदारी और जिम्मेदारी के साथ AI से काम लेना भी बताया जाता है

प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग सीखकर आप AI के साथ स्मार्ट, आसान और सुरक्षित तरीके से काम कर सकते हैं।

प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग के बाद कौन सी जॉब्स मिलती है?

अगर जॉब्स की बात की जाए तो प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग के बाद टेक, हेल्थकेयर, फाइनेंस और एजुकेशन जैसे हर सेक्टर में काम के मौके मिलते हैं। यहां आप कुछ जॉब प्रोफाइल्स देख सकते हैं-

प्रॉम्प्ट इंजीनियर- AI मॉडल से सही रिजल्ट निकालने के लिए कमांड तैयार करना

AI प्रॉम्प्ट स्पेशलिस्ट- अलग-अलग प्रॉम्प्ट डिजाइन और ऑप्टिमाइज करना

AI इंटरैक्शन डिजाइनर- यूजर और एआई के बीच बेहतर इंटरफेस डिजाइन करना

एआई एप्लीकेशन इंजीनियर- एआई टूल्स और एप्लिकेशन बनाना

कंटेंट ऑटोमेशन स्पेशलिस्ट- एआई के माध्यम से कंटेंट क्रिएशन और ऑप्टिमाइजेशन

डेटा ट्रेनिंग स्पेशलिस्ट- एआई मॉडल के लिए डेटा तैयार और क्लीन करना।

प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग कौन कर सकता है?

जो लोग AI के टूल्स या मॉडल्स समझना चाहते हैं तो वे प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग कर सकते हैं। बेसिक कंप्यूटर नॉलेज और लॉजिकल थिंकिंग के साथ प्रैक्टिस और छोटे प्रोजेक्ट्स से इसे सीखा जा सकता है। इसके माध्यम ऑनलाइन कोर्स, वीडियो ट्यूटोरियल और प्रैक्टिकल प्रोजेक्ट्स हैं।

किन बच्चों को करनी चाहिए जेईई की तैयारी? स्टूडेंट ही नहीं, पैरेंट्स भी गांठ बांध लें एक्सपर्ट की बातें

जेईई को देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक माना जाती है, इसलिए इसकी तैयारी का फैसला भी सोच-समझकर लेना जरूरी है। अक्सर देखा जाता है कि कई छात्र केवल दूसरों को देखकर या पैरेंट्स के दबाव में JEE की तैयारी शुरू कर देते हैं। लेकिन एक्सपर्ट्स का मानना है कि यह परीक्षा हर छात्र के लिए नहीं होती। कई बार पैरेंट्स की ओर से भी गलतियां होती हैं जो छात्र की मेहनत पर पानी फेर देती हैं।

जेईई की तैयारी करने वाले ज्यादातर छात्र रोज कई घंटे पढ़ाई करते हैं, फिर भी सभी सफल नहीं हो पाते। ऐसे में यहां एक्सपर्ट से जानते हैं कि किन बच्चों को JEE की तैयारी करनी चाहिए और स्टूडेंट्स-पैरेंट्स के लिए 6 अहम बातें।

रुचि के बिना जेईई की तैयारी से बच्चों पर पड़ता है असर

एक्सपर्ट के अनुसार, अक्सर माता-पिता बच्चों से बड़ी उम्मीदें लगा लेते हैं और जल्द सफलता चाहते हैं। कई बार वे बच्चों की रुचि समझे बिना उन्हें JEE की तैयारी के लिए मजबूर कर देते हैं। तुलना से बच्चों पर मानसिक दबाव बढ़ता है, जिससे आत्मविश्वास कमजोर हो सकता है और पढ़ाई पर असर पड़ता है। JEE क्रैक कर चुके आरुष पाहवा कहते हैं कि बच्चे को अगर इस फील्ड में रुचि ही नहीं है तो उसे JEE नहीं करानी चाहिए। हर माता-पिता को यह सोचना चाहिए कि मेरा बच्चा जो कर रहा है, वह दुखी होकर ना करे। इससे तैयारी पर असर पड़ता है।

जो बच्चे नैचरली JEE से संबंधित विषयों में अच्छे हैं और इंजीनियरिंग में दिलचस्पी है, वह ही JEE की तैयारी करने के बारे में सोचें।

JEE की तैयारी किसे करनी चाहिए? एक्सपर्ट की बातें

जिन छात्रों की मैथ, फिजिक्स और केमिस्ट्री में रुचि और समझ अच्छी होती है, वही JEE की तैयारी में बेहतर प्रदर्शन कर पाते हैं।

केवल ट्रेंड या दूसरों को देखकर नहीं, बल्कि इंजीनियरिंग में सच में करियर बनाने की इच्छा रखने वाले छात्रों को ही यह तैयारी करनी चाहिए।

JEE की तैयारी लंबी और कठिन होती है, इसलिए जो छात्र लगातार मेहनत और नियमित पढ़ाई कर सकते हैं, वही इसमें अच्छा कर पाते हैं।

छात्रों को शिक्षकों द्वारा बताई गई सही रणनीति के साथ पढ़ाई करते हैं, उनके सफल होने की संभावना ज्यादा होती है।

JEE की तैयारी के दौरान तनाव होना सामान्य है। जो छात्र पढ़ाई के साथ मानसिक संतुलन बनाए रखते हैं और जरूरत पड़ने पर परिवार या टीचर से बात करते हैं, वे बेहतर तरीके से तैयारी कर पाते हैं।

माता-पिता को बच्चों पर उम्मीदों का दबाव डालने के बजाय उन्हें सहयोग और सकारात्मक माहौल देना चाहिए।

JEE की तैयारी करते समय कई छात्र कुछ गलतियां करते हैं। जैसे- विषय का वेटेज देखे बिना ही पढ़ाई शुरू कर देते हैं और रिवीजन को उतनी अहमियत नहीं देते। कुछ छात्र पढ़ाई की क्वालिटी के बजाय सिर्फ घंटों गिनने पर ध्यान देते हैं। कई बार कॉन्सेप्ट ठीक से समझे बिना आगे बढ़ जाते हैं या एग्जाम के बिल्कुल पास नए टॉपिक पढ़ने लगते हैं।

एग्जाम पास आएं तो नए विषयों पर जाने की बजाय जिन टॉपिक्स की आपने तैयारी की है, उसी का रिवीजन करें। टीचर की गाइडेंस को फॉलो करें।

पढ़ाई के दौरान बीच में ब्रेक लेना जरूरी

इंजीनियरिंग के सरकारी कॉलेजों में एडमिशन के लिए जेईई में केवल पढ़ाई ही नहीं, बल्कि सही रूटीन और मानसिक संतुलन भी जरूरी है। टीचर की बताई रणनीति को फॉलो करना, दिन में पढ़ाई का प्लान बनाना और बीच-बीच में ब्रेक लेना फायदेमंद होता है। तनाव महसूस होने पर परिवार या शिक्षकों से खुलकर बात करना भी जरूरी है।

यूपी पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड में निकली वैकेंसी इन पदों पर कौन कर सकता है आवेदन?

यूपीपीसीबी भर्ती 2026 के तहत 26 सहायक पर्यावरण

इंजीनियर और 14 सहायक वैज्ञानिक अधिकारी पदों के लिए आधिकारिक अधिसूचना जारी की गई है। इन पदों के लिए उम्मीदवार को 400 अंकों की सीबीटी और 70 अंकों का इंटरव्यू देना होगा। इस भर्ती के तहत सहायक पर्यावरण अभियंता और सहायक वैज्ञानिक अधिकारी के पदों पर 40 रिक्तियां पर नियुक्ति होगी। इच्छुक उम्मीदवार इन पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने की आखिरी तिथि 28 मार्च, 2026 है। वे उम्मीदवार जो इन पदों पर आवेदन करना चाहते हैं, नीचे पढ़ें वैकेंसी से जुड़ी जरुरी डिटेल्स।

यूपीपीसीबी ने 2026 में दो अलग-अलग पदों के लिए कुल 40 पदों पर आवेदन जारी किया गया है। ये वैकेंसी पर्यावरण विज्ञान और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में एक्सपीरियंस रखने वाले कैंडिडेट्स के लिए है।

उम्मीदवार यूपीपीसीबी की ऑफिशियल वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन लिंक प्राप्त कर सकते हैं। रजिस्ट्रेशन फॉर्म भरने के बाद आवेदक फीस जमा कर सकते हैं। आवेदन पत्र जमा करने की लास्ट डेट 28 मार्च, 2026 है। अनुसूचित जा ति / अ नु सू चि त जनजाति/दिव्यांग/महिला- 1000 रुपये

यूपीपीसीबी पात्रता मानदंड 2026

उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा निर्धारित आयु सीमा और शैक्षणिक योग्यता को उम्मीदवारों को पूरा करना होगा। यूपीपीसीबी भर्ती 2026 के लिए आवेदन करने से पहले सुनिश्चित करें कि आप सभी शर्तों को पूरा करते हैं।

शैक्षणिक योग्यता

यूपीपीसीबी भर्ती 2026 के अंतर्गत प्रत्येक पद के लिए विशिष्ट शैक्षणिक योग्यताएं आवश्यक हैं। आवेदकों के पास अपने चयनित पद के लिए पात्र होने हेतु आवश्यक डिग्री या अनुभव होना चाहिए।

असिस्टेंट इंवॉयरमेंटल इंजीनियर के पदों पर आवेदन के लिए उम्मीदवारों के पास केमिकल इंजीनियरिंग, केमिकल टेक्नोलॉजी, सिविल इंजीनियरिंग, पर्यावरण इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री या एएमआईई योग्यता होनी चाहिए।

असिस्टेंट साइंसिस्ट ऑफिसर के पदों पर आवेदन करने के लिए आवेदकों के पास रसायन विज्ञान, जूलॉजी, बॉटनी या बायो केमेस्ट्री में डॉक्टरेट की डिग्री और कम से कम तीन वर्ष का एक्सपीरियंस होना आवश्यक है। ऑप्शनल रूप से, पर्यावरण, प्रदूषण नियंत्रण या सार्वजनिक स्वास्थ्य में पांच वर्ष के अनुभव के साथ स्नातकोत्तर डिग्री होनी चाहिए।

आयु सीमा

यूपीपीसीबी भर्ती 2026 के लिए आवेदन करने वाले आवेदकों के लिए सामान्य आयु सीमा 21 से 40 वर्ष निर्धारित है। आरक्षित श्रेणियों के लिए आयु में छूट सरकारी मानदंडों के अनुसार होगी।

गर्मियों में स्टाइल करें ट्रेंडी डिजाइन वाले को ऑर्ड सेट, कैसे पसंद करें डिजाइंस

गर्मियों में स्टाइल करने के लिए आप अलग-अलग तरह के आउटफिट्स को सर्च कर रही हैं, तो ऐसे में आप को ऑर्ड सेट के अलग-अलग डिजाइंस को ट्राई कर सकती हैं, जिसे वियर करके आपका लुक अच्छा नजर आएगा। साथ ही आप खूबसूरत दिखाई देंगी।

गर्मियों के शुरू होते ही हर लड़की सबसे पहले अपने वॉर्डरोब को अपग्रेड करती हैं, ताकि ऑफिस हो या वेकेशन पर जाने के लिए उनके पास अलग-अलग डिजाइन वाले आउटफिट हो, जिसे स्टाइल करके लुक अच्छा नजर आए। इस बार आप को ऑर्ड सेट के अलग-अलग डिजाइंस को ट्राई करें, जिसे वियर करके आपका लुक अच्छा नजर आए। साथ ही आप खूबसूरत दिखाई दें। आइए बताते हैं किस तरह के को ऑर्ड सेट को स्टाइल कर सकती हैं।

ब्लैक कलर सिंपल डिजाइन वाला को ऑर्ड सेट

सुंदर नजर आने के लिए आप ब्लैक कलर वाले को ऑर्ड सेट को स्टाइल कर सकती हैं। को ऑर्ड सेट पहनने के बाद आपका लुक अच्छा नजर आएगा। साथ ही आप खूबसूरत दिखाई देंगी। इस तरह के को ऑर्ड सेट के डिजाइंस ऑप्शन आपको मार्केट में आसानी से मिल जाएंगे, जिसे वियर करके आपका लुक अच्छा लगेगा। साथ ही आपको कुछ अलग तरह के आउटफिट को स्टाइल करने का मौका मिल जाएगा। बस आप इसे अपनी साइज के हिसाब से खरीदें और स्टाइल करें।

रेड कलर को ऑर्ड सेट

आप खूबसूरत दिखाई देंगी, जब आप रेड कलर वाले को ऑर्ड सेट को स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह के को ऑर्ड सेट पहनने के बाद अच्छे लगते हैं। इसमें ऊपर के टॉप पर प्रिंटेड डिजाइन मिलता है। इसके साथ मिलने वाली पैंट आपको प्लेन डिजाइन में मिलती है। ऐसे में इस तरह के आउटफिट्स को पहनने के बाद आपका लुक अच्छा नजर आएगा। साथ ही आप खूबसूरत दिखाई देंगी।

शर्ट विद ट्राउजर स्टाइल को ऑर्ड सेट

आप कुछ अलग ट्राई करना चाहती हैं, तो ऐसे में आप शर्ट विद ट्राउजर को ऑर्ड सेट को स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह के को ऑर्ड सेट पहनने के बाद अच्छे लगते हैं। साथ ही इससे लुक भी सबसे अलग नजर आता है। इस तरह के को ऑर्ड सेट के कई सारे ऑप्शन आपको मार्केट में मिल जाएंगे, जिसे आप ट्राई कर सकती हैं।

फ्लोरल डिजाइन को ऑर्ड सेट को स्टाइल

आप कुछ अलग ट्राई करना चाहती हैं, तो ऐसे में आप फ्लोरल प्रिंट को ऑर्ड सेट को स्टाइल कर सकती हैं। को ऑर्ड सेट के कई सारे ऑप्शन आपको मार्केट में मिल जाते हैं, जिसे वियर करके आप अच्छी नजर आएंगी। इसके साथ आप ऑक्सीडाइज्ड ज्वेलरी और मिनिमल मेकअप लुक को क्रिएट करें, जिसे ट्राई करके आपका लुक सबसे अलग नजर आएगा।

बेटी की मौत का बदला लेता नाई, विजय सेतुपति की फिल्म महाराजा 2 का सीक्वल जल्द

विजय सेतुपति की फिल्म 'महाराजा' 2024 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई और बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सफल रही। अब ऐसा लग रहा है कि इस फिल्म का सीक्वल बन सकता है, जिसमें विजय सेतुपति एक बार फिर लीड रोल में होंगे। गलाट्टा प्लस से बात करते हुए विजय सेतुपति ने कहा, 'निर्देशक निथिलन समिनाथन ने महाराजा 2 की कहानी पूरी कर ली है। मैं इसे जल्द ही सुनने के लिए एक्साइटेड हूं।'

जिन लोगों को इसके बारे में जानकारी नहीं है, उनके लिए बता दें कि 'महाराजा' चेन्नई के एक नाई की कहानी है, जो अपने स्टील के कूड़ेदान 'लक्ष्मी' की चोरी की शिकायत पुलिस में करता है। उसकी इस अजीबोगरीब शिकायत पर पुलिस पहले तो उसे नजरअंदाज कर देती है। लेकिन बाद में उन्हें पता चलता है कि यह शिकायत तीन अपराधियों को पकड़ने की एक चाल है, जिन्होंने उसके घर में घुसकर उसकी बेटी पर तब बेरहमी से हमला किया था जब वह घर से बाहर था।

बेटी पर हमला करने वालों से पिता कैसे बदला लेता है और क्या अंत में उसे न्याय मिलता है, यही कहानी का मुख्य केंद्र है। विजय सेतुपति इस फिल्म में लीड रोल में हैं, जिसमें अनुराग कश्यप, ममता मोहनदास, नट्टी सुब्रमण्यम, अभिरामी, दिव्याभारती, सिंगमपुली, अरुलडोस, मुनीशकांत और कई कलाकार हैं। यह फिल्म फिलहाल नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध है।

विजय सेतुपति और मणिरत्नम की बात

इसके अलावा, इसी बातचीत के दौरान विजय सेतुपति ने निर्देशक मणिरत्नम और थियागराजन कुमारराजा के पॉकेट नॉवेल के साथ अपनी आगामी फिल्मों के बारे में भी बात की। एक्टर ने कहा, 'मणिरत्नम सर बहुत तेज हैं। मैंने उनसे कहा, 'जब भी मुझे समय मिलेगा, मैं आऊंगा, सर। मैं आपके साथ स्क्रिप्ट पढ़ूंगा और उसे समझने की कोशिश करूंगा।' हमें उनके साथ तालमेल बिठाकर ही काम करना होगा।'

'लंबी जुदाई' गाने की एक्ट्रेस मधु मल्होत्रा का 72 की उम्र में निधन, सुभाष घई ने दी श्रद्धांजलि

बॉलीवुड एक्ट्रेस मधु मल्होत्रा का 72 की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने 1980 से 1990 के दशक की हिंदी फिल्मों में कई यादगार किरदार निभाए थे। हालांकि कभी लीड एक्ट्रेस के तौर पर वह इंडस्ट्री में राज नहीं कर पाईं। लेकिन कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों का हिस्सा रहीं और साइड रोल्स के जरिए ही उन्होंने लोगों के दिलों पर अपनी अमिट छाप छोड़ी थी। खैर, उनकी निधन का कारण अभी सामने नहीं आया है।

मधु के निधन की खबर मिलते ही सुभाष घई उन्हें श्रद्धांजली दी है। उन्होंने याद करते हुए कहा कि वह एक 'विनम्र' महिला थीं। सुभाष घई ने बताया था कि उन्होंने उन्हें 'लंबी जुदाई' में कास्ट क्यों किया था। उनके मुताबिक, 'ये पाकिस्तानी सिंगर रेशमा का गाया एक लोकगीत था। इसलिए मुझे पर्दे पर एक नॉर्थ इंडियन एक्ट्रेस की जरूरत थी, जिसकी आंखों में चमक हो। इसीलिए उसे कास्ट किया और गाना अमर हो गया। मैं उनकी आत्मा की शांति की प्रार्थना करता हूं।'

मधु मल्होत्रा ने 100 से ज्यादा फिल्में कीं

मधु मल्होत्रा ने सुभाष घई की बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट हुई फिल्म 'हीरो' जो 1983 में आई थी और जैकी श्रॉफ-मीनाक्षी शेषाद्री लीड रोल में थे, उसके गाने 'लंबी जुदाई' में लिप सिंक करती हुई नजर आई थीं। इसके अलावा, वह 1982 में आई 'सत्ते पर सत्ता' में एक्टर पेंटल के साथ दिखी थीं। वह उस दौर का जाना-पहचाना नाम थीं और 100 से ज्यादा फिल्मों में इन्होंने काम भी किया था।

मधु मल्होत्रा की फिल्में

मधु ने 'विश्वनाथ' (1978), 'कर्ज' (1980) और 'विधाता' (1982) जैसी फिल्मों में कैमियो किया था। वहीं, मोहन भाकरी की हॉरर फिल्मों जैसे खूनी मुर्दा (1989) और रूहानी ताकत (1991) में नजर आई थीं। इन्होंने 19745 में रिलीज हुई रामसे ब्रदर्स की हॉरर मूवी 'अंधेरा' से एक्टिंग करियर शुरू किया था। लेकिन हिंदी सिनेमा में बड़ी एंट्री 1979 में शक्ति सामंता की एक्शन फिल्म 'द ग्रेट गैम्बलर' से हुई थी। फिर 1980 में ये 'कर्ज' में पिंकी के रोल में दिखी थीं। मधु मल्होत्रा को आखिरी बार मोहन भाकरी की वो बेवफा थी (2000) में देखा गया था, जिसमें अन्नपूर्णा और सुदेश बेरी ने अभिनय किया था।

कनाडाई पासपोर्ट पर अक्षय कुमार की सफाई- दोस्त ने बिजनेस आइडिया दिया, मैं फिल्म इंडस्ट्री छोड़ने वाला था

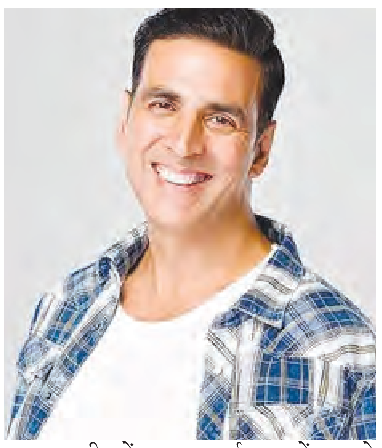

हाल ही में एक कार्यक्रम में अपने अभिनय के सफर पर बातचीत के दौरान एक्टर अक्षय कुमार ने अपनी 'राष्ट्रवादी हीरो' वाली छवि को लेकर चल रही बहस पर अपनी राय रखी है। उन्होंने अपनी फिल्मों के चयन, पिछले कुछ वर्षों में मिली आलोचनाओं और अपने पूर्व कनाडाई पासपोर्ट से जुड़े विवाद के बारे में बात की।

राजदीप सरदेसाई ने बताया कि अक्षय कुमार की कई फिल्में जैसे 'केसरी सीरीज', 'एयरलिफ्ट', 'बेबी' और 'मिशन मंगल' राष्ट्रीय गौरव और सुरक्षा के विषयों पर आधारित हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या अक्षय ने जानबूझकर राष्ट्रवादी छवि बनाने के लिए इन फिल्मों को चुना था, खासकर तब जब आलोचकों ने उनकी कनाडाई नागरिकता के कारण उनकी देशभक्ति पर सवाल उठाए थे।

अक्षय कुमार ने राष्ट्रवादी छवि पर की बात

सवाल का जवाब देते हुए, अक्षय कुमार ने इस बात को खारिज कर दिया कि वह एक सार्वजनिक छवि बनाने के लिए फिल्में करते हैं। उन्होंने कहा, सर, मैं कोई भी काम करता हूं, कोई इमेज बनाने के लिए नहीं करता। मैं बहुत सारे काम करता हूं लेकिन कोई राष्ट्रवादी इमेज बनाने के लिए नहीं कर रहा हूं। मैं काम करता हूं क्योंकि मुझे ठीक लगता है। मुझे लगता है ये मुझे करना चाहिए, मैं कर लेता हूं।'

कनाडाई पासपोर्ट पर बोले अक्षय

एक्टर ने अपने कनाडाई पासपोर्ट को लेकर चल रहे लंबे विवाद पर भी बात की और कहा कि वह इस बारे में पहले भी कई बार बोल चुके हैं।

कनाडा के दोस्त ने दिया था आइडिया

अक्षय ने बताया कि उस मुश्किल दौर में कनाडा में उनके एक दोस्त ने उन्हें वहां छोटा-मोटा कारोबार शुरू करने का सुझाव दिया था। इसी संभावना को तलाशते हुए उन्हें कनाडाई पासपोर्ट हासिल करने का मौका मिला। हालांकि, हालात जल्द ही बदल गए। एक्टर ने बताया कि उनकी कुछ फिल्में जो रिलीज होने वाली थीं, अच्छा परफॉर्म कर गईं और उन्हें इंडस्ट्री में फिर से काम मिलने लगा। इसी वजह से उन्होंने कनाडा जाने का विचार छोड़ दिया।

अक्षय कुमार बोले- हिंदुस्तानी ही रहूंगा

अक्षय ने इस बात पर भी बात की कि पासपोर्ट ने कभी उनकी पहचान तय नहीं की और कहा, 'मेरा हमेशा से हिंदुस्तान से पूरा नाता है, मैं हिंदुस्तानी हूं और हमेशा रहूंगा।' उन्होंने यह भी बताया कि आलोचनाओं के बावजूद, उन्होंने भारत में नियमित रूप से टैक्स दिया है। एक्टर के मुताबिक, लोग अक्सर किसी व्यक्ति के बारे में बाकी सब कुछ अनदेखा करते हुए सिर्फ एक विवाद पर ध्यान देने लगते हैं।

राजपाल यादव बोले:'भूत बंगला' में हॉरर और कॉमेडी दोनों, प्रियन सर की फिल्म के लिए रोल नहीं पूछता

अक्षय कुमार और निर्देशक प्रियदर्शन की फिल्म 'भूत बंगला' में राजपाल यादव भी नजर आएंगे। तीनों की यह तिकड़ी पहले 'भूल भुलैया' में काम कर चुकी है। राजपाल कहते हैं कि 'भूत बंगला' की कहानी सिर्फ एक हॉरर कॉमेडी नहीं, बल्कि एक रहस्य से भरी दुनिया है। टीजर में दिखाया गया 'वधुसुर' और मंगलपुर की हवेली दरअसल उस बड़े रहस्य की झलक भर है।'

करीब 25 साल के करियर में सैकड़ों किरदार कर चुके राजपाल खुद को आज भी छात्र ही मानते हैं। वह कहते हैं कि 'जब एक्टर किरदार की सोच को समझ लेता है तो उसकी बॉडी लैंग्वेज अपने आप बदल जाती है। मैं कभी किसी की नकल नहीं करता हूं।'

प्रियन सर के साथ काम करना मनोरंजन का विज्ञान पढ़ने जैसा

राजपाल बताते हैं कि, 'प्रियदर्शन के साथ मेरा रिश्ता दो दशक से भी पुराना है। मैंने कभी उनसे स्क्रिप्ट तक नहीं पूछी। जब भी उनका फोन आता है, सिर्फ यही कहते हैं-₹राजपाल, आना है...' तो मैं बिना कुछ पूछे सेट पर पहुंच जाता हूं। इस फिल्म में हॉरर और कॉमेडी दोनों है। प्रियदर्शन सर के साथ काम करना किसी यूनिवर्सिटी में मनोरंजन का विज्ञान पढ़ने जैसा है। जहां हर एक्टर छात्र होता है।'

'छोटा पंडित' के बाद मेरा नया किरदार भी दर्शक पसंद करेंगे

भूल भुलैया' के बाद से 'छोटा पंडित' के नाम से भी लोकप्रियता मिली। इस पर राजपाल का कहना है कि 'कोई दबाव महसूस नहीं होता। एक कलाकार के लिए हर किरदार 'रसगुल्ले' की तरह होता है, छोटा हो या बड़ा उसका स्वाद मीठा ही होता है। 'भूत बंगला' में भी मेरा किरदार बारीकी से गढ़ा गया है और प्रियदर्शन सर ने इसमें आम आदमी के ऐसे शेड्स दिए हैं, जिनसे दर्शक आसानी से जुड़ पाएंगे और पसंद भी करेंगे।'

'भूत बंगला' की हवेली का आर्किटेक्चर ही डर पैदा करता है

बकौल राजपाल, 'किसी भी फिल्म में लोकेशन सिर्फ एक जगह नहीं बल्कि एक किरदार होती है। जहां 'भूल भुलैया' की हवेली में राजपूताना ठाठ और रहस्य का माहौल था, वहीं 'भूत बंगला' की हवेली का आर्किटेक्चर और अंधेरा अपने आप में अलग तरह का डर पैदा करता है। प्रियदर्शन सर ने इसे ब्यूटीफुल हॉरर की तरह ट्रीट किया है, जिससे दर्शकों को लगेगा कि वे खुद उस बंगले के भीतर मौजूद हैं।'

अक्षय के साथ फिर से काम करने को लेकर राजपाल कहते हैं कि 'अक्की पाजी की सबसे बड़ी खूबी यह है कि वह हर वक्त लाइव एक्टर जैसे रहते हैं। कैमरा ऑन हो या ऑफ, सेट पर उनका एनर्जी लेवल वही रहता है। शॉट के बीच भी दोनों कलाकार लगातार रिहर्सल करते रहते हैं और सीन में छोटे-छोटे इम्प्रोवाइजेशन जोड़ते हैं ताकि सीन और ज्यादा जीवंत बन सके। अक्षय के साथ काम करना हमेशा रोलर कोस्टर जैसा अनुभव होता है।'

सिंगर बादशाह अब हरियाणा बाल आयोग में तलब 'टटीरी सॉन्ग' पर 7 दिन में जवाब मांगा

महिला आयोग दे चुका अरेस्ट के आदेश

टटीरी सॉन्ग को लेकर बॉलीवुड सिंगर बादशाह की मुश्किलें बढ़ रही हैं। अब हरियाणा बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने बादशाह को समन भेज तलब किया है। सिंगर के साथ ही सॉन्स के निर्देशकों को भी नोटिस भेजा गया है। 7 दिन के अंदर पक्ष रखने के निर्देश दिए हैं।

इससे पहले, 13 मार्च को हरियाणा राज्य महिला आयोग के सामने पेश न होने पर सिंगर का पासपोर्ट जब्त करते अरेस्ट करने के आदेश दिए थे। आयोग ने पानीपत SP को FIR भी दर्ज करने को कहा था। बाल अधिकार संरक्षण आयोग का कहना है कि सॉन्ग की वीडियो में स्कूली बच्चियों को गलत तरीके से पेश किया गया है। यह सॉन्ग बच्चों को पढ़ाई छोड़ने के लिए उकसाता है। बादशाह का टटीरी सॉन्ग 1 मार्च को रिलीज हुआ था। सॉन्ग के रिलीज होने के साथ ही इसमें बादशाह के लिरिक्स और लड़कियों के सीन को लेकर कई सामाजिक संगठनों ने आपत्ति जताई थी। इसके बाद पंचकूला पुलिस ने सॉन्ग को यूट्यूब से हटवा दिया। जींद में 2 व पंचकूला में एक एफआईआर दर्ज हुई।

बादशाह के साथ निर्देशकों को भी नोटिस

टटीरी सॉन्ग को लेकर बाल अधिकार आयोग को कई शिकायतें मिली थीं। इसके बाद शनिवार को आयोग ने ई-मेल और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से बादशाह को 7 दिन के अंदर अपना पक्ष रखने के लिए नोटिस जारी किया है। आयोग के अनुसार, वीडियो में कुछ ऐसे दृश्य फिल्माए गए हैं, जो छात्रों के बीच अनुशासनहीनता को बढ़ावा देते हैं।आयोग ने आदित्य प्रतीक सिंह सिसोदिया (बादशाह), वीडियो निर्देशक- माही संधू और जोबन संधू, प्रोडक्शन हाउस- बटुगेदरप्रोस और सीईओ आलाप गोशर को नोटिस भेजा है।

अब जानिए सॉन्ग को लेकर विवाद क्यों...

महिलाओं का अपमानः गाने में अश्लील शब्दों के प्रयोग करने पर कई सामाजिक संगठनों ने इसका विरोध किया था। हरियाणा राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन रेणु भाटिया ने इसे असभ्य और महिलाओं को 'ऑब्जेक्टिफाई' करने वाला बताया था।बिना अनुमति फिल्मांकनः गाने में जींद रोडवेज की बस और नरवाना के सच्चा खेड़ा गांव के सरकारी स्कूल का सीन दिखाया गया। विभाग का आरोप है कि इसके लिए कोई आधिकारिक अनुमति नहीं ली गई थी।

गलत संदेशः वीडियो में स्कूल ड्रेस पहनी लड़कियां स्कूल बैग फेंकती नजर आई और बस के ऊपर छात्राओं को खड़ा कर गाने के लिरिक्स जोड़े गए हैं, जिसके बाद कई सामाजिक संगठनों ने समाज में गलत संदेश जाने का आरोप लगाया।

आर माधवन ने फेक अकाउंट को लेकर किया अलर्ट फैंस से सतर्क रहने की अपील की

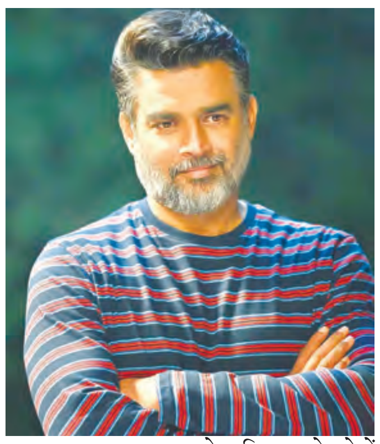

एक्टर आर माधवन ने शनिवार को लोगों को एक फ्रॉड सोशल मीडिया अकाउंट को लेकर अलर्ट किया, जो सोशल मीडिया पर लोगों से कॉन्टैक्ट करने के लिए उनके नाम का इस्तेमाल कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह अकाउंट उनसे या उनकी टीम से किसी भी तरह जुड़ा नहीं है और इसके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

माधवन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर उस फेक हैंडल का स्क्रीनशॉट शेयर किया। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया पर कोई भी अन्य अकाउंट उन्हें रिप्रेजेंट नहीं करता और न ही उनकी ओर से लोगों से बात करता है।

उन्होंने कैप्शन में लिखा कि यह व्यक्ति खुद को उनका रिप्रेजेंटेटिव बताकर सोशल मीडिया पर लोगों से संपर्क कर रहा है, जो पूरी तरह फेक है। उन्होंने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

माधवन ने यह भी कहा कि इंस्टाग्राम या किसी भी अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उनके अलावा कोई और अकाउंट उनकी ओर से बात नहीं करता। इस मामले में जिम्मेदार व्यक्ति के खिलाफ उचित कदम उठाए जा रहे हैं।

फिल्म धुरंधर 2 में नजर आएंगे आर माधवन

आर माधवन जल्द ही फिल्म "धुरंधर 2: द रिवेंज" में दिखाई देंगे। यह फिल्म 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। आदित्य धर के निर्देशन में बनी यह फिल्म "धुरंधर" का सीक्वल है। इसमें माधवन इंटेलिजेंस ब्यूरो के डायरेक्टर अजय सान्याल की भूमिका निभाते नजर आएंगे।

आमिर खान ने दोनों पत्नियों और गर्लफ्रेंड संग मनाया 61वां बर्थडे पार्टी में क्रिकेटर इरफान पठान बेगम संग पहुंचे

बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान ने 14 मार्च को अपने घर पर परिवार और करीबी दोस्तों के बीच अपना 61वां जन्मदिन मनाया। इस सादे समारोह में आमिर की गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट, उनकी पहली पत्नी रीना दत्ता और उनके बच्चे जुनैद खान और आइरा खान, साथ ही उनकी दूसरी पत्नी किरण राव और उनके बेटे आजाद राव खान सभी एक साथ मौजूद थे।

इस समारोह का एक वीडियो पूर्व भारतीय क्रिकेटर इरफान पठान ने ऑनलाइन शेयर किया, जो अपनी पत्नी सफा बेग के साथ समारोह में शामिल हुए थे। वीडियो में आमिर खान को जन्मदिन का केक काटते हुए देखा जा सकता है, जबकि उनके दोस्त और परिवार वाले उनके लिए चियर कर रहे हैं। एक्टर ने केक का पहला टुकड़ा अपने बेटे आजाद को खिलाया, उसके बाद उनकी बेटी आइरा और गौरी को।

इरफान पठान भी बेगम संग पहुंचे

इरफान पठान ने न केवल सोशल मीडिया पर आमिर खान को शुभकामनाएं दीं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता पर केंद्रित अगात्सु फाउंडेशन के जरिए आइरा द्वारा किए गए काम की भी तारीफ की। वीडियो क्लिप शेयर करते हुए इरफान पठान ने लिखा, 'आमिर भाई को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। आइरा खान को अगात्सु फाउंडेशन के जरिए मानसिक स्वास्थ्य और अन्य क्षेत्रों में जागरूकता और समर्थन फैलाने का काम करते हुए देखना भी बहुत अच्छा लगा।'

गौरी के साथ पार्टी से निकले आमिर

पार्टी के बाद के कुछ वीडियो भी पपाराजी के अकाउंट्स पर शेयर किए गए। एक वीडियो में आमिर खान अपनी पार्टनर गौरी स्प्रैट के साथ बाहर निकलते नजर आ रहे हैं। जब फोटोग्राफर्स ने एक्टर से गौरी के साथ रुककर पोज देने को कहा, तो कपल ने खुशी-खुशी उनकी बात मान ली और कैमरों के लिए मुस्कुराए। इसके कुछ ही समय बाद, आमिर की पहली पत्नी रीना दत्ता और उनके बेटे जुनैद खान को भी वहीं से निकलते हुए देखा गया।

ऑनलाइन वायरल हो रहे एक वीडियो में, आमिर को गौरी, उनकी दूसरी पत्नी किरण राव और उनके बेटे आजाद राव खान के साथ एक ही कार में पार्टी से निकलते हुए देखा गया है।

आमिर खान के जन्मदिन की पार्टी में सिर्फ परिवार ही नहीं, बल्कि कई मशहूर हस्तियां भी शामिल हुईं। एक्टर विक्की कौशल भी फंक्शन में नजर आए, वहीं रितेश देशमुख अपनी पत्नी जेनेलिया डिसूजा के साथ पहुंचे। निर्माता रितेश सिधवानी भी आमिर की इस खास रात में मौजूद मेहमानों में शामिल थे।

जरीन खान ने 'अक्सर 2' के डायरेक्टर की खोली पोल बताया- 'हेट स्टोरी 3' के बाद नीची नजरों से देखने लगे थे लोग

सलमान खान के साथ फिल्म 'वीर' से बॉलीवुड डेब्यू करने वाली एक्ट्रेस जरीन खान लंबे समय से स्क्रीन से गायब हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में अपनी फिल्म 'हेट स्टोरी 3' के बारे में बात की। बताया कि इसमें उनके काम की जमकर आलोचना हुई थी। उनकी एक्टिंग पर सवाल भी उठाए थे। हालांकि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी, लेकिन उनके लिए ये नए मौके लेकर नहीं आई।

जरीन खान ने पूजा भट्ट की तरफ से होस्ट किए गए एक पॉडकास्ट में फिल्म 'हेट स्टोरी 3' के सीन्स के बारे में बात की, जिसके कारण इंडस्ट्री के कुछ लोगों ने उनके बारे में गलत बातें कही थीं। उन्हें रिलीज के बाद बहुत नीचा दिखाया गया था। जरीन खान ने कहा, 'हेट स्टोरी 3 के बाद फिल्म इंडस्ट्री लोग मुझे नीची नजरों से देखने लगे थे। वो कहते थे कि ये एक्टिंग नहीं कर सकती इसलिए उसने कपड़े ही उतार दिए।'

जरीन खान को 'अक्सर 2' मिली

एक्ट्रेस को 'हेट स्टोरी 3' की सफलता के बाद 'अक्सर 2' के लिए अप्रोच किया गया था। इसका डायरेक्शन अनंत महादेवन ने किया था। एक्ट्रेस ने बताया कि उन्हें पहले इस मूवी के बारे में जो कहानी बताई गई थी, वो बिलकुल 'हेट स्टोरी 3' के जैसे नहीं थी। एकदम अलग थी। लेकिन जब शूटिंग शुरू हुई तो उन्होंने देखा कि कई किसिंग सीन्स और रिवीलिंग कॉस्ट्यूम्स शामिल थे।

जरीन खान को सेट पर पहुंच कर लगा शॉक्ड

एक्ट्रेस के मुताबिक, 'उन्होंने मुझे अंग्रेजी में स्क्रिप्ट सुनाई और कहा कि हम हेट स्टोरी नहीं बना रहे हैं। एक नॉयर जॉनर की फिल्म बना रहे हैं। ऐसे ही कुछ कहा था तो मैंने कहा ठीक है। लेकिन जब मैं सेट पर पहुंची तो लगभग हर दूसरे सीन की एंडिंग किसीन सीन पर होती थी या फिर अचानक से मुझे ब्रा या वैसी ही कोई दूसरी चीज पहनने के लिए कह दिया जाता था।'

जरीन खान ने डायरेक्टर पर लगाए आरोप

एक्ट्रेस ने कहा कि उन्हें ऐसे सीन्स करने में कोई दिक्कत नहीं लेकिन जब उन्होंने मूवी के लिए हां कहा था तो उसमें ये सारी चीजें नहीं बताई गई थीं। 'मैंने मेकर्स से कहा कि ये सब करने में मुझे कोई परेशानी नहीं लेकिन आपने मुझे ये सब नहीं बताया था। आप हेट स्टोरी देखकर ये सब इसमें एड कर रहे हैं। बाद में मुझे पता चला कि डायरेक्टर थाली का बैंगन का था। वह प्रोड्यूसर को कुछ कहानी बताता और मुझे और मेरे कॉस्ट्यूम्स डिजाइनर को कुछ और।'

जरीन खान को 'अक्सर 2' की स्क्रीनिंग में नहीं बुलाया

एक्ट्रेस ने बताया कि बाद में उनके मेकर्स ने हर सीन में ब्रा वाला सीन, किसिंग सीन या कुछ और रिवीलिंग करने को कहा था। 'ऐसा उन लोगों ने सिर्फ इसलिए किया क्योंकि मैंने पहली फिल्म में ये सीन्स किए थे। जो कि सही नहीं। मैं ज्यादा ड्रामे करने वाली इंसान नहीं हूं। मुझे पता है कि लोगों का पैसा लगा हुअ है इसलिए मैं बीच का रास्ता निकालने का प्रयास करती हूं। लेकिन फिल्म के पूरे होने तक इतना तनाव बढ़ गया था कि इसकी स्क्रीनिंग पर मुझे ही इन्वाइट नहीं किया गया था। मेरे बारे में ऐसा कह दिया गया कि इसके साथ काम नहीं किया जा सकता।'

नाबालिग है मोनालिसा, चाचा ने कहा- 2009 में हुआ था उसका जन्म, दस्तावेज में जानबूझकर बढ़वाई उम्र

खरगोन, 15 मार्च (एजेंसियां)। मोनालिसा से फरमान खान की शादी के बाद पूरा परिवार सकते में है। मोनालिसा के बड़े पापा विजय सिंह भोसले ने एक खुलासा कर मामले में नया मोड़ दे दिया है। यदि मोनालिसा का यह जन्म संबंधी तथ्य सही निकला तो निश्चित तौर पर कई लोगों की मुश्किलें बढ़ जाएगी।

मोनालिसा की शादी के बाद उसके बालिग होने को लेकर सवाल उठाए जाने लगे हैं। उसे अपनी फिल्म द डायरी ऑफ मणिपुर में लॉन्च करने वाले डायरेक्टर सनोज मिश्रा भी इसी बात को लेकर महेश्वर पहुंच चुके हैं। उनका कहना है कि 2025 में 16 साल की मोनालिसा एक साल में 18 की कैसे हो गई। उन्होंने उसका मेडिकल एग्जामिनेशन कराए जाने की भी मांग की है।

मोनालिसा के बड़े पापा (पिता के बड़े भाई) विजय सिंह भोसले ने चर्चा में बताया कि केरल जाने के पूर्व मोनालिसा उज्जैन से इंदौर के पासपोर्ट दफ्तर में गई थी। वह आधार कार्ड में कोई त्रुटि या गड़बड़ी के मद्देनजर उसे महेश्वर के थाने से वेरीफिकेशन करवाने का कहा गया था।

वह इसी सिलसिले में इंदौर से सीधे महेश्वर के थाने पहुंची थी और अगले दिन की टिकट होने के चलते समय की कमी की वजह से घर नहीं आई और सीधे वापस इंदौर चली गई। उसने महेश्वर थाने द्वारा पूछे जाने पर कहा कि उसे पढ़ाई लिखाई करना है और रील बनाने अगले दिन 9 बजे केरल जाना है।

विजय भोसले ने कहा कि उसे पासपोर्ट बनाने अथवा किसी वजह से 18 वर्ष का बताने की आवश्यकता थी, इसलिए उसकी उम्र बढ़ानी पड़ी और डॉक्यूमेंट में ऐसा लिखाया गया। उन्होंने कहा कि मोनालिसा की संभवतः पैदाइश 2009 की है। उन्होंने कहा कि न पासपोर्ट बनाना पड़ता न ही उसकी उम्र 18 की बताई जाती और न ही उसकी शादी होती। उन्होंने कहा कि कुंभ से वायरल हुई मोनालिसा को किसी बड़े दुष्चक्र में फंसाया गया है।

यदि विजय भोसले की यह बातें सही है तो सनोज मिश्रा का शक यकीन में बदल सकता है। अब सवाल यह उठ रहा है कि मोनालिसा को क्या यह दस्तावेज शादी के सर्टिफिकेट के लिए बालिग बताने की वजह से तैयार करने पड़े? और यदि यह बात सही निकलती है तो इसके पीछे कौन सा नेटवर्क सामने आता है यह देखने वाली बात होगी।

संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक संपन्न

दत्तात्रेय होसबाले बोले- देश हित में सभी कदम उठा रही सरकार

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठकर हरियाणा के समालखा में हुई। तीन दिन की इस बैठक में संघ के शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों की समीक्षा की गई और अप्रैल से जून तक होने वाले प्रशिक्षण वर्ग की योजना पर भी बात हुई।

पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए संघ के सहकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि हम चाहते हैं कि विश्व में शांति हो। युद्ध कई कारणों से होते हैं। उन्होंने कहा कि संघ का विचार है कि युद्ध जितना जल्दी हो समाप्त होना चाहिए और लोगों का जीवन शांति से चले। उन्होंने कहा कि भारत और भारत के लोगों के हित में सरकार सभी जरूरी कदम उठा रही है और संघ का विश्वास है कि जो किया जा रहा है वह ठीक है।

गौवंश पर क्या बोले सहकार्यवाहक

सड़कों पर कई जगह दुर्घटना का कारण बन रहे गौवंश को लेकर संघ के सहकार्यवाह ने कहा कि कुछ लोग अपनी गायों को ऐसे ही छोड़ देते हैं, हमारा अनुरोध है कि ऐसा ना छोड़े, घर पर नहीं रखना है तो गौशाला पहुंचा सकते हैं। उन्होंने कहा कि सड़कों पर लोगों को दिक्कत ना हो इसका इंतजाम स्थानीय प्रशासन करे, यही लोगों की अपेक्षा रहती है।

वक्त के साथ क्या संघ के मुस्लिमों को लेकर विचार बदले हैं क्योंकि अब संघ एक ही डीएनए जैसे शब्दों का इस्तेमाल करने लगा है, इस सवाल के जवाब में दत्तात्रेय होसबले ने कहा कि जब हेडेगेवार जी ने संघ की स्थापना की तब ये नहीं कहा था कि मुस्लिम विरोध के लिए संगठन बनाया है। जब अंग्रेजों के जमाने में भी मध्य प्रांत में संघ पर प्रतिबंध की बात आई तब वहां की असेंबली में डिबेट हुई जिन्होंने संघ के समर्थन में बोला उनमें एक मुस्लिम भी थे।

संघ के सरकार्यवाह ने कहा कि हमने पहले से कहा है कि भारत के सभी लोगों के पूर्वज हिंदू ही हैं, आप हिंदू कहो भारतीय कहो या जो भी कहो। जब हिंदू समाज का संगठन कहते हैं तो किसी का विरोध नहीं है। उन्होंने कहा कि पहले सरसंघचालक ने भी कहा था कि सबके पूर्वज एक हैं, हां अब डीएनए शब्द नया है और शब्द युग के हिसाब से आते हैं।

पहचान की ओर साहसी कदम

अनाया बांगड़ की जेंडर-अफर्मिंग सर्जरी सफल

कहा- यह मेरी लंबी यात्रा का अहम पड़ाव

नई दिल्ली , 15 मार्च (एजेंसियां)। भारत के पूर्व क्रिकेटर और कोच संजय बांगड़ की संतान अनाया बांगड़ ने जेंडर-अफर्मिंग सर्जरी करा ली है। अनाया ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बताया कि उनकी सर्जरी सफल रही है और वह फिलहाल रिकवरी के दौर से गुजर रही हैं। अनाया लंबे समय से इस सर्जरी की तैयारी कर रही थीं और मार्च में थाईलैंड में सर्जरी कराने वाली थीं। अब उन्होंने पोस्ट शेयर कर इसकी सफलता की जानकारी दी है।

सोशल मीडिया पर अनाया ने लिखा, 'सर्जरी सफल रही। मैं अभी रिकवरी कर रही हूं और धीरे-धीरे चीजों को आगे बढ़ा रही हूं, लेकिन डॉ. चेट और WIH इंटरनेशनल हॉस्पिटल की टीम से मिली देखभाल के लिए मैं बेहद आभारी हूं। यह एक लंबी यात्रा रही है और आज का दिन इस सफर का एक बहुत महत्वपूर्ण कदम महसूस हो रहा है। आप सभी के प्यार, समर्थन और संदेशों के लिए धन्यवाद। यह मेरे लिए सच में बहुत मायने रखता है।'

पांच साल के इंतजार के बाद पूरा हुआ सफर

अनाया पहले ही बता चुकी थीं कि यह फैसला अचानक नहीं लिया गया था। उन्होंने करीब पांच साल तक इस पल का इंतजार किया और लंबे समय तक थेरेपी, मेडिकल जांच और आत्ममंथन के बाद जेंडर-अफर्मिंग सर्जरी कराने का निर्णय लिया था। अनाया ने पहले कहा था कि उन्होंने कभी खुद को उस जेंडर से जुड़ा महसूस नहीं किया, जिसमें उनका जन्म हुआ। ऐसे में यह सर्जरी उनकी पहचान के सफर में एक अहम कदम है।

परिवार का साथ बना सबसे बड़ी ताकत

अनाया की इस यात्रा में उनके परिवार का समर्थन भी अहम रहा है। उनके छोटे भाई अथर्व बांगड़ शुरू से उनके साथ खड़े रहे, जबकि समय के साथ उनके माता-पिता ने भी उन्हें पूरी तरह स्वीकार कर लिया। खास बात यह है कि इस सर्जरी का पूरा खर्च उनके पिता संजय बांगड़ ने उठाया, जिसे अनाया ने अपने जीवन का सबसे बड़ा भावनात्मक सहारा बताया था।

'सबको माफ करते हुए, सबसे माफी मांगते हुए जाओ'

हरीश राणा का घर से विदाई का वीडियो कर देगा आंखें नम

गाजियाबाद, 15 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के राजनगर एक्सटेंशन स्थित घर से हरीश राणा को दिल्ली एम्स शिफ्ट कर दिया गया है। एम्स में डॉक्टरों की टीम सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत पैसिव यूथेनेशिया की प्रक्रिया को शुरू कराई है। इसका अर्थ है कि अब हरीश राणा की इस धरती से विदाई हो जाएगी। 13 सालों से बेड पर पड़े हरीश राणा के स्वस्थ होने की कोई संभावना को न देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने एम्स की रिपोर्ट के आधार पर इच्छामृत्यु की याचिका पर फैसला सुनाया। फैसले के तहत सम्मानजनक तरीके से एम्स हरीश राणा के जीवन के अंत की व्यवस्था करेगा। इसके लिए हरीश को जीवनरक्षक उपकरणों से धीरे-धीरे अलग किया जाएगा। राजनगर एक्सटेंशन स्थित घर से हरीश की विदाई का एक भावुक वीडियो आया है। इसमें उसे सबको माफ करने और माफी मांगते जाने की बात करते परिजन दिख रहे हैं।

सोशल मीडिया पर एक 22 सेकेंड का वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें बेड पर पड़े हरीश राणा को एक महिला चंदन का टीका लगाती हैं। उनके चेहरे पर मुस्कान है। इस मुस्कान के पीछे का दर्द साफ दिखता है। वह बड़े प्यार से उसके सिर पर हाथ सहलाते हुए कहती हैं, 'सबको माफ करते हुए... सबसे माफी मांगते हुए अब जाओ'। आखिरी विदाई का यह वीडियो पत्थरदिल लोगों की आंखों में भी आंसू लाने वाला है। एक युवक के साथ ऐसा हादसा हुआ, जिसने उसके माता-पिता के सपनों को तोड़ दिया। उसे बिस्तर पर सिमटने को मजबूर कर दिया। ऐसे में युवक के लिए मौत ही आखिरी विकल्प बचा।

एक युवक जिससे उम्मीदें थी कि वह बुढ़ापे में मां-पिता का सहारा बनेगा। बॉडीबिल्डर हरीश ऐसी स्थिति में पहुंच गया, जहां वह आंखों को झपकाने के अलावा शरीर के एक अंग को भी हिला-डुला नहीं सकता था। इस कारण माता-पिता को हरीश के लिए मौत मांगनी पड़ी।

हरीश राणा को एम्स में ले जाए जाने के दौरान परिवार के लोग भावुक दिखे। 13 साल पहले तक हंसने-हंसाने वाला 18-19 साल का युवक जिंदा ही आखिरी यात्रा को जा रहा था। वीडियो में दिखता है, हरीश के होठ हिल रहे हैं। आखें कुछ कहने का प्रयास कर रही हैं। शायद वह भी हर किसी को आखिरी बार विदा कर रहा हो। कहा जा रहा है कि इसके बाद एम्स की टीम एंबुलेंस से उसे लेकर गई। परिवार के लोग भी एम्स गए हैं।

दरअसल, 20 अगस्त 2013 को हरीश राणा चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी से सिविल इंजीनियरिंग आखिरी सेमेस्टर की पढ़ाई के दौरान पीजी की चौथी मंजिल से गिर गए थे। इस हादसे में उनके सिर में चोटें आईं। डॉक्टरों ने जांच के बाद उनके ठीक न होने की बात कही। माता-पिता ने ठीक करने के लिए कई जगहों पर इलाज कराया। इलाज न होने के बाद इच्छामृत्यु की अनुमति मांगी गई। सुप्रीम कोर्ट ने मामले में मेडिकल बोर्ड की सलाह पर अनुमति दे दी।

शादी समारोह में 4.80 लाख रुपए से भरा बैग चोरी

इंदौर में स्टेज पर चढ़कर नाबालिग ले गया नकदी

सीसीटीवी में कैद; पुलिस को सांसी गैंग पर शक

इंदौर, 15 मार्च (एजेंसियां)। इंदौर के बाणगंगा क्षेत्र में एक शादी समारोह के दौरान नाबालिग ने लाखों रुपए से भरा बैग चोरी कर लिया। घटना के दो दिन बाद पुलिस को सीसीटीवी फुटेज मिले हैं, जिनमें एक नाबालिग बैग लेकर जाता दिखाई दे रहा है। फुटेज के आधार पर पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

इस मामले में पुलिस को राजगढ़-ब्यावरा की सॉसी गैंग पर भी संदेह है, जो पहले भी इस तरह की वारदातों को अंजाम दे चुकी है। शिकायत के बाद शनिवार को वीडियो के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

बाणगंगा थाना पुलिस ने 67 वर्षीय हरीश कुमार झा निवासी विजयनगर की शिकायत पर 4 लाख 80 हजार रुपए की चोरी का मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार हरीश झा ने बताया कि 12 मार्च को मिलन सुंदरम गार्डन में उनके बेटे इंद्रजीत झा का शादी का रिसेप्शन था। समारोह के दौरान एक ग्रे-ब्लैक रंग के बैग में पर्स, एटीएम कार्ड और करीब 4 लाख 80 हजार रुपए नकद रखे हुए थे, जिसे कोई अज्ञात व्यक्ति चुराकर ले गया।

एडिशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच, राजेश दंडोतिया के मुताबिक हरीश झा ने बताया कि उन्होंने यह गार्डन दो दिनों के लिए किराए पर लिया था, जहां केटरिंग और अन्य व्यवस्थाओं का भुगतान किया जाना था। रात के समय दूल्हा-दुल्हन स्टेज पर थे और बाकी लोग कार्यक्रम में व्यस्त थे। इसी दौरान एक नाबालिग स्टेज पर चढ़ा और बैग उठाकर ले गया।

रात में जब रुपए से भरा बैग स्टेज पर नहीं मिला तो गार्डन में मौजूद लोगों और परिचितों से पूछताछ की गई। बाद में जब शादी की रिकॉर्डिंग देखी गई तो उसमें एक बच्चा बैग लेकर स्टेज से उतरते हुए दिखाई दिया। इसके बाद गार्डन के सीसीटीवी कैमरों में भी वह बाहर जाते हुए नजर आया। फिलहाल पुलिस फुटेज के

फरीदाबाद में खड़े डंपर में घुसी डिफेंडर कार

युवक की मौत; एक साल पहले हुई थी शादी

पत्नी को मायके छोड़ लौट रहा था

फरीदाबाद, 15 मार्च (एजेंसियां)। फरीदाबाद शहर के सूरजकुंज-पाली रोड़ पर एक तेज रफ्तार डिफेंडर गाड़ी ने सड़क किराने खड़े डंपर में पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयंकर थी कि डिफेंडर के परखच्चे उड़ गए। हादसे में गाड़ी चला रहे 24 साल के युवक की मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल बीके भिजवा दिया है।

स्थानीय लोगों के मुताबिक घटना दोपहर 12 बजे की बताई जा रही है। गांव अनंगपुर की तरफ से आती हुई एक सफेद रंग की डिफेंडर कार सूरजकुंड-रोड़ पर सड़क किनारे खड़े डंपर में पीछे से घुस गई। डिफेंडर के डंपर में टक्कर मारते ही शोर सुनकर आस-पास के लोग मौके पर पहुंच गए, लेकिन गाड़ी की स्पीड इतनी ज्यादा थी कि उसको चला रहे 24 साल के युवक मयंक गुप्ता की मौके पर ही मौत हो गई। लोगों के मुतबाकि तेज स्पीड में होने के कारण डिफेंडर के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए। हादसे में गाड़ी के एयरबैग भी खुल गए, लेकिन उसके बाद भी चला रहे युवक की जान नही बच सकी। टक्कर के चलते गाड़ी के लोहे के टुकड़े एयरबैग का फाड़ते हुए युवक के शरीर में घुस गए।

बताया जा रहा है कि मृतक मयंक गुप्ता युवक अपने परिवार का इकलौता था। पिछले साल ही उसकी शादी हुई थी। आज वह अपनी पत्नी को उसके मायके ओलावास छोड़ने के लिए गया था, लेकिन घर वापस पहुंचने से पहले ही वह हादसे का शिकार हो गया।

सुरजकुंड थाना इंचार्ज पह्लाद ने बताया कि मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। सड़क के किनारे डंपर खड़ा हुआ था। जिसमें पीछे से कार ने टक्कर मार दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बेटी मोबाइल पर बात करती थी

पिता ने मार डाला

गोरखपुर, 15 मार्च (एजेंसियां)। 'मेरी बेटी किसी लड़के से मोबाइल पर बात करती थी। मना करने पर भी नहीं मान रही थी। 13 मार्च को भी मैंने उसे मोबाइल पर बात करते देखा। जब डांटा तो जवाब देने लगी। मैंने उसे एक थप्पड़ मार दिया। तभी बेटी ने भी हाथ उठा दिया। ये मैं बर्दाश्त नहीं कर पाया।

तुरंत कमरे में रखी हंसिया लेकर आया और उस पर करीब 8 से 10 वार किए। खून से लथपथ हो गई तो मैं घबरा गया। पत्नी के साथ उसे मेडिकल कालेज लेकर आया, लेकिन बेटी ने दम तोड़ दिया। इसके बाद मैंने पत्नी के साथ मिलकर झूठी कहानी गढ़ी।'

ये बातें गोरखपुर में 23 साल की बेटी की हत्या के आरोपी पिता कमलेश भारती ने कबूल की। उसने बताया कि बेटी नेहा भारती हंसिया पर गिरी नहीं थी, मैंने उसकी हत्या की थी। इसे हादसा साबित करने की कोशिश कर रहा था। मामला पिपराइच थाना क्षेत्र का है।

यूपी में मौसम बदला, 15 शहरों में बारिश

हरदोई-सीतापुर में बिजली गिरी, 2 की मौत

हाथरस में कोल्ड स्टोरेज की दीवार ढही

लखनऊ , 15 मार्च (एजेंसियां)। यूपी में रविवार को मौसम अचानक बदल गया। सुबह नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ, अयोध्या समेत 15 शहरों में तेज हवा के साथ हल्की बारिश हुई। लखनऊ में बूंदाबांदी के साथ धूलभरी आंधी चली। आसमान में काले बादल छा गए।

हरदोई में बिजली गिरने से खेत में काम कर रहे किसान की मौत हो गई। उसके 2 बच्चे झुलस गए। सीतापुर में भी बिजली गिरने से एक महिला की मौत हो गई। हाथरस में बारिश की वजह से कोल्ड स्टोरेज की दीवार गिर गई। यहां रखा 10 हजार बोरी आलू मलबे में दब गया। मौसम विभाग ने आज 35 जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश और 10 जिलों में ओले का अलर्ट जारी किया है। कई जिलों में दोपहर तक बादल छाए हैं। ठंडी हवाएं चल रही हैं। मौसम विभाग का कहना है कि अगले 48 घंटे तक प्रदेश में मौसम बिगड़ा ही रहेगा।

बारिश और तेज हवा का असर फसलों पर भी दिखाई दे रहा है। कई इलाकों में खड़ी फसलें झुक गईं। हालांकि, तापमान में गिरावट आने से लोगों को गर्मी से राहत मिली है। पिछले 24 घंटे की बात करें तो बांदा सबसे गर्म शहर रहा। यहां अधिकतम तापमान 38.4°C दर्ज किया गया। उरई में पारा 36.8°C और प्रयागराज में 36.4°C पहुंच गया।

श्रीमद् भागवत कथा के सन्दर्भ में मीटिंग संपन्न

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थानी जागृति समिति हैराबाद के तत्वावधान में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन आगामी 9 अप्रैल से 15 अप्रैल तक प्रति दिन माध्यन 3 बजे से सायं 7 बजे तक बाहेती भवन सिद्धअम्बर बाजार हैदराबाद में आयोजित किया जाएगा । इसी सन्द्धर्भ में आज सुबह 11.30 बजे बाहेती भवन सिद्धअम्बर बाजार में रामदेव नागला मंत्री राजस्थानी विप्र समाज कि अध्यक्षता में बैठक हुई। इस आशय की जानकारी समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमानी ने एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा दी गई।

विज्ञप्ति में श्रीनिवास सोमानी जी ने कहा श्रीमद् भागवत कथा में महिलाएं कलश को अपने सिर पर रख कर भगवान् का सुमिरन करते हुए व्यास पीठ पर पहुंचेंगी। श्रीमद् भागवत कथा के प्रतिदिन के कार्यक्रम इस प्रकार है , गुरुवार 9 अप्रैल को सुबह 11.30 बजे कलश यात्रा दुर्गा माता मन्दिर मुखत्यरगंज सिद्धअम्बर बाजार से निकल कर कथा स्थल बाहेती भवन पहुचेगी। अल्पाहार के बाद मध्यम 3 बजे से श्रीमद् भागवत कथा आरंभ होगी।

दक्षिण भारत कान्यकुब्ज सभा की विशेष बैठक आयोजित

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण भारत कान्यकुब्ज सभा की विशेष बैठक सभा के कार्यालय निर्दोष भवन खैरताबाद में संपन्न हुई । बैठक में गत माह में लिए गए निर्णयों की समीक्षा एवं पिछली बैठक से आजतक के आय व्यय की समीक्षा एवं अनुमोदन किया गया । बैठक में मुख्य रूप से गत महा सम्पन हुए बसंत पंचमी को सामूहिक उपनयन संस्कार कार्यक्रम की विस्तार से विवेचना किया गया । इसके अतिरिक्त सभा के खातों की लेखा परीक्षा करने का निर्णय किया गया । बैठक की अध्यक्षता डॉ राम कुमार तिवारी ने की ।

बैठक में उपाध्यक्ष राकेश तिवारी, महामंत्री विजयपाल पाण्डेय, कोषाध्यक्ष गोपाल प्रसाद शुक्ला, आयोजन मंत्री सूर्य प्रकाश शुक्ला ,प्रचार मंत्री राजेंद्र प्रसाद तिवारी, सदस्य महेश अग्निहोत्री,सदस्य राहुल मिश्र, युवा मामले मंत्री जाया शंकर प्रसाद तिवारी, संगटन मंत्री बाला प्रसाद तिवारी ने भाग लिया ।

पुलिस को बड़ी सफलता, चोरी की घटनाओं का खुलासा, चार आरोपियों को किया गया गिरफ्तार

कोरबा, 15 मार्च (एजेंसियां)। कोरबा जिले में चलाए जा रहे 'सजग कोरबा, सतर्क कोरबा' अभियान के तहत कोरबा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने अलग-अलग क्षेत्रों में हुई तीन चोरी की घटनाओं का खुलासा करते हुए एक महिला समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने जांच के दौरान संदेही महिला सुमित्रा रात्रे (28 वर्ष), निवासी बेन्द्रकोना को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में उसने चोरी करना स्वीकार किया। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी गया मोबाइल फोन और अन्य सामान बरामद कर लिया। पुलिस के अनुसार महिला के खिलाफ पूर्व में भी थाना सिविल लाइन रामपुर और थाना उरगा में चोरी के मामले दर्ज हैं। इसी तरह मानिकपुर चौकी क्षेत्र में घर का ताला तोड़कर सोने-चांदी के जेवरात और नगदी चोरी करने के मामले में पुलिस ने तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में आकाश मरावी (19 वर्ष), रोहित शर्मा (19 वर्ष) और निखिल वर्मन (21 वर्ष) शामिल हैं। पुलिस ने इनके पास से चोरी गए जेवरात और नगदी बरामद कर ली है।

लखनऊ में रिसॉर्ट से 88 सिलेंडर जब्त

लखनऊ, 15 मार्च (एजेंसियां)। यूपी में एलपीजी के लिए लोग परेशान हैं। छठे दिन भी गैस एजेंसियों के बाहर लंबी-लंबी लाइनें लगी हैं। बुकिंग के बाद भी लोगों को समय पर सिलेंडर नहीं मिल पा रहे हैं। कानपुर में सुबह 9 बजे एक एजेंसी के बाहर 'आज गैस नहीं मिलेगी' का नोटिस देखकर लोगों ने हंगामा कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। लोगों को समझाकर शांत कराया।

वहीं, लखनऊ के अभिनंदन रिसॉर्ट में जिला प्रशासन और सप्लाई विभाग ने शनिवार देर रात छापेमारी की। यहां से 88 गैस सिलेंडर बरामद किए। मामले में रिसॉर्ट मालिक समेत पांच लोगों पर एफआईआर दर्ज की गई है। गोंडा में सपा नेता विनोद शुक्ला ने सिलेंडर और गैस पाइप नाले में डालकर प्रदर्शन किया। कहा- मेरे घर मेहमान आए हैं। अब नाले की गैस से चाय बनाएंगे।

इधर, मैनपुरी में सास ने बहू से गैस का कम इस्तेमाल करने को कहा तो बहू थाने पहुंच गई। पुलिस से कहा कि उसने टीवी पर देखा है कि गैस की कोई कमी नहीं है। सास उसे परेशान करने के लिए किल्लत की बात कह रही है। उसे चूल्हे पर खाना बनाने के लिए मजबूर कर रही है। पुलिस का कहना है- बहू की शिकायत के बाद सास को बुलाया गया। दोनों को समझाकर मामला शांत करवा दिया गया।

ईरान युद्ध के कारण जमकर पैसा बना रही हैं अमेरिकी तेल कंपनियां

नई दिल्ली,15 मार्च(एजेंसियां)। ईरान युद्ध के कारण दुनिया में तेल की सप्लाई को बड़ा नुकसान हुआ है। दुनिया का करीब 20 फीसदी तेल होर्मुज की खाड़ी से गुजरता है लेकिन वहां से जहाजों की आवाजाही लगभग बंद है। इस कारण खाड़ी के कई देशों ने तेल उत्पादन कम कर दिया है। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद तेल की कीमत में 40 फीसदी तेजी आई है। शुक्रवार को ब्रेंट क्रूड 103 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ।

इससे पहले सोमवार को यह 120 डॉलर के करीब पहुंच गया था जो 4 साल में इसका उच्च स्तर है। तेल की कीमत में तेजी से अमेरिका की तेल कंपनियां भी जमकर मुनाफा काट रही हैं। ईरान युद्ध शुरू होने से पहले अमेरिकन बेंचमार्क डब्ल्यूटीआई क्रूड की कीमत 55 डॉलर प्रति बैरल थी।

इस कीमत पर अमेरिका की कंपनियां सालाना 62 अरब डॉलर का कैश जेनरेट कर रही थीं। लेकिन अब यह 100 डॉलर प्रति बैरल पहुंच चुका है। माना जा रहा है कि अगर तेल इसी स्तर पर बना रहता है तो अमेरिका की तेल कंपनियों का सालाना फ्री कैश फ्लो 163 अरब डॉलर पहुंच जाएगा।

100 अरब डालर का फायदा

दूसरे शब्दों में कहें तो अगर कच्चा तेल 100 डॉलर प्रति बैरल पर बना रहता है तो अमेरिका की बड़ी तेल कंपनियों को सालाना 100 अरब डॉलर का अतिरिक्त फायदा होगा। अमेरिका की तेल कंपनियों के लिए इससे बेहतर प्रॉफिटेबल कंडीशंस कभी नहीं रही। इसी महीने इन कंपनियों के खजाने में 5 अरब डॉलर का अतिरिक्त कैश आने की उम्मीद है। अमेरिका की कंपनियों को शेल बिजनेस से बड़ा फायदा हो सकता है जिसका मिडिल ईस्ट के कोई लेना-देना नहीं है।

ईरान युद्ध शुरू होने से डब्ल्यूटीआई क्रूड 55 डॉलर प्रति बैरल पर था

अमेरिका की कंपनियां सालाना 62 अरब का कैश जेनरेट कर रही थीं। अब कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच चुकी है। इससे तेल कंपनियों का सालाना फ्री कैश फ्लो 163 अरब पहुंच जाएगा। रूस भी अपने तेल पर प्रीमियम वसूलकर जमकर कमाई कर रहा है

इस बीच रूस भी अपना तेल प्रीमियम पर बेचकर रोजाना 150 मिलियन डॉलर की अतिरिक्त कमाई कर रहा है। ईरान युद्ध से पहले रूस का तेल डिस्काउंट पर मिल रहा था।

लेकिन होर्मुज की खाड़ी से तेल की सप्लाई बंद होते ही रूसी तेल की डिमांड बढ़ गई। इस बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत समेत कई देशों को रूसी तेल खरीदने के लिए 30 दिन की छूट दे दी। जानकारों का कहना है कि रूस को तेल और गैस से 10 अरब डॉलर की अतिरक्त कमाई हो सकती है।

एक घर में दो गैस सिलेंडर रखना है कानूनी, ज्यादा रखा तो कार्रवाई

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और सप्लाई चेन की दिक्कतों के बीच देश में एलपीजी की उपलब्धता को लेकर लोगों की चिंता बढ़ रही है। ऐसे में कई लोग डर के कारण घर में जरूरत से ज्यादा गैस सिलेंडर जमा करने की सोचते हैं। लेकिन यह कदम न केवल खतरनाक हो सकता है बल्कि कानूनन अपराध भी माना जा सकता है। सरकार और तेल कंपनियों ने एलपीजी कनेक्शन और सिलेंडर रखने को लेकर सख्त नियम बनाए हुए हैं, जिनका पालन करना हर उपभोक्ता के लिए जरूरी है।

वन हाउस, वन कनेक्शन का नियम

भारत में एलपीजी कनेक्शन को लेकर आम तौर पर वन हाउस, वन कनेक्शन का नियम लागू होता है। यानी एक घर या एक रसोई के पते पर केवल एक ही एलपीजी कनेक्शन वैध माना जाता है। देश में घरेलू गैस कनेक्शन देने वाली कंपनियों में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की इंडेन गैस, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड की एचपी गैस और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड की भारत गैस शामिल हैं। अगर किसी उपभोक्ता के पास पहले से किसी कंपनी का कनेक्शन है, तो उसी पते पर दूसरी कंपनी का कनेक्शन लेना नियमों के खिलाफ माना जाता है। हालांकि उपभोक्ता चाहें तो अपने कनेक्शन को डबल सिलेंडर कनेक्शन में बदल सकते हैं, जिसमें एक ही कनेक्शन पर दो सिलेंडर रखने की अनुमति होती है।

घर में कितने सिलेंडर रखना है कानूनी

घरेलू उपभोक्ताओं के लिए आमतौर पर एक कनेक्शन पर दो सिलेंडर रखना सामान्य माना जाता है। इसके तहत एक सिलेंडर इस्तेमाल में रहता है और दूसरा रिजर्व के तौर पर रखा जा सकता है। नियमों के अनुसार, एक उपभोक्ता साल में अधिकतम 15 घरेलू सिलेंडर ले सकता है।अगर कोई व्यक्ति बिना वैध अनुमति के जरूरत से ज्यादा सिलेंडर जमा करता है या 40 किलोग्राम से ज्यादा एलपीजी का भंडारण करता है, तो इसे जमाखोरी माना जा सकता है। ऐसी स्थिति में प्रशासन कार्रवाई कर सकता है।

जमाखोरी पर हो सकती है कड़ी कार्रवाई

जरूरत से ज्यादा गैस सिलेंडर जमा करने के मामले में कार्रवाई काफी सख्त हो सकती है। अगर किसी के पास अवैध रूप से सिलेंडर रखने या कालाबाजारी का मामला सामने आता है, तो उसका गैस कनेक्शन रद्द किया जा सकता है और भारी जुर्माना भी लगाया जा सकता है।

गंभीर मामलों में यह मामला आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत अपराध माना जाता है, जिसमें आरोपी को 3 महीने से लेकर 7 साल तक की जेल की सजा भी हो सकती है।

सिलेंडर रखने के सुरक्षा नियम

सुरक्षा के लिहाज से भी एलपीजी सिलेंडर को सही तरीके से रखना जरूरी है। सिलेंडर को हमेशा हवादार जगह पर सीधा खड़ा रखना चाहिए। अगर घर में दो सिलेंडर हैं, तो उन्हें एक-दूसरे के ऊपर रखने से बचना चाहिए। सरकार और गैस कंपनियां उपभोक्ताओं से अपील कर रही हैं कि वे पैनिक बुकिंग या जरूरत से ज्यादा सिलेंडर जमा करने से बचें। अगर हर व्यक्ति अपनी जरूरत के हिसाब से ही गैस का इस्तेमाल करेगा, तो सप्लाई व्यवस्था पर अनावश्यक दबाव नहीं पड़ेगा।

खाने-पीने की दुकान चलाने वाले कारोबारियों को राहत

सरकार ने बदले रजिस्ट्रेशन नियम

नई दिल्ली,15 मार्च(एजेंसियां)। सरकार ने खाने-पीने की दुकान चलाने वाले छोटे कारोबारियों को बड़ी राहत दी है। इसके तहत एफएसएसएआई के बेसिक रजिस्ट्रेशन के लिए टर्नओवर लिमिट बढ़ा दी गई है। इसे 12 लाख रुपये से बढ़ाकर 1.5 करोड़ रुपये कर दिया गया है।

यानी 1.5 रुपये तक के टर्नओवर वाले बिजनेस को अब बेसिक रेजिस्ट्रेशन लेना होगा।

वहीं, पुराने नियमों में यह सीमा 12 लाख रुपये तक हुआ करती थी। इससे छोटे व्यापारियों को कागजी कार्रवाई में बड़ी राहत मिलेगी। 1 अप्रैल 2026 से यह नियम लागू होगा। इसके अलावा, संशोधित ढांचे के तहत 50 करोड़ रुपये तक के टर्नओवर वाले व्यवसायों के लिए राज्य लाइसेंस जरूरी होगा। जबकि 50 करोड़ रुपये से अधिक टर्नओवर वाले व्यवसायों के लिए केंद्रीय लाइसेंस लागू आवश्यक होगा। इससे लाइसेंसिंग व्यवस्था और अधिक सरल हो जाएगी।

स्ट्रीट वेंडर्स को भी बड़ी राहत

स्ट्रीट वेंडर्स (जीविका संरक्षण और स्ट्रीट वेंडिंग विनियमन) अधिनियम, 2014 के तहत नगर निगमों या टाउन वेंडिंग समितियों में पंजीकृत स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को अब एफएसएसएआई में ऑटोमैटिक पंजीकृत माना जाएगा। इसके अलावा पंजीकरण की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी।इसके साथ ही एक टेक्नोलॉजी बेस्ड जोखिम-आधारित निरीक्षण प्रणाली भी लागू की जाएगी। इसके अंतर्गत निरीक्षण खाद्य उत्पाद की प्रकृति, पूर्व अनुपालन रिकॉर्ड, थर्ड-पार्टी ऑडिट परफॉर्मेंस और निगरानी से प्राप्त जानकारी के आधार पर किए जाएंगे। इससे अनावश्यक निरीक्षण कम होंगे। खाद्य सुरक्षा के ऊंचे मानकों को बनाए रखने में मदद मिलेगी।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय
सूर्य	मीन	मे	मीन.... 05-19 बजे
चंद्र	मकर	मे	मेष..... 08-05 बजे
मंगल	कुंभ	मे	वृष..... 09-39 बजे
बुध	कुंभ	मे	मिथुन..11-41 बजे
गुरु	मिथुन	मे	कर्क... 13-52 बजे
शुक्र	मीन	मे	सिंह--- 16-04 बजे
शनि	मीन	मे	कन्या--18-11 बजे
राहु	कुंभ	मे	तुला---20-16 बजे
केतु	सिंह	मे	वृश्चिक.22-27 बजे
			धनु..... 00-38 बजे
			मकर... 02-46 बजे
			कुंभ.... 04-40 बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे /दक्षिण , ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि - 432000 सूर्योदय 06-28
भोग्य कलि वर्ष. - 426874 सूर्यास्त. 18 -22
कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885126
दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
मास - चैत्र कृष्ण पक्ष सोमवार 16 March 2026
तिथि - द्वादशी 09-41 तक उपरान्त त्रयोदशी
नक्षत्र - धनिष्ठा 06-22 रात तक उप शतभिषा
योग - शिव 09-36 तक उप सिद्ध
करण - तैतिल 09-41 तक उप गर
सोम प्रदोष व्रत
पंचक 18-14 उप

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 07-55 से 09-25 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	06-28 - 07-59	शुभ	चंचल	18-22 - 19-54	शुभ
काल	07-59 - 09-28	अशुभ	रोग	19-54 - 21-25	अशुभ
शुभ	09-28 - 10-58	शुभ	काल	21-25 - 22-56	अशुभ
रोग	10-58 - 12-27	अशुभ	लाभ	22-56 - 00-26	शुभ
उत्पात	12-27 - 13-56	अशुभ	उत्पात	00-26 - 01-57	अशुभ
चंचल	13-56 - 15-25	शुभ	शुभ	01-57 - 03-28	शुभ
लाभ	15-25 - 16-54	शुभ	अमृत	03-28 - 04-59	शुभ
अमृत	16-54 - 18-22	शुभ	चंचल	04-59 - 06-28	शुभ

नहीं बढ़ेंगे पेट्रोल-डीजल के दाम, पब्लिक को राहत देने का सरकार ने बनाया ये प्लान

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)।पब्लिक सेक्टर पेट्रोलियम मार्केटिंग कंपनियां (ओएमसी) फ्यूल की रिटेल कीमतों में वृद्धि नहीं करने की वजह से उन्हें हो रहे घाटे को कम करने के लिए रिफाइनरीज को पेट्रोल और डीजल की इंपोर्टेड रेट्स से कम कीमत देने पर विचार कर रही हैं। इस कदम से एमआरपीएल, सीपीसीएल और एचएमएल जैसी सिंगल रिफाइनरी कंपनियों पर बुरा असर पड़ सकता है। पश्चिम एशिया संकट से पहले इंटरनेशनल लेवल पर कच्चे तेल की कीमतें लगभग 70 डॉलर प्रति बैरल थीं, जो अब बढ़कर 100 डॉलर के पार पहुंच गई हैं। हालांकि, भारत में पेट्रोल और डीजल की रिटेल कीमतें स्थिर बनी हुई हैं, जिससे पेट्रोलियम मार्केटिंग कंपनियों को इस बढ़ोतरी का बोझ खुद उठाना पड़ रहा है।

ये बन रहा है प्लान

मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने बताया कि ओएमसी अब रिफाइनरी ट्रांसफर प्राइस (आरटीपी) पर रोक लगाने या उस पर छूट तय करने के विकल्प पर विचार कर रही हैं। आरटीपी वह इंटरनल प्राइस होती है, जिस पर रिफाइनरीज अपने मार्केटिंग सेगमेंट को फ्यूल बेचती हैं। इस कदम का मकसद रिफाइनरीज को पेट्रोल और डीजल की इंपोर्ट पैरिटी कॉस्ट से कम भुगतान करना है। यदि ग्लोबल लेवल पर तेल की कीमतें ऊंची बनी रहती हैं, तो इस प्रस्तावित कदम से रिफाइनरीज कच्चे तेल की बढ़ी हुई कॉस्ट का पूरा बोझ आरटीपी के जरिए आगे नहीं बढ़ा पाएंगी और उन्हें इस प्रभाव का एक हिस्सा खुद वहन करना होगा।

ऐसे होगी नुकसान की भरपाई

सूत्रों के अनुसार, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (एचपीसीएल) जैसी इंटीग्रेटिड कंपनियां अपने रिफाइनिंग और मार्केटिंग ऑपरेशनल के बीच इस घाटे की भरपाई कर सकती हैं। दूसरी ओर मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल), चेन्नई पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (सीपीसीएल) और एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी लिमिटेड (एचएमईएल) जैसी सिंगल रिफाइनरीज का रिटेल मार्केट में नहीं के बराबर दखल है और वे अपना अधिकांश उत्पादन इन्हीं तीन ओएमसी को बेचती हैं। ऐसे में उनके मार्जिन पर सबसे ज्यादा असर पड़ेगा।

रिलायंस भी होगी प्रभावित

सूत्रों ने यह भी कहा कि यदि आरटीपी पर रोक या छूट प्राइवेट रिफाइनरीज पर भी लागू की जाती है, तो नायरा एनर्जी और रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड जैसे रिफाइनरी कंपनियां भी प्रभावित होंगी। ये दोनों प्राइवेट कंपनियां अपने प्रोडक्शन का एक बड़ा हिस्सा ओएमसी को बेचती हैं। दो प्राइवेट रिफाइनरीज अपने पेट्रोल और डीजल प्रोडक्शन का बड़ा हिस्सा ऑयल मार्केटिंग कंपनीज (ओएमसी) को बेचती हैं, जो देश के 1 लाख से अधिक पेट्रोल पंपों में से 90 फीसदी की मालिक और ऑपरेटर हैं।

1 अप्रैल से महंगा होगा हाईवे का सफर

फास्टैग एनुअल पास की बढ़ेगी कीमत

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। देशभर में नेशनल हाईवे पर सफर करने वालों के लिए फास्टैग एनुअल पास की फीस बढ़ने जा रही है। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए फास्टैग वार्षिक पास की फीस 3,000 रुपये से बढ़ाकर 3,075 रुपये करने का फैसला किया है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के मुताबिक नई फीस 1 अप्रैल 2026 से लागू होगी। यह बदलाव नेशनल हाईवे फीस (दर निर्धारण और वसूली) नियम, 2008 के तहत तय किए गए नियमों के अनुसार किया गया है।

किन वाहनों पर लागू होगा

नई फीस उन गैर-व्यावसायिक यानी प्राइवेट वाहनों पर लागू होगी जिनमें वैध फास्टैग लगा हुआ है। यह सुविधा देशभर के करीब 1,150 टोल प्लाजा पर उपलब्ध है, जो नेशनल हाईवे और नेशनल एक्सप्रेसवे नेटवर्क पर स्थित हैं। मंत्रालय के अनुसार, फास्टैग एनुअल पास का इस्तेमाल निजी वाहन मालिकों के बीच तेजी से बढ़ रहा है। अभी देश में 56 लाख से ज्यादा लोग इस सुविधा का इस्तेमाल कर रहे हैं।

साल भर के लिए एक बार भुगतान

फास्टैग एनुअल पास लेने पर वाहन मालिकों को बार-बार रिचार्ज करने की जरूरत नहीं पड़ती। एक बार फीस देने पर यह पास एक साल तक या फिर 200 बार टोल प्लाजा पार करने तक मान्य रहता है। यह सुविधा सभी गैर-व्यावसायिक वाहनों के लिए उपलब्ध है, बशर्ते वाहन में वैध फास्टैग लगा हो।

ऐसे होगा एक्टिवेशन

इस पास को एक्टिवेट करना भी काफी आसान है। वाहन मालिक राजमार्ग यात्रा ऐप या भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की आधिकारिक वेबसाइट के जरिए एक बार फीस का भुगतान कर सकते हैं। भुगतान के करीब दो घंटे के भीतर यह पास वाहन के मौजूदा फास्टैग पर एक्टिव हो जाता है।

2025 में शुरू हुई थी योजना

फास्टैग एनुअल पास योजना की शुरुआत 15 अगस्त 2025 को की गई थी। मंत्रालय के अनुसार, लॉन्च के बाद से इस योजना को वाहन मालिकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। इससे नेशनल हाईवे पर सफर करने वालों को ज्यादा सुविधा और किफायती यात्रा का विकल्प मिलता है।

ईरान युद्ध की मार, नहीं बनेगी कार!

हिंडाल्को ने रोकी एल्युमिनियम प्रोडक्ट्स की बिक्री

नई दिल्ली,15 मार्च(एजेंसियां)। ईरान युद्ध का असर अब एल्युमिनियम पर भी दिखने लगा है। इसके कारण मेटल की ग्लोबल सप्लाई चेन बुरी तरह प्रभावित हुई है।इस बीच हिंडाल्को इंडस्ट्रीज ने एक्सट्रूडेड एल्युमिनियम प्रोडक्ट्स की बिक्री रोक दी है। अमेरिका/ईरान और इजरायल के बीच चल रही लड़ाई के कारण होर्मुज की खाड़ी से जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई है।

इसके कारण पश्चिम एशिया में कुछ एल्युमिनियम स्मेल्टर्स ने बिक्री रोक दी है। भारत में भी मैन्युफैक्चरर्स और इंडस्ट्रियल बिजनेसेज को गैस की सप्लाई बाधित हुई है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि सप्लाई चेन में दिक्कतों को देखते हुए हिंडाल्को ने बायर्स के साथ सप्लाई कॉन्ट्रैक्ट्स में फोर्स मेज्योर क्लॉज लगा दिया है। एक्सट्रूडेड एल्युमिनियम प्रोडक्ट्स के मामले में ऐसा किया गया है। इनका इस्तेमाल कार बनाने और कंस्ट्रक्शन समेत कई तरह के कामों में होता है। एक्सट्रूडेड एल्युमिनियम एक वर्सेटाइल और हल्का मेटल प्रोडक्ट उत्पाद है। इसे गर्म एल्युमिनियम मिश्र धातु के बिलेट्स को एक विशेष आकार वाली स्टील डाई से गुजारकर बनाया जाता है। हिंडाल्को के प्रवक्ता ने इस बारे में तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की। सूत्रों ने बताया कि हिंडाल्को कमोडिटी ग्रेड मेटल से एक्सट्रूडेड प्रोडक्ट्स बनाता है। इसकी सप्लाई घरेलू स्मेल्टर करते हैं जो सामान्य रूप से काम कर रहे हैं। एल्युमिनियम इंगॉट्स को स्मेल्ट करने में काफी बिजली की जरूरत होती है लेकिन उसे एंड-यूज प्रोडक्ट्स में बदलने के लिए गैस की सप्लाई बहुत जरूरी है। हिंडाल्को ने एक्सट्रूडेड एल्युमिनियम प्रोडक्ट्स की बिक्री ऐसे समय रोकी है जब एनालिस्ट्स का कहना है कि अगर होर्मुज की खाडडी से शिपिंग एक्टिविटीज जल्दी शुरू नहीं हुई तो दुनिया में एल्युमिनियम की सप्लाई बुरी तरह प्रभावित हो सकती है।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर का अभी भी मल्टी-पाथवे अप्रोच, कंट्री हेड क्या कह रहे हैं

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। ईरान-इजरायल युद्ध को शुरू हुए 15 दिन हो चुके हैं। खाड़ी में चल रहे युद्ध की वजह से न सिर्फ पश्चिम एशिया में बल्कि पूरी दुनिया का शिपिंग कारोबार प्रभावित हुआ है। शिपिंग कंपनियां वार सरचार्ज मांगने लगी हैं। ऐसे में भारत में मैन्यूफैक्चरिंग कर रही कंपनियों पर असर पड़ा है। इससे टोयोटा किर्लोस्कर मोटर पर क्या असर हुआ है, इस बारे में कंपनी के कंट्री हेड एंड एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट विक्रम गुलाटी ने कहा कि हमने कोई स्ट्रेटेजी चेंज नहीं की है। टोयोटा किर्लोस्कर का मानना है कि कार्बन हमारा दुश्मन है। कार्बन को कम करने के लिए हम सभी तरह के इलेक्ट्रिफाइड टेक्नोलॉजीज पर काम करते हैं। इनमें बैटरी इलेक्ट्रिक व्हीकल , प्लग-इन हाइब्रिड इलेक्टिक व्हीकल , स्ट्रांग हायब्रिड इलेक्ट्रिक व्हीकल और फ्यूल सेल इलेक्ट्रिक व्हीकल शामिल हैं। इसी के साथ हम बायो फ्यूल पर आधारित टेक्नोलॉजीज पर भी काम कर रहे हैं। कार्बन न्यूट्रेलिटी के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ही हमने हाल ही में अपना पहला बैटरी इलेक्ट्रिक व्हीकल अरबन क्रूजर इबेला लॉन्च किया है।

भारतीय कार बाजार कुछ अलग है। इस समय देखिए तो भारत का करीब 93 फीसदी बजार कंवेंशनल इंटरनल कंबशन इंजन टेक्नोलॉजी का है। मतलब कि फॉसिल फ्यूल पर निर्भरता बहुत ज्यादा है। फॉसिल फ्यूल पर निर्भरता को घटाने के राष्ट्रीय लक्ष्य को पूरा करना है और डिकार्बनाइजेशन को बढ़ावा देना है तो सभी तरह के ग्रीन टेक्नोलॉजीज को बढ़ावा देना होगा। हम इस समय देख रहे हैं कि दुनिया भर के बाजारों में स्ट्रांग हायब्रिड इलेक्ट्रिक व्हीकल की डिमांड पॉजिटिव है। ये वाहन न सिर्फ आरामदेह हैं बल्कि एन्वायरामेंट फ्रेंडली हैं। ये फ्यूल एफिशिएंट तो हैं ही, इनका पर्फोमेंस भी बेहद शानदार है। इसलिए मेरा मानना है कि सभी तरह के इलेक्ट्रिफाइड टेक्नोलॉजिज बने रहेंगे।

भारत की ईवी पॉलिसी और इंसेंटिव पर टोयोटा का क्या कहना है?

भारत सरकार ने क्लीनर टेक्नोलॉजी को बढ़ावा देने के लिए नीति बनाई है, टोयोटा उसे पूरा समर्थन देती है। हम महसूस कर रहे हैं कि सरकार की नीतियों की वजह से ग्राहक धीरे-धीरे ही सही, ईवी को अपना रहे हैं। साथ ही इसके लिए इकोसिस्टम भी डेवलप हो रहा है। हालांकि भारत का मोबिलिटी लैंडस्केप विविध है। इसलिए हमें लगता है कि विभिन्न तरह के ग्राहकों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए मल्टी-पाथवे अप्रोच को अपनाने की आवश्यकता है जहां बैटरी इलेक्ट्रिक व्हीकल के लिए भी जगह हो, स्ट्रांग हाइब्रिड और अन्य इलेक्ट्रिफाड टेक्नोलॉजी के लिए भी जगह हो। हम पहले भी बता चुके हैं कि भारतीय बाजार एक डायवर्स मार्केट है। यहां लोगों के वाहनों की आवश्यकता अलग-अलग है, उनकी रुचि भी अलग-अलग है। पूरी दुनिया में हम देख रहे हैं कि सभी तरह के इलेक्ट्रिफाइड टेक्नोलॉजी की स्वीकार्यता बढ़ रही है। भारत में भी ऐसा ही देख रहे हैं। इसलिए, ग्राहकों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए दोनों तकनीक आवश्यक है।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आज उन परियोजनाओं पर एक अच्छी शुरुआत करें जिनको लंबे समय से आपने ठंडे बस्ते में डाल दिया था । आप एक सफल भविष्य के लिए अच्छी नींव बिछाने में बस एक कदम दूर है। चीजों को आसान तरीके से ले और बिना सोच समझे कुछ भी न करे । अपने काम को करने के लिए दूसरों पर भरोसा न करे ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आपका कार्य जीवन रचनात्मकता और अनुशासन के बीच संतुलन बनाने जैसा लग सकता है। आप उन कार्यों में सफल होंगे जिनमें दिल और प्रतिभा की आवश्यकता होती है, लेकिन व्यावहारिक मांगें आपको जमीन पर बनाए रखेंगी। भावनात्मक उतार-चढ़ाव इस बात को प्रभावित कर सकते हैं कि आप दूसरों के साथ कैसे संबंध बनाते हैं।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
सिंह राशि में सूर्य के होने से आपके करियर और पढ़ाई को लाभ होगा, जिससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। मीन राशि में चंद्रमा आपकी संवेदनशीलता को बढ़ाएगा, जिससे आपको सहकर्मियों के साथ बेहतर तालमेल बिठाने में मदद मिलेगी। बुध और शनि के त्रिकोण में होने से, सावधानीपूर्वक किए गए प्रयास आपको कई तरक्की दिलाएंगे।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आपका आत्मविश्वास और ऊर्जा काम और पढ़ाई में आपकी प्रगति को बढ़ावा देती है। नए विचार आसानी से आते हैं, जो रचनात्मकता के साथ समस्याओं को हल करने में आपकी मदद करते हैं। विकास के अवसर आपके चारों ओर हैं। सहकर्मियों के साथ सहायक संबंध और खुला संचार टीमवर्क को आसान बनाता है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज आपकी पोषण करने की प्रवृत्ति आपके करियर को सहारा दे सकती है। मान्यता और उपलब्धि आपके मार्ग के अनुरूप हैं, जिससे सफलता आपकी पहुँच में है। प्रमुख मोड़, विशेष रूप से आपके करियर में, प्रगति के लिए मंच तैयार करते हैं। गति का दोहन करने और विकास प्राप्त करने के लिए केंद्रित रहें।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आप अपने पेशेवर कार्यों में आत्मविश्वास से भरपूर हैं और चुनौतियों का प्रभावी ढंग से समाधान करने के लिए अपनी रचनात्मकता का उपयोग करते हैं। नए, आविष्कारशील विचार आसानी से सामने आते हैं, जिससे आपको जटिल परिस्थितियों में बढ़त मिलती है। हालाँकि पारस्परिक तनाव उभर सकते हैं।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आपकी रचनात्मक प्रतिभा आपके वातावरण में सामंजस्य का भाव लाती है और आपके आस-पास के लोगों को प्रेरित करती है। सहयोग सहजता से होता है, खासकर उन टीमों में जहाँ सहानुभूति और अंतर्ज्ञान मायने रखते हैं। आत्मविश्वास आपके विचारों को शालीनता से व्यक्त करने और चर्चाओं के दौरान संतुलन बनाए रखने की क्षमता को बढ़ाता है।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आपका आत्मविश्वास बढ़ता है, जो आपके करियर में साहसिक कदम उठाने के लिए प्रेरित करता है। सहज ज्ञान आपके निर्णयों का मार्गदर्शन करता है, जिससे आपको सूक्ष्म गतिशीलता से निपटने में मदद मिलती है। तार्किक सोच निरंतर प्रगति में सहायक होती है, और आपका जमीनी दृष्टिकोण सम्मान अर्जित करता है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
अपने करियर में आत्मविश्वास चमकता है, और पेशेवर रिश्तों को पोषित करना स्वाभाविक रूप से आता है। अपने कार्य जीवन में सामंजस्य बनाए रखने के लिए संतुलन आवश्यक है। भावुक बातचीत और प्रत्यक्ष संचार भावनात्मक तीव्रता को जगा सकते हैं, इसलिए केंद्रित और जमीन पर बने रहें।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आप अपने सभी लक्ष्यों को समय पर पूरा करेंगे और कार्य क्षेत्र में शांति का माहौल रहेगा , लेकिन व्यापार के मामलों में किसी भी समझौते पर हस्ताक्षर करने से पहले कानूनी विशेषज्ञों से परामर्श करें। धोखाधड़ी की संभावना है। यदि संभव हो तो अपनी व्यापारिक सौदों को दूसरे दिन पर ठाले और अपने सहयोगियों की विश्वसनीयता का मूल्यांकन करे ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आज आपको लगेगा की कुछ चीजों पर आपका नियंत्रण नहीं हैं और उनकी वजह से आप अपना सर्वश्रेष्ट प्रदर्शन नहीं कर पा रहे है । लेकिन विश्वास रखे । आप ईमानदार और मेहनती है। यहां तक की आपके मालिक आपकी बाधा और परेशानी को समझते हैं, इसलिए आप ईमानदार रहे और हमेशा की तरह काम करते रहे ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
जब लोहा गर्म हो तो उस पर निशाना लगाये ! यह विशेष रूप से प्रेरक वक्ताओं की भूमिका या इसी तरह की भूमिका वालो के लिए एक महान दिन है। आज आप जनता के साथ बेहतर संवाद करने में सक्षम होंगे और आपको उस के लिए उच्च भुगतान भी किया जा सकता है। तो आप आगे बढे और इस तरह प्रदर्शन करे की लोग आप की बाते सुनने के लिए लालायित रहे ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

'पड़ोसी देशों की तुलना में भारत की स्थिति बेहतर'

गैस संकट के बीच केंद्रीय मंत्री शेखावत का बयान; कहा- सब चंगा सी

जयपुर, 15 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखवात ने देश में गैस और पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति को लेकर विपक्ष पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भारत में पेट्रोलियम उत्पादों को लेकर किसी प्रकार का कोई संकट नहीं है और कांग्रेस पार्टी एक निराधार मुद्दे को बड़ा बनाकर जनता के बीच भ्रम फैलाने का गैर-जिम्मेदाराना प्रयास कर रही है।

शेखावत ने कहा कि मध्य पूर्व में जारी तनाव के कारण वैश्विक स्तर पर ऊर्जा आपूर्ति को लेकर चुनौतियां जरूर उत्पन्न हुई हैं, लेकिन भारत में स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देशों की तुलना में भारत कहीं बेहतर स्थिति में है। पाकिस्तान में लगभग आपातकाल जैसी स्थिति बन गई है, जबकि बांग्लादेश में सरकारी कर्मचारियों को घर से काम करने के लिए अवकाश घोषित करना पड़ा है। उन्होंने बताया कि अमेरिका जैसी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में जनवरी की तुलना में मार्च में पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में लगभग 22 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है, लेकिन भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में न तो कीमतों में एक रुपये की बढ़ोतरी हुई और न ही कहीं किसी प्रकार की कमी होने दी गई।

आयात स्रोतों का किया विस्तार

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि भारत अपनी आवश्यकता का 60 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल आयात करता है, जिसमें लगभग 75 प्रतिशत फारस की खाड़ी क्षेत्र के होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते आता है। उन्होंने कहा कि ईरान द्वारा रोक लगाए जाने से आपूर्ति प्रभावित हुई थी, लेकिन सरकार ने पहले से सक्रिय कदम उठाते हुए आयात के स्रोतों का विस्तार किया। पहले भारत 27 देशों से तेल आयात करता था, जिसे बढ़ाकर अब 40 देशों तक कर दिया गया है। अब भारत की आपूर्ति श्रृंखला खाड़ी देशों के साथ-साथ अमेरिका तक भी पहुंच चुकी है।

कालाबाजारी करने वालों पर सख्ती

देश के 33 करोड़ गैस उपभोक्ताओं को आश्वस्त करते हुए शेखावत ने कहा कि सरकार की पहली प्राथमिकता घरेलू उपभोक्ता हैं। उन्होंने बताया कि गैस की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए बुकिंग की व्यवस्था बनाई गई है, ताकि लोग घबराकर अनावश्यक भंडारण न करें। गैस की कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही वाणिज्यिक गैस की आपूर्ति में 20 प्रतिशत तक ढील दी गई है और मिट्टी तेल का कोटा भी खोल दिया गया है।

राहुल गांधी पर भी साधा निशाना

कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन पर कटाक्ष करते हुए शेखावत ने कहा कि जोधपुर में प्रदर्शन करने वालों के घर जाकर देखना चाहिए कि क्या वहां लकड़ी या कोयले पर खाना बन रहा है। सबके घरों में गैस जल रही है, इसके बावजूद भ्रम फैलाया जा रहा है।

उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयानों पर पलटवार करते हुए कहा कि उनकी बातों को अब उनकी अपनी पार्टी भी गंभीरता से नहीं लेती। रूस से तेल आयात के मुद्दे पर उन्होंने स्पष्ट किया कि पिछले एक वर्ष में भारत के कुल आयात का लगभग 22 प्रतिशत हिस्सा अकेले रूस से आया है, जो लगातार जारी है। उन्होंने राहुल गांधी के बयान को 'काल्पनिक सूचनाओं' पर आधारित बताया।

आतंकी साजिश के नेटवर्क का खुलासा

हनुमानगढ़ में ब्लास्ट की योजना थी; अजमेर का युवक अरेस्ट

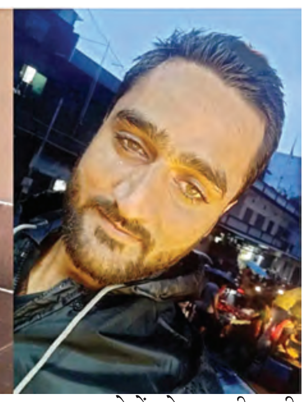

अजमेर, 15 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में आतंकी साजिश के नेटवर्क का खुलासा हुआ है। हरियाणा पुलिस ने पाकिस्तानी आतंकी शहजाद भट्टी से संपर्क रखने के आरोप में तीन संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। इनमें से एक आरोपी अजमेर के दरगाह क्षेत्र के लौंगिया का रहने वाला है।

पुलिस और खुफिया एजेंसियां मामले की गहन जांच में जुटी हैं और संभावित नेटवर्क व संपर्कों की पड़ताल की जा रही है। जानकारी अनुसार अजमेर के दरगाह लौंगिया इलाके का निवासी अली अकबर उर्फ बाबू बताया गया है। बताया जा रहा है कि आरोपी अजमेर में रात के समय टेंपो चलाने का काम करता था। बड़े भाई अली अजगर के अनुसार 8 मार्च को अजमेर से बाहर गया था। उस समय उसे करीब एक हजार रुपए दिए गए थे, जिसमें बाद में 500 रुपए का ऑनलाइन ट्रांजैक्शन भी हुआ था। इसके बाद से वह परिवार के संपर्क में नहीं था। सोशल मीडिया के माध्यम से कई बार संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। बाद में मीडिया के माध्यम से परिवार को उसके हरियाणा पुलिस द्वारा आतंकी गतिविधियों में संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किए जाने की जानकारी मिली। साथ ही उसने कहा कि जिसने भी भाई अली अकबर का माइंड वॉश किया, उसे पकड़ा जाए।

भाई अली असगर ने कहा कि इस घटना से पूरा परिवार सदमे में है। उनका कहना है कि अकबर ज्यादातर लोगों से बातचीत भी नहीं करता था। यदि वह किसी गलत गतिविधि में शामिल पाया जाता है तो कानून के अनुसार उसे सजा मिलनी चाहिए। अली असगर ने कहा- अली अकबर की सोजत (पाली) में 2020 में शादी हुई थी, उसके 2 बच्चे हैं। यह भी नहीं सोचा कि घर का क्या होगा। जब दोनों बच्चे पढ़ने जाएंगे तो लोग कहेंगे कि ये आतंकी के बच्चे हैं। अब मैं भी नौकरी पर जाऊंगा तो कौन देगा?

रविवार तड़के लौंगिया क्षेत्र स्थित उसके घर पर गंज थाना पुलिस भी पहुंची। परिवार से पूछताछ की। पुलिस ने दस्तावेजों और संभावित संपर्कों से संबंधित जानकारी भी जुटाई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आरोपी सोशल मीडिया के माध्यम से कुछ लोगों के संपर्क में था, जिनकी भी जांच की जा रही है। फिलहाल पुलिस और खुफिया एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि इस कथित साजिश के पीछे और कौन-कौन लोग शामिल हैं और इसका नेटवर्क किन क्षेत्रों तक फैला हुआ है।

आरोपियों ने पूछताछ में कबूल किया कि यह आरडीएक्स पाकिस्तान में बैठे आतंकी शहजाद भट्टी के जरिए अमृतसर में मुहैया कराया गया था, जो ड्रोन के माध्यम से पाकिस्तान से पंजाब पहुंचाया गया था। आतंकियों की पहली साजिश राजस्थान के हनुमानगढ़ में बम विस्फोट करने की थी। वहां आईईडी तो पहुंचा दी गई थी, लेकिन आरडीएक्स नहीं पहुंच पाया, जिससे उनकी योजना विफल हो गई थी।

पूर्व विधायक कोकीन टेस्ट में 'पॉजिटिव'!

दिल्ली-तेलंगाना के नेताओं के साथ पकड़े गए हैं

जयपुर, 15 मार्च (एजेंसियां)। हैदराबाद के पॉश मोइनाबाद इलाके में चली 'नशीली पार्टी' में राजस्थान का एक बड़ा सियासी चेहरा बेनकाब हुआ है। तेलंगाना पुलिस की ईगल टीम ने बीआरएस के पूर्व विधायक पायलट रोहित रेड्डी के फार्महाउस पर छापेमारी की, जहाँ राजस्थान के एक पूर्व विधायक समेत कई रसूखदार हस्तियां ड्रग्स के साथ पकड़ी गईं। प्रारम्भिक रिपोर्ट के अनुसार, राजस्थान के इस पूर्व विधायक के मेडिकल टेस्ट में कोकीन के सेवन की पुष्टि हुई है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, छापेमारी के बाद सभी 10 संदिग्धों का स्थानीय सरकारी अस्पताल में एंटी-नारकोटिक्स टेस्ट करवाया गया। इसमें राजस्थान के पूर्व विधायक (नाम फिलहाल उजागर नहीं) और बीआरएस नेता रोहित रेड्डी के शरीर में कोकीन के अंश पाए गए हैं।

हालांकि, आंध्र प्रदेश के टीडीपी सांसद पुट्टा महेश यादव की रिपोर्ट नेगेटिव आई है। पुलिस अब राजस्थान के इस नेता की संलिप्तता और ड्रग्स नेटवर्क के कनेक्शन की गहराई से जांच कर रही है।

यह छापेमारी किसी थ्रिलर फिल्म से कम नहीं थी। जब पुलिस टीम फार्महाउस पहुँची, तो वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों और खुद रोहित रेड्डी ने टीम को अंदर जाने से रोकने की कोशिश की।

फायरिंग से दहशतः पुलिस की एंट्री के दौरान वहां मौजूद एक शख्स ने हवा में दो राउंड फायर कर दिए। यह हथियार रोहित रेड्डी के भाई का बताया जा रहा है।

स्पेशल टीम की मददः स्थिति बिगड़ती देख ईगल टीम को 'फ्यूचर सिटी' की एसओटी टीम से मदद लेनी पड़ी, जिसके बाद पुलिस ने दीवार फांदकर और दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया।

फार्महाउस के अंदर की तस्वीरें और वीडियो विचलित करने वाले हैं। पुलिस ने मौके से 2 ग्राम कोकीन और अन्य नशीले पदार्थ जब्त किए हैं। पार्टी में राजस्थान, दिल्ली और तेलंगाना के बड़े बिल्डर्स, राजनेता और एक महिला भी मौजूद थी। पुलिस का मानना है कि यह पार्टी लंबे समय से चल रही थी और इसमें शामिल लोग देश के अलग-अलग हिस्सों से यहाँ जुटे थे। राजस्थान के इस पूर्व विधायक (जिनका नाम सुरक्षा कारणों और जांच के चलते अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है) की मौजूदगी ने राजस्थान की राजनीति में हड़कंप मचा दिया है।

बंबीहा गैंग कनेक्शन; 11 पिस्टल-22 मैगजीन केस में मुख्य आरोपी 'भईया' अरेस्ट

हनुमानगढ़, 15 मार्च (एजेंसियां)। बंबीहा गैंग से हथियारों की सप्लाई लेने वाला आरोपी भईया पुलिस के हत्थे चढ़ गया। एजीटीएफ हनुमानगढ़ ने विशाल कुमार उर्फ भईया (26) पुत्र बृजलाल निवासी बाबा दीपसिंह कॉलोनी, मजीठा रोड, अमृतसर, पंजाब को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ शुरू कर दी है। बंबीहा गैंग के गुर्गों से जब्त हथियारों में से कितने आरोपी विशाल उर्फ भईया को दिए जाने थे, इसकी पड़ताल में पुलिस जुटी हुई है। दरअसल टाउन थाने की लखुवाली चौकी पुलिस ने एक मार्च को अमनदीप सिंह उर्फ कैप्टन और पवनदीप सिंह उर्फ बिल्ला उर्फ सन्नी निवासी जिला फरीदकोट, पंजाब को 11 पिस्टल और 22 मैगजीन के साथ गिरफ्तार किया था। पूछताछ और जांच के दौरान सामने आया कि बरामद हथियार विशाल कुमार उर्फ भईया ने मंगवाए थे। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को जिला कारागार फिरोजपुर से प्रोडक्शन वारंट पर लाकर गिरफ्तार किया। न्यायालय से रिमांड लेकर उससे हथियारों की खरीद-फरोख्त और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के बारे में पूछताछ शुरू की गई। इससे पहले गिरफ्तार आरोपी पवनदीप उर्फ बिल्ला और अमनदीप उर्फ कैप्टन को जांच के बाद जिला कारागार हनुमानगढ़ भेजा जा चुका है। एजीटीएफ प्रभारी करण बराड़ के सुपरविजन में मामले की जांच कर रहे लखवीर सिंह ने बताया कि आरोपी विशाल उर्फ भईया बहुत शातिर बदमाश है।

'विकसित राजस्थान' दौड़ में ये कैसी लापरवाही?

प्रतिभागियों को बांटे एक्सपायरी डेट के बिस्किट

बाड़मेर, 15 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के बाड़मेर में रविवार सुबह आयोजित 'विकसित राजस्थान – रन फ़ॉर राजस्थान' कार्यक्रम में उस समय भारी विवाद खड़ा हो गया, जब प्रतिभागियों को वितरण किए गए बिस्किट के पैकेट 'एक्सपायरी डेट' के पाए गए। हैरानी की बात यह है कि आज 15 मार्च है, जिसे पूरी दुनिया 'विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस' के रूप में मना रही है। इसी खास दिन पर प्रशासन की नाक के नीचे हुई इस लापरवाही ने सिस्टम पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

दौड़ पूरी होने के बाद महात्मा गांधी हाई स्कूल मैदान में प्रतिभागियों को अल्पाहार के रूप में केले और पार्ले-जी बिस्किट के पैकेट दिए गए। जब कुछ युवाओं ने पैकेट पर छपी तारीख देखी, तो उनके होश उड़ गए।

तारीखों का गणितः बिस्किट की पैकिंग डेट 9 अक्टूबर 2025 थी और इसकी एक्सपायरी डेट 8 मार्च 2026 अंकित थी। यानी आज 15 मार्च को वितरण के समय ये बिस्किट अपनी समय सीमा से 6 दिन पहले ही एक्सपायर हो चुके थे। यह घटना तब हुई जब आयोजन में जिला कलेक्टर टीना डाबी, एडीएम राजेंद्र सिंह चांदावत, जिला परिषद सीईओ समेत प्रशासन के तमाम आला अफसर मौजूद थे। साथ ही भाजपा नेता स्वरूप सिंह खारा और किशोर सिंह कानोड़ जैसे जनप्रतिनिधि भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ा रहे थे। जैसे ही एक्सपायरी बिस्किट की बात फैली, अधिकारियों के बीच हड़कंप मच गया और किसी के पास कोई ठोस जवाब नहीं था।

प्रतिभागियों ने मौके पर ही भारी नाराजगी जाहिर की। युवाओं का कहना था कि जिस प्रशासन का काम बाजार में मिलावट और एक्सपायरी सामान को रोकना है, वही प्रशासन सार्वजनिक मंच से हजारों लोगों को खराब खाना परोस रहा है। अगर इन बिस्किट को खाने से किसी बच्चे या बुजुर्ग की तबीयत बिगड़ जाती, तो इसका जिम्मेदार कौन होता?

बता दें कि युवाओं में जोश भरने के लिए आयोजित यह दौड़ पीजी कॉलेज से शुरू होकर नेहरू नगर ओवरब्रिज और अहिंसा सर्किल होते हुए महात्मा गांधी हाई स्कूल मैदान तक पहुंची थी। इसमें 0-18 वर्ष से लेकर 45 वर्ष से अधिक आयु तक के लोगों ने हिस्सा लिया था। कार्यक्रम का उद्देश्य 'विकसित राजस्थान' का संदेश देना था, लेकिन अंत में हुई इस लापरवाही ने आयोजन की चमक फीकी कर दी।

दुकान से उठी आग की लपटें कमरे तक पहुंची

बेड पर सो रहा रिटायर्ड टीचर जिंदा जला

पाली, 15 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के पाली जिले में देर रात दर्दनाक हादसा हो गया। शहर के एक जनरल स्टोर में लगी आग ऊपर बने कमरे तक पहुंच गई। जिससे बेड पर सो रहा रिटायर्ड टीचर जिंदा जल गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया।

पुलिस के मुताबिक होमगार्ड ने सूचना दी कि शहर के भैरूघाट स्थित अमित जनरल स्टोर में आग लग गई है। सूचना मिलते ही दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंची। दमकलकर्मियों ने करीब 3 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

दुकान में लगी आग कुछ ही देर में कमरे तक जा पहुंची। ऐसे में कमरे में सो रहे रिटायर्ड टीचर राजेंद्र कुमार शर्मा पुत्र जीवनदास बेहोश हो गए। आग की चपेट में आने से वे बुरी तरह झुलस गए। दमकलकर्मियों ने जब तक आग बुझाकर रेस्क्यू किया, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

दुकान में लगी आग की लपटें इतनी तेज थी कि कुछ ही देर में कमरे को भी चपेट में ले लिया। ऐसे में दुकान और कमरे में रखा सामान जलकर राख हो गया। शुरूआती जांच में सामने आया है कि शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी। आग बुझाने से पहले मकान की बिजली सप्लाई काटी गई। इसके बाद करीब 3 घंटे बाद दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाया। घटना के समय मृतक का बेटा अमित अपनी पत्नी और बच्चे के साथ दूसरे कमरे में सो रहा था। गनीमत रही कि आग दूसरे कमरे तक नहीं पहुंची। ऐसे में परिवार के अन्य सदस्यों की जान बच गई। हालांकि, इस घटना में रिटायर्ड टीचर राजेंद्र का बेटा अमित झुलस गया। जिसे उपचार के बाद छुट्टी दे दी है।

सोनम वांगचुक की हिरासत के 170 दिनों का हिसाब कौन देगा?

अशोक गहलोत ने केंद्र सरकार को घेरा

जयपुर, 15 मार्च (एजेंसियां)। लद्दाख के प्रसिद्ध पर्यावरण कार्यकर्ता और इनोवेटर सोनम वांगचुक की जोधपुर जेल से रिहाई के बाद राजस्थान की सियासत गरमा गई है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस पूरे प्रकरण को लेकर केंद्र की मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है। गहलोत ने सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए केंद्र की कार्यप्रणाली को 'तानाशाही प्रवृत्ति' करार दिया और राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के इस्तेमाल पर गंभीर सवाल उठाए हैं। अशोक गहलोत ने केंद्र सरकार को आईना दिखाते हुए कहा कि यह एक बड़ी विडंबना है कि जो सोनम वांगचुक कभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों के समर्थक हुआ करते थे, आज उन्हें ही जेल की सलाखों के पीछे धकेला गया। गहलोत ने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट कर लिखा- जब वांगचुक ने लद्दाख के हक और पर्यावरण की आवाज उठाई, तो उन्हें एनएसए जैसी कठोर धाराओं में बांधकर जोधपुर जेल भेज दिया गया। ऐसे में उनकी हिरासत के 170 दिनों का हिसाब कौन देगा? गहलोत ने वांगचुक की हिरासत की अवधि पर सवाल उठाते हुए केंद्र को घेरा। उन्होंने पूछा कि जिस व्यक्ति को कुछ महीनों पहले 'देश की सुरक्षा के लिए खतरा' बताकर जेल में डाला गया था, उन्हें आज अचानक बिना किसी ठोस साक्ष्य के रिहा कर दिया गया। गहलोत ने सवाल किया कि 'वांगचुक के जीवन के कीमती 170 दिनों का हिसाब कौन देगा? यदि वे निर्दोष थे, तो उन्हें गिरफ्तार ही क्यों किया गया था?' पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि क्या अब राष्ट्रीय सुरक्षा की परिभाषा सत्ताधारी दल के राजनीतिक नफा-नुकसान से तय होगी? उन्होंने आरोप लगाया कि कानूनों का यह 'सुविधाजनक इस्तेमाल' न केवल निंदनीय है, बल्कि हमारी लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर भी गहरा आघात है। गहलोत ने चेताया कि देश की जनता इस दोहरे मापदंड को देख रही है और आने वाले समय में इसका जवाब देगी।

गहलोत का यह बयान ऐसे समय आया है जब वांगचुक की रिहाई को लेकर देश भर के एक्टिविस्ट और विपक्षी दल एकजुट नजर आ रहे हैं। गहलोत ने स्पष्ट किया कि शांतिपूर्ण आंदोलन करने वाले व्यक्ति पर एनएसए लगाना सरकार की हताशा को दर्शाता है।

चलती कार बनी आग का गोला

ड्राइवर ने कूदकर बचाई जान

दौसा, 15 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के दौसा जिले में रविवार सुबह सड़क पर चलती एसयूवी अचानक आग का गोला बन गई। आग लगते ही चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए गाड़ी रोककर तुरंत कूदकर अपनी जान बचा ली। इस घटना से आसपास के लोग दहशत में आ गए। घटना सिकंदरा थाना क्षेत्र की है। लांका हुकाली घाटी की सुबह एसयूवी में अचानक भीषण आग लग गई। गनीमत रही कि आग लगते ही चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए कार से कूदकर अपनी जान बचा ली। चालक के बाहर निकलते ही आग ने विकराल रूप ले लिया और कुछ ही देर में कार धूं-धूं कर जलने लगी। सूचना मिलते ही लांका चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। वहीं, दमकल विभाग को भी सूचना दी गई। मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ी से आग पर काबू पाया गया। लेकिन, तब तक एसयूवी पूरी तरह जल गई। फिलहाल, आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

युवक की गर्दन पर तलवार से वार

अस्पताल में हुई मौत, तीन गंभीर घायल

सिरोही, 15 मार्च (एजेंसियां)। माउंट आबू में दो गुटों के बीच हुए आपसी संघर्ष में 30 वर्षीय एक युवक की मौत हो गई और तीन जने गंभीर रूप से घायल हो गए। हमले में घायलों को अस्पताल ले जाया गया, जहां एक जने को मृत घोषित कर दिया गया। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची। घटना से आक्रोशित मृतक के परिजन और समाज के लोग हत्या के आरोपियों को गिरफ्तार करने सहित अन्य मांगों को लेकर अस्पताल परिसर में धरने पर बैठ गए। इधर, परिजनों की रिपोर्ट पर पुलिस ने 9 जनों के खिलाफ नामजद सहित 15-20 जनों के खिलाफ धारदार हथियारों से हमला कर हत्या करने का मामला दर्ज किया है।

सूचना मिलने पर पुलिसकर्मी घटनास्थल पर पहुंचे, जहां हर्ष पुत्र राजू अलिका, करण पुत्र लेखराज मेहरा, अजय कुमार पुत्र किशोर कुमार और अश्विन पुत्र संजय बैरवाल घायल अवस्था में मिले। इन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने अजय कुमार (30) को मृत घोषित कर दिया। जबकि तीन घायलों हर्ष, करण और अश्विन को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पुलिस को दी गई रिपोर्ट के अनुसार गुरुवार को कालू घोड़े वाला और कालू इंद्रा कॉलोनी के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया, जो मारपीट में तब्दील हो गया। उसी बात को लेकर साहिल पुत्र सागर बैरवाल ने देर रात उनके मित्र हर्ष और करण को फोन कर आपसी समझौता करने के लिए अर्बुदा चौक पर बुलाया। हर्ष, करण और अजय निर्धारित स्थान पर पहुंचे, जहां वे साहिल आदि से बातचीत कर ही रहे थे कि इसी बीच इंद्रा कॉलोनी के करीब पंद्रह-बीस युवक वाहनों में सवार होकर आए और अचानक उन पर हमला कर दिया।

स्पा सेंटर पर पुलिस का छापा : थाईलैंड की युवती समेत सात गिरफ्तार; कार्रवाई से इलाके में हड़कंप

झुंझुनू, 15 मार्च (एजेंसियां)। झुंझुनूं शहर में पुलिस ने स्पा सेंटरों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए पंचदेव मंदिर रोड स्थित एक स्पा सेंटर पर छापा मारा। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने थाईलैंड की एक युवती सहित चार लड़कियों और तीन युवकों को गिरफ्तार किया। पुलिस को सूचना मिली थी कि स्पा सेंटर की आड़ में संदिग्ध और अवैध गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। कोतवाली थाना प्रभारी श्रवण कुमार के नेतृत्व में गठित विशेष पुलिस टीम ने शहर के कई कैफे, रेस्टोरेंट, बार और स्पा सेंटरों पर अचानक छापेमारी की। इसी दौरान पंचदेव मंदिर रोड स्थित एक स्पा सेंटर में पुलिस को संदिग्ध गतिविधियों के संकेत मिले। जांच के दौरान वहां मौजूद लोगों से पूछताछ की गई और मौके से सात लोगों को हिरासत में लिया गया।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार लड़कियों में एक युवती थाईलैंड की निवासी है, जबकि अन्य लड़कियां हरियाणा, असम और झुंझुनूं की बताई जा रही हैं। चारों लड़कियों को शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। विदेशी युवती के भारत आने के उद्देश्य, उसके वीजा और अन्य दस्तावेजों की भी जांच की जा रही है। इसके अलावा स्पा सेंटर से तीन युवकों को भी गिरफ्तार किया गया है। इनमें संदीप (25) निवासी चिराणा, थाना गुढ़ा (झुंझुनूं), अकरम (25) निवासी अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश) और नितेश (40) निवासी झुंझुनूं शहर शामिल हैं। पुलिस सभी से पूछताछ कर मामले की गहराई से जांच कर रही है। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद शहर के अन्य कैफे, बार और स्पा सेंटरों में हड़कंप मच गया।

फिर बदलेगा मौसम, 18,19,20 मार्च को आंधी-बारिश की संभावना

जयपुर, 15 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में एक बार फिर मौसम करवट लेने वाला है। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के अनुसार 18 से 21 मार्च के बीच एक नया और मजबूत पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना है, जिसके प्रभाव से राज्य के कई हिस्सों में मेघगर्जन, तेज आंधी और कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है। पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के उत्तरी भागों में मेघगर्जन के साथ हल्की बारिश और बूंदाबांदी दर्ज की गई। रविवार को भी राज्य के उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों में कहीं-कहीं मेघगर्जन के साथ हल्की बारिश या बूंदाबांदी की संभावना जताई गई है, जबकि अधिकांश क्षेत्रों में मौसम शुष्क रहने के आसार हैं।

शुष्क रहने की प्रबल संभावना है। इसके बाद 18 मार्च से नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने लगेगा, जिससे कुछ स्थानों पर 40 से 50 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से तेज आंधी चलने और बारिश होने की संभावना है। 18 मार्च को जोधपुर और बीकानेर संभाग के कुछ क्षेत्रों में मेघगर्जन, आंधी और हल्की बारिश हो सकती है, जबकि अन्य क्षेत्रों में मौसम सामान्य रहने की संभावना है।

इश्क में प्रेमी के साथ भागी युवती : घरवालों ने युवक पर कुल्हाड़ी से किया वार, अब भुगतना पड़ा बुलडोजर एक्शन

बाड़मेर, 15 मार्च (एजेंसियां)। बाड़मेर में प्रेम-प्रसंग का बदला लेने के लिए युवती के परिजनों ने युवक पर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला कर दिया। लहूलुहान युवक को घर ले जाकर भी पीटा गया। वारदात के महज 5 घंटे बाद ही प्रशासन ने सख्त एक्शन लेते हुए आरोपियों के अवैध बाउंड्री वॉल और केबिन को बुलडोजर से ढहा दिया।

बाड़मेरः सरहदी जिले बाड़मेर में प्रेम प्रसंग से उपजी रंजिश ने हिंसक रूप ले लिया। एक युवती को भगाकर ले जाने से नाराज परिजनों ने युवक पर सरेराह कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला कर दिया। हालांकि, बाड़मेर पुलिस और प्रशासन ने इस 'तालिबानी' हरकत पर जो एक्शन लिया, उसने पूरे प्रदेश में चर्चा छेड़ दी है। वारदात के महज 5 घंटे बाद ही प्रशासन का बुलडोजर आरोपियों के अवैध निर्माण पर गरज उठा।

जानकारी के अनुसार, करीब 4 महीने पहले एक समाज विशेष की युवती और युवक अपनी मर्जी से घर से भाग गए थे। कुछ समय बाद दोनों वापस लौट आए और अपने-अपने घरों में रहने लगे। जब पीड़ित युवक अपने भाई के साथ बाजार जा रहा था, तभी घात लगाए बैठे युवती के तीन भाइयों और उनकी मां ने उसे बीच सड़क पर रोक लिया।

आरोपियों ने युवक के सिर, गर्दन और माथे पर कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ वार किए। इतने से भी मन नहीं भरा तो वे लहूलुहान युवक को घसीटते हुए अपने घर ले गए और वहां भी बेरहमी से पीटा। गंभीर हालत में युवक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

गैस की भारी कमी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन आयोजित करने का आह्वान

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (सीपीआई) के राष्ट्रीय सचिव और पूर्व विधायक के. रामकृष्ण ने पार्टी कार्यकर्ताओं और देशभर की लोकतांत्रिक ताकतों से चल रहे युद्ध जैसे हालात और आम जनता को प्रभावित कर रही गैस की भारी कमी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन आयोजित करने का आह्वान किया है। बढ़ते अंतरराष्ट्रीय युद्ध तनावों पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि युद्ध केवल विनाश, आर्थिक अस्थिरता और आम लोगों के लिए दुख ही लाता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार को वैश्विक संघर्षों को बढ़ने देने के बजाय शांति और कूटनीतिक समाधान की दिशा में काम करना चाहिए। मकृष्ण ने घरेलू गैस सिलेंडरों की कमी और आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों के कारण जनता को हो रही परेशानियों को भी उजागर किया। उन्होंने कहा कि रसोई गैस की कमी से गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, खासकर महिलाओं को जो रोज़मर्रा के खाना पकाने के लिए एलपीजी पर निर्भर हैं। उन्होंने सीपीआई कार्यकर्ताओं से लोगों को सक्रिय रूप से संगठित करने और शहरों व गांवों में विरोध प्रदर्शन, जनसभाएं और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का आह्वान किया, ताकि युद्ध के खिलाफ आवाज उठाई जा सके और सरकार से किफायती कीमतों पर पर्याप्त गैस आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की जा सके। उन्होंने भी प्रगतिशील, लोकतांत्रिक और शांति प्रिय नागरिकों से शांति, सामाजिक न्याय और आम लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट होने की अपील की। रामकृष्ण ने दोहराया कि सीपीआई हमेशा जनता के साथ खड़ी रहेगी और गरीबों तथा मजदूर वर्ग के हितों को नुकसान पहुंचाने वाली नीतियों के खिलाफ लोकतांत्रिक संघर्ष को और तेज करेगी।

बीजेपी में शामिल होने का सिलसिला जारी

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सामाजिक संगठनों और विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रमुख नेताओं का भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) में शामिल होने का सिलसिला आज भी जारी रहा। इन नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर अपना विश्वास व्यक्त किया। तेलंगाना में 24 घंटे के भीतर बीजेपी में शामिल होने का यह दूसरा कार्यक्रम था। इससे पहले महेश्वरम विधानसभा क्षेत्र से बड़ी संख्या में लोग कल बीजेपी में शामिल हुए थे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और तेलंगाना में कांग्रेस सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ पार्टी की अडिग लड़ाई से प्रभावित होकर पार्टी की सदस्यता ली। आज प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता, गौड़ा संघम के अध्यक्ष और बीआरएस नेता पंजाला गिरिधर गौड़ अपने समर्थकों के साथ औपचारिक रूप से बीजेपी में शामिल हुए। इस अवसर पर बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव मौजूद थे। इसके अलावा पूर्व टीडीपी कॉरपोरेटर के परिवार से संबंध रखने वाली अधिवक्ता कविता और पृथ्वीराज भी अपने समर्थकों के साथ पार्टी में शामिल हुए। पार्टी नेताओं ने उन्हें पार्टी का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। रामचंदर राव ने कहा कि हैदराबाद के लोग स्पष्ट बदलाव का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं और महिलाएं तथा युवा राज्य में बीजेपी को सत्ता में लाने के संकल्प के साथ आगे आ रहे हैं। उन्होंने नए सदस्यों से जनसेवा की भावना के साथ मिलकर काम करने का आग्रह किया। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने हैदराबाद की राजनीति में कांग्रेस, बीआरएस और एमआईएम के बीच 'अंधेरे गठजोड़' की भी आलोचना की। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉरपोरेशन (जीएचएमसी) को तीन हिस्सों में बांटने का अवैज्ञानिक प्रस्ताव छिपे हुए राजनीतिक उद्देश्यों से प्रेरित एक साजिश है। रामचंदर राव ने जनता से अपील करते हुए कहा कि यदि बीजेपी का मेयर चुना जाता है, तो शहर में पारदर्शी प्रशासन और व्यापक विकास देखने को मिलेगा। इस अवसर पर डॉ. गौतम राव (बीजेपी प्रदेश महासचिव), बंडा कार्तिका रेड्डी (बीजेपी प्रदेश उपाध्यक्ष), लंका ला दीपक रेड्डी (हैदराबाद सेंट्रल बीजेपी अध्यक्ष), वित्तल (प्रदेश आधिकारिक प्रवक्ता) सहित कई वरिष्ठ नेता कार्यक्रम में मौजूद थे।

गिल-मंधाना बेस्ट इंटरनेशनल क्रिकेटर चुने गए

बीसीसीआई अवॉर्ड्स- 2 साल में 5 आईसीसी ट्रॉफी जीतने वाली टीमें सम्मानित, द्रविड़ को लाइफटाइम अचीवमेंट मिलेगा

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। बीसीसीआई के नमन अवॉर्ड 2026 नई दिल्ली में चल रहे हैं। भारतीय कप्तान शुभमन गिल और स्मृति मंधाना को क्रिकेटर ऑफ ईयर का अवॉर्ड दिया गया है। वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय महिला टीम का सम्मान हुआ। इससे पहले चैंपियंस ट्रॉफी की विजेता टीम को सम्मानित किया गया।

समारोह की शुरूआत में सबसे पहले जूनियर क्रिकेटर इरा जाधव और महिला क्रिकेटर शेफाली वर्मा को जगमोहन डालमिया ट्रॉफी दी गई। फिर अंडर-19 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीमें (मेंस, विमेंस) सम्मानित हुईं। अंडर-19 टीम के कप्तान आयुष म्हात्रे को लाला अमरनाथ अवॉर्ड दिया गया है।

यहां बीसीसीआई 1983 वर्ल्डकप विजेता टीम के सदस्य रोजर बिन्नी, 2024 टी-20 वर्ल्डकप जिताने वाले कोच और पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ को कर्नल सीके नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड देगा। इनमें भारतीय टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान शुभमन गिल को बीसीसीआई क्रिकेटर ऑफ द ईयर अवॉर्ड दिया जाएगा। भारतीय महिला टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज को बीसीसीआई लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही हाल ही में 2024-26 तक 5 आईसीसी टूर्नामेंट जीतने वाली टीमों के खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया जाएगा। वहीं, समारोह में कई घरेलू क्रिकेटर्स को भी सम्मान मिलेगा।

बेस्ट इंटरनेशनल क्रिकेटर...

शुभमन गिल : पिछले साल तीनों फॉर्मेट के टॉप स्कोरर : साल 2025 में भारतीय कप्तान गिल का प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 983 रन बनाए, जिसमें इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई सीरीज में 70 से ज्यादा की औसत से बनाए गए 754 रन शामिल थे। वनडे में भी गिल ने 490 रन बनाए और भारत के आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने सभी फॉर्मेट में 49 की औसत से 1764 रन बनाए, जिसमें सात शतक और तीन अर्धशतक शामिल रहे।

स्मृति मंधाना : वनडे वर्ल्ड कप में भारत की टॉप स्कोरर : स्मृति मंधाना ने पिछले साल 36 मैचों में 1800 रन बनाए। इनमें 7 शतक शामिल रहे। इनमें से 6 शतक वनडे क्रिकेट में आए। जबकि एक शतक टी-20 इंटरनेशनल में आया। मंधाना ने 3 वनडे में 1311 रन बनाए। उन्होंने 12 टी-20 मैचों में 489 रन बनाए।

लाइफटाइम अचीवमेंट्स अवॉर्ड...

राहुल द्रविड़ : खिलाड़ी से कोच तक योगदान : द्रविड़ को क्रिकेट इतिहास के महानतम बल्लेबाजों में गिना जाता है। उन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट में 24 हजार से ज्यादा रन बनाए और एक दशक से ज्यादा समय तक भारतीय बल्लेबाजी की रीढ़ रहे। उन्होंने रिटायरमेंट के बाद भारतीय क्रिकेट के भविष्य को तैयार करने में अहम भूमिका निभाई।

नेशनल क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में हेड ऑफ क्रिकेट के रूप में उन्होंने युवा खिलाड़ियों को तैयार किया और प्रतिभा की मजबूत पाइपलाइन बनाई। उनकी कोचिंग में भारत ने 2018 में अंडर-19 विश्व कप जीता। बाद में भारतीय पुरुष टीम के मुख्य कोच के रूप में उन्होंने 2024 में भारत को आईसीसी मेंस टी-20 विश्व कप जिताया।

रोजर बिन्नी : 1983 वर्ल्डकप के टॉप विकेट टेकर : 1983 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे। भारतीय क्रिकेट में अहम योगदान दिया। वे 1983 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे थे। बिन्नी ने 1985 वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ क्रिकेट जीतने वाली भारतीय टीम में भी जगह बनाई थी। वह पहले भारतीय क्रिकेटर थे, जिन्होंने वनडे मैच में गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों की शुरूआत की।

बतौर कोच और प्रशासक के रूप में भी योगदान दिया। बिन्नी ने 2000 में भारतीय अंडर-19 टीम को आईसीसी अंडर-19 विश्व कप जिताया और 2012 से 2016 तक राष्ट्रीय चयनकर्ता रहे। वे 2022 से 2025 तक बीसीसीआई के 36वें अध्यक्ष भी रहे और उनके कार्यकाल में भारतीय क्रिकेट ने वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाइयां हासिल कीं।

मिताली राज: 23 साल का इंटरनेशनल करियर : मिताली राज का इंटरनेशनल करीब 23 साल का रहा। उन्होंने 1999 में 16 साल की उम्र में आयरलैंड के खिलाफ वनडे से इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया और जून 2022 में संन्यास लिया। मिताली ने 232 वनडे मैचों में रिकॉर्ड 7805 रन बनाए, जो विमेंस क्रिकेट में सबसे ज्यादा हैं।

टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने 12 मैचों में 699 रन बनाए और 214 रन की पारी खेलकर दोहरा शतक लगाने वाली पहली भारतीय और सबसे युवा महिला खिलाड़ी बनीं। उन्होंने बतौर कप्तान 2004 से 2022 तक भारतीय टीम का नेतृत्व किया और उनकी अगुवाई में भारत 2005 और 2017 के विमेंस वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल तक पहुंचा।

बेस्ट इंटरनेशनल डेब्यू : हर्षित राणा ने इंटरनेशनल क्रिकेट में अपने डेब्यू ईयर में तीनों फॉर्मेट में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में 22 नवंबर 2024 को टेस्ट डेब्यू किया। हर्षित ने 15.2 ओवर में 48 रन देकर 3 विकेट लिए।

हर्षित ने वनडे डेब्यू में इंग्लैंड के खिलाफ नागपुर में 6 फरवरी 2025 को 7 ओवर में 53 रन देकर 3 विकेट झटके। इतना ही नहीं, इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 इंटरनेशनल डेब्यू में हर्षित ने पुणे में 31 जनवरी 2025 को 4 ओवर में 33 रन देकर 3 विकेट हासिल किए।

वहीं, महिला क्रिकेटर एन. श्री चरणी ने 28 जून 2025 को नॉटिंघम में इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 अंतर्राष्ट्रीय में डेब्यू किया। इस मैच में उन्होंने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3.5 ओवर में सिर्फ 12 रन देकर 4 विकेट लिए और अपने पहले ही मैच में बेहतरीन प्रदर्शन किया।

सिद्दिपेट के लोगों की सेवा करता रहूंगा : हरीश राव

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और भारत राष्ट्र समिति के उपनेता टी. हरीश राव ने कहा कि जब तक उनमें शक्ति है, वे सिद्दिपेट के लोगों की सेवा करते रहेंगे। सिद्दिपेट फांउडेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने जरूरतमंद मुस्लिम परिवारों को रमज़ान उपहार किट वितरित किए। इस अवसर पर उन्होंने संस्था के प्रमुख सआदत नज़ीर की सराहना करते हुए कहा कि संस्था जाति और धर्म से ऊपर उठकर जरूरतमंदों की मदद कर रही है। हरीश राव ने कहा कि सिद्दिपेट शिक्षा का केंद्र बन चुका है और यहां का सरकारी सामान्य अस्पताल एक हजार बिस्तरों वाला आधुनिक अस्पताल बन गया है। उन्होंने कहा कि यह सब जनता के आशीर्वाद से संभव हुआ है, लेकिन अभी भी कई विकास कार्य बाकी हैं। उन्होंने कहा कि इमामों और मुअज्जिनों को मानदेय देने की शुरूआत भी केसीआर ने की थी। अल्पसंख्यक समुदाय के छात्रों के लिए 204 आवासीय विद्यालय स्थापित किए गए, जहां अंग्रेजी माध्यम के साथ धार्मिक शिक्षा भी दी जाती है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने सत्ता में आने से पहले कई वादे किए थे, लेकिन सत्ता में आने के बाद उन्हें पूरा नहीं किया और पूर्व सरकार की कई कल्याणकारी योजनाओं को बंद कर रही है।

खैरताबाद जलबोर्ड कार्यालय में मैनेजिंग डायरेक्टर के. अशोक रेड्डी को गोशामहल चंदनवाडी में ड्रेनेज व पेयजल पाइप लाइन से संबंधित समस्याओं का ज्ञापन सौंपते एन. नेहल, एस. मनीषराज, बेगमपेट गजानंद।

रैतु भरोसा राशि न मिलने पर किसानों का विरोध

आदिलाबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रैतु भरोसा योजना का लाभ नहीं मिलने से नाराज किसानों ने रविवार को चेतावनी दी कि यदि राशि जल्द जारी नहीं की गई तो वे तेलंगाना विधानसभा का घेराव करेंगे। किसानों ने इचोडा मंडल के मुखरा (के) गांव में खरीफ सीजन में काटी गई गेहूं की बोरियों पर घुटने टेककर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे किसानों ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार लाभ देने में देरी कर किसान समुदाय के साथ धोखा कर रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर चुनाव के दौरान वादा करके किसानों को गुमराह करने का भी आरोप लगाया और कहा कि सरकार अब तक तीन बार राशि जारी करने से बच चुकी है। किसानों का कहना है कि वे अब निजी साहूकारों पर निर्भर होने को मजबूर हैं, जो भारी ब्याज दरों पर कर्ज देकर उनका शोषण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछली बीआरएस सरकार के समय किसानों को योजनाओं का लाभ समय पर मिल रहा था और कृषि क्षेत्र में सुधार हुआ था। इस विरोध प्रदर्शन में पूर्व सरपंच गाडगे मीनाक्षी, पूर्व एमपीटीसी सदस्य सुभाष समेत कई किसान शामिल हुए।

श्रीराम नवमी ब्रह्मोत्सव के लिए मंत्री वाकिटी श्रीहरी को आमंत्रण

श्रीराम और सीता के विवाह का महोत्सव महत्वपूर्ण उत्सव

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आगामी 27 मार्च को भद्राचलम में श्री सीतारामचंद्रस्वामी मंदिर में आयोजित होने वाले श्रीराम नवमी ब्रह्मोत्सव में राज्य पशुपालन, औद्योगिक विकास, मत्स्य, युवा सेवाएं और खेल विभाग के मंत्री वाकिटी श्रीहरी को आमंत्रित किया गया। हैदराबाद स्थित मंत्रियों के क्वार्टर में मंत्री से सम्मानपूर्वक भेंट कर भद्राचलम मंदिर के ईओ और पुजारियों की टीम ने उन्हें ब्रह्मोत्सव में शामिल होने के लिए आमंत्रित पत्र सौंपा। इस अवसर पर मंदिर के पुजारियों ने मंत्री वाकिटी श्रीहरी और उनके परिवार का मंत्रोच्चारण के साथ आशीर्वाद दिया। मंदिर अधिकारियों ने बताया कि भद्राचलम श्री सीतारामचंद्रस्वामी मंदिर में होने वाला श्रीराम और सीता के विवाह का महोत्सव पूरे देश के भक्तों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण आध्यात्मिक उत्सव है। आमंत्रण स्वीकार करते हुए मंत्री वाकिटी श्रीहरी ने भगवान श्रीराम के आशीर्वाद से राज्य के सभी लोगों के लिए शांति और सौभाग्य की कामना की। मंत्री का आमंत्रण देने वालों में भद्राचलम मंदिर के ईओ दामोदर, उप मुख्य पुजारी श्रीनिवास रामानुजम, रामायण पारायणकर्ता अंतरवेदिकृष्णाचार्य और एईओ भवानी रामकृष्ण शामिल थे।

अलियाबाद एवं कुन्दनपल्ली स्थित ग्रीन पार्क क्रिकेट ग्राउंड में सीरवी समाज पारसीगुटा प्रीमियर लीग-1 का पांचवें लीग मैच रविवार 15 मार्च को 12 मैच खेले गये। रविवार 22 मार्च को क्वाटरफाईनल खेले जायेंगे। अवसर पर मैच का टॉस कर उपस्थित अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, सचिव नारायणलाल काग, कोषाध्यक्ष खंगारसिंह लचेटा, सलाहकार परसराम बर्फा, मनोनित सदस्य कालुराम काग, शिक्षा समिति उपाध्यक्ष वोराराम सीरवी, सचिव चेलाराम भायल, सहसचिव रमेश चौधरी, खेल मंत्री हिमताराम हाम्बड़, पदाधिकारी, खिलाड़ी, व समाज के गणमान्य।

इंदिरम्मा घरों के लंबित बिलों का निपटान, 2764 लाभार्थियों को फायदा

जन-प्रशासन प्रगति योजना में 99 दिवसीय अभियान

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में जन-प्रशासन प्रगति योजना के तहत इंदिरम्मा घरों के लंबित बिलों के निपटान का कार्यक्रम हाउसिंग कॉर्पोरेशन द्वारा आयोजित किया गया। हाउसिंग कॉर्पोरेशन के प्रबंध निदेशक वी.पी. गौतम ने शनिवार को बताया कि पिछले एक सप्ताह में 2764 लाभार्थियों के लगभग 28.50 करोड़ रुपये के लंबित बिल निपटाए गए हैं। 99 दिवसीय योजना में पहले सप्ताह के दौरान लंबित बिलों पर विशेष अभियान चलाया गया। एल-3 श्रेणी के 1200 लाभार्थियों के लगभग 12.06 करोड़ रुपये के बिल निपटाए गए। 653 लाभार्थियों के बिल बैंक में भुगतान विफल होने के बावजूद 7 करोड़ रुपये जारी किए गए। इसके अतिरिक्त 911 लाभार्थियों के 9.40 करोड़ रुपये लंबित बिलों को सावधानीपूर्वक जांच के बाद जारी करने की कार्रवाई की गई। इंदिरम्मा घरों के बिल लंबित रहने के पीछे लाभार्थियों के आधार नंबर और बैंक खाते का लिंक न होना, नाम में अंतर, फोटो अपलोड की समस्या, पिछली योजनाओं में लाभ प्राप्त होना, श्रेणी में बदलाव जैसी समस्याएं हैं। इन मुद्दों को हल करने के लिए विशेष ध्यान दिया गया और प्रत्येक किस्त के बिल सही ढंग से लाभार्थियों के खातों में जमा किए गए। भविष्य में बैंक भुगतान में समस्याएं न आएं, इसके लिए लाभार्थियों से अनुरोध किया गया कि वे अपने आधार लिंक, नाम और अन्य विवरण बैंक में सत्यापित कराएं। इन उपायों के माध्यम से जन-प्रशासन प्रगति योजना में जनता को तेज और पारदर्शी सेवा प्रदान करना मुख्य उद्देश्य है।

अनुसंधान एवं विकास प्रदर्शनी शुरू, नई तकनीकों का प्रदर्शन

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। गच्चीबावली स्थित सूचना प्रौद्योगिकी के अंतरराष्ट्रीय संस्थान में वार्षिक अनुसंधान एवं विकास प्रदर्शनी का 25वां संस्करण शनिवार को शुरू हुआ। यह दो दिवसीय प्रदर्शनी संस्थान का प्रमुख वार्षिक कार्यक्रम है, जिसमें शिक्षक और छात्र अपने नवीनतम शोध, नमूने और नवाचार प्रस्तुत करते हैं।

इस वर्ष प्रदर्शनी का विषय प्रौद्योगिकी में विश्वास, सुरक्षा, गोपनीयता और पारदर्शिता रखा गया है। कार्यक्रम में 29 शोध केंद्रों के 400 से अधिक शोध पोस्टर, नमूने और मॉडल प्रदर्शित किए गए हैं। आगंतुकों को शोधकर्ताओं से सीधे बातचीत करने और नई तकनीकों को समझने का अवसर मिल रहा है। कार्यक्रम में सुरक्षा और साइबर क्षेत्र से जुड़े विशेष सत्र, विशेषज्ञों के व्याख्यान और परिचर्चा का भी आयोजन किया गया। इसमें उभरती प्रौद्योगिकियों के दौर में गोपनीयता, सुरक्षा और पारदर्शिता जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई।

अवैध रूप से रह रहा विदेशी नागरिक पकड़ा

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। ईगल फोर्स ने एक विदेशी नागरिक को गिरफ्तार किया, जो लगभग आठ वर्षों से भारत में अवैध रूप से रह रहा था। कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शनिवार को उसे उसके देश वापस भेज दिया गया। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान विक्ट्री अपुआमागन उर्फ केनी (34) के रूप में हुई है, जो नाइजीरिया के डेल्टा राज्य का रहने वाला है। वह नवंबर 2018 में घाना के पासपोर्ट और चिकित्सा सहायक वीजा पर नई दिल्ली के रास्ते भारत आया था। उसका वीजा जनवरी 2019 में समाप्त हो गया था, लेकिन उसने अवधि बढ़ाए बिना यहीं रहना जारी रखा। पुलिस के अनुसार वह पहले लुधियाना में जिम प्रशिक्षक के रूप में काम करता था। बाद में सितंबर 2025 में हैदराबाद आकर कोंडापुर के एक छात्रावास में रहने लगा और फिल्मों में छोटी भूमिकाएं भी निभा रहा था।

इरिसेट में रक्तदान शिविर आयोजित, 60 लोगों ने किया रक्तदान

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेल सिग्नल इंजीनियरी और दूरसंचार संस्थान में सामाजिक जिम्मेदारी और सामुदायिक कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के तहत शनिवार को संस्थान परिसर में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में संस्थान के अधिकारियों, प्रशिक्षुओं और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए स्वेच्छा से रक्तदान किया। इस पहल का उद्देश्य रक्तदान के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना और स्वैच्छिक सेवा के माध्यम से समाज के प्रति योगदान देना था। कार्यक्रम में कुल 60 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

यह शिविर भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी और दक्षिण मध्य रेलवे के केंद्रीय अस्पताल के सहयोग से उनकी चिकित्सकीय टीम की देखरेख में आयोजित किया गया। संस्थान के महानिदेशक शरद कुमार श्रीवास्तव ने प्रतिभागियों की स्वैच्छिक सेवा भावना की सराहना करते हुए कहा कि दान किया गया रक्त की एक इकाई कई लोगों के जीवन को बचाने में सहायक हो सकती है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन संस्थान की तकनीकी उत्कृष्टता के साथ-साथ मानवीय मूल्यों और सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को भी दर्शाते हैं।

बस चालक पर हमला

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। करमनघाट इलाके में शुक्रवार शाम अज्ञात युवकों के एक समूह ने एक बस चालक पर हमला कर दिया। इस घटना में चालक घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि चालक मोहम्मद पाशा संतोषनगर से देवराकोंडा जा रही बस चला रहे थे। जब बस करमनघाट चौराहे के पास पहुंची, तो शराब की दुकान के पास मौजूद कुछ युवकों ने बस रुकवा ली और चालक से बहस करने लगे। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और युवकों ने चालक पर हमला कर दिया। बस में मौजूद यात्रियों ने बीच-बचाव किया और पुलिस को सूचना दी।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

एमआई-सीएसके के क्लब में आरसीबी शामिल!

बस 19वें सीजन में करना होगा कारनामा

बेंगलुरु, 15 मार्च (एजेंसियां)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु आईपीएल 2026 में पिछले सीजन के चैंपियन के रूप में उतर रही है. 2025 में पहली बार खिताब जीतने के बाद टीम ने कोर को बरकरार रखा है और अब एक मजबूत, संतुलित स्क्वॉड के साथ मैदान में उतरने की तैयारी है. इस बार फोकस बल्लेबाजी के साथ-साथ गेंदबाजी को मजबूत करने पर रहा है, जो आरसीबी की पुरानी कमजोरी रही है. इस बार आरसीबी के पास एक बड़ा कारनामा करने का मौका भी होगा. अगर, टीम अच्छा खेलती हैं तो मुंबई इंडियंस और सीएसके के एक खास क्लब में शामिल हो सकती है.

चैंपियन टीम का कोर ग्रुप बरकरार

विराट कोहली इस टीम के लिए 19वां सीजन खेलते हुए नजर आएंगे, जो टीम के सबसे अनुभवी बल्लेबाज हैं. वहीं, रजत पाटीदार की कप्तानी में टीम एक बार फिर इतिहास रचना चाहेगी. फिल सॉल्ट, टिम डेविड, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा, जोश हेजलवुड और क्रुणाल पंड्या जैसे खिलाड़ी एक बार फिर आरसीबी की जर्सी में खेलते दिखेंगे. वहीं, टीम ने ऑक्शन में गेंदबाजी को मजबूत करने पर जोर दिया था, खासकर सीम अटैक को, ताकि भारतीय पिचों पर बेहतर प्रदर्शन हो सके. पिछले सीजन की सफलता से टीम में आत्मविश्वास और केमिस्ट्री बनी हुई है.

आरसीबी टीम की क्या है ताकत?

ओपनिंग में विराट कोहली और फिल सॉल्ट की मजबूत जोड़ी टीम की सबसे बड़ी ताकत है. डेथ बॉलिंग में जोश हेजलवुड की सटीकता और भुवनेश्वर की यॉर्कर भी बाकी टीमों पर भारी पड़ सकती है. दूसरी ओर, वेंकटेश अय्यर और क्रुणाल पंड्या जैसे ऑलराउंडर टीम में फ्लेक्सिबिलिटी लाते हैं. इसके अलावा चैंपियन कोर से मानसिक मजबूती और जीतने का अनुभव बाकी खिलाड़ियों के लिए भी काफी फायदेमंद साबित होगा.

लेकिन गेंदबाजी में गहराई की कमी है, जो टीम को भारी पड़ सकती है. अगर हेजलवुड या भुवनेश्वर चोटिल हुए तो टीम मुश्किल में पड़ सकती है, क्योंकि ये एक लंबी लीग है. वहीं, मिडिल ऑर्डर में स्थिरता की कमी भी आरसीबी के लिए बड़ी टेंशन रही है, जहां रजत पाटीदार, टिम डेविड और वेंकटेश अय्यर से ज्यादा अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी. स्पिन डिपार्टमेंट भी थोड़ा कमजोर नजर आ रहा है, खासकर धीमी और टर्निंग पिचों पर टीम की मुश्किलें बढ़ सकती हैं.

आरसीबी टीम की कुंजी हैं ये खिलाड़ी

आरसीबी की सबसे बड़ी कुंजी विराट कोहली हैं, जो आईपीएल में 8000+ रन बना चुके हैं. वहीं, फिल सॉल्ट का पावरप्ले में हाई स्ट्राइक रेट किसी भी टीम के लिए एक बड़ा खतरा है. इसके अलावा जोश हेजलवुड का फॉर्म में रहना टीम के लिए सबसे ज्यादा जरूरी हैं, जो सबसे अहम गेंदबाज हैं. उनके पास दबाव में विकेट लेने की क्षमता है. वहीं, टिम डेविड डेथ ओवर्स में गेम चेंजर साबित होते हैं.

एमआई-सीएसके के क्लब में शामिल होने का मौका

आईपीएल 2026 में आरसीबी मजबूत दावेदार है. वे प्लेऑफ में पहुंच सकते हैं और फाइनल तक जा सकते हैं. हालांकि, बैक-टू-बैक टाइटल जीतना मुश्किल है क्योंकि आईपीएल के इतिहास में सिर्फ 2 टीमें ही ऐसा कर सकती हैं. आईपीएल में बैक-टू-बैक टाइटल जीतने का कारनामा अभी तक मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स की टीमें ही कर सकी हैं. ऐसे में आरसीबी के पास इस खास लिस्ट में शामिल होने का मौका होगा.

आरसीबी का स्क्वॉड:

रजत पाटीदार (कप्तान), विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, फिल सॉल्ट, जितेश शर्मा, क्रुणाल पंड्या, स्वप्निल सिंह, टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड, जैकब बेथेल, जोश हेजलवुड, यश दयाल, भुवनेश्वर कुमार, नुवान तुषारा, रसिख सलाम, अभिनंदन सिंह और सुयश शर्मा, वेंकटेश अय्यर, मंगेश यादव, जैकब डफी, सात्विक देसवाल, जॉर्डन कॉक्स, विहान मल्होत्रा, कनिष्क चौहान, विक्की ओस्तवाल.

भारतीय ट्रिपल जम्पर सेल्वा प्रभु का दमदार प्रदर्शन

एनसीएए चैंपियनशिप में जीता रजत

फेयेटविले, 15 मार्च (एजेंसियां)। भारत के सेल्वा प्रभु ने अमेरिका के फेयेटविले में चल रही एनसीएए इंडोर चैंपियनशिप में पुरुषों की त्रिकूद (ट्रिपल जंप) में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीता। विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप 2022 के रजत पदक विजेता और अंडर-20 राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक प्रभु ने 17.05 मीटर की छलांग लगाकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उन्होंने अपनी करियर में पहली बार 17 मीटर की बाधा को पार किया।

इस 21 वर्षीय खिलाड़ी ने कन्सास स्टेट यूनिवर्सिटी की तरफ से खेलते हुए राष्ट्रीय इंडोर रिकॉर्ड भी बनाया। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के हालांकि राष्ट्रीय रिकॉर्ड को प्रमाणित करने के संबंध में सख्त दिशानिर्देश हैं, जिसके कारण अक्सर नेशनल कॉलेजिएट एथलेटिक एसोसिएशन (एनसीएए) सहित विदेशों में होने वाली प्रतियोगिताओं में किए गए प्रदर्शन को तब तक मान्यता नहीं दी जाती है जब तक कि वे एएफआई की तकनीकी और डोपिंग से जुड़ी जरूरतों को पूरा नहीं करते हैं। एनसीएए अपना डोप परीक्षण कार्यक्रम स्वयं संचालित करता है, लेकिन उसे विश्व डोपिंग विरोधी एजेंसी वाडा से मान्यता प्राप्त नहीं है।

जय शाह ने दिया सूर्या-गंभीर को बड़ा टारगेट

क्या उम्मीदों पर खरे उतरेंगे कप्तान और कोच?

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने टीम इंडिया के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव और हेड कोच गौतम गंभीर को एक मैसेज दिया है. उन्होंने गुजारिश की है कि वो टीम को सही दिशा में आगे बढ़ाते रहें, कड़ी मेहनत करते रहें और अवॉर्ड जीतते रहें.

इस जोड़ी का जलवा

गौतम गंभीर और सूर्यकुमार यादव के कार्यकाल में, भारत ने अभी तक कोई भी बाइलेट्रल टी20 इंटरनेशनल सीरीज नहीं हारी है. अपने अजेय रिकॉर्ड के साथ-साथ, इस जोड़ी ने भारत को एशिया कप और, हाल ही में आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप में जीत दिलाई है. अब जब वर्ल्ड कप खत्म हो चुका है, तो जय शाह चाहते हैं कि भारतीय टीम लॉस एंजिल्स में होने वाले 2028 समर ओलंपिक और उसके बाद के लिए तैयारी करे.

ओलंपिक पर जोर

जय शाह ने एक कार्यक्रम में कहा, 'मेरे पास सूर्या और गौतम भाई के लिए एक मैसेज है- शिखर से नीचे गिरने में सिर्फ कुछ महीने लगते हैं, जबकि नीचे से ऊपर तक पहुंचने में कई साल लग जाते हैं. कड़ी मेहनत करते रहें और अवॉर्ड जीतते रहें. जब मैं बीसीसीआई में था, तो मैंने 2028 ओलंपिक तक का प्लान बनाया. अब मैं आईसीसी में हू और बीसीसीआई की कमान दूसरों के हाथों में है. आप सभी को 2030, 2031 और यहां तक कि 2036 के लिए भी तैयारी करनी चाहिए.'

बांग्लादेश विवाद पर बोले शाह

पहली बार जय शाह ने भारत और श्रीलंका में हुए टी20 वर्ल्ड कप के आयोजन के दौरान उन्हें जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ा, उनके बारे में भी बात की, और इस बात को दोहराया कि कोई भी टीम नहीं, बल्कि संगठन सबसे पहले आता है. उन्होंने कहा, 'ये आईसीसी वर्ल्ड कप बहुत अहम था, क्योंकि टूर्नामेंट शुरू होने से पहले इस बात को लेकर काफी चर्चा थी कि क्या कुछ टीमें इसमें हिस्सा लेंगी और वर्ल्ड कप कैसे आगे बढ़ेगा. आईसीसी चेयरमैन के तौर पर, मैं यह कह सकता हूं कि कोई भी टीम संगठन से बड़ी नहीं होती, और कोई भी एक टीम मिलकर संगठन नहीं बनाती. एक संगठन सभी टीमों का एक मिला-जुला रूप होता है.'

बुमराह बैटर्स को लय में नहीं आने देते: आकिब जावेद

लाहौर, 15 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान के चीफ सिलेक्टर आकिब जावेद ने भारतीय पेसर जसप्रीत बुमराह की तुलना अपने देश के स्पिनर उस्मान तारिक से की है।

आकिब ने लाहौर में कहा- 'बुमराह का गेंदबाजी एक्शन अलग है, जिसकी वजह से बल्लेबाज उनके खिलाफ लय में नहीं आ पाते।'

जावेद के इस बयान पर भारतीय फैंस भड़क गए हैं और आकिब जावेद को क्रिकेट का जॉनी लीवर बताया। यूजर्स ने कहा कि दोनों के एक्सपीरियंस और अचीवमेंट में बड़ा अंतर है।

यह प्रेस कॉन्फ्रेंस इसलिए भी खास रही, क्योंकि इसमें पूरी चयन समिति मौजूद थी। जबकि किसी नई टीम का ऐलान नहीं होना था।

इस बैठक का मकसद टीम और चयन समिति पर हो रही आलोचना का जवाब देना था। बाद में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने चयन समिति के सदस्यों से मुलाकात कर उन पर पूरा भरोसा जताया।

भारत और श्रीलंका की मेजबानी में हुए टी20 वर्ल्ड कप में भारत ने खिताब जीता था। टीम की जीत में बुमराह की गेंदबाजी ने अहम भूमिका निभाई, खासकर सेमीफाइनल और फाइनल में उनके प्रदर्शन निर्णायक रहे।

दूसरी ओर पाकिस्तान के स्पिनर उस्मान तारिक का टूर्नामेंट ज्यादा प्रभावी नहीं रहा। पाकिस्तान की टीम सुपर-8 चरण में ही बाहर हो गई और सेमीफाइनल तक नहीं पहुंच सकी। उनका नाम टॉप-5 विकेट टेकर्स में तक नहीं था। टी-20 वर्ल्ड कप से पाकिस्तान के बाहर होने पर आकिब जावेद ने कहा- फैंस और मीडिया को बली का बकर ढूंढना बंद कर देना चाहिए। जावेद ने टीम और सिलेक्शन कमेटी का बचाव करते हुए कहा- टीम टूर्नामेंट में सिर्फ एक मैच हारी और नेट रन रेट के कारण बाहर हो गई। इसलिए यह कहना कि पाकिस्तान क्रिकेट पूरी तरह बर्बाद हो गया है, सही नहीं है।

आकिब ने कहा कि पाकिस्तान में हर हार के बाद किसी को सजा देने की मांग शुरू हो जाती है। उनके मुताबिक दुनिया के किसी भी अन्य क्रिकेट देश में कोच और चयनकर्ताओं को इतनी जल्दी नहीं बदला जाता। उन्होंने कहा कि फैंस और मीडिया को 'स्केपगोट' बनाने की प्रवृत्ति से आगे बढ़ना होगा।

भारत के खिलाफ हार के सवाल पर आकिब जावेद ने कहा कि बड़े टूर्नामेंटों में भारत के खिलाफ पाकिस्तान का रिकॉर्ड पहले से ही कमजोर रहा है और कई पीढ़ियों के खिलाड़ी व कप्तान इसके बावजूद भारत को नहीं हरा सके हैं। टी20 वर्ल्ड कप के बाद चयन समिति में भी बदलाव हुए हैं। अलीम दार ने पैनल से इस्तीफा दे दिया, जबकि अजहर अली पहले ही अलग हो चुके थे। मिस्बाह-उल-हक और सरफराज अहमद को चयन समिति में शामिल किया गया है।

अब चयन समिति की अगली चुनौती पाकिस्तान सुपर लीग 2026 के बाद बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए टीम चुनना होगी। फिलहाल पाकिस्तान की युवा टीम बांग्लादेश दौरे पर वनडे सीरीज खेल रही है, जो अभी 1-1 से बराबरी पर है।

इंडियन वेल्स सेमीफाइनल में अल्काराज हारे

मेदवेदेव ने 6-3, 7-6 से हराया

कैलिफोर्निया, 15 मार्च (एजेंसियां)। कैलिफोर्निया में चल रहे इंडियन वेल्स ओपन में बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। वर्ल्ड नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज को मेन्स सिंगल्स के सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। रूस के डेनियल मेदवेदेव ने अल्काराज को सीधे सेटों में हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। अल्काराज ने साल के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलिया ओपन अपने नाम किया था।

वहीं, विमेंस सिंगल्स में टॉप सीड आर्यना सबालेंका ने अपना शानदार फॉर्म जारी रखते हुए फाइनल में जगह बना ली है। अब खिताब के लिए उनका मुकाबला एलिना रायबाकिना से होगा

मेदवेदेव ने अल्काराज को संभलने का मौका नहीं दिया

मेन्स सिंगल्स के पहले सेमीफाइनल में डेनियल मेदवेदेव और कार्लोस अल्काराज 6-3, 7-6(3) से हराया। रूसी खिलाड़ी ने पहले सेट में शुरुआती ब्रेक लेकर मैच पर नियंत्रण बना लिया और पहला सेट 6-3 से अपने नाम किया।

दूसरे सेट में अल्काराज ने वापसी की कोशिश की और खेल को टाई-ब्रेकर तक खींच ले गए। हालांकि, टाई-ब्रेक में मेदवेदेव ने अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए 7-6(3) से जीत दर्ज की और फाइनल का टिकट पक्का किया।

जैनिक सिनर से होगा मेदवेदेव का फाइनल मुकाबला

खिताबी मुकाबले में मेदवेदेव के सामने वर्ल्ड नंबर-2 जैनिक सिनर की चुनौती होगी। सिनर ने दूसरे सेमीफाइनल में जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को एकतरफा अंदाज में 6-2, 6-4 से मात दी। ज्वेरेव एटीपी मास्टर्स-1000 के सभी नौ टूर्नामेंट में सेमीफाइनल खेलने वाले सिर्फ पांचवें खिलाड़ी हैं। उनसे पहले राफेल नडाल, नोवाक जोकोविच, रोजर फेडरर और एंडी मरे यह उपलब्धि हासिल किया था।

सबालेंका ने लिंडा नोस्कोवा को सीधे सेटों में हराया

विमेंस सिंगल्स सेमीफाइनल में बेलारूस की आर्यना सबालेंका का दबदबा देखने को मिला। उन्होंने चेक रिपब्लिक की लिंडा नोस्कोवा को 6-3, 6-4 से शिकस्त दी।

एलिना रायबाकिना ने स्विटोलिना को मात दी

दूसरे विमेंस सेमीफाइनल में कजाकिस्तान की एलिना रायबाकिना ने यूक्रेन की एलिना स्विटोलिना को कड़े मुकाबले में 7-5, 6-4 से हराया। पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच बराबरी की टक्कर देखने को मिली, लेकिन रायबाकिना ने अहम मौकों पर ब्रेक पॉइंट हासिल कर सेट अपने नाम किया। दूसरे सेट में भी उन्होंने अपनी लय बरकरार रखी और जीत हासिल कर सबालेंका के साथ खिताबी भिड़ंत तय की।

ईरान महिला फुटबॉल टीम की 3 और सदस्य लौटेंगी

ऑस्ट्रेलिया में रिफ्यूजी बनकर रहने का फैसला बदला; अब सिर्फ 4 खिलाड़ी सिडनी में रुकीं

सिडनी, 15 मार्च (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया में शरण लेने का फैसला करने वाली सात ईरानी महिला फुटबॉल टीम की तीन खिलाड़ियों ने अपना निर्णय बदल लिया है और अब वे अपने देश ईरान लौट रही हैं। ऑस्ट्रेलिया के गृह मंत्री टोनी बर्क ने रविवार को जारी बयान में इसकी पुष्टि की। इन तीन खिलाड़ियों के लौटने के बाद, अब केवल चार खिलाड़ी ही ऑस्ट्रेलिया में रह गई हैं।

दरअसल, एशिया कप के दौरान साउथ कोरिया के खिलाफ मैच में ईरानी टीम ने अपना राष्ट्रगान नहीं गाया था। इसके बाद ईरान में कुछ लोगों ने टीम की कड़ी आलोचना की और खिलाड़ियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। इसी डर के चलते पहले पांच खिलाड़ियों ने और बाद में टीम के दो अन्य सदस्यों ने ऑस्ट्रेलियाई सरकार से शरण मांगी थी। ऑस्ट्रेलिया ने उन्हें मानवीय आधार पर वीजा देकर देश में रहने की अनुमति दी थी। टीम में कुल 26 खिलाड़ी और स्टाफ मौजूद थे, लेकिन सात खिलाड़ियों ने ही शरण मांगी थी।

गृह मंत्री टोनी बर्क ने बताया कि ईरानी टीम की तीन सदस्यों ने बाकी टीम के साथ जुड़ने और ईरान वापस जाने का फैसला किया। बर्क के मुताबिक, जब इन खिलाड़ियों ने ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों को अपने फैसले के बारे में बताया, तो उन्हें अपनी पसंद और विकल्पों पर दोबारा विचार करने के लिए कई मौके दिए गए, ताकि वे बिना किसी दबाव के निर्णय ले सकें।

सरकारी अधिकारियों के अनुसार, तीन सदस्य सिडनी से कुआलालंपुर (मलेशिया) के लिए रवाना हुए। ईरान की टीम ऑस्ट्रेलिया से निकलने के बाद से कुआलालंपुर में ही रुकी हुई है। ईरान की तसनीम न्यूज एजेंसी ने बताया कि लौटने वाले इन तीन सदस्यों में दो खिलाड़ी और एक सपोर्ट स्टाफ शामिल हैं।

खिलाड़ियों के वापस लौटने के फैसले पर ईरान की न्यूज एजेंसी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। तसनीम न्यूज एजेंसी ने इसे 'अमेरिकी-ऑस्ट्रेलियाई प्रोजेक्ट' की शर्मनाक हार करार दिया है। साथ ही इसे डोनाल्ड ट्रम्प के लिए एक और विफलता बताया है। फिलहाल ऑस्ट्रेलिया में बचे हुए तीन सदस्यों के भविष्य को लेकर अभी कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है।

केविन पीटरसन ने दिल्ली कैपिटल्स की मेंटरशिप छोड़ी

कहा- समय नहीं दे पाऊंगा, आईपीएल 2026 में कमेंट्री करेंगे पूर्व इंग्लिश कप्तान

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 से पहले केविन पीटरसन ने दिल्ली कैपिटल्स की मेंटरशिप छोड़ दी है। पूर्व इंग्लिश कप्तान पीटरसन ने सोशल प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा- 'इस जिम्मेदारी के लिए जितना समय चाहिए, वह नहीं दे पाएंगे।'

हालांकि, 45 साल के इस पूर्व बैटर ने दिल्ली की टीम और खिलाड़ियों को नए सीजन के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने यह भी कहा कि वह आईपीएल के दौरान कॉमेंट्री बॉक्स में जरूर नजर आएंगे और भारतीय लीग का हिस्सा बने रहेंगे।

आईपीएल 2025 से पहले डीसी मेंटर बने थे पीटरसन

पीटरसन को आईपीएल 2025 से पहले दिल्ली कैपिटल्स का मेंटर बनाया गया था। पिछले सीजन में दिल्ली की टीम लीग स्टेज से बाहर हो गई थी। टीम ने 14 में से 7 मैच जीतकर 5वां स्थान हासिल किया था। लेकिन, प्लेऑफ में जगह नहीं बना सकी थी।

पीटरसन बतौर प्लेयर भी दिल्ली की फ्रेंचाइजी का हिस्सा रहे हैं। तब टीम का नाम दिल्ली डेयरडेविल्स था। उन्होंने दिल्ली की ओर से 19 मैचों में 599 रन बनाए हैं। उनकी टीम 2012 के प्लेऑफ में पहुंची थी, लेकिन टाइटल नहीं जीत सकी। 2014 में दिल्ली लीग स्टेज से बाहर हो गई।

5 सीजन खेले, 3 टीमों का हिस्सा रहे

पीटरसन आईपीएल में पांच सीजन खेल चुके हैं और तीन अलग-अलग टीमों का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। वह कुल 17 मैचों में कप्तानी भी कर चुके हैं। 2009 में उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की कप्तानी की थी, जबकि 2014 में दिल्ली डेयरडेविल्स की कमान संभाली थी।

28 मार्च से होगी आईपीएल-2026 की शुरुआत

आईपीएल 2026 की शुरुआत 28 मार्च से होगी। पहले मैच में डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद आमने-सामने होंगी।

दिल्ली कैपिटल्स अपना पहला मैच 1 अप्रैल को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ लखनऊ के एकाना स्टेडियम में खेलेगी, जबकि टीम का पहला होम मैच 4 अप्रैल को मुंबई इंडियंस के खिलाफ होगा।

आरसीबी के तेज गेंदबाज यश दयाल ने शादी की

पत्नी श्नेता पुंडीर कंटेंट क्रिएटर; क्रिकेटर पर पिछले साल रेप के 2 केस दर्ज हुए थे

नोएडा, 15 मार्च (एजेंसियां)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के तेज गेंदबाज यश दयाल ने कंटेंट क्रिएटर श्वेता पुंडीर से शादी कर ली है। दोनों ने 4 फरवरी को उत्तर प्रदेश के नोएडा में परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में सात फेरे लिए थे। शादी में क्रिकेट जगत से किसी के शामिल होने की खबर नहीं है।

श्वेता पुंडीर दिल्ली की सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और व्लॉगर हैं। इंस्टाग्राम पर उनके करीब 5.87 लाख फॉलोअर्स हैं। वे इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स लीग में ब्रॉडकास्टर के तौर पर भी काम कर चुकी हैं।

यश दयाल पर पिछले साल 2025 में रेप के 2 केस दर्ज हुए थे। गाजियाबाद की एक महिला ने दयाल पर शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण और जयपुर की एक नाबालिक ने रेप का दर्ज कराया था।

यश दयाल इस समय दो अलग-अलग मामलों में यौन शोषण के आरोपों का सामना कर रहे हैं। गाजियाबाद की एक महिला ने आरोप लगाया है कि दयाल ने शादी का झांसा देकर पांच साल तक उसका भावनात्मक और शारीरिक शोषण किया। इस शिकायत के बाद उनके खिलाफ रेप का मामला दर्ज हुआ।

इसके अलावा जयपुर में एक नाबालिग के साथ दुष्कर्म का भी आरोप लगाया गया है। आरोप है कि दयाल ने क्रिकेट में मदद का भरोसा देकर 17 साल की लड़की के साथ 2023 में दुष्कर्म किया। इस मामले में जयपुर के सांगानेर सदर थाने में FIR दर्ज है।

राजस्थान हाईकोर्ट ने जनवरी में इस मामले में दयाल को अंतरिम राहत दी थी। जिसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट में अलग याचिका दाखिल की।

जनवरी में जब यश दयाल को जमानत मिली थी, तब भी श्वेता ने सोशल मीडिया पर खुशी जताई थी और इसे जस्टिस यानी न्याय कहा था।

आरसीबी ने 5 करोड़ में रिटेन किया गया

28 साल के यश दयाल आईपीएल 2026 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेलेंगे। उन्हें पिछले साल की नीलामी से पहले आरसीबी ने 5 करोड़ रुपए में रिटेन किया था। दयाल ने 2022 में गुजरात टाइटंस के साथ आईपीएल डेब्यू किया था और उसी साल टीम के साथ खिताब भी जीता था।

तेलंगाना विधान सभा का बजट सत्र आज से

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधान सभा के तृतीय कार्यकाल का आठवां सत्र तथा तेलंगाना विधान परिषद का 26वां सत्र सोमवार को प्रातः 11 बजकर 45 मिनट पर प्रारम्भ होगा। सत्र की कार्यवाही राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल के अभिभाषण से आरम्भ होगी। नवनियुक्त राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार इस सत्र को लगभग दस दिनों तक चलाने की योजना बना रही है। सत्र के पहले दिन विधान सभा परिसर में 'तेलंगाना तल्ली की प्रतिमा का अनावरण भी प्रस्तावित है। हालांकि प्रतिमा की रूपरेखा को लेकर भारत राष्ट्र समिति के नेताओं ने आपत्ति व्यक्त की है। सत्र की तैयारियों के संबंध में विधान सभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार तथा विधान परिषद के सभापति गुथा सुखेन्दर रेड्डी ने रविवार को समीक्षा बैठक की। यह बैठक विधान सभा भवन के समिति कक्ष में आयोजित की गई, जिसमें राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी और पुलिस विभाग के उच्च अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में विधान परिषद के उपसभापति बंडा प्रकाश मुदिराज, विधायी कार्य मंत्री दुद्दिला श्रीधर बाबू, सड़क एवं भवन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में विधान सभा अध्यक्ष ने कहा कि बजट सत्र अत्यंत महत्वपूर्ण होता है और इसकी कार्यवाही कई दिनों तक चलती है। इसलिए सदन के भीतर और बाहर शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखना आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचने के लिए कड़े सुरक्षा प्रबंध किए जाएं और सदस्यों द्वारा मांगी गई जानकारी समय पर उपलब्ध कराई जाए, ताकि सत्र की कार्यवाही सुचारू रूप से चल सके।

महिला हॉकी विश्व कप के लिए टीमों का चयन

टूर्नामेंट में कई प्रसिद्ध खेल हस्तियां भी शामिल हुईं

महिला हॉकी वर्ल्ड क्वालिफाइंग टूर्नामेंट का समापन

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शहर एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय खेल मंच के रूप में उभरा, जब गच्चीबाली हॉकी स्टेडियम में आयोजित महिला हॉकी वर्ल्ड क्वालिफाइंग टूर्नामेंट का सफलतापूर्वक समापन हुआ। तेलंगाना स्पोर्ट्स अथॉरिटी के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता ने न केवल खेल प्रेमियों को रोमांचित किया, बल्कि तेलंगाना की मेहमाननवाजी, आयोजन क्षमता और खेलों के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को भी वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित किया।

टूर्नामेंट का भव्य उद्घाटन 8 मार्च को हुआ, जिसमें तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उद्घाटन समारोह में विभिन्न देशों से आए खिलाड़ी, अधिकारी और बड़ी संख्या में दर्शक मौजूद रहे। कार्यक्रम में तेलंगाना की सांस्कृतिक झलक और खेल उत्साह का अनोखा संगम देखने को मिला। यह प्रतियोगिता अंतरराष्ट्रीय हॉकी कैलेंडर की महत्वपूर्ण कड़ी मानी जाती है। इस टूर्नामेंट के जरिए अगस्त में नीदरलैंड्स और बेल्जियम में होने वाले महिला हॉकी विश्व कप के

लिए टीमों का चयन किया गया। प्रतियोगिता में भारत के अलावा ऑस्ट्रिया, इंग्लैंड, इटली, कोरिया, स्कॉटलैंड, उरुग्वे और वेल्स की टीमों ने हिस्सा लिया। सभी मुकाबले रोमांचक रहे और खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल भावना का परिचय दिया।

टूर्नामेंट के आयोजन में तेलंगाना स्पोर्ट्स अथॉरिटी ने अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप व्यापक तैयारियां कीं। गच्चीबाली हॉकी स्टेडियम में आधुनिक एस्ट्रोटर्फ बिछाया गया और दर्शकों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं।

विदेशी टीमों की सुरक्षा, आवास, परिवहन और चिकित्सा सुविधाओं का विशेष प्रबंध किया गया। हर टीम के लिए लायजन अधिकारी नियुक्त किए गए, जिन्होंने खिलाड़ियों की जरूरतों का समन्वय किया। आयोजन में हॉकी इंडिया और अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ के प्रतिनिधियों का भी महत्वपूर्ण सहयोग रहा। हैदराबाद पहुंचे खिलाड़ियों और अधिकारियों ने शहर की मेहमाननवाजी और उत्कृष्ट व्यवस्थाओं की सराहना की। इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता को राज्य सरकार का पूरा समर्थन मिला। उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं, जबकि समापन समारोह में उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में खेल मंत्री वाकिटी श्रीहरी, मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, मंत्री सीतक्का, मंत्री पोन्नम प्रभाकर और पूर्व भारतीय क्रिकेटर तथा जनप्रतिनिधि मोहम्मद अजहरुद्दीन सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। टूर्नामेंट में कई प्रसिद्ध खेल हस्तियां भी शामिल हुईं। ट्रिपल ओलंपियन और पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित मुकेश कुमार ने कार्यक्रम में भाग लेकर युवा खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। इसके अलावा तेलंगाना की महिला खिलाड़ी निधि कुल्लर, एंदला सौंदर्या, अर्जुन पुरस्कार विजेता ईशा सिंह और दीप्ति जीवनजी, एथलीट सत्ती गीता सहित कई खेल हस्तियां भी स्टेडियम में मौजूद रहीं। टूर्नामेंट के दौरान स्टेडियम में दर्शकों की भारी भीड़ देखने को मिली। तेलंगाना स्पोर्ट्स अथॉरिटी द्वारा किए गए व्यापक प्रचार के कारण बड़ी संख्या में युवा मैच देखने पहुंचे। ऑनलाइन टिकट व्यवस्था के जरिए दर्शकों ने आसानी से टिकट खरीदकर मैचों का आनंद लिया। मैचों के बीच आयोजित लेजर शो और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने भी दर्शकों का खूब मनोरंजन किया, जिससे पूरा स्टेडियम खेल उत्सव में तब्दील हो गया।

तेलंगाना स्पोर्ट्स अथॉरिटी की प्रबंध निदेशक डॉ. सोनी बालादेवी के नेतृत्व में अधिकारियों, हॉकी इंडिया और अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ के बीच बेहतर समन्वय ने इस प्रतियोगिता को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विशेषज्ञों का मानना है कि इस सफल आयोजन से तेलंगाना ने अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों के लिए अपनी क्षमता साबित की है। भविष्य में हैदराबाद और भी बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों का केंद्र बन सकता है। गच्चीबावली में आयोजित महिला हॉकी वर्ल्ड क्वालिफाइंग टूर्नामेंट तेलंगाना के खेल इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में दर्ज हो गया है। यह आयोजन राज्य में खेलों के विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक माना जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने राज्यपाल से मुलाकात की

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने तेलंगाना के नए राज्यपाल से मुलाकात की और उन्हें शुभकामनाएं दीं। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने लोक भवन में तेलंगाना के नए राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से शिष्टाचार मुलाकात की। तेलंगाना के राज्यपाल के रूप में उनकी नियुक्ति के अवसर पर, केंद्रीय मंत्री ने उन्हें फूलों का गुलदस्ता भेंट किया और अपनी शुभकामनाएं दीं।

अत्तापुर में अतिक्रमण हटाने पर हल्का तनाव

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अत्तापुर में रविवार को हल्का तनाव पैदा हो गया, जब हाईड्रा की टीमों ने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर लगभग 6,000 वर्ग गज भूमि के चारों ओर लगाई गई टिन की चादरों को हटा दिया। यह जमीन एक विशेष समुदाय के स्वामित्व वाली बताई जा रही थी। बताया गया कि स्वयंभू अनंत पद्मनाभस्वामी मंदिर के पास कथित अतिक्रमण को लेकर पिछले कुछ दिनों से विरोध प्रदर्शन चल रहे थे। मंदिर समिति का आरोप है कि धार्मिक स्थल के निर्माण के लिए जमीन पर कब्जा किया गया था। शिकायत मिलने के बाद हाईड्रा अधिकारियों ने दो दिन पहले स्थल का निरीक्षण किया था। इसके बाद रविवार को टीम ने पुलिस की मौजूदगी में अस्थायी टिन-शीट की बाड़ को हटाया। कार्रवाई के दौरान कुछ लोगों ने विरोध जताते हुए कहा कि हाईड्रा पेशेवर तरीके से काम नहीं कर रहा है। वहीं अधिकारियों का कहना है कि संबंधित जमीन सरकारी है और इसकी पुष्टि सरकारी रिकॉर्ड से की जा चुकी है।

व्यवसायी के घर से 2 करोड़ की चोरी, नौकर दंपति फरार

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स में एक व्यवसायी के घर से करीब 2 करोड़ रुपये की संपत्ति चोरी होने का मामला सामने आया है। नेपाल के एक नौकर दंपति सहित अंतरराष्ट्रीय गिरोह के शामिल होने की आशंका है, जो वारदात के बाद फरार हो गया। पुलिस के अनुसार, नेपाल मूल के इस दंपति को करीब डेढ़ महीने पहले रोड नंबर 25 स्थित अनिरुद्ध रेड्डी के घर में घरेलू नौकरानी और सुरक्षा गार्ड के रूप में रखा गया था। शनिवार रात जब परिवार सो रहा था, तब दंपति एक बेडरूम में घुस गया और लॉकर तोड़कर उसमें रखे सोना, चांदी, हीरे और महंगी घड़ियां लेकर फरार हो गया। चोरी का पता रविवार सुबह तब चला, जब घर के मालिक और उनकी पत्नी उठे और नौकरों को गायब पाया। अलमारी की जांच करने पर सामान चोरी होने का खुलासा हुआ। शिकायत मिलने के बाद जुबली हिल्स पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने मौके से सीसीटीवी फुटेज भी कब्जे में ले लिया है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

जीएचएमसी के ई-कचरा संग्रह अभियान को जबरदस्त जनसमर्थन

दो दिनों में 15 टन कचरा एकत्र

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) द्वारा शहर में जिम्मेदार इलेक्ट्रॉनिक कचरा प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए चलाए गए विशेष अभियान को नागरिकों का उत्साहजनक समर्थन मिला। दो दिवसीय अभियान के दौरान लगभग 15,000 किलोग्राम यानी 15 टन ई-कचरा एकत्र किया गया। नागरिकों का उत्साहजनक समर्थन मिला। दो दिवसीय अभियान के दौरान लगभग 15,000 किलोग्राम यानी 15 टन ई-कचरा एकत्र किया गया। यह विशेष अभियान प्रजा पालन-प्रगति प्रणालिका कार्यक्रम के तहत 14 और 15 मार्च को शहर के सभी 30 मंडलों में चलाया गया। बड़ी संख्या में नागरिक पुराने मोबाइल फोन, संगणक, चार्जर, कुंजीपटल तथा अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जमा कराने के लिए पहुंचे। जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन ने क्षेत्रीय आयुक्तों और उप आयुक्तों के साथ मिलकर अभियान की निगरानी की। अभियान के लिए जीएचएमसी सीमा के भीतर कुल 110 संग्रह केंद्र बनाए गए थे। इन केंद्रों पर अधिकारी, स्वच्छ साथी स्वयंसेवक, स्वयं सहायता समूह तथा गैर-सरकारी संगठनों ने मिलकर कार्यक्रम को सफल बनाया। जे. वेंगल राव पार्क में बनाए गए संग्रह केंद्र पर लगभग 450 किलोग्राम ई-कचरा जमा हुआ। यहां भाग लेने वाले नागरिकों को 4,500 पुरस्कार अंक प्रदान किए गए। इसी प्रकार इंदिरा पार्क में लगभग 510 किलोग्राम ई-कचरा एकत्र किया गया। यहां भाग लेने वाले नागरिकों को कुल 20,874 की नकद प्रोत्साहन राशि दी गई। शहरभर में संग्रह का विवरण के दौरान कुल ई-कचरा संग्रह 15,000 किलोग्राम किया गया।

अभियान में नागरिकों की भागीदारी बढ़ाने के लिए पुरस्कार अंक और नकद प्रोत्साहन की व्यवस्था की गई थी। अधिकृत पुनर्चक्रण संस्थाओं ने स्थल पर ही पुरस्कार वितरित किए, जिससे लोगों में जिम्मेदारी के साथ ई-कचरा निपटान के प्रति जागरूकता बढ़ी। अभियान से पहले स्वच्छता वाहनों के माध्यम से घर-घर जाकर नागरिकों को इसकी जानकारी दी गई। संग्रह केंद्रों पर बड़े बैनर लगाए गए और प्राप्त ई-कचरे का विवरण दर्ज करने के लिए रजिस्टर रखे गए। जीएचएमसी ने इसी प्रकार के ई-कचरा संग्रह अभियान की अगली तिथियां भी, 11-12 अप्रैल तथा 9-10 मई घोषित है। जीएचएमसी ने शहरवासियों से अपील की है कि वे इलेक्ट्रॉनिक कचरे को सामान्य कूड़े के साथ न फेंकें। अधिकृत संग्रह अभियानों का उपयोग कर पर्यावरण संरक्षण में सहयोग करें, ताकि इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में मौजूद हानिकारक तत्वों से होने वाले नुकसान से बचा जा सके और उनमें मौजूद मूल्यवान सामग्री का पुनर्चक्रण संभव हो सके।

पूर्व सरपंच की पत्नी पर बेटी की हत्या का आरोप

नालगोंडा, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। यदाद्री भुवनगिरी जिले के तुक्कापुरम गांव में एक महिला पर अपनी ही बेटी की हत्या करने और बेटे की हत्या का प्रयास करने का आरोप लगा है।

इसके बाद उसने आत्महत्या की कोशिश भी की। महिला की पहचान जैनपल्ली के पूर्व सरपंच बी नरेंद्र रेड्डी की पत्नी रत्नाकला के रूप में हुई है। घटना के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। बताया गया कि रत्नाकला ने पहले अपनी 14 वर्षीय बेटी कीर्तना रेड्डी की गला काटकर हत्या कर दी।

इसके बाद उसने अपने बेटे अशांत रेड्डी को भी मारने की कोशिश की, लेकिन वह किसी तरह भाग निकला और शोर मचा दिया। बेटे की चीखें सुनकर रत्नाकला ने छत से लटककर आत्महत्या करने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर उसे बचा लिया। रत्नाकला की हालत गंभीर बताई जा रही है और उसे इलाज के लिए हैदराबाद भेजा गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मादक पदार्थों के तस्करी पर कठोर दंड दिया जाए : केटीआर

मामलों में राजनीतिक बदले की राजनीति का आरोप

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामा राव ने मादक पदार्थों के सेवन और तस्करी की कड़ी निंदा करते हुए कहा है कि ऐसे मामलों में शामिल लोगों के विरूद्ध सख्त दंड दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि नशीले पदार्थों का सेवन लोगों को राक्षस बना देता है। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव ने रविवार को जारी एक वक्तव्य में कहा कि मादक पदार्थों का सेवन और अवैध गतिविधियां समाज के लिए गंभीर खतरा हैं। उन्होंने कहा कि जिम्मेदार पदों पर बैठे कुछ लोगों के भी नशीले पदार्थों के सेवन में शामिल होने की खबरें अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि जो भी व्यक्ति मादक पदार्थों का सेवन करता है या उनकी आपूर्ति करता है, उसके विरूद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए, चाहे वह किसी भी

राजनीतिक दल से जुड़ा क्यों न हो। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वे व्यक्तिगत रूप से मादक पदार्थों और किसी भी अवैध नशीले पदार्थ के सेवन के सख्त विरोधी हैं। इस दौरान रामाराव ने मादक पदार्थों से जुड़े मामलों में उनकी पार्टी को घसीटने के प्रयासों पर भी कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि भारत राष्ट्र समिति के खिलाफ मादक पदार्थों के मामलों का उपयोग कर राजनीतिक बदला लेने की कोशिश घृणित राजनीति का उदाहरण है। रामाराव ने महेश कुमार गौड़ द्वारा दिए गए बयान का स्वागत करते हुए कहा कि वह किसी भी प्रकार की जांच के लिए तैयार हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सभी दलों के जनप्रतिनिधियों को समान रूप से ऐसी जांच से गुजरना चाहिए। उन्होंने कहा, मैं पहले भी किसी भी जांच के लिए अपनी सहमति दे चुका हूं। मेरा मानना है कि सभी दलों के निर्वाचित प्रतिनिधियों को भी ऐसी जांच से गुजरना चाहिए ताकि एक उदाहरण स्थापित हो सके। इसके साथ ही रामाराव ने चेतावनी दी कि यदि बिना किसी ठोस प्रमाण के उनका नाम किसी मादक पदार्थ मामले में जोड़ा गया तो वह कानूनी कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कहा कि हर मामले में उनका नाम घसीटने की कोशिश की गई तो संबंधित लोगों को विधिक नोटिस भेजा जाएगा।

हैदराबाद में दुर्लभ स्किमर पक्षी दिखा

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के किस्तारेड्डीपेटा झील पर एक दुर्लभ और लुप्तप्राय स्किमर पक्षी देखे जाने से पक्षी प्रेमियों में उत्साह फैल गया है। यह हैदराबाद क्षेत्र में इस प्रजाति का पहला सत्यापित रिकॉर्ड माना जा रहा है। जानकारी के अनुसार, केआईएमएस अस्पताल के कार्डियक सर्जन डॉ. निसर्गा ने अपनी नियमित बर्डवॉचिंग के दौरान 9 मार्च की शाम इस पक्षी को झील किनारे आराम करते हुए देखा। उनके साथ उनकी पत्नी भी मौजूद थीं। विशेषज्ञों के मुताबिक, इंडियन स्किमर एक लुप्तप्राय प्रजाति है और इसकी वैश्विक आबादी लगभग 4 हजार के आसपास मानी जाती है। यह पक्षी अपनी चमकीली नारंगी चोंच और पानी की सतह को छूते हुए उड़ने की अनोखी शैली के लिए जाना जाता है। आमतौर पर इस पक्षी को देखने के लिए चंबल नदी, आंध्र प्रदेश के भैरवपलेम या तेलंगाना के मिड-मनैर जैसे क्षेत्रों में जाना पड़ता है। अब तक हैदराबाद इस प्रजाति के मानचित्र में शामिल नहीं था। विशेषज्ञों का अनुमान है कि यह पक्षी प्रवास के दौरान अपने झुंड से बिछड़ गया होगा और आराम के लिए झील पर रुका होगा। अगले दिन इसके दिखाई न देने से माना जा रहा है कि यह आगे की यात्रा पर निकल गया।

गरीब मुसलमानों को रमजान उपहार वितरित

संगारेड्डी, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पाटनचेरु के विधायक गुडेम महिपाल रेड्डी ने रविवार को रमजान के अवसर पर क्षेत्र के गरीब मुसलमानों को उपहार वितरित किए। विभिन्न मस्जिदों में आयोजित कार्यक्रमों के दौरान उन्होंने समुदाय के लोगों से मुलाकात की और शुभकामनाएं दीं। बताया गया कि लगभग 3,500 जरूरतमंद लोगों को रमजान किट और अन्य उपहार दिए गए, ताकि वे त्योहार को खुशी से मना सकें।

इस मौके पर विधायक ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में बीआरएस सरकार ने मुसलमानों के विकास को प्राथमिकता दी थी और गरीबों को रमजान उपहार देने की परंपरा शुरू की थी। उन्होंने कहा कि वे भी इसी परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अपने निर्वाचन क्षेत्र में मुसलमानों के कल्याण के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में बीआरएस नेता मेट्टू कुमार यादव, विजय कुमार सहित कई लोग मौजूद रहे।

गरज-बारिश से गर्मी से राहत के आसार

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद और तेलंगाना के कई जिलों में भीषण गर्मी से जूझ रहे लोगों को राहत मिलने वाली है। जहां पिछले दिनों अधिकतम तापमान 36 से 40 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ था, वहीं भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी), हैदराबाद ने शुक्रवार, 20 मार्च 2026 तक गरज के साथ बारिश और तापमान में गिरावट की संभावना जताई है। रविवार सुबह जारी पूर्वानुमान के अनुसार, अगले पांच दिनों में अधिकतम तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक धीरे-धीरे कमी आएगी।

इस दौरान तेलंगाना के कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। मौसम विभाग ने सोमवार, 16 मार्च से शुक्रवार, 20 मार्च तक अलग-अलग इलाकों में बिजली गिरने और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ बारिश की चेतावनी भी दी है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, दक्षिण-पूर्व दिशा से आ रही नमी वाली हवाएं और वायुमंडल में बढ़ती ऊष्मीय अस्थिरता इस बदलाव की मुख्य वजह है। उनका कहना है कि गरज-बारिश का यह दौर रविवार, 22 मार्च तक जारी रह सकता है।

हजारों साल पुराना पत्थर का औजार मिला

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कोत्ता तेलंगाना चरित्र ब्रुंडम के सदस्यों ने मंचिरेवुला स्थित बीरप्पा गुड़ी की पहाड़ी पर हजारों वर्ष पुराना क्वार्ट्ज पत्थर का औजार खोजा है। यह खोज ऊपरी पुरापाषाण काल से जुड़ी मानी जा रही है। संयोजक श्रीरामोजू हरगोपाल के अनुसार, यह औजार प्राचीन मानवों द्वारा उपयोग किए जाने वाले उपकरणों का महत्वपूर्ण प्रमाण है। उन्होंने क्लाइमेट फ्रंट तेलंगाना के उपाध्यक्ष मीर उमर अली खान के साथ मंदिर के पीछे एक चट्टानी आश्रय के पास इस औजार की पहचान की।

मिले हुए पत्थर के औजार की लंबाई लगभग 7 सेंटीमीटर और परिधि 11 सेंटीमीटर बताई गई है। विशेषज्ञों के अनुसार यह एक नुकीला क्वार्ट्ज उपकरण है, जो छोटी कुल्हाड़ी या हाथ के औजार जैसा दिखाई देता है। धारवाड़ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर रवि कोरिसट्टार ने तस्वीर देखने के बाद इसे ऊपरी पुरापाषाण काल का क्वार्ट्ज पॉइंट बताया है। यह काल लगभग 40 हजार से 10 हजार वर्ष पहले का माना जाता है, जब आदिमानव पत्थरों से औजार बनाते थे। विशेषज्ञों का कहना है कि यह खोज हैदराबाद के प्राचीन इतिहास के लिए महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हो सकती है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.